9.6

३८

थान

र्गो श्री

ली

५३८

सम्मत्यर्थ

सं. १४०

कृपया इस ग्रन्थको निम्नांकित तिथि पर या उसके पूर्व

राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों
की
★ ग्रन्थ–सूची ★

(भाग २)

[जयपुर के श्री दि० जैन मन्दिर पं० लूणकरणजी पांड्या एवं दि० जैन मन्दिर बड़ा तेरहपंथियों
के
शास्त्र–भण्डारों की सविवरण सूची]

◆

सम्पादक :—
श्री कस्तूरचन्द कासलीवाल
एम. ए., शास्त्री,

◆

प्रकाशक :—
बधीचन्द गंगवाल
मन्त्री :—
प्रबन्ध–कारिणी कमेटी
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी
महावीर पार्क रोड, जयपुर

पुस्तक-प्राप्ति-स्थानः—

१. मंत्री श्री० दि० जैन अ० क्षेत्र श्रीमहावीरजी
महावीर पार्क रोड, जयपुर (राजस्थान)

२. मैनेजर श्री दि० जैन अ० क्षेत्र श्रीमहावीरजी
श्रीमहावीरजी (राजस्थान)

३. वीर पुस्तक भण्डार
श्री वीर प्रेस, जयपुर (राजस्थान)

४. वीर पुस्तक मंदिर
श्रीमहावीरजी (राजस्थान)

प्रथम संस्करण
वीर निर्वाण संवत् २४८०
वि० सं० २०१०
जनवरी १९५४

मूल्य
८)

मुद्रकः—
भंवरलाल न्यायतीर्थ
श्री वीर प्रेस, जयपुर।

★ विषय–सूची ★

पृष्ठ संख्या

१. प्रकाशकीय .... अ
२. सम्पादकीय .... इ
३. महत्त्वपूर्ण एवं अप्रकाशित ग्रन्थों के नाम .... क
४. शुद्धाशुद्धिपत्र .... ग
५. ग्रन्थसूची:—

विषय	पं० लूणकरणजी के मन्दिर के ग्रन्थ पृष्ठ	बड़े मन्दिर के ग्रन्थ पृष्ठ
सिद्धान्त एवं चर्चा	१–६	१२५–१४८
धर्म एवं आचार शास्त्र	६–९	१४८–१७५
अध्यात्म	१०–१२	१७५–१९२
न्याय एवं दर्शन	१२–१३	१९३–२०१
प्रतिष्ठा एवं अन्य विधान	१३–१४	२०१–२०२
योगशास्त्र	१५	२०२–२०८
पुराण	१५–१७	२०८–२१९
चरित्र	१७–२०	२२०–२३४
कथा साहित्य	२०–२४	२३५–२४४
काव्य	२४–२६	२४४–२५५
इतिहास	२६	२५५
नाटक	२७	२५६
व्याकरण	२७–२९	२५६–२६५
कोश	२९–३०	२६५–२६८
आयुर्वेद	३१–३५	२६८–२६९
ज्योतिषादि निमित्त-ज्ञान साहित्य	३५–३८	२६९–२७४
मंत्र तंत्रादि	३८–४१	२७५–२७६
छन्दशास्त्र	४१–४२	२७६–२७७

विषय	पं० लूणकरणजी के मन्दिर के ग्रन्थ पृष्ठ	बड़े मन्दिर के ग्रन्थ पृष्ठ
रस एवं अलंकार	४२	२७८–२८०
गणितशास्त्र	—	२८१–२८२
कामशास्त्र	४३	२८२
लोकविज्ञान	४३	२८२–२८५
सुभाषित	४३–४४	२८६–२९१
नीतिशास्त्र	४५	२९२–२९३
स्तोत्र	४६–५४	२९३–३०७
पूजा साहित्य	५५–७०	३०७–३१९
प्राचीन लेख संग्रह	—	३१९–३२०
संगीत एवं नृत्यकला	—	३२०
लक्षण एवं समीक्षा साहित्य	७०–७१	३२१–३२२
स्फुट एवं अवशिष्ट साहित्य	७१–७२	३२२–३२७
संग्रह (गुटके)	७३–१२४	३२८–३६६

६. ग्रन्थकार सूची .... पृष्ठ ३६७–४२८

प्रकाशकीय

राजस्थान जैनों का मुख्य केन्द्र रहा है और अब भी है। सबसे अधिक संख्या में यहीं जैन रहते हैं। यहां के मन्दिर एवं उनमें स्थित शास्त्र भण्डार भारत भर में प्रसिद्ध हैं। यहां के गांव २ और नगर २ में जैन साहित्य बिखरा पडा है जिसे एकत्रित करके प्रकाश में लाने की अत्यधिक आवश्यकता है। मेरा तो दृढ विश्वास है कि राजस्थान के शास्त्र भण्डारों में उपलब्ध होने वाला साहित्य जैन इतिहास ही नहीं किन्तु भारतीय इतिहास तैयार करने के लिये भी अमूल्य निधि है जिसका विद्वानों को अवश्य उपयोग करना चाहिये।

राजस्थान के इस बिखरे हुये साहित्य की खोज एवं छानबीन के विषय में सर्व प्रथम हमें श्री पं० चैनसुखदासजी साहब न्यायतीर्थ जयपुर से प्रेरणा मिली और उन्हीं की प्रेरणा से दि० जैन अ० क्षेत्र श्री महावीरजी की प्रबन्ध कारिणी कमेटी ने साहित्य सेवा का यह पुनीत कार्य अपने हाथ में लिया। सबसे पहिले राजस्थान के शास्त्रभण्डारों में उपलब्ध ग्रन्थों की एक सूची तैयार करवाने का निश्चय किया जिससे उनमें उपलब्ध साहित्य के विषय में विद्वानों को जानकारी प्राप्त हो सके। इसी निश्चय के फल स्वरूप सबसे पहिले आमेर शास्त्र भण्डार व जयपुर शहर के मन्दिरों के भण्डारों की छानबीन एवं सूची तैयार करने का कार्य प्रारम्भ किया गया। क्योंकि अकेले जयपुर के शास्त्र भण्डारों में २०–२५ हजार तक ग्रन्थ मिलने का अनुमान किया जाता है। अब तक शहर के ७ भण्डारों के दस हजार ग्रन्थों की सूची तैयार हो चुकी है। जिनमें प्रथम और इस द्वितीय भाग में मिला कर ६ हजार से अधिक ग्रन्थों की सूचो प्रकाशित हो चुकी है। ग्रन्थ सूची का तीसरा भाग भी प्रायः तैयार सा ही है और उसे भी प्रकाशन के लिए शीघ्र ही प्रेस में दे दिया जावेगा।

ग्रन्थ सूची तैयार करना बडा कठिन कार्य है। जैनों के शास्त्र भण्डारों की प्रायः अच्छी हालत नहीं है। ये शास्त्र भण्डार व्यवस्थित तो होते ही नहीं है किन्तु उनकी दशा भी शोचनीय रहती है। इसलिये जिस भण्डार की सूची बनाने का कार्य प्रारम्भ किया जाता है तो वहां के भण्डार को भी पूर्ण व्यवस्थित बनाना पडता है। शास्त्रों को जो अब तक एक २ वेष्टन में कितनी ही संख्या में पाये जाते थे उन्हें पृथक् २ एक २ वेष्टन में लगाया जाता है तथा उन्हें फिर अकारादिक्रम से रखा जाता है। प्रत्येक शास्त्र के ऊपर एक कार्ड लगा दिया जाता है जिसमें शास्त्र का संक्षिप्त परिचय दे दिया जाता है। इस प्रकार ग्रन्थ सूची बानाने के साथ २ शास्त्र भण्डार को भी पूर्ण रूप से व्यवस्थित बनाना पडता है। इस कार्य में पैसा तो अधिक खर्च होता ही है किन्तु समय भी काफी खर्च हो जाता है। फिर भी हमें तो अत्यधिक

प्रसन्नता है कि शास्त्रों की सूची तो तैयार होती ही है साथ ही साथ भण्डारों की अवस्था भी एक दम बदल जाती है और वे दर्शनीय भी बन जाते हैं।

ग्रन्थ सूची के अतिरिक्त क्षेत्र की ओर से राजस्थान के महत्त्वपूर्ण मूर्त्तिलेखों यंत्र-लेखों एवं शिलालेखों को उतरवाकर उन्हें प्रकाशित करने का भी विचार चल रहा है। किसी योग्य व्यक्ति के मिलते ही यह कार्य भी प्रारम्भ कर दिया जावेगा।

इसी प्रकार प्राचीन साहित्य के प्रकाशन के साथ २ नवीन साहित्य के निर्माण का भी क्षेत्र के अनुसन्धान विभाग की ओर से बराबर कार्य चल रहा है। जैनदर्शन का तुलनात्मक अध्ययन, समन्तभद्राचार्य कृत युक्त्यनुशासन एवं आप्तमीमांसा पर विस्तृत हिन्दी टीकायें भी प्रायः तैयार हैं।

क्षेत्र कमेटी के सामने साहित्य प्रकाशन का काफी वडा कार्य-क्रम है। राजस्थान के शास्त्र भण्डारों में जो महत्त्वपूर्ण अपभ्रंश साहित्य उपलब्ध हुआ है उसके मुख्य २ ग्रन्थों को प्रकाशित करने की हमारी इच्छा है। लेकिन क्षेत्र की आय पहिले से दिनोंदिन कमती होने के कारण इन योजनाओं के कार्यान्वित होने में काफी समय लग जावेगा।

इसके अतिरिक्त दानी सज्जनों का भी कर्तव्य है कि वे अपने दान की दिशा बदलें। अगर हम मन्दिरों के द्रव्य का साहित्य प्रकाशन के पवित्र कार्य में सदुपयोग करें तो इस विषय में पैसे की समस्या हल हो सकती है। मन्दिरों के अधिकारियों से भी मैं यह निवेदन करना अपना कर्तव्य समझता हूं कि वे अपने २ मंदिरों के लिये क्षेत्र के प्रकाशन को खरीदकर हमें पैसे की समस्या को हल करने में मदद दें।

बधीचन्द गंगवाल

आनरेरी मंत्री:—प्रबन्धकारिणी कमेटी

श्री दि० जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी

जयपुर

ता० ४-१-५४

★ प्रस्तावना ★

जैनधर्म में स्वाध्याय–अध्ययन– श्रावकों के दैनिक कर्मों में से एक प्रमुख कर्म है। प्रत्येक श्रावक के लिये शास्त्र–स्वाध्याय करना आवश्यक माना गया है। इतना ही नहीं किन्तु, स्वाध्याय को एक उत्तम तप भी बतलाया गया है। इसलिये जैनों के प्रत्येक धार्मिक स्थानों—मन्दिर एवं चैत्यालयों में छोटा अथवा बड़ा ग्रन्थ भण्डार का होना आवश्यक है, जिससे प्रत्येक स्त्री पुरुष वहीं बैठ कर शास्त्र-स्वाध्याय कर सकें। इस शास्त्र-स्वाध्याय के लिये श्रावकों को नये २ ग्रन्थों की आवश्यकता होती रहती है और उनकी इस आवश्यकता की पूर्त्ति करने के लिये नये नये ग्रन्थों की रचना, अथवा प्रतिलिपि हुआ करती है। इसके उदाहरण हमें ग्रन्थों की लेखक प्रशस्तियों एवं ग्रंथ-प्रशस्तियों में देखने को मिल सकते हैं। इस प्रकार स्वाध्याय प्रेमियों की इस आवश्यकता ने विशाल जैन साहित्य को जन्म दिया। यही नहीं किन्तु इसने जैनाचार्यों एवं अन्य विद्वानों की मेधा शक्ति का भी खूब विकास किया जिससे उन्होंने अपने जीवन के अमूल्य समय को साहित्य के सर्जन तथा अध्ययन अध्यापन में लगाया। उनके महान् परिश्रम का फल यह हुआ कि आज साहित्य का ऐसा कोई अंग नहीं बचा जिस पर जैनाचार्यों ने अपनी लेखनी न चलायी हो।

श्रावकों ने भी साहित्य वृद्धि में अत्यधिक योग दिया। उन्होंने एक २ ग्रन्थ की कितनी ही प्रतियां करवा कर शास्त्रभण्डारों में विराजमान की तथा स्वाध्याय प्रेमियों को निःशुल्क वितरण की। आचार्यों एवं श्रावकों के रस साहित्यानुराग का यह फल हुआ कि आज हमें भारत के प्रत्येक महत्वपूर्ण स्थान पर जैन शास्त्र-भण्डार उपलब्ध होते हैं।

राजस्थान जैन-धर्म एवं जैन-संस्कृति का एक सुदीर्घकाल से केन्द्र रहा है। इस प्रदेश पर सदा क्षत्रिय राजाओं का राज्य रहा है। भारत पर मुसलमानों के आक्रमण के समय में भी सारा राजस्थान राजपूत सरदारों के अधीन था। प्रायः सारे देश में जब मुसलमानों और इसके बाद जब अंग्रेजों का शासन हो गया तब भी इस प्रदेश पर तो सीधे रूप से राजाओं का ही राज्य रहा है। यही कारण है कि राजस्थान भारत के अन्य प्रान्तों की अपेक्षा आक्रमणों आदि के भय से अधिक सुरक्षित रहा। इसके अतिरिक्त यहां के राजा महाराजाओं ने भी विशुद्ध भारतीय संस्कृति से सम्बन्धित तत्वों को आश्रय प्रदान किया तथा उन्हें सुरक्षित रखने का बहुत कुछ श्रेय भी प्राप्त किया। जैनों ने भी यहां के राजा महाराजाओं के शासन को सुचारु रूप से चलाने में उल्लेखनीय एवं स्मरणीय सहयोग प्रदान किया। जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड, सिरोही आदि भूतपूर्व रियासतों में प्राचीन काल में शताब्दियों तक जैनों ने दीवान, मन्त्री, कोषाध्यक्ष आदि प्रतिष्ठित एवं विश्वस्त पदों पर कार्य किया जिससे उन पर वहां के शासकों की श्रद्धा एवं आदर भाव बना रहा। यही कारण है कि आज हमें

राजस्थान में जैन संस्कृति के स्थान २ पर दर्शन होते हैं। आबू के देलवाडा के जैन मन्दिर, जयपुर और सांगानेर के विशाल जैन मन्दिर आदि जैन संस्कृति से सम्बन्धित कृतियें इस बात की साक्षी हैं कि प्राचीन काल में राजस्थान जैन धर्म के प्रधान अभ्युदय का केन्द्र था। यहाँ के शासक यद्यपि जैन धर्मावलम्बी तो नहीं थे किन्तु वे समय समय पर जैन धर्म को प्रभावना के लिये काफी सहयोग दिया करते थे।

राजस्थान में सबसे अधिक शास्त्र-भण्डारों का मिलना इस बात का प्रमाण है कि यहां के लोग बड़े श्रद्धालु और सरस्वती भक्त थे। जहां कहीं भी जैन मन्दिर है वहां छोटा मोटा शास्त्र भण्डार अवश्य है। आमेर, जयपुर, नागौर, जैसलमेर, पाटन, दौसा, मोजमाबाद, दांता, कुचामन, सीकर, मारोठ, जोधपुर, वीकानेर आदि स्थानों के शास्त्र भण्डारों में प्राप्त ग्रन्थों की संख्या की जावे तो सम्भवतः वह एक लाख से अधिक पहुंच सकती है। अकेले नागोर के भट्टारकीय शास्त्र भण्डार में १२-१३ हजार से भी अधिक ग्रन्थ उपलब्ध होते हैं। इन भण्डारों में केवल जैन साहित्य अथवा जैनाचार्यों द्वारा लिखा हुआ साहित्य ही नहीं है किन्तु अजैन विद्वानों द्वारा लिखे हुये ग्रन्थ भी हजारों की संख्या में मिलते हैं। उनमें वहुत से ग्रन्थ तो ऐसे भी हैं जिनकी प्रतियां केवल जैन भण्डारों में ही उपलब्ध हुई हैं। साहित्य के इस महान् संग्रह में जैनों को असाम्प्रदायिकता सदैव प्रशंसनीय रहेगी।

राजस्थान के इन ग्रन्थालयों की सुरक्षा का वास्तविक श्रेय भट्टारकों, यतियों, विद्वानों एवं श्रावकों को है जिन्होंने साहित्य को नष्ट होने से बचा कर साहित्य एवं देश की सबसे बडी सेवा की। उनके इस कठिन प्रयत्न स्वरूप ही आज हमें प्राचीन शास्त्रों के दर्शन होते हैं। लेकिन यह भी कम दुःख का विषय नहीं है कि हमने शास्त्रों की सुरक्षा की ओर तो ध्यान रखा किन्तु जब उनके प्रचार का समय आया तो ग्रन्थों को ताले में बन्द करके हम गहरी मोहनिद्रा में सोते रहे और जगाने पर भी नहीं जागे। इस स्थितिपालकता से हमारी जो हानि हुई, उसका अंदाजा लगाना कठिन है। उन्हें बाहरी आक्रमण से तो किसी तरह बचाया, किन्तु भण्डार के भीतर रहने वाले ग्रन्थों के महान् शत्रु चूहे, दीमक एवं सीम आदि को ग्रन्थों पर प्रहार करने की पूर्ण स्वतन्त्रता देदी, जिससे उन्होंने हजारों ग्रन्थों का सफाया कर दिया। फिर भी हमारा अहोभाग्य है कि जो कुछ हमें विरासत में मिला है वह भी कम नहीं है।

जैसा कि पहिले कहा जा चुका है कि राजस्थान में जितना जैन साहित्य मिलता है उतना भारत के अन्य प्रान्तों में नहीं मिलता। फिर भी इन भण्डारों में उपलब्ध साहित्य के विषय में परिचय प्रकट करने का समाज की ओर से कोई विशेष प्रयत्न नहीं किया गया। जैसलमेर, पाटन, आमेर आदि कुछ भण्डारों को छोड़कर शेष भण्डारों की अभी तक कोई पूरी छानबीन भी नहीं हुई है जिससे यह जाना जा सके कि अमुक भण्डार में कौन कौनसे ग्रन्थ हैं। ग्रन्थालयों का निरीक्षण एवं उनकी सूची आदि के प्रकाशन के कार्य में श्वेताम्बर समाज का प्रयत्न तो अवश्य ही प्रशंसनीय है। लेकिन दिगम्बर जैन समाज का अभी इस ओर कुछ भी ध्यान नहीं गया है। इसलिये मैं सभी दिगम्बर जैन मंदिरों एवं शास्त्र-

भण्डारों के प्रबन्धकों से निवेदन करूंगा कि वे अपने यहाँ के भण्डारों की समुचित व्यवस्था कर उन्हें वास्तविक उपयोग के योग्य बनावें। क्योंकि आज समय की सबसे बड़ी मांग साहित्य-प्रचार ही है।

हर्ष की बात है कि श्री दि० जैन अ० क्षेत्र श्रीमहावीरजी के मन्त्री महोदय एवं प्रबन्ध कारिणी के अन्य सदस्यों ने समय की मांग के अनुसार आज के करीब ५ वर्ष पहले एक छोटे से रूपमें अनुसन्धान विभाग की स्थापना की और ग्रन्थभण्डारों की छानबीन तथा प्राचीन एवं नवीन साहित्य के निर्माण के कार्य को अपने हाथ में लिया। तब से आज तक इस विभाग के अधीन बराबर कार्य चल रहा है। अब तक यहां से आमेर शास्त्र भण्डार की ग्रन्थ सूची, प्रशस्तिसंग्रह, तामिल भाषा का जैन साहित्य, Jainism, key to true Happiness तथा सर्वार्थसिद्धि नामक पुस्तकों का प्रकाशन हो चुका है। आमेर शास्त्र भण्डार की ग्रन्थ सूची एवं प्रशस्ति-संग्रह के प्रकाशित हो जाने से अपभ्रंश भाषा के विशाल साहित्य का परिचय विद्वानों को मिला। जिससे अपभ्रंश साहित्य की लोकप्रियता का विस्तार एवं उसकी विशेषतायें विद्वानों को मालूम हुई। हिन्दी भाषा के आचार्य डा० हजारीप्रसादजी द्विवेदी ने प्रशस्ति-संग्रह पढ़ने के पश्चात् अपने "हिन्दी साहित्य का आदिकाल" नामक ग्रन्थ में जो शब्द लिखे हैं उन्हें पाठकों की जानकारी के लिये नीचे दिया जाता है—

"सन् १९५० में..........आमेर शास्त्र भण्डार (जयपुर) के ग्रन्थों का एक प्रशस्ति-संग्रह प्रकाशित हुआ है जिसमें लगभग ५० अपभ्रंश ग्रन्थों की प्रशस्तियां संग्रहीत हैं। इनमें से कुछ का तो विद्वानों को पहिले भी पता था, कुछ नई हैं। इनमें स्वयम्भू, पुष्पदन्त, पद्मकीर्त्ति, वीर, नयनन्दि, श्रीधर, श्रीचन्द, हरिषेण, अमरकीर्त्ति, यशःकीर्त्ति, धनपाल, श्रुतकीर्त्ति, माणिक्यराज, रइधू आदि की कृतियां हैं। अधिकांश रचनायें १३ वीं शताव्दी के बाद की बतायी गयी हैं। पर उसके बाद भी १६ वीं शताव्दी तक अपभ्रंश में रचनायें होती रही हैं। इस प्रशस्ति संग्रह में रइधू, यशःकीर्त्ति, धनपाल, श्रुतकीर्त्ति, और माणिक्यराज चौदहवीं और उसके बाद के कवि हैं।

ये ग्रन्थ अधिकतर जैन ग्रन्थभण्डारों से ही प्राप्त हुये हैं और अधिकांश जैन कवियों के लिखे हुये हैं। स्वभावतः इनमें जैनधर्म की महिमा गायी गयी है और उस धर्म के स्वीकृत सिद्धान्तों के आधार पर ही जीवन बिताने का उपदेश दिया गया है। परन्तु इस कारण से इन पुस्तकों का महत्त्व कम नहीं हो जाता। परवर्ती हिन्दी साहित्य के काव्य रूप के अध्ययन में ये पुस्तकें बहुत सहायक हैं।"

वर्त्तमान में क्षेत्र की ओर से राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों की वृहद् सूची बनाने का कार्य चालू है। सबसे पहिले जयपुर शहर के शास्त्र भण्डारों की सूची बनाने का कार्य प्रारम्भ किया गया। और अब तक करीब ७ शास्त्र भण्डारों के १७ हजार ग्रन्थों की सूची प्रायः तैय्यार हो चुकी है। प्रस्तुत ग्रन्थ सूची में जयपुर के प्रसिद्ध दो शास्त्र भण्डारों के ग्रन्थों को ही लिया गया है।

शास्त्र भण्डार पं० लूणकरणजी पांड्या जयपुर—

श्री० पं० लूणकरणजी का मंदिर जयपुर के प्रसिद्ध एवं प्राचीन मन्दिरों में से एक है। यह लूणा पांड्या के मन्दिर के नाम से अधिक प्रसिद्ध है। पं० लूणकरणजी जैन यति थे, जो पांड्या कहलाते थे। उनका जन्म कब और कहाँ हुआ तथा वे कब यति बने आदि विषयों के सम्बन्ध में यहाँ के शास्त्र भण्डार में कोई उल्लेख नहीं मिलता। किन्तु इसी भण्डार में यशोधर चरित्र की एक सचित्र प्रति की लेखक-प्रशस्ति में एक उल्लेख मिला है। ÷

इस प्रशस्ति में पं० लूणकरणजी को यशोधर की प्रति भेंट देना लिखा है। यदि ये ही पं० लूणकरणजी हैं तो इनका समय १८-१९ वीं शताब्दी का होना चाहिये। यह भी हो सकता है कि ये पहिले कहीं अन्य स्थान में रहते हों और बाद में जयपुर आकर रहने लगे हों और इसी मन्दिर को अपना केन्द्र स्थान बनाया हो।

इसी भण्डार में पं० लूणकरणजी का एक चित्र भी मिला है जिसमें भगवान के एक ओर पं० लूणकरणजो बैठे हुये हैं तो दूसरी ओर रायचन्दजी खडे हुये हैं। रायचन्दजी नाम उक्त प्रशस्ति में भी आया है और उनके द्वारा यशोधर की सचित्र प्रति पं० लूणकरणजी को भेंट देना लिखा है। इसलिये इन दोनों के आधार पर इनका समय १८-१९ वीं शताब्दी ही निश्चित होता है। ये भट्टारक जगत्कीर्त्ति के शिष्य एवं पं० खींवसीजी के शिष्य थे।

जनश्रुति के अनुसार वे इसी मन्दिर में रहा करते थे और अपना अधिकांश समय साहित्य एवं जन सेवा में ही व्यतीत किया करते थे। उनके कितने ही शिष्य थे। उनमें पं० स्वरूपचंदजी प्रमुख थे। पं० स्वरूपचंदजी भी जयपुर के अच्छे साहित्यकारों में से थे। आयुर्वेद, ज्योतिष एवं मन्त्रशास्त्र आदि के साहित्य से उनकी विशेष रुचि थी। वे स्वयं भी इन विषयों के विद्वान् थे। यही कारण है कि इस शास्त्र भण्डार में मंत्रशास्त्र, ज्योतिष एवं आयुर्वेद आदि विषयों का जयपुर के अन्य शास्त्र भण्डारों की अपेक्षा अधिक साहित्य है। यह ग्रन्थ भण्डार उन्हीं का संग्रह किया हुआ है। अपने जीवन में १ हजार से अधिक हस्तलिखित ग्रन्थों का संग्रह करके उन्होंने साहित्य प्रेम का ज्वलन्त उदाहरण समाज के समक्ष उपस्थित किया।

इस शास्त्र भण्डार में ८०० हस्तलिखित ग्रन्थ एवं २२५ गुटके हैं। सबसे प्राचीन प्रति इस भण्डार में परमात्मप्रकाश की है जो संवत् १४०७ में लिखी गयी थी। भण्डार में कई सचित्र प्रतियां हैं इन सब में भट्टारक सकलकीर्त्ति कृत यशोधर चरित्र उल्लेखनीय है। इसमें लगभग ३५ चित्र हैं जो सभी

÷ संवत् १७८८ आसोज मासे शुक्लपक्षे दशम्यां तिथौ बुधवासरे वृन्दावत्यां नगर्यां……खंडेलवालान्वये अजमेरा गोत्रे……एतेषां मध्ये चिरंजीवि श्री रायचन्दजी तेनेदं यशोधरचरित्रं निजज्ञानावर्णीकर्मक्षयार्थं भट्टारक श्री जगत्कीर्त्तिं तत् शिष्य विद्वन्मंडलीमंडित पंडितजी श्री खींवसीजी तत् शिष्य पं० लूणकरणाय घटापितं।

कथा के आधार पर तैय्यार किये हुये हैं। चित्र सुन्दर एवं कलापूर्ण हैं। चित्रों पर मुगलकालीन कला की छाप स्पष्ट झलकती है। इस पुस्तक के अतिरिक्त जितनी भी सचित्र प्रतियां हैं वे प्रायः सभी मंत्र शास्त्र एवं विधि विधानों की हैं। ज्वालामालिनी भैरव, पद्मावती, महामृत्युञ्जय यंत्र आदि के चित्र उल्लेखनीय हैं। कुछ चित्र देवो देवताओं के हैं जिनमें पद्मप्रभ, कालिकादेवी, नृसिंहावतार, पद्मावतीदेवी, गणेशजी, धरणेंद्र पद्मावती, सोलहस्वप्न आदि के चित्र आकर्षक हैं। ५० से भी अधिक व्रतों के मण्डलों के एवं ६० के करीव मन्त्रों के चित्र हैं। कलिकुण्डपार्श्वनाथयंत्र, सूर्यप्रतापयंत्र, तोजापौहूतयंत्र, वज्रपंजरयंत्र, चतुःषष्ठियोगिनी आदि के चित्र भी हैं।

शास्त्रभण्डार श्री दि० जैन मन्दिर बडा तेरहपंथियों का जयपुर—

जयपुर नगर वसने के कुछ समय वाद ही इस मन्दिर का निर्माण हुआ। मन्दिर के नाम के पूर्व जो 'बडा' शब्द लगाया गया है, वह तेरह पंथ आम्नाय की दृष्टि से है। तेरह पन्थ आम्नाय वाले मन्दिरों में यह मन्दिर सबसे प्रमुख है। इसके अतिरिक्त यह एक पञ्चायती मन्दिर भी है। प्रारम्भ से ही इस मन्दिर को साहित्यिक एवं धार्मिक क्षेत्र में केन्द्रस्थान होने का सौभाग्य मिला है। जयपुर में होने वाले प्रतिष्ठित साहित्यिकों का भी इस मन्दिर से अत्यधिक सम्पर्क रहा है तथा उनमें से कितने ही विद्वानों को तो इसी मन्दिर में बैठकर ग्रन्थ रचना करने का अवसर भी मिला था। इन विद्वानों में महापंडित टोडरमलजी, पं० जयचन्दजी छावडा, पं० सदासुखजी कासलीवाल, बावा दुलीचन्दजी के नाम उल्लेखनीय हैं।

इस मन्दिर में स्थित शास्त्र भण्डार जयपुर के अन्य शास्त्र भण्डारों को अपेक्षा उत्तम एवं वृहद् है। यहाँ दो शास्त्र भण्डार हैं। एक स्वयं बड़े मन्दिर का शास्त्र भण्डार तथा दूसरा बाबा दुलीचन्दजी द्वारा स्थापित शास्त्र भण्डार। प्रस्तुत पुस्तक में बड़े मन्दिर के शास्त्र भण्डार के ग्रन्थों की ही सूची दी गयी है। बाबा दुलीचन्द के भण्डार की सूची भी तैयार हो गयी है किन्तु उसे अगले भाग में प्रकाशित की जावेगी।

सूची बनाने से पूर्व शास्त्र भण्डार की अवस्था कोई अच्छी नहीं थी। शास्त्र भण्डार में कुल कितने ग्रन्थ हैं और वे कौन कौनसे हैं इसका पूर्ण परिचय मिलना कठिन था। क्योंकि सैकडों ऐसे ग्रन्थ निकले हैं जिनके विषय में कोई भी उल्लेख नहीं था। इसके अतिरिक्त कोई सूचीपत्र न होने के कारण किसी ग्रन्थ को बाहर स्वाध्याय के लिये निकालना कठिन था। सभी ग्रन्थ अव्यवस्थित रूपमें रखे हुये थे। एक २ वेष्टन में दस दस शास्त्र तक बधे हुये थे। तथा बहुत से ग्रन्थ तो विना वेष्टन ही विराजमान थे। सभी गुटके एक आल्मारी में विना वेष्टन ही रखे हुये थे। पता नहीं कितने वर्षों से वे इसी रूपमें आल्मारी की शोभा बढा रहे थे। जिनवाणी माता की यह अवस्था देखकर बहुत दुःख हुआ लेकिन कहा किससे जावे। जिससे भी कहा जावे उसका यही उत्तर होता है कि हमतो इन शास्त्रों के विषय में समझते

नहीं हैं जो उन्हें संभाल कर रखें। मन्दिरों में सोना जड़ाने वाले और उसे थोथे वैभव से अलंकृत करने वाले इस अमूल्य साहित्य का क्या मूल्य जानें। उनके लिये तो शास्त्र भण्डार एक श्रद्धा की वस्तु है जिसकी वे पूजा कर सकते हैं, रक्षा नहीं। चूहे और दीमकों की भेंट चढा सकते हैं लेकिन ग्रन्थ को पढने के लिये शास्त्र भण्डार से बाहर निकाल कर किसी को दे नहीं सकते।

इसी मन्दिर में कुछ ग्रन्थ बोरियों में भरे थे। यह हमारी उस लापरवाही का परिणाम है जिसके अनुसार हम शास्त्रों के पन्ने पडने के लिये घर ले जाया करते थे। लेकिन उन्हें कभी वापिस लौटाने का प्रयत्न नहीं करते थे। मेरे लिये यह तो संभव नहीं था कि सारे अपूर्ण ग्रन्थों के पत्रों को ढूंढ कर पूर्ण कर देता फिर भी एक लंबे अर्से के प्रयत्न अथवा छानबीन के बाद इनमें से कुछ ग्रन्थों को तो पूर्ण कर लिया गया और कुछ अपूर्ण ग्रन्थों के पत्रों का संकलन भी हो सका। हर्ष की बात है कि इन विकीर्ण पत्रों में कुछ ऐसे भी ग्रन्थ मिले जो अभी तक किसी भी शास्त्र भण्डार में उपलब्ध नहीं हुये थे। इन ग्रन्थों में महाकवि स्वयम्भू कृत पउमचरिय एवं महाकवि वीर कृत जम्बूस्वामी चरिउ का संस्कृत टिप्पण है। इन्हीं बोरियों में से करीब ४०० अपूर्ण एवं फुटकर ग्रन्थों का संकलन किया गया। इनमें से कुछ तो इसी सूची में आगये हैं और शेष ग्रन्थों को एक दम अपूर्ण होने से छोड दिया गया है।

इस भण्डार में सब मिला कर २६२६ ग्रन्थ हैं इनमें ३२४ गुटके भी सम्मिलित हैं। इन गुटकों में भिन्न २ छोटे २ पाठों के संग्रह के अतिरिक्त छोटे २ ग्रन्थों का भी संग्रह है। यदि इनमें उपलब्ध साहित्य को देखा जावे तो बहुत से गुटके तो ऐसे मिलेंगे जो एक ही कई ग्रन्थों के बराबर हैं। इस शास्त्र भण्डार में ग्रन्थों का संग्रह प्राचीनता, श्रेष्ठता एवं अन्य सभी दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण है। भाषाओं में संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश एवं हिन्दी इन ४ भाषाओं की रचनाओं का यहाँ संग्रह है। विषय सूची को देखकर पाठकगण जान सकेंगे कि ऐसा कोई उल्लेखनीय विषय नहीं छूटा है जिसके साहित्य का इस भण्डार में संग्रह नहीं किया गया हो। लौकिक एवं पारलौकिक दोनों ही तत्त्वों से सम्बन्धित साहित्य का उत्तम संग्रह आपको इस भण्डार में मिल सकता है।

इस भण्डार में जैन विद्वानों द्वारा लिखे हुये साहित्य का ही संग्रह नहीं है किन्तु जैनेतर विद्वानों द्वारा लिखित ग्रन्थों का भी यहाँ उत्तम संग्रह है। इन ग्रन्थों में व्याकरण, काव्य, कथा, आयुर्वेद, ज्योतिष, संगीत आदि विषयों से सम्बन्धित साहित्य विशेष उल्लेखनीय है। साहित्य संग्रह में जैनों का हमेशा ही उदार दृष्टिकोण रहा है। उन्होंने, जहाँ कहीं भी उत्तम साहित्य मिला उसीका बिना किसी भेद भाव के संग्रह करके अपने शास्त्र भण्डारों की शोभा को बढाया है। साम्प्रदायिकता की हवा साहित्य संग्रह की नीति में उन्हें छू भी नहीं गयी है।

जैसा कि पहिले कहा जा चुका है इस भण्डार में संस्कृत, अपभ्रंश एवं हिन्दी आदि सभी भाषाओं के साहित्य का उत्तम संग्रह है। संस्कृत साहित्य के उपलब्ध ग्रन्थों में अष्टसहस्री, उत्तर-

पुराण की टीका, तत्त्वार्थसूत्र टीका, नागकुमार चरित्र, भरटकद्वात्रिंशिका, राजवंशवर्णन, आदिपुराण की सचित्र प्रति उल्लेखनीय हैं। अष्टसहस्री की संवत् १४६० की एक प्राचीन प्रति भण्डार में प्राप्त हुई है। प्रति शुद्ध एवं सुन्दर है तथा सम्पादन करनेवालों के लिये काफी महत्त्व की है। आचार्य गुणभद्र कृत उत्तरपुराण का एक संस्कृत टिप्पण भी प्राप्त हुआ है जिससे पुराण के गूढ़ अर्थ को समझने में काफी सहायता मिल सकती है। उत्तर पुराण पर मिलने वाला यह पहिला टिप्पण है। जिनसेनाचार्य कृत आदिपुराण की भी एक सचित्र प्रति इसी भण्डार में है। यद्यपि चित्र उतने सुन्दर नहीं हैं फिर भी प्रति दर्शनीय है। भरटकद्वात्रिंशिका में छोटी छोटी ३२ कथाओं का संग्रह है जो छोटे बच्चों के लिये काफी उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। 'राजवंशवर्णन' एक छोटा सा ग्रन्थ है जिनमें भारत में होने वाले प्रायः सभी राजवंशों तथा उनमें होने वाले राजाओं का नाम, उनका शासनकाल आदि दिया हुआ है। इसी प्रकार तत्त्वार्थ सूत्र की टीका एवं नागकुमार चरित्र (धर्मधर कृत) ये दोनों ही रचनायें नवीन हैं और उत्तम हैं।

भण्डार में उपलब्ध अपभ्रंश साहित्य तो और भी महत्त्वपूर्ण है। अपभ्रंश एवं प्राकृत के ग्रन्थों की प्राचीन प्रतियों के अतिरिक्त कुछ ऐसी भी रचनायें हैं जो केवल इसी भण्डार में सर्व प्रथम उपलब्ध हुई हैं। प्राचीन प्रतियों में कुन्दकुन्दाचार्य कृत पञ्चास्तिकाय की संवत् १३२६ की प्रति मिली है जो भण्डार में उपलब्ध प्रतियों में सबसे प्राचीन प्रति है। इसके अतिरिक्त जितनी भी अन्य प्रतियां हैं वे अधिकांश १४ वीं शताब्दी से १६ वीं शताब्दी तक की हैं। महाकवि पुष्पदन्त विरचित आदिपुराण की यहाँ एक सचित्र प्रति भी उपलब्ध हुई है। यह प्रति संवत् १५६७ की है। इसमें ५०० से भी अधिक रंगीन चित्र हैं। सभी चित्र भगवान् आदिनाथ एवं अन्य महापुरुषों के जीवन से सम्बन्ध रखने वाले हैं। चित्र उत्तम एवं कलापूर्ण हैं। नवीन उपलब्ध साहित्य में महाकवि स्वयम्भू कृत पउमचरिय का टिप्पण, महाकवि वीर कृत जम्बूस्वामी पर संस्कृत टिप्पण, आचार्य श्रुतकीर्त्ति कृत योगसार (योगशास्त्र), बारक्खरी दोहा, दामोदर कृत णेमिणाह चरिउ तथा तेजपाल कृत संभवणाह चरिउ उल्लेखनीय हैं। महाकवि धवल के हरिवंशपुराण की एक प्राचीन एवं सुन्दर प्रति भी मिली है। हरिवंशपुराण की एक या दो प्रतियां ही भारतवर्ष में उपलब्ध हैं ऐसा पढने में आया है। इसी प्रकार स्वयम्भू के पउमचरिय एवं वीर के जम्बूस्वामी चरिउ की भी सुन्दर प्रतियां उपलब्ध हुई हैं। इन ग्रन्थों की प्रतियां भी अन्य भण्डारों में बहुत कम संख्या में मिलती हैं।

हिन्दी भाषा की भी कितनी ही नवीन रचनाओं का पता लगा है। इसके अतिरिक्त भण्डार में जैन विद्वानों द्वारा लिखित हिन्दी जैन साहित्य का उत्तम संग्रह है। कवि देल्ह कृत 'चउबीसी गीत' एक हिन्दी की प्राचीन रचना मिली है। इसकी रचना संवत् १३७१ में समाप्त हुई थी। श्री दशरथ निगोत्या द्वारा संवत् १७१८ में विरचित धर्मपरीक्षा की हिन्दी गद्य टीका एवं ब्रह्मनेमिदत्त विरचित नेमिनाथ पुराण की टब्बा टीका हिन्दी गद्य साहित्य की उल्लेखनीय रचनायें हैं। श्री जोधराज गोदीका कृत पद्मनन्दि-पंचविंशति

की भाषा टीका भी उपलब्ध हुई है। इसकी रचना संवत् १७२२ में हुई थी। पं० दौलतरामजी कृत अध्यात्म बारहखडी की एक ऐसी प्रति मिली है जिसमें ४८२६ पद्य हैं। अब तक प्राप्त अध्यात्म बारहखडी की प्रतियों में यह सबसे महत्त्वपूर्ण एवं वृहद् प्रति है। इनके अतिरिक्त अन्य कितनी ही रचनायें हैं जो अनेक दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण हैं। इस प्रकार भण्डार में १४ वीं शताब्दी से लेकर २० वीं शताब्दी तक हिन्दी का उत्तम साहित्य मिलता है।

भण्डार में गुटकों की संख्या ३२४ है। प्राचीन काल में गुटकों में महत्त्वपूर्ण सामग्री के संग्रह करने की काफी रुचि थी। इन गुटकों में दैनिक काम आने वाले पाठों के अतिरिक्त महत्त्वपूर्ण साहित्य का भी संग्रह कर लिया करते थे। भण्डार में उपलब्ध अधिकांश गुटके स्वयं संग्रहकर्त्ता के हाथ से लिखे हुये हैं। कभी कभी श्रावक गण विद्वानों से भी उत्तम पाठ संग्रह करा लिया करते थे। इस भण्डार में उपलब्ध अनेक गुटके बहुत ही महत्त्व के हैं। संवत् १३७१ की जो हिन्दी की रचना मिली है वह भी गुटके में ही संग्रहीत थी। इन गुटकों में पूजा, स्तोत्र, भजन, आयुर्वेद के नुस्खे, मंत्र तंत्र ऐतिहासिक तथ्य आदि का उत्तम संग्रह मिला है। सभी जैन कवियों के पद व भजन संग्रह के अतिरिक्त नानक, गोपीचन्द, कबीर, मीराँ आदि के भी कितने ही पद इन गुटकों में लिखे हुये हैं। २५७ वें गुटके में पाठक गण देखेंगे कि कितने कवियों के सबद लिखे हुये हैं। वास्तव में यदि इन गुटकों के अध्ययन में थोडा समय दिया जावे तो काफी महत्त्वपूर्ण सामग्री की प्राप्ति हो सकती है।

जैसा कि पहिले कहा जा चुका है, बडा मन्दिर सदा ही जयपुर के विद्वानों का केन्द्रस्थान रहा है। इसी कारण इस भण्डार में निम्न विद्वानों के ग्रन्थ उनके स्वयं के हाथ से लिखे हुये भी हैं। स्वयं ग्रन्थ निर्माता के हाथ से लिखे हुये ग्रन्थ की उपलब्धि होना अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। ऐसे ग्रन्थों का ज्यों ज्यों समय बीतता जाता है वैसे ही उनका मूल्य भी बढता चला जाता है। इसलिये ऐसी प्रतियां देश एवं समाज की निधि हैं जिन्हें काफी सतर्कता से सुरक्षित रखने का प्रयत्न करते रहना चाहिये। भण्डार में निम्न विद्वानों के स्वयं अपने हाथ से लिखे ग्रन्थ मिलते हैं—

१. श्री जोधराज गोदीका	पद्मनन्दिपञ्चविंशतिभाषा
२. पं० जयचन्द्रजी छाबडा	१. प्रमेयरत्नमाला भाषा २. द्रव्यसंग्रह भाषा ३. स्वामिकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा भाषा ४. सर्वार्थसिद्धि भाषा ५. अष्टपाहुड भाषा ६. समयसार भाषा ७. ज्ञानार्णव भाषा

पं० सदासुखजी कासलीवाल	१. तत्त्वार्थसूत्र टीका २. रत्नकरण्डश्रावकाचार भाषा

समाप्ति—

शास्त्र भण्डारों की छानवीन करने, ग्रन्थ सूची बनाने आदि का काम कितना परिश्रम साध्य तथा इसमें कितना समय लगता है इसे तो वे ही जान सकते हैं जिन्हें कभी इसका अनुभव हुआ हो। हमारे शास्त्र भण्डारों की अवस्था एवं वहाँ के व्यवस्थापकों का व्यवहार इस कार्य में कितना सहयोगी बनता है इसे यहाँ लिखने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि साहित्यिक क्षेत्र में काम करने वालों से यह छुपा हुआ नहीं है। लेकिन फिर भी हमें यदि कुछ साहित्य सेवा करनी है तो इन सब बातों की ओर से उपेक्षा वृत्ति ही धारण करनी पडेगी।

प्रस्तुत ग्रन्थ सूची विद्वानों के साथ २ साधारण पाठकों के लिये भी उपयोगी बन सके इसके लिये काफी प्रयत्न किया गया है। जहाँ तक हो सका वहाँ तक ग्रन्थकर्त्ता, भाषा, रचनाकाल, लेखनकाल, शुद्ध एवं अशुद्ध आदि की जानकारी देने में काफी प्रयत्न किया गया है, फिर भी यदि कहीं गल्ती रह गयी हो तथा ग्रन्थ सूची तैय्यार करने की रीति में कहीं सुधार की आवश्यकता हो तो पाठकगण मुझे सूचित करने का कष्ट करें जिससे भविष्य में प्रकाशित होने वाली ग्रन्थ सूचियों में उन्हें दूर किया जा सके।

धन्यवाद समर्पण—

सबसे पहिले मैं श्री दि० जैन अ० क्षेत्र श्री महावीरजी के मन्त्री महोदय श्रीमान् सेठ बधीचन्दजी गंगवाल एवं अन्य सदस्यों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने क्षेत्र की आय का एक भाग साहित्य सेवा में लगाने का निश्चय किया है, तथा राजस्थान के सभी शास्त्र भण्डारों को छानबीन करने तथा उनकी सूची आदि प्रकाशित कराने का सक्रिय एवं प्रशंसनीय कदम उठाया है। उनका यह प्रयास समाज की अन्य क्षेत्र संस्थाओं के लिये अनुकरणीय है।

पं० लूणकरजी के मन्दिर के प्रबन्धक बाबू मिलापचन्दजी बागायतवालों को धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकता जिन्होंने अपने शास्त्र भण्डार की सूची बनाने में सक्रिय सहयोग दिया। वास्तव में आप जैसे युवक यदि अन्य शास्त्र भण्डारों की सूची आदि बनाने में सहयोग देवें तो यह कार्य काफी शीघ्रता से किया जा सकता है।

श्री दि० जैन मन्दिर बडा तेरह पंथियों के प्रमुख प्रबन्धक स्व० श्री केशरलालजी पापडीवाल भी धन्यवाद के पात्र हैं। आपकी शीघ्र ही शास्त्र भण्डार को व्यवस्थित एवं उसकी प्रकाशित सूची को देखने की तीव्र इच्छा थी, लेकिन दुःख है कि आप एकाएक चल बसे। आपको हमेशा मन्दिर के प्रबन्ध एवं उसकी व्यवस्था की चिन्ता रहती थी। इसलिये आप अपना अधिकांश समय इसी कार्य में व्यतीत किया करते थे।

—श्र:—

मेरे मित्र एवं सहयोगी श्री अनूपचन्दजी न्यायतीर्थ भी धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने सूची के प रीडिंग एवं लेखक सूची बनाने में पूरा सहयोग दिया है। इस अवसर पर मैं मेरे आदरणीय विद्यादाता एवं पथप्रदर्शक श्री पं० चैनसुखदासजी साहब के प्रति भी कृतज्ञाञ्जलियें प्रकट किये बिना नहीं रह सकता जो मुझे इस पुनीत कार्य में समय २ पर प्रेरणा देते रहे हैं और मेरा पथ प्रदर्शन करते रहे हैं। उन्हींकी सजीव प्रेरणा से मुझसे यह साहित्यिक सेवा सम्पन्न हो रही है।

जयपुर
ता० १-१-५४

कस्तूरचन्द कासलीवाल

कतिपय महत्त्वपूर्ण एवं अप्रकाशित ग्रन्थों के नाम—

ग्रन्थ सं०	ग्रन्थ का नाम	कर्त्ता का नाम	विषय	भाषा	ग्रन्थ-सूची पत्र
२४४	शुकराजहंसराज कथा	माणिक्यसूरि	कथा	संस्कृत	२३
२४८	सिद्धचक्र कथा	नरसेनदेव	,,	अपभ्रंश	२३
२७८	जयपुर के शासकों की वंशावलि	—	इतिहास	हिन्दी	२६
४४४	विद्यानुवाद	मल्लिषेण	मंत्र शास्त्र	संस्कृत	४१
२०७	पञ्चास्तिकाय भाषा	हीरानन्द	सिद्धान्त	हिन्दी	१४४
२४६	सिद्धान्तार्थसार	रइधू	,,	अपभ्रंश	१४७
३७३	पद्मनन्दिपञ्चविंशति	जोधराज गोदीका	,,	हिन्दी	१५६
४७२	रत्नकरण्ड शास्त्र	श्रीचन्द्र	,,	अपभ्रंश	१६७
५६४	अध्यात्मबारहखडी	दौलतरामजी	अध्यात्म	हिन्दी	१७५
६११	योगसार	श्रुतकीर्त्ति	योगशास्त्र	अपभ्रंश	२०५
६८०	आदिपुराण भाषा	अजयराज	पुराण	हिन्दी	२११
६६७	उत्तरपुराण टिप्पण	—	,,	संस्कृत	२१३
१००२	नेमिनाथपुराण टव्वा टीका	—	,,	हिन्दी	२१४
१०२६	पासणाहपुराण	रइधू	,,	अपभ्रंश	२१६
१०४५	हरिवंशपुराण	धवल	,,	,,	२१७
१०४६	,,	यशःकीर्ति	,,	,,	,,
१०८३	णेमिणाहचरिउ	दामोदर	चरित्र	,,	२२१
११०५	नागकुमारचरित्र	पं० धर्मधर	,,	संस्कृत	२२३
१११८	प्रद्युम्नचरित्र	महाकवि सिंह	,,	अपभ्रंश	२२४
११५२	मेघेश्वरचरित्र	पं० रइधू	,,	,,	२२७
११८५	श्रीपालचरित्र	पं० रइधू	,,	,,	२३२
१२१६	संभवनाथचरिउ	तेजपाल	,,	,,	२३३
१२२३	सुकुमालचरिउ	श्रीधर	,,	,,	,,
१२६२	भरटकद्वात्रिंशिका	—	कथा	संस्कृत	२३६
१३७५	जम्बूस्वामी चरिउ	महाकवि वीर	काव्य	अपभ्रंश	२४६
१३६८	पउमचरिय	,, स्वयम्भू	,,	,,	२४८
१३७३	चन्द्रप्रभचरित्र	यशःकीर्त्ति	,,	,,	२४६
१४५७	वर्द्धमानकाव्य	जयमित्रहल	,,	,,	२५३

ग्रन्थ सं०	ग्रन्थ का नाम	कर्त्ता का नाम	विषय	भाषा	ग्रन्थ–सूची पत्र
१४७१	षट्कर्मोपदेशरत्नमाला	अमरकीर्त्ति	काव्य	अपभ्रंश	२५५
१४७४	राजवंशवर्णन	—	इतिहास	संस्कृत	२५५
१६२६	जगसुन्दरीप्रयोगमाल	यशःकीर्त्ति	आयुर्वेद	अपभ्रंश	२६८
१७१४	सौभाग्यरत्नाकर	विद्यानंदनाथ	मंत्रशास्त्र	संस्कृत	२७६
१७३२	अमरूकशतक	असरूक	अलंकार शास्त्र	,,	२७८
१७३४	कविमुखमंडन	ज्ञानमेरुमुनि	,,	,,	,,
१८२५	बारक्खरी दोहा	महचन्द	सुभाषित	अपभ्रंश	२८७
२०१८	शांतिनाथस्तवन	पद्मसुन्दर	स्तोत्र	संस्कृत	३०३
२२२६	संगीतशास्त्रसार	दामोदर	संगीत शास्त्र	,,	३२०
२५६२	गुटका नं० २५६	—	संग्रह	हिन्दी	३८०

★ शुद्धाशुद्धि—पत्र ★

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ तथा पंक्ति
दशनसार	दर्शनसार	४-१३
सिद्धचद्रकथा	सिद्धचक्रकथा	२३-२३
शकुनाणव	शकुनार्णव	३८-१२
सूयप्रतापयन्त्र	सूर्यप्रतापयन्त्र	४१-१४
पंचमसचतुदशीव्रत पूजा	पंचमासचतुर्दशी व्रत पूजा	६४-१२
१७९२	१७००	७०-२५
१६९१	१६९३	७५-९
पल्लयविधान	पल्यविधान	८१-४
शनिञ्चर	शनिश्चर	१०४-१३
कुन्दछुन्दाचार्य	कुन्दकुन्दाचार्य	१०८-२४
हेमचन्द्र	हेमराज	११०-२७
विषभूषण	विश्वभूषण	११२-५
छा०	आ०	११५-१९
शंकराचा	शंकराचार्य	१२०-२८
श्रपणासार	क्षपणासार	१३२-३
सिद्धान्तवचूरि	सिद्धान्तावचूरि	१३७-२१
हीरानद	हीरानन्द	१४४-३
भावात्रिभंगी	भावत्रिभंगी	१४४-२८
श्लोकावार्त्तिक	श्लोकवार्त्तिक	१४५-२२
टोडरमलजी	जयचन्दजी	१४६-२२
भडारी	भंडारी	१४७-१८
५४८	५६३	१४८-९
टंका	टीका	१४८-१२
श्रीमच्चामुड	श्रीमच्चामुंड	१५२-१८
सोलकी	सोलंकी	१५२-२८
बासवा	बसवा	१५४-१

अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ तथा पंक्ति
नेभिदत्त	नेमिदत्त	१५६-२१
ध्यान	धर्म	१६०-११
नभर	नगर	१६३-१८
अस्तिम	अन्तिम	१६४-२१
वह्रेरकाचायें	वट्टेरकाचार्य	१६६-५
वणाश्रमप्रकाशिका	वर्णाश्रमप्रकाशिका	१७०-२३
३००	५००	२०६-५
उमास्वाति	—	३७१-२८
दशलक्षणविद्यालय	दशलक्षणविधान	३७३-२
कुन्दकुन्द	योगीन्द्रदेव	३७४-२१
सुवनकीर्त्ति	भुवनकीर्त्ति	३७६-२

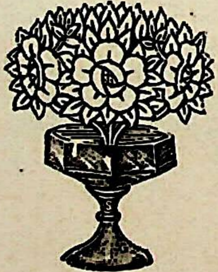

ग्रन्थ सूची (भाग २)

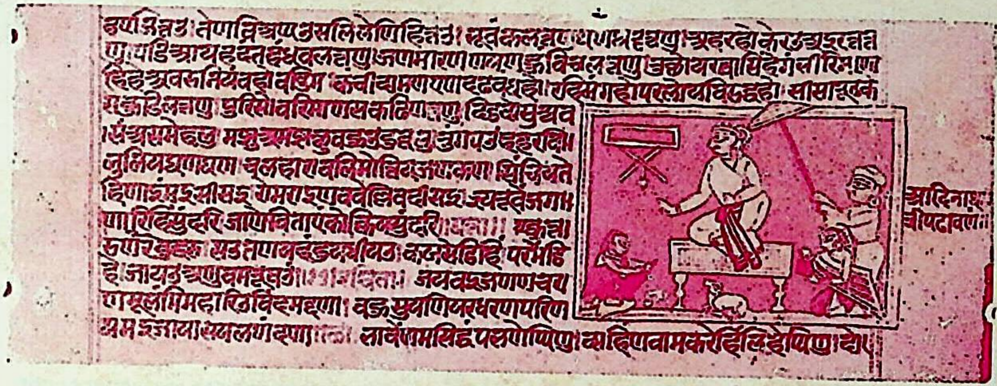

भगवान् आदिनाथ अपनी दोनों पुत्रियों को पढा रहे हैं ।

[महाकवि पुष्पदन्त कृत आदिपुराण की एक सचित्र प्रति जयपुर के श्री दिगम्बर जैन मन्दिर बडा तेरहपंथियों के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध हुई है। यह प्रति संवत् १५६७ की है। इसमें ५०० से अधिक चित्र हैं। सभी चित्र सुन्दर एवं कलापूर्ण हैं।]

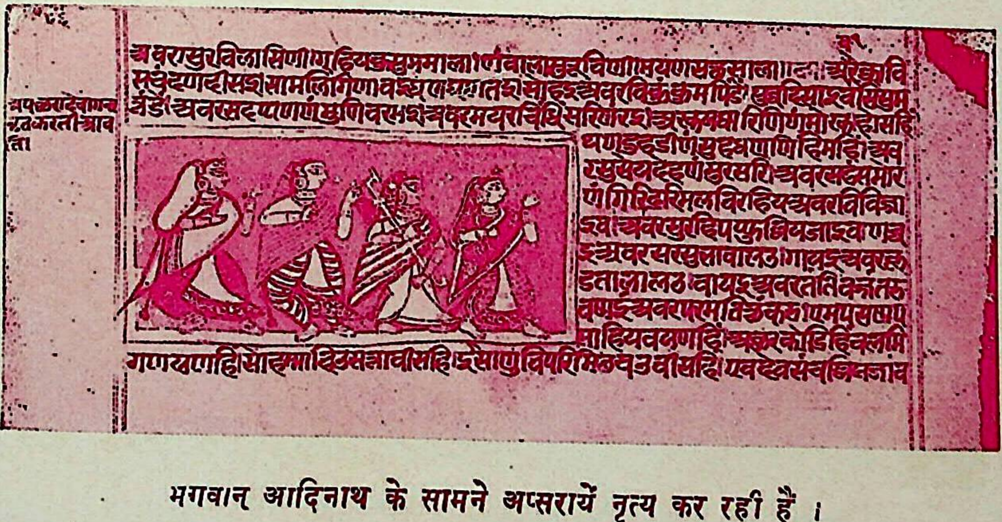

भगवान् आदिनाथ के सामने अप्सरायें नृत्य कर रही हैं ।

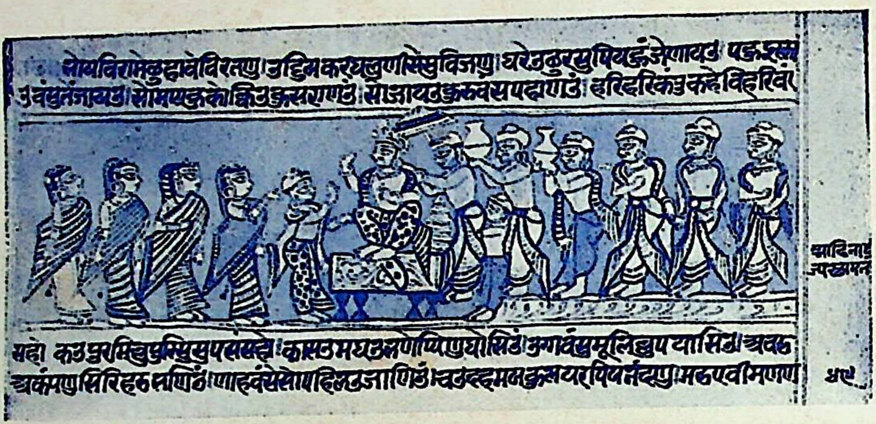

भगवान् आदिनाथ के राज्याभिषेक का एक दृश्य

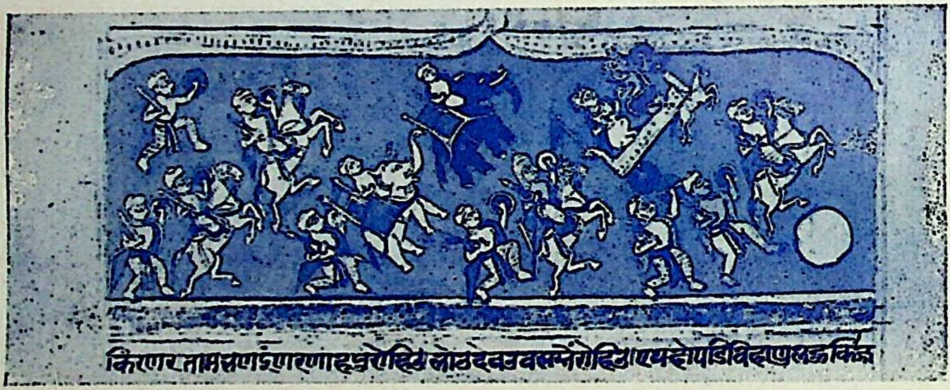

सम्राट् भरत की सेनायें दिग्विजय के लिये प्रस्थान कर रही हैं।

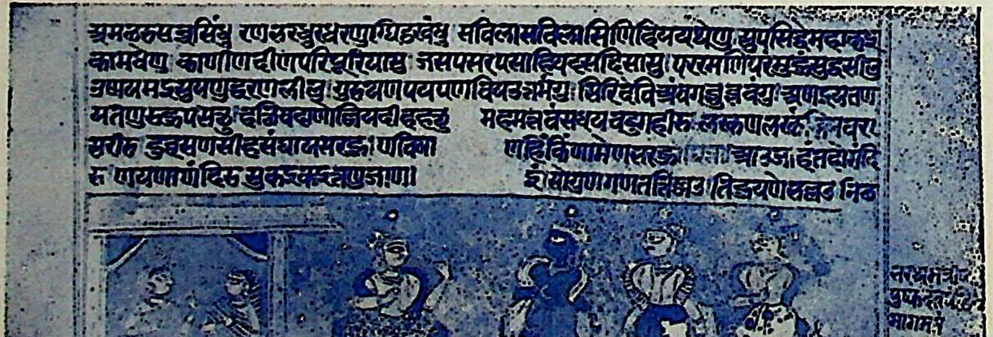

महामन्त्री भरत और महाकवि पुष्पदन्त की प्रथम भेंट।

राजस्थान के जैन शास्त्र भण्डारों
की
ग्रन्थसूची

श्री दि० जैन मन्दिर लूणकरणजी पांड्या (जयपुर) के

ग्रन्थ

विषय–सिद्धान्त एवं चर्चा

ग्रन्थ संख्या–५६

१ **अनन्तकाय वनस्पति भेद**·······। पत्र संख्या–४। साइज–११×४½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–वनस्पतिकाय के जीवों का वर्णन। रचना काल–×। लेखन काल–×। पूर्ण। दशा–सामान्य एवं शुद्ध। वेष्टन नं०–१५।

विशेष–गाथाओं का हिन्दी में संक्षिप्त अर्थ दिया हुआ है। इसमें प्राकृत भाषा में त्रिषष्टिशलाका पुरुष वर्णन तथा हिन्दी में तेरह काठिया वर्णन भी हैं। काठिया का लक्षण निम्न प्रकार से किया है—

जेवटयारे वाट में करहिं उपद्रव जोर।
तिनहिं देस गुजरात में कहहिं काठिया चोर॥

२ **अष्टकर्मप्रकृति**·······। पत्र संख्या–५। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–आठ कर्मों की प्रकृतियों का वर्णन। रचनाकाल–×। लेखनकाल–×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–१६।

३ **आस्रवत्रिभंगी**··· ····। पत्र सं०–५४। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–२५६।

४ प्रति नं०–२। पत्र सं०–४६। साइज–१०×४ इञ्च। लेखनकाल–×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–२५६।

५ **उत्तराध्ययन टीका**–टीकाकार–कमलसंयमोपाध्याय। पत्र सं०–३०७·। साइज–१०½×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–आगम। टीकाकाल सं० १५५४–×। लेखनकाल×। अपूर्ण–प्रारम्भ के २१ तथा ११२ से १४७ तक के पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–२६०।

६ **कर्मकाण्ड**–आचार्य नेमिचन्द्र। पत्र सं०–५३। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–कर्मों का विस्तृत विवेचन। रचनाकाल–×। लेखनकाल–सं० १८७२ पौष सुदी १४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं०······।

७ **कर्मप्रकृति**–आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं०–२२ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–कर्मों की प्रकृतियों का वर्णन । रचनाकाल–× । लेखनकाल–× । पूर्ण । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–२६ ।

विशेष–संस्कृत में कठिन शब्दों के पर्यायवाची शब्द दिये हुए हैं ।

८ प्रनि नं०–२ । पत्र सं०–१५ । साइज–१०×६ इञ्च । लेखनकाल–× । पूर्ण । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–२६

विशेष–संस्कृत में शब्दार्थ दिया हुआ है ।

६ **चतुर्दशगुणस्थानचर्चा**······· । पत्र सं०–१२ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–गुणस्थान चर्चा । रचनाकाल–× । लेखनकाल–× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–४४ ।

१० **चर्चासमाधान**–कवि भूधरदास । पत्र सं०–१२६ । साइज–९½×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–प्रश्नोत्तर के रूप में धार्मिक एवं सैद्धान्तिक प्रश्नों का समाधान । रचनाकाल–सं० १८०६ । लेखनकाल–स० १८३० श्रावण सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं–४१ ।

११ **चर्चासमाधान टीका**········ । पत्र सं०–१० । साइज–९½×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चर्चा । रचनाकाल–× । लेखनकाल–× । पूर्ण । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२ ।

विशेष–१२२ चर्चाओं का समाधान है तथा मुख्यतः ज्ञानावरणीय और दर्शनावरणीय कर्मों पर चर्चायें हैं ।

१२ **चौदहगुणस्थानचर्चा**–श्री दीपचन्द कासलीवाल । पत्र सं०–२६ । साइज–५×२½ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–गुणस्थानों का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२ ।

१३ **चौदहगुणस्थानचर्चा**··············· । पत्र सं०–३१ । साइज ६×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–गुणस्थानों का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२ ।

विशेष–साधारण चर्चायें हैं ।

१४ **जीवसमास**–श्री हेमराज । पत्र सं०–२८ । साइज–९×४½ इञ्च । भाषा–हिंन्दी । विषय–जीव तत्त्व-का वर्णन रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५० ।

विशेष–गोम्मटसार जीवकांड की १४७ गाथाओं के आधार पर जीवों का वर्णन किया गया है ।

१५ **तत्त्वज्ञानतरंगिणी**–भ० ज्ञानभूषण । पत्र सं०–१७ । साइज १०×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल–सं०–१५६० । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५९ ।

१६ **तत्त्वार्थसूत्र**–आचार्य उमास्वाति । पत्र सं०–१८ । साइज–७½×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल–× । लेखनकाल–× । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–६२ ।

१७ प्रति नं०–२ । पत्र सं०–१५ । साइज ८×५½ इञ्च । लेखनकाल–× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–६२ ।

१८ प्रति नं०–३ । पत्र संख्या–११ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–६२ ।

१९ प्रति नं०–४। पत्र संख्या–१०। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल–×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं०–६२।

२० प्रति नं०–५। पत्र संख्या १५। साइज ६½×५¾ इञ्च। लेखनकाल–×। अपूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–२६७।

२१ प्रति नं०–६। पत्र संख्यां–१६। साइज–१०×५ इञ्च। लेखनकाल–×। अपूर्ण एवं शुद्ध–अन्तिम पत्र नहीं है। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–२६७।

विशेष–प्रथम दो अध्याय टीका सहित हैं।

२२ **तत्त्वार्थ सूत्र टव्वा टीका। टीकाकार**–पं० दौलतरामजी। पत्र सं०–४५। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत–हिन्दी। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल–×। लेखन काल–×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं–६५।

विशेष–प्रति प्राचीन है।

२३ **तत्त्वार्थ सूत्र भाषा**–भाषाकार श्री कनककीर्त्ति। पत्र सं०–२७४। साइज–८½×४ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल–×। लेखनकाल सं०–१८१४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं–६४।

२४ प्रतिनं० २। पत्र संख्या १४३। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८६५। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६४।

२५ प्रति नं०–३। पत्र सं० ६४। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल–×। अपूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६४।

२६ प्रति नं०–४। पत्र सं० ६४। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल–×। अपूर्ण–प्रथम अध्याय तक ही है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६४।

२७ प्रति नं०–५। पत्र सं०–१००। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल–×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं०–६६।

२८ **तत्त्वार्थसूत्र टीका**–टीकाकार–श्रीश्रुतसागर। पत्र सं० ४७०। साइज १२×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। टीकाकाल– ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ६३।

२९ **तत्त्वार्थसूत्र सटीक**…………। पत्र सं० २२। साइज १२×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत–हिन्दी। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६५।

विशेष–प्रति प्राचीन है।

३० **द्रव्यसंग्रह**–आचार्य नेमिचंद्र। पत्र सं०–५। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय-द्रव्यों का वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८१० कार्तिक सुदी १५। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७१।

विशेष–पर्यायवाची शब्दों के अतिरिक्त संस्कृत में टीका भी दी हुई है। सवाई जयपुर में संघी जिनदास ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी।

३१ प्रति नं० २ । पत्र सं०–८ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७८३ श्रावण सुदी ६ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

विशेष–संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

३२ प्रति नं० ३ । पत्र सं०–४ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

३३ प्रति नं० ४ । पत्र सं०–८ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

विशेष–प्रति सटीक है ।

३४ प्रति नं० ५ । पत्र सं०–५ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१ ।

३५ दर्शनप्राभृत–आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं०–५ । साइज १२×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

३६ दर्शनसार–श्री देवसेन । पत्र सं०–५ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल× । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

विशेष–संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

३७ प्रति नं० २ । पत्र सं०–३ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

३८ नयचक्रभाषा–श्री हेमराज । पत्र सं०–१७ । साइज–११×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–नयों का विवेचन । रचनाकाल–सं० १७२६ । लेखनकाल–सं० १७९० । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८९ ।

३९ नवतत्त्ववृत्ति………… । पत्र सं०–२५ । साइज–११½×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–तत्त्व चर्चा । रचनाकाल–सं० १८५० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ८७ ।

विशेष–टीकाकार श्री विनयसागर हैं ।

४० प्रति न० २ । पत्र सं०–६ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं०–२८ । साइज ९×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

४२ नियमसार–आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं०–८३ । साइज–११½×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७९४ कार्तिक सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।

विशेष–पद्मप्रभमलधारिदेव कृत संस्कृत टीका भी है ।

४३ पंचास्तिकाय–आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं०–९१ । साइज १०×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–४८ से ५१ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६ ।

४४ भावत्रिभंगी–आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० १४४ । साइज १०½×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२

४५ भावसंग्रह–श्रुतमुनि । पत्र सं० ९२ । साइज १२×५½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल--सं० १७८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १४२

४६ प्रति नं० २ । पत्र सं०३९ । साइज १०½×४½ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४२ ।

४७ लिंगपाहुड–आचार्य कुन्दकुन्द । पत्र सं० ४ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७६ ।

विशेष–इसमें शीलपाहुड भी है ।

४८ विशेषसत्तात्रिभंगी............... । पत्र सं० १७ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७७९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७९ ।

४९ विशेषसत्तात्रिभंगी··· । पत्र सं० ४९ । साइज १२×५½ इंच । भाषा-हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८०७ भादवा सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं. १७९ ।

विशेष–प्रारम्भ में आस्रवत्रिभंगी नाम दिया हुआ है ।

५० प्रति नं०२ । पत्र सं० ४६ । साइज ९×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं१७९

५१ विशेषसत्तात्रिभंगी······ । पत्र सं० ४६ । साइज ९½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूणं एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं १९३ ।

५२ षट्कर्मोपदेशरत्नमाला–पं०लालचन्द । पत्र सं० १३७ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल सं० १८१८ । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रारम्भ के'१०० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०५ ।

५३ प्रति नं० २ । पत्र सं १०६ । साइज १२×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–८ से ५१ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०५ ।

५४ प्रति नं०–३ । पत्र सं० १५५ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २०५ ।

५५ सर्वार्थसिद्धि–पूज्यपाद । पत्र सं० १८९ । साइज १०×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–× । अपूर्ण–१६८,१८५ से १८८ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं–२६७ ।

विशेष–तत्त्वार्थसूत्र की टीका है ।

५६ सूत्रप्राभृत–आचार्य कुन्दकुन्द। पत्र सं० ३। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। बेष्टन नं०–२३५।

विशेष–संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

विषय–धर्म तथा आचारशास्त्र

ग्रन्थ संख्या–४२

५७ चारित्रप्राभृत–आचार्य कुन्दकुन्द। पत्र सं०–५। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय-सम्यग्दर्शनादिक का वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६४।

५८ चारित्रसार–श्री चामुण्डराय। पत्र सं०–६४। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४५।

विशेष–संस्कृत में संक्षिप्त टीका दी हुई है।

५९ चौदहबोल............... । पत्र सं०–३१। साइज ६×४½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–गुणस्थानचर्चा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४५।

६० चौबीसठाणा चर्चा–नेमिचन्द्राचार्य। पत्र सं०–३०। साइज–११×६ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धांत रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। बेष्टन नं० ४३।

६१ प्रति नं० २। पत्र सं०–४८। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३।

६२ प्रति नं० ३। पत्र सं०–५०। साइज–११½×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ४३।

६३ प्रति न० ४। पत्र सं०–२६। साइज–११×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३।

विशेष–संस्कृत में कहीं २ टीका दी हुई है।

६४ प्रति नं० ५। पत्र सं०–५७। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६४।

विशेष–संस्कृत में संक्षिप्त टीका दी हुई है।

६५ प्रति नं०६। पत्र सं०–५३। साइज–१०½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६४।

६६ **चौबीसदण्डक**-पं० दौलतरामजी । पत्र सं०-३ । साइज १८½×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

६७ **त्रिवर्णाचार**-भ० सोमसेन । पत्र सं०-१२३ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-तीन वर्णों के आचार धर्म का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८७१ वैशाख बुदी ९ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० ।

विशेष-लिपिस्थान—जयनगर (जयपुर)

६८ **प्रति नं० २** । पत्र सं०-८८ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल सं० १८३३ अषाढ सुदी ९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० ।

६९ **त्रेपनक्रिया**-ब्रह्म गुलाल । पत्र सं०-३ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-५३ क्रियाओं का वर्णन । रचनाकाल-सं० १६६५ । लेखनकाल सं० १७२२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-५८ ।

७० **त्रेपनक्रियाकोश**-किशनसिंह । पत्र सं-११४ । भाषा-हिन्दी । विषय-क्रियाओं का वर्णन । रचनाकाल-सं० १७८४ । लेखनकाल-सं० १८२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टनं नं०-५८ ।

विशेष—अन्त में कोश की विषय सूची दी हुई है ।

७१ **प्रति नं० २** । पत्र सं०-३३ । साइज-८½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-२६१ ।

७२ **दशलक्षणस्वरूप**.......... । पत्र सं०-३७ । साइज-१२½×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-दश धर्मों का विवेचन । रचनाकाल × । लेखनकाल-× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-७० ।

७३ **प्रति नं०-२** । पत्र सं०-३५ । साइज-१२½×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-७० ।

७४ **द्वादशांगपाठ**.......... । पत्र सं०-३२ । साइज-९×६½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल सं० १९१८ । लेखनकाल-सं० १९५५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

विशेष-२० वें पत्र के आगे हिन्दी पदों का संग्रह है ।

७५ **धर्मरसायन**-आचार्य पद्मनन्दि । पत्र सं० १३ । साइज ११×५½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८७७ श्रावण बुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं ७५ ।

विशेष-लिपिस्थान—जयनगर (जयपुर)

७६ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ६ । साइज ८½×३½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६९ ।

७७ **धर्मसंग्रहश्रावकाचार**-पं मेधावी । पत्र सं० ८५ । साइज १०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल सं० १५४१ । लेखनकाल सं० १६४२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७७ ।

७८ **धर्मोपदेशश्रावकाचार**–ब्रह्म नेमिदत्त । पत्र सं० २३ । साइज १२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७७ ।

७९ **धर्मोपदेशसंग्रह**–सेवारामसाह । पत्र सं० २३७ । साइज ११×३½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ७६ ।

विशेष—कवि प्रशस्ति दी हुई है ।

८० **पद्मनंदि श्रावकाचार**–मुनि पद्मनंदि । पत्र सं० ३८ । साइज १३×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल– सं० १५८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

८१ **पुरुषार्थसिद्धयुपाय**–अमृतचन्द्र सूरि । पत्र सं० २७ । साइज १२×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८१७ आसोज बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

८२ **प्रश्नोत्तरोपासकाचार**–श्री बुलाकीदास । पत्र सं० १४५ । साइज १२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल–सं० १७४७ । लेखनकाल–सं० १९४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं १०८ ।

विशेष—नासरोधा ग्राम में दीवान धनकुंवरजी तेरापन्थी ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

८३ **प्रश्नोत्तरश्रावकाचार**–भट्टारक सकलकीर्त्ति । पत्र सं० ५५ । साइज १२×६ इञ्च । भाषा संस्कृत । विषय–श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६९ ।

८४ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ७१ । साइज ११×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६६ ।

८५ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ९१ । साइज १२×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७९५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०८ ।

विषय—नैणसागर ने जयपुर में महाराजा सवाई जयसिहजी के शासनकाल में ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी ।

८६ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० ५४ । साइज ११×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ७७ ।

८७ **मूलाचार**–शिवकीर्त्ति । पत्र सं०–३७ । साइज १०¾×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं १५३ ।

८८ **मिथ्यात्वमतखंडन**–श्री बखतराम । पत्र सं० ६७ । साइज ८×६½ इञ्च । भाषा–तेरहपंथियों के मत का खण्डन । रचनाकाल–सं० १८७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४६ ।

८९ **मोक्षमार्गप्रकाश**–पं० टोडरमलजी । पत्र सं० २३९ । साइज १२×९½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल । लेखनकाल–सं० १९९५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४६ ।

विशेष—पत्र १४४ से आगे का भाग सं० १९९५ में पूर्ण करवाया गया था ।

९० **लाटीसंहिता (श्रावकाचार)**-पांडे राजमल्ल । पत्र सं० ८५ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल-सं० १६४१ । लेखनकाल-सं० १८६६ अषाढ सुदी ९ मंगलवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १७५

विशेष—प्रशस्ति विस्तृत है । लेखक-दयाचन्द । लेखनस्थान-जयपुर ।

९१ **व्रतोद्योतनश्रावकाचार**-अभ्रदेव । पत्र सं० ३५ । साइज १०½×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावकों के व्रतों का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल सं० १८७७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । पद्य सं० ५३० । वेष्टन नं० ८१ ।

९२ **श्रावकाचार**............... । पत्र सं० २-१६८ । साइज १०×४½ इञ्च । भाषा-गुजराती । लिपि-हिन्दी । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७६ ।

९३ **श्रावकप्रतिक्रमण**............ । पत्र सं० १५ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८१४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०४ ।

९४ **षोडशकारणभावना**....... । पत्र सं० ४६ । साइज १३×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-१६ भावनाओं का विवेचन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७ ।

९५ **श्वेताम्बर मत के ८४ भेद**-श्री हेमराज । पत्र सं० ३ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

विशेष—श्वेताम्बर सम्प्रदाय की उत्पत्ति एवं उसकी मान्यताओं पर प्रकाश डाला गया है ।

९६ **सचित्तवस्तुवर्णनचर्चा**.......... । पत्र सं० १० । साइज १२×६½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सचित्त पदार्थों पर धार्मिक दृष्टिकोण से चर्चा । रचनाकाल × । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३३ ।

९७ **सागारधर्मामृत**-महापंडित आशाधर । पत्र सं० ६४ । साइज ९½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल सं० १२८५ । लेखनकाल-सं० १६०० आसोज बुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३१ ।

विशेष—कुमुदचन्द्रिका टीका सहित है ।

९८ **साधुअतिचार**.......... । पत्र सं० ४ । साइज ८×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-साधु धर्म का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

* * *

विषय–अध्यात्म

ग्रन्थ संख्या–३०

९९ अध्यात्मबत्तीसी–महाकवि बनारसीदास। पत्र सं० २। साइज ११×५ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९।

१०० आत्मानुशासन–आचार्य गुणभद्र। भाषाकार पं टोडरमलजी। पत्र सं० १८०। साइज १०¾×४½ इञ्च। भाषा-संस्कृत हिन्दी। विषय–अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं० १८८२ वैशाख सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५।

विशेष—ग्रन्थ को पंडित लूणकरणजी ने आचार्य गुणकीर्त्ति को भेंट किया था।

१०१ जैनशतक–भूधरदास। पत्र सं० १७। साइज ८¾×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–वैराग्य। रचनाकाल–सं० १७८१। लेखनकाल–सं० १८३८। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ५४

१०२ द्वादशानुप्रेक्षा–स्वामीकुमार। पत्र सं० २२। साइज १२×५¾ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय–अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६३५ अषाढ बुदी ६। अपूर्ण–प्रारम्भ के दो पत्र नहीं हैं। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६८।

विशेष—प्रतिलिपिकार श्री पांडे सर्वणदास हैं।

१०३ धर्मविलास–द्यानतराय। पत्र सं०–१५। साइज–११×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–अध्यात्म। रचनाकाल–सं० १७५८। लेखनकाल ×। पूर्ण–उपदेश शतक तक। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–७९।

विशेष—अन्त में कवि प्रशस्ति है। ग्रन्थ की लिपि कराने में ॥।–॥। व्यय हुये ऐसा भी उल्लेख है।

१०४ परमात्मप्रकाश–योगीन्द्रदेव। पत्र सं–२०। साइज १०×४½ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–अध्यात्म रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–१०५।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

१०५ प्रति नं० २। पत्र सं०–६४। साइज–१२×५¾ इञ्च। लेखनकाल सं०–१७८६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–१०५।

विशेष—प्रति सटीक है।

१०६ प्रति नं०–३। पत्र सं०–३९। साइज–१०×५¾ इञ्च। लेखनकाल–×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–१०५।

१०७ प्रति नं० ४। पत्र सं०–१५०। साइज–१०×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं०–१०५।

विशेष—प्रति सटीक है।

१०८ प्रति नं० ५ । पत्र सं०–३० । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०५ ।

विशेष—योगसार दोहा भी है ।

१०९ पदसंग्रह………… । पत्र सं० २७ । साइज ४×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भक्ति व वैराग्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं २८३ ।

११० प्रति नं० २ । पत्र सं० १०७ । साइज ५½×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–३२ पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

१११ **प्रवचनसार भाषा**–हेमराज । पत्र सं० २९६ । साइज १२×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–मुख्यतः शुद्धात्मा का वर्णन । रचनाकाल सं० १७०९ । लेखनकाल सं० १७४२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

विशेष—सांगानेर में साह लोहट ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

११२ **ब्रह्मविलास**–भैया भगवतीदास । पत्र सं०–१७६ । साइज–१०½×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल सं० १७७५ । लेखनकाल सं० १७९२ । अपूर्ण–१०४ का पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३० ।

११३ प्रति नं० २ । पत्र सं०–४० । साइज ११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३० ।

११४ **बनारसी संग्रह**–बनारसीदास । पत्र सं०–११२ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३३ ।

विशेष—हेमराज कृत चौरासी बोल भी है ।

११५ **बारहखडी**–श्री सूरत । पत्र सं०–८ । साइज-१०½×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

११६ **विवेकविलास**–दौलतरामजी । पत्र सं०–४२ । साइज–८½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल सं० १८२७ पौष सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९१ ।

विशेष—पद्य संख्या १९२ ।

११७ **वैराग्यजखडी**–द्यानतराय । पत्र सं०–१ । साइज–१५×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–वैराग्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १९० ।

११८ प्रति नं० २ । पत्र सं०–१ । साइज–१५×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९० ।

११९ **समयसार**–महाकवि बनारसीदास । पत्र सं०–४३ । साइज–१०½×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–मुख्यतः शुद्धात्मा का वर्णन । रचनाकाल–सं० १६९३ । लेखनकाल–सं० १७१९ ज्येष्ठ सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य ।

वेष्टन नं० २६४ ।

१२० समयसार भाषा–पांडे राजमल्ल । पत्र सं०–१२४ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–मुख्यतः शुद्धात्मा का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २२४ ।

१२१ प्रति नं० २ । पत्र सं०–२५ । साइज १२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं०१९२६ अषाढ सुदी ५ । अपूर्ण एवं जीर्ण । वेष्टन नं० २२४ ।

विशेष—लिपि संवत् पीछे का लिखा हुआ मालूम पडता है ।

१२२ समाधिशतक–पूज्यपाद । पत्र सं०–२६ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २३० ।

विशेष—प्रभाचन्द्र द्वारा रचित संस्कृत टीका भी है ।

१२३ सामायिकपाठ………… । पत्र सं० ७ । साइज ६×३ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आत्म निरीक्षण । रचनाकाल × । लेखनकाल–× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं०–२४० ।

१२४ प्रति नं० २ । पत्र सं०–३ । साइज–१०½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

१२५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज १०½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

१२६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १ । साइज ११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

१२७ प्रति नं० ५ । पत्र सं०– ४ । साइज ७×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं २४१ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी है ।

१२८ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २ । साइज १२×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

विषय—न्याय एवं दर्शन

ग्रन्थ संख्या–७

१२९ आलापपद्धति–आचार्य देवसेन । पत्र सं० ८ । साइज १०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७ ।

१३० प्रति नं० २ । पत्र सं०–११ । साइज १०×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७३४ चैत्र बुदी ५ । वेष्टन नं० ७ ।

विशेष—लेखनस्थान—मालपुरा (जयपुर)। प्रतिलिपिकार–पंडित रायमल्ल हैं।

१३१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज १०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २५७ ।

१३२ देवागमस्तोत्र–आचार्य समंतभद्र । पत्र सं० ७ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

१३३ द्विजवदनचपेटा–श्री अश्वघोष । पत्र सं० ६ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल ×। लेखनकाल सं० १८०३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

१३४ षड्दर्शनसमुच्चय–हरिभद्रसूरि । पत्र सं० ६ । साइज ११½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

१३५ प्रति नं०–२ । पत्र सं० ३२ । साइज १२½×३½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १४२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । प्रतिलिपिकार–श्रीपूर्णचन्द्र सूरि हैं ।

विषय–प्रतिष्ठा एवं विधान

ग्रन्थ संख्या–१६

१३६ अंकुरारोपणविधि–महापंडित आशाधर । पत्र सं० ५ । साइज १२×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–प्रतिष्ठा । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं. १७ ।

विशेष—गणधरवलयपूजा भी इसमें है ।

१३७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज १०½×५ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

विशेष—प्रति सचित्र है ।

१३८ कलशविधि–श्री विश्वभूषण । पत्र सं० ८ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्रतिष्ठा । रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८८६ माघ सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं २३ ।

१३९ जलयात्रापाठ·······। पत्र सं० २ । साइज १३×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५२ ।

१४० प्रति नं० २ । पत्र सं २ । साइज १२×५ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२ ।

१४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज–१३×५½ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२।

१४२ जिनसंहिता–भ० एकसंधि । पत्र सं० १३२ । साइज १३×५¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्रतिष्ठा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं०–५२ ।

विशेष—१३२ से आगे के पत्र नहीं हैं ।

१४३ दीपकाज्यदानविधि……। पत्र सं० १ । साइज १०½×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–विधि विधान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

१४४ प्रतिष्ठाविधि………।पत्र सं० २० । साइज ११×५¾ इञ्च। भाषा–हिन्दी । विषय–प्रतिष्ठा रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

विशेष—प्रारम्भ में प्रतिष्ठा में काम आने वाली सामग्री की सूची दी हुई है तथा अन्य विधियों के नाम भी दिये हैं । २० चित्र भी हैं ।

१४५ प्रायश्चितविधि……भ० एकसंधि । पत्र सं० १ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–प्रायश्चित। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

विशेष—प्रतिष्ठासारसंग्रह का एक अंश है ।

१४६ प्रायश्चितविनिश्चयवृत्ति–श्री नंदिगुरु । पत्र सं० ८५ । साइज १२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत। विषय-प्रायश्चित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

१४७ प्रायश्चितशास्त्र–मुनि वीरसेन । पत्र सं० ६ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्रायश्चित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं १०६ ।

१४८ विवाहविधि……। पत्र सं० ६ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–विधि विधान रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १८८ ।

१४९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । लेखनकाल–सं० १६७६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८८ ।

१५० व्रतसंख्या सूची……। पत्र सं० ३ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय–व्रत विधान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८१ ।

विशेष—१५१ व्रतों के नाम दिये हुये हैं ।

१५१ स्नपन सटीक–टीकाकार भावशर्मा । पत्र सं० २५ । साइज १०¾×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-प्रतिष्ठा । टीकाकाल–सं० १५६० । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के १४ पत्र नहीं हैं । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३७ ।

विषय–योगशास्त्र

ग्रन्थ संख्या–२

१५२ ज्ञानार्णव–आचार्य शुभचंद्र। पत्र सं० ८७। साइज ११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत विषय–योग। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७७३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६५।

१५३ योगसार–पन्नालाल चौधरी। पत्र सं० ३६। साइज १२×४½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–योग। रचनाकाल सं०–१६३२। लेखनकाल–सं० १६४०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १५८।

विषय–पुराण

ग्रन्थ संख्या–२२

१५४ आदिपुराण–आचार्य जिनसेन और गुणभद्र। पत्र सं० ४५३। साइज ११½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं०– १७३३ वैशाख सुदी १३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १।

विशेष—क्लिष्ट शब्दों के संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

१५५ आदिपुराण–भ० सकलकीर्त्ति। पत्र सं०–२५७। साइज ११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७६० भादवा सुदी १४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २।

विशेष–मलूकचंदजी तथा उनकी स्त्री मलकादे ने पंचपरमेष्ठी व्रतोद्यापन के अवसर पर ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी।

१५६ आदिपुराण–पंडित दौलतरामजी। पत्र सं० ६६६। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–पुराण। रचनाकाल–सं० १८२४ आसोज बुदी १२। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३।

विशेष—तीन प्रकार की लिपियों का सम्मिश्रण है। प्रथम पांच पत्रों का विषय तीन पत्रों में ही लिखा हुआ है।

१५७ उत्तरपुराण–श्री खुशालचन्द काला। पत्र सं० १३६। साइज १२×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पुराण। रचनाकाल–सं० १७६६ असोज सुदी १०। लेखनकाल ×। अपूर्ण। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०।

१५८ नेमिनाथपुराण–ब्रह्मनेमिदत्त। पत्र सं०–१७५। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५५ पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–१७५।

१५६ पद्मपुराण–आचार्य रविषेण। पत्र सं–४३६। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–६५।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण हैं।

१६० पद्मपुराण–भट्टारक सोमसेन। पत्र सं०–२७६। साइज–११×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण।

रचनाकाल सं० १६५६ । लेखनकाल-सं० १८२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-६६ ।

१६१ **पद्मपुराण**-खुशालचन्द काला । पत्र सं०-८४६ । साइज-८×५½ इञ्च । भाषा-हिन्दी छंदोबद्ध । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १७८३ आसोज शुक्ला १० । लेखनकाल-सं० १७६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं०-६३ ।

१६२ **प्रति नं० २** । पत्र सं०-१६७ । साइज-१८×५¾ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-६७ ।

१६३ **प्रति नं० ३** । पत्र सं०-३३ । साइज-१३×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेप्टन नं० १२३ ।

विशेष—३३ वें पत्र से आगे नहीं है ।

१६४ **पद्मपुराण**-पं० दौलतरामजी । पत्र सं०-५७१ । साइज-१०½×७½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १८२३ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेप्टन नं० ६१ ।

विशेष—४ प्रतियों का सम्मिश्रण हैं ।

१६५ **प्रति नं० २** । पत्र सं०-५६३ । साइज-११½×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१ ।

१६६ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ६६ । साइज १४×६½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य वेप्टन नं० १२३ ।

१६७ **प्रति नं० ४** । पत्र सं०-१०० । साइज १३×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । वेप्टन नं० १२३ ।

१६८ **पाण्डवपुराण**-भट्टारक शुभचन्द्र । पत्र सं०-२२३ । साइज-११½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय पुराण । रचनाकाल-सं० १६०८ । लेखनकाल-सं० १७२१ फागुण बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेप्टन नं० ६८ ।

विशेष—महाराणा राजसिंहजीं के राज्य में खेपुर में बाई मरंगा ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१६९ **पार्श्वपुराण**-भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं०-१२२ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-भगवान पार्श्वनाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७१४ श्रावण सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेप्टन नं० १०१ ।

१७१ **प्रति नं० २** । पत्र सं०-८७ । साइज १२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं १२६ ।

१७१ **मल्लिनाथपुराण**-भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं०-४८ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-भगवान मल्लिनाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल शक सं० १६५३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेप्टन नं० १४८ ।

विशेष—प्रतिलिपिकार ब्रह्म रत्नसागर हैं।

१७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३६ । साइज १३×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४८ ।

विशेष—जयपुर नगर में पं० लूणकरणजी के मन्दिर में श्रावक केवलराम ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१७३ **मुनिसुव्रतपुराण**–ब्रह्मकृष्णदास । पत्र सं०–१६२ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मुनिसुव्रतनाथ के जीवन का वर्णन । रचनाकाल–सं० १६८१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४८ ।

१७४ **हरिवंशपुराण**–पं० दौलतरामजी । पत्र सं० ५६३ । साइज १०½×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–पुराण । रचनाकाल सं० १८२६ । लेखनकाल सं०१८६१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५२ ।

१७५ **हरिवंशपुराण**–खुशालचन्द काला । पत्र सं०–२५६ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । (छन्दोबद्ध) । विषय–पुराण । रचनाकाल सं० १७८० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध ।दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २५१ ।

विषय–चरित्र

ग्रन्थ संख्या–३२

१७६ **कृपणरासो**……। पत्र सं० ३ । साइज १०×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

विशेष—१४ पद्य हैं ।

१७७ **गौतमचरित्र**–मंडलाचार्य धर्मचन्द्र । पत्र सं० ३६ । साइज १२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–गौतमस्वामी का जीवन चरित्र । रचनाकाल सं० १७२६ । लेखनकाल–सं० १८६२ श्रावण बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२ ।

१७८ **चेतनकर्मचरित्र**–भैया भगवतीदास । पत्र सं० २६ । साइज १०½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र रचनाकाल–सं० १७३६ । लेखनकाल–सं० १७६६ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

१७९ **चित्रसेनपद्मावतीचरित्र**–गुणकीर्ति । पत्र सं० १८ । साइज ११×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६५६ । अपूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं २६४ ।

१८० **जम्बूस्वामीचरित्र**–पांडे जिनदास । पत्र सं० २४ । साइज ११×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–जम्बूस्वामी का जीवन चरित्र । रचनाकाल–सं० १६४२ । लेखनकाल–सं० १७५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५४ ।

१८१ **धन्यकुमारचरित्र**–भ० सकलकीर्त्ति। पत्र सं०–३०। साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं०–१८३८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७८।

१८२ **प्रति नं० २**। पत्र सं०–४७ । साइज १०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७८।

१८३ **धन्यकुमारचरित्र**–खुशालचन्द काला। पत्र सं० ३३। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८२१ श्रावण सुदी ३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं०–७८।

१८४ **प्रति नं० २**। पत्र सं०–९८। साइज–१०½×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९०९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ७८।

१८५ **नागकुमारचरित्र**–मल्लिषेणसूरि। पत्र सं० २२। साइज ११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६०६ पौष सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८६।

१८६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० २९। साइज १०×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६०४ फाल्गुण सुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८६।

विशेष—सांखूण (जयपुर) में सलेमसाहि (जहांगीर) के राज्य में प्रतिलिपि की गयी थी।

१८७ **पार्श्वविलास**–पारसदास। पत्र सं० ३२। साइज ९½×६½ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं० १९५५। भाषा-हिन्दी छन्दोबद्ध। विषय–चरित्र। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०२।

विशेष—अन्त में सरस्वती पूजन भी है।

१८८ **भद्रबाहुचरित्र**–श्री रत्ननंदि। पत्र सं० १८। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७४९ वैशाख बुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३९।

१८९ **भविष्यदत्तचरित्र**–ब्रह्म रायमल्ल। पत्र सं० ५९। साइज ९½×५ इञ्च। भाषा-हिन्दी छन्दोबद्ध। विषय–चरित्र। रचनाकाल–सं० १६३३। लेखनकाल–सं० १६३४। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १४३।

विशेष—प्रारम्भ के ९ पत्र नहीं है।

१९० **यशोधरचरित्र**–भ० ज्ञानकीर्त्ति। पत्र सं० ५४। साइज ११×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल सं० १६५९ माघ सुदी ५। लेखनकाल–सं० १६६०। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५८।

विशेष—प्रारम्भ के २ तथा अन्तिम पत्र नहीं है।

१९१ **यशोधरचरित्र**–भ० सकलकीर्त्ति। पत्र सं० ४४। साइज ११×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७८८ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५८।

विशेष—प्रति सचित्र एवं सुन्दर है।

१९२ **शांतिनाथचरित्र**–भ० सकलकीर्त्ति। पत्र सं० २६०। सा० १०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६८१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १९७।

१९३ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६७ । साइज ११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा– सामान्य । वेष्टन नं० १९७ ।

विशेष—हरियाणा देश स्थित रुहितग दुर्ग (रोहतक) में जहांगीर के शासन काल में प्रतिलिपि हुई थी ।

१९४ सीताचरित्र……………। । पत्र सं०–४२ । साइज–९४ इञ्च । भाषा–हिन्दी पद्य । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–२२६ ।

१९५ सुकुमालचरित्र–भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं०–२९ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–२३० ।

विशेष—ढाका नगर (पाकिस्तान) मे पं० नन्दराम ने प्रतिलिपि की थी

१९६ सुखनिधान–श्री जगन्नाथ । पत्र सं०–५० । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८८७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २३० ।

१९७ श्रीपालचरित्र–भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं०–५४ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

१९८ प्रति नं० २ । पत्र सं०–४० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल सं० १८९४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

१९९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५६ । साइज १२×७½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८१७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

२०० श्रीपालचरित्र–परिमल्ल । पत्र सं०–११५ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७१ ।

विशेष—अन्तिम पत्र नहीं है ।

२०१ श्रीपालर्चारित्र………। पत्र सं०–२१ । साइज–१०½×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७१ ।

२०२ श्रीपालचरित्र–ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० ५४ । साइज १२×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १५८५ आषाढ सुदी ५ । लेखनकाल–सं० १८९० पौष बुदी २ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं. २७१ ।

२०३ श्रेणिकचरित्र–भट्टारक शुभचन्द्र । पत्र सं० १२६ । साइज १०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६२६ फाल्गुन सुदी १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं २०४ ।

विशेष—बगरुनगर (जयपुर) में राजा भारमल के छोटे भाई चतुर्भुज के शासन में प्रतिलिपि की गई थी ।

२०४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ९५ । साइज ११½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६४६ चैत्र बुदी ९ ।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०४ ।

विशेष—माल्हपुर (मालपुरा) में महाराजकुमार मानसिंह के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी ।

२०५ हनुमच्चारित्र–ब्रह्मअजित । पत्र सं० ११४ । साइज ११ १/२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६१२ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५० ।

२०६ प्रति नं० २ । पत्र सं. ११३ । साइज १० १/२×४ १/२ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २५० ।

२०७ होलिकाचरित्र–पांडे श्रीजिनदास । पत्र सं. ४८ । साइज १० १/२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं. १६०८ । लेखनकाल–सं. १८८३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २४८ ।

विशेष—प्रतिलिपिकार श्री संपतिराम हैं ।

विषय–कथा साहित्य

ग्रन्थ संख्या–४४

२०८ अनन्तव्रतकथा–श्रुतसागर । पत्र सं० ५ । साइज ९ १/२×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

२०९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज १०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य वेष्टन नं० १३ ।

२१० प्रति नं० ३ । पत्र सं०–५ । साइज १०×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

२११ अष्टाह्निकाकथा–शुभचन्द्र । पत्र सं० ६ । साइज ९ १/२×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० २५६ ।

२१२ प्रति नं०–२ । पत्र सं० ७ । साइज ९ १/२×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २५६ ।

२१३ अष्टाह्निकाकथा–श्री नथमल । पत्र सं० १६ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल–सं० १९२२ । लेखनकाल सं०–१९३१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २५६ ।

विशेष—लेखक–गणेशलाल पांड्या । मोतीलाल संघी ने लिखवायी थी ।

२१४ अष्टाह्निकाकथा–भ० सुरेन्द्रकीर्त्ति । पत्र सं०–९ । साइज १० १/२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६६ मंगसिर बुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २५६ ।

विशेष—सवाई जयनगर (जयपुर) में पं० अमीचन्द ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

२१५ **ऋषिमंडलफलप्राप्तिकथा**……। पत्र सं० ८। साइज ११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१।

२१६ **कथाकोश**–ब्रह्मनेमिदत्त। पत्र सं० २२७। साइज ११×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३०।

२१७ **करकण्डु कथा**……। पत्र सं०–१६। साइज ६×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८४४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३१।

२१८ **कांजीव्रत कथा**……। पत्र सं०–२२। साइज–१२½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २६१।

२१९ **चन्दनषष्टिकथा**–भ० देवेन्द्रकीर्त्ति। पत्र सं०–३। साइज–१०¾×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४०।

२२० **ज्येष्ठजिनवरव्रतकथा**–खुशालचन्द्र। पत्र सं० १६। साइज–१२×५¾ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १७८२। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५०।

विशेष—आदित्यवारव्रतकथा भी दी हुई है।

२२१ **णमोकारमंत्रफलकथा**……। पत्र सं० ३। साइज ८¾×६¾ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९५५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं०–५६।

२२२ **नैवेद्यपूजाकथा**……। पत्र सं० ४। साइज ९×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८९।

२२३ **पुण्याश्रवकथाकोश**……। पत्र सं० २०। साइज ११×७ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२८।

२२४ **पुण्याश्रवकथाकोश**–पं० दौलतरामजी। पत्र सं० २७४। साइज १२×७ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। सं० १७७७। रचनाकाल। लेखनकाल–सं० १९२८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ६६।

विशेष—पांडे जिनदास द्वारा रचित पुण्यास्रव–कथाकोश के आधार पर उक्त ग्रन्थ की रचना की गयी ऐसा उल्लेख मिलता है।

२२५ **पुण्याश्रवकथाकोश**–पंडित दौलतरामजी। पत्र सं० १७६। साइज १२×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल सं०–१७७७। लेखनकाल ×। अपूर्ण–१ से ५४ तथा २८९ से आगे के पत्र नहीं हैं। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२५।

२२६ **पुण्याश्रवकथाकोश**……। पत्र सं०–१४९। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १४७३। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५२ पत्र नहीं हैं। दशा–सामान्य एवं शुद्ध। वेष्टन नं०–१२५।

२२७ **भक्तामरस्तोत्रकथा**–विनोदीलाल। पत्र सं.–१५३। साइज ११×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १७३३। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं०–१३७।

२२८ **भावनापंचविंशतिव्रतकथा**—भ० सकलकीर्त्ति। पत्र सं० २। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १३६।

विशेष—पद्य संख्या ३४ हैं।

२२९ **महीपालकथा**……। पत्र सं० ३५। साइज १३×६½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय-कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १५३।

२३० **महीपालकथा**—वीर देवगणी। पत्र सं० ४०। साइज १०½×५ इञ्च। भाषा—अपभ्रंश। विषय—कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं १४६।

विशेष—देवगणी मुनिचन्द्र के शिष्य थे। वर्द्धनगणि के शिष्य मेघतिलकगणि ने प्रतिलिपि की थी।

२३१ **रविव्रतकथा**—श्री केशव। पत्र सं० ३। साइज ११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १६१।

२३२ **राजुलबत्तीसी**……। पत्र सं० ४। साइज ११×५ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७४।

विशेष—प्रथम पत्र पर दर्शन पाठ हैं।

२३३ **रोहिणीव्रतकथा**……। पत्र सं० ७। साइज १०½×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय—कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १६४।

२३४ **वीरमदे की वात**—कुंवरशेरसिंह। पत्र सं० ४१। साइज १०½×४½ इञ्च। भाषा—हिन्दी गद्य। विषय—कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६१।

२३५ **वेतालपंचविंशति**—शिवदास। पत्र सं० १०६—१५६। साइज—८½×६ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय-कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १७८१। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। वेष्टन नं० १६१।

विशेष—मुहम्मदशाह के शासनकाल में साजहानाबाद में संघी स्वरूपचन्द ने प्रतिलिपि की थी।

२३६ **व्रतकथाकोश**—भ० देवेंद्रकीर्त्ति। पत्र सं० ८०। साइज १२½×६ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय-कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं०१८५३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १८०।

विशेष—यह प्रति चूरू से जयपुर में पढने के लिये सं. १८८७ में सावाई मानसिंहजी के शासनकाल में आयी थी।

२३७ **व्रतकथाकोश**……। पत्र सं०—४३। साइज—५½×४½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—कथा। रचनाकाल सं० १७१२। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १८१।

विशेष—गुटका साइज में हैं।

२३८ **व्रतकथाकोश**—खुशालचन्द। पत्र सं० ८२। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—कथा। रचनाकाल सं० १७८३। लेखनकाल सं० १८११। अपूर्ण—प्रारम्भ के ४६ पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८१।

२३९ व्रतकथाकोश–श्रुतसागर। पत्र सं० ९५। साइज ११½×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १८०।

२४० शनिवारकथा………। पत्र सं० ४०। साइज १०×४½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २८८।

२४१ शीलतरंगिणी–अखयराम लुहाडिया। पत्र सं० ९९। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–ब्रह्मचर्य व्रत की कथायें। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७८२। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं १९८।

विशेष—लिपिकार–दयाराम।

२४२ प्रति नं० २। पत्र सं० १५२। साइज ८×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९८।

२४३ शीलरास–विजयदेवसूरि। पत्र सं० ७। साइज १०×४½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९९।

२४४ शुकराजहंसराजकथा–माणक्यसूरि। पत्र सं० ६। साइज १०×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६१६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५६।

२४५ सप्तपरमस्थानव्रतकथा………। पत्र सं० ६। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेषन नं० २२८

२४६ सम्यक्त्वकौमुदी–जोधराज गोदीका। पत्र सं० ७१। साइज १०×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १७१४। लेखनकाल ×। अपूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८१।

२४७ सम्यक्त्वकौमुदी………। पत्र सं०–१४२। साइज १०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८६७। अपूर्ण–प्रारम्भ के ३२ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२९।

विशेष—लेखनस्थान–जयपुर।

२४८ सिद्धचक्रकथा–नरसेनदेव। पत्र सं० ३५। साइज १०½×५ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६३५ मंगसिर सुदी ३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं २१३।

२४९ सिंहासनद्वात्रिंशिका………। पत्र सं० ४८। साइज ११½×५½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७८३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं. २३१।

२५० हनुमंतकथा–ब्रह्मरायमल्ल। पत्र सं० ४८। साइज ८½×८ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल–सं० १६१६। लेखनकाल–सं० १७८८। अपूर्ण–प्रारम्भ के ४ पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५१।

२५१ होलीकथा……..। पत्र सं० ४। साइज १०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४८।

२५२ होलीपर्वकथा–पुण्यराजगणि……..। पत्र सं० ३। साइज १०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल सं०१४८५। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४८।

विषय–काव्य

ग्रन्थ संख्या–२२

२५३ किरातार्जुनीय–महाकवि भारवि। पत्र सं० १०६। साइज ११×४½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–२६, ८५ से ६० तक के पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६१।

२५४ प्रति नं० २। पत्र सं. ३४। साइज १२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६।

२५५ कुमारसंभव–महाकवि कालिदास। पत्र सं. ४४। साइज ११½×४ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–सप्तम सर्ग पर्यन्त। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६

२५६ नेमिनिर्वाणकाव्य–महाकवि वागभट्ट। पत्र सं०–५८। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–२२वें तीर्थंकर श्रीनेमिनाथ के जीवन का वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८८।

२५७ पार्श्वपुराण–कवि भूधरदास। पत्र सं०–११७। साइज–६½×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पार्श्वनाथ के जीवन का वर्णन। रचनाकाल–सं. १७८६। लेखनकाल–सं० १८४१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १००।

विशेष—दीवान बखतराम ने प्रतिलिपि करवायी थी।

२५८ प्रति नं० २। पत्र सं० १११। साइज ६×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १००।

२५६ प्रति नं० ३। पत्र सं०–१०१। साइज ११×५½ इञ्च। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १०२।

२६० प्रति नं० ४। पत्र सं० ७०। साइज ११½×७½ इञ्च। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य वेष्टन नं० १०३।

विशेष—२४ पत्र किसी अन्य प्राचीन प्रति के है।

२६१ प्रति नं० ५। पत्र सं० १८६। साइज ११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य वेष्टन नं० १२४।

२६२ बिहारीसतसई–महाकवि बिहारीलाल । पत्र सं० ४३ । साइज ११×५¾ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–शृंगाररस । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४७ ।

२६३ मदनपराजय–जिनदेव । पत्र सं० ४२ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४६ । ।

२६४ मेघदूत–महाकवि कालिदास । पत्र सं० । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७६५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४६ ।

२६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६ । साइज १०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७८६ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३ ।

विशेष—मोहम्मदशाह के शासनकाल में अजमेर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

२६६ रघुवंश–महाकवि कालिदास । पत्र सं० २३० । साइज १०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

विशेष—६ वें सर्ग के ६४ वें पद्य तक प्रति सटीक है ।

२६७ प्रति नं० २ । पत्र सं०–१२ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८६५ । ६ठी सर्ग पर्यन्त पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६६ ।

२६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं०–५७ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । ११ वें सर्ग पर्यन्त पूर्ण । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

२६९ प्रति नं० ४ । पत्र सं०–३६ । साइज–८½×६½ इञ्च । लेखनकाल × । अष्टम सर्ग पर्यन्त पूर्ण । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–१६७ ।

२७० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५६ । साइज १२×६ इञ्च । लेखनकाल × । ६ सर्ग तक । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार–सुमतिकीर्ति हैं ।

२७१ रामचन्द्रिका–केशवमिश्र । पत्र सं० १६० । साइज ११¾×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल सं. १८११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८ ।

विशेष—मोतीरामजी ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

२७२ शिशुपालवध–महाकवि माघ । पत्र सं०–५४ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अष्टमसर्ग पर्यन्त । शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं०–१६५ ।

२७३ प्रति नं २ । पत्र सं० २३२ । साइज १२×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार–श्री वल्लभ हैं ।

२७४ शृंगारशतक-भर्तृहरि । पत्र सं० १४ । साइज १३X७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । (शृंगार) । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७६ ।

विषय-इतिहास

ग्रन्थसंख्या ८

२७५ गुर्वावलि…………… । पत्र सं०-१० । साइज ६X५½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३ ।

२७६ गुर्वावलि…………… । पत्र सं०-२ । साइज ११X५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२ ।

२७७ चौबीसतीर्थंकरपरिचय…………… । पत्र सं०-१२ । साइज ११X५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८२ ।

२७८ जयपुर के शासकों की वंशावलि……… । पत्र सं०-९२ । साइज ६X४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-इतिहास । रचनाकाल सं० १८९१ । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८४ ।

विशेष-संवत् १०२३ कार्त्तिक सुदी ३ से लेकर सं० १८९१ माह सुदी ९ तक होने वाले शासकों का विस्तृत परिचय दिया हुआ है ।

२७९ जैनबद्री देश की पत्रिका……… । पत्र सं०-१० । साइज ६X४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-इतिहास । रचनाकाल-सं० १८२० । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५ ।

यात्रा का वर्णन है । हैदराबाद से मजलसराय ने पानीपत को पत्र लिखा था ।

२८० पट्टावलि……… । पत्र सं० ४ । साइज ७X५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल सं० १८७९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

२८१ यात्रासमुच्चय……… । पत्र सं० ३ । साइज १०X४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५८ ।

२८२ श्रुतावतार-पं० श्रीधर । पत्र सं० ६ । साइज १०½X४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-इतिहास । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७२ ।

विषय–नाटक

ग्रन्थसंख्या–२

२८३ **ज्ञानसूर्योदय**–वादिचन्द्र। पत्र सं० ४१। साइज ११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–नाटक। रचनाकाल–सं० १६४८। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५०।

२८४ **पार्थपराक्रमव्यायोग**–युवराज प्रल्हाद। पत्र सं० १८। साइज १३×३½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–नाटक। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १२२।

विशेष—सुभट कवि विरचित दूतांगद नामका नाटक भी इसी में है।

* * *

विषय–व्याकरण

ग्रन्थ संख्या–२६

२८५ **अनिट्कारिका**.........। पत्र सं० १। साइज १०½×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११।

२८६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० २। साइज ११×५ इन्च। लेखनकाल–सं० १८४६ पौष सुदी १५। वेष्टन नं० ११।

विशेष—लेखक–पं० दयाचंद्र।

२८७ **अव्ययप्रकरण**.........। पत्र सं० ५। साइज १०×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५।

२८८ **जैनेन्द्रव्याकरण**–पूज्यपाद। पत्र सं० २२। साइज ७½×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–केवल प्रथम संधि है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५।

२८९ **धातुपाठ**–हर्षकीर्त्ति। पत्र सं० १४। साइज १०½×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६६।

विशेष—धातुओं के रूप लिखे हुये हैं।

२९० **प्रति नं० २**। पत्र सं० ६। साइज १०½×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७५।

२९१ **धातुपाठ**–काशीनाथ। पत्र सं० ४५। साइज ११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९००। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७५।

२९२ **धातुपाठ**.........। पत्र सं० ३३। साइज ११×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६०।

२९३ पंचसंधि……… । पत्र सं० ११ । साइज १२×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण, १,२,३,५ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२५ ।

विशेष—शब्द और धातुओं के रूप दिये हुये हैं ।

२९४ विपरीतग्रहणप्रकरण……… । पत्र सं० ४ । साइज ११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८६ ।

विशेष–लिपिकार–स्वरूपचंद ।

२९५ षोढासमास–वररूचि । पत्र सं० ४ । साइज १०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

२९६ शब्दानुशासन–आचार्य हेमचन्द्र । पत्र सं० ४७ । साइज ११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६० । अष्टम अध्याय के चतुर्थ पाद तक । शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २२६

२९७ प्रात नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज ११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७३ ।

२९८ सारस्वतसूत्र–अनुभूतिस्वरूपाचार्य । पत्र सं०–१० । साइज १०×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८०३ कार्तिक बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३८

विशेष–केवल सूत्रों का संग्रह है ।

२९९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३८ ।

३०० सारस्वतप्रक्रिया–अनुभूतिस्वरूपाचार्य । पत्र सं० ६१ । साइज–१०×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४२ ।

३०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २४ । साइज ११½×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १७९६ असाढ सुदी १३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २४३ ।

३०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५५ । साइज–११½×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १७४२ । तद्धित प्रक्रिया तक । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४३ ।

३०३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ८८ । साइज–११½×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४३ ।

३०४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५० । साइज ११½×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–अन्त के पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

३०५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ७२ । साइज–१२×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के १६ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

३०६ प्रति नं० ७। पत्र सं० ५५। साइज–९×५ इन्च। लेखनकाल–सं० १८७५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४४।

३०७ प्रति नं० ८। पत्र सं० ११। साइज–९×५३/४ इन्च। लेखनकाल ×। पंच संधि तक पूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४४।

३०८ प्रति नं० ९। पत्र सं० १२। साइज–१०×४ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–केवल धातुपाठ है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४२।

३०९ प्रति नं० १०। पत्र सं० २२। साइज–१०×४३/४ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४२।

३१० सिद्धान्तचन्द्रिका–रामचन्द्रशर्मा। पत्र सं० १११। साइज–११३/४×५ इन्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २२५।

विशेष—सारस्वत सूत्रों पर टीका है।

३११ प्रति नं० २। पत्र सं० ५९। साइज–१०३/४×५ इन्च। लेखनकाल ×। उत्तरार्द्ध भाग है। शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २२५।

३१२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ४७। साइज १०१/२×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्वार्द्ध भाग है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२५।

३१३ प्रति नं० ४। पत्र सं० २७। साइज–१०३/४×४ इन्च। लेखनकाल–सं० १८१४ चैत्र शुक्ला १३। कृदन्त प्रकरण है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२५।

विशेष—झिलाय में मिश्रराम ने प्रतिलिपि की थी।

३१४ सिद्धान्तचन्द्रिका वृत्ति–सदानंद। पत्र सं० ८५। साइज–१०३/४×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। उत्तरार्द्ध भाग है। शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २२६।

विषय–कोश

ग्रन्थ संख्या–१६

३१५ अनेकार्थमञ्जरी–नन्ददास। पत्र सं० ९। साइज १०३/४×५ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। वेष्टन नं० ११।

विशेष—पद्य संख्या ११९।

३१६ प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज ११×५३/४ इन्च। लेखनकाल–सं० १८०६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११।

३१७ अभिधानचिंतामणिनाममाला—आचार्य हेमचन्द्र। पत्र सं० ८१। साइज ११×५ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं १७५७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। बेष्टन नं० १०।

विशेष—'कायधा' में श्री सागरगणि ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करके आमेर में पं० वृद्धिचन्द गणि को पढने के लिए दिया था।

३१८ प्रति नं० २। पत्र सं० २६। साइज १०×४ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५७।

३१९ अमरकोश—अमरसिंह। पत्र सं० ८। साइज ११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८।

३२० प्रति नं० २। पत्र सं०-२६। साइज-१०½×५ इञ्च। लेखनकाल सं० १८६२ आषाढ बुदी ६ गुरूवार। शुद्ध। अपूर्ण-प्रथमकांड पर्यन्त। वेष्टन नं० ८।

३२१ प्रति नं० ३। पत्र सं० २१। साइज-११×५½ इञ्च। लेखनकाल सं० १८५३ पौष शुक्ला ६। अपूर्ण-प्रथमकांड पर्यन्त। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८।

३२२ प्रति नं० ४। पत्र सं० ६६। साइज-११×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८५३ चैत्र बुदी २। अपूर्ण-द्वतीय कांड पर्यन्त। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८।

३२३ प्रति नं० ५। पत्र सं० २८। साइज ११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण-प्रथमकांड पर्यन्त। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८।

३२४ प्रति नं० ६। पत्र सं० ४५। साइज ९×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २५८।

३२५ प्रति नं० ७। पत्र सं० १३५। साइज १२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण-९० से पूर्व के पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५९।

३२६ एकाक्षरीनाममाला……… । पत्र सं० ३। साइज ११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२।

३२७ प्रति नं २। पत्र सं० २। साइज १२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२।

३२८ नाममाला—धनंजय। पत्र सं० ९। साइज ११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८९।

३२९ बीजकोश……… । पत्र सं० ७। साइज-९×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३२।

३३० प्रति नं० २। पत्र सं० ८। साइज ८×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध।। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३२।

विषय—आयुर्वेद

ग्रन्थ संख्या—५३

३३१ अद्भुतसागर—ऋषि भारद्वाज। पत्र सं० १०७। साइज १२¾×४¾ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८६० श्रावण बुदी ७। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० ६।

विशेष—हिन्दी गद्य में मूल पाठ का अनुवाद भी दिया हुआ है। अनुवादक का नामोल्लेख नहीं किया गया है।

३३२ अमृतमञ्जरी—काशीराज। पत्र सं० ३। साइज १३×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११।

३३३ प्रति नं० २। पत्र सं० १०। साइज १२×५ इञ्च। पूर्ण। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११।

विशेष—हिन्दी में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं। लेखक—पं० सवाईराम है।

३३४ आयुर्वेदसंग्रह……। पत्र सं०—२६। साइज ६×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २७६।

३३५ कालज्ञान……। पत्र सं० ११। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है।

३३६ प्रति नं० २। पत्र सं० १७। साइज १०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६।

३३७ प्रति नं० ३। पत्र सं० १४। साइज ६½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६।

३३८ चिकित्सासार—धीर्यराम। पत्र सं०—११६। साइज ८×५½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १७३६। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ४६।

विशेष—८८१ पद्य हैं।

३३९ ज्वरतिमिरभास्कर—श्री चामुंडराय। पत्र सं० ५७। साइज—१२×६ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १७४३। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० ५३।

३४० ज्वरत्रिशती—शार्ङ्गधर। पत्र सं० २३। साइज १०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं०—६०।

३४१ द्रव्यगुणरत्नमाला……। पत्र सं० ६। साइज १२×४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ७३।

विशेष—हिन्दी में संकेत दिये हुये हैं।

३४२ द्रव्यगुणशतश्लोक—त्रिमल्लक। पत्र सं० १२। साइज १०½×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आयुर्वेद।

रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

३४३ नाडीपरीक्षा……। पत्र सं० ३ । साइज ११×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

३४४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज ११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

३४५ प्रति नं० ३ । पत्र सं. ४ । साइज ६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

३४६ निबन्धसंग्रह……। पत्र सं. ५४ । साइज १०×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७६८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९ ।

विशेष-लेखक-श्री सुखानंद हैं ।

३४७ पथ्यनिर्णय……। पत्र सं०-४३ । साइज ८½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११२ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ भी दिया हुआ है ।

३४८ पथ्यापथ्यविधि……। पत्र सं०-२५ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११२ ।

विशेष—अन्त में विषय सूची दी हुई है । ५२ विधियों का वर्णन है ।

३४९ बालतन्त्र-कल्याण । पत्र सं० ३६ । साइज १२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३१ ।

विशेष—ग्रन्थकार ने लिखा है कि उसने बालतन्त्र को अनेक शरीर सम्बन्धी ग्रन्थों के अध्ययन के पश्चात् लिखा है ।

३५० माधवनिदान-माधवाचार्य । पत्र सं०-१२६ । साइज-१३×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं०-१५० ।

विशेष—हिन्दी टीका भी है ।

३५१ योगचिंतामणि-हर्षकीर्त्ति । पत्र सं.-११८ । साइज १२½×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८२७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०-१५५ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है । लेखक-जयचन्दजी छाबडा है ।

३५२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६३ । साइज ९½×६½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८९३ मंगसिर शुक्ला ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६ ।

विशेष—टोडारायसिंह निवासी साहजी सालिगराम कोठ्यारी ने गिरधारी व्यास से प्रतिलिपि करवायी थी । हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है । प्रथम प्रति से इसकी टीका भिन्न है ।

३५३ **योगरत्नावलि**–हिन्ननाथ। पत्र सं० ७२। साइज ११¾×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं० १८७५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १५५।

३५४ **योगशतक**–अमृतप्रभसूरि। पत्र सं० ३१। साइज ६×४¾ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय–आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १५७।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी है।

३५५ प्रति नं० २। पत्र सं० १२। साइज ११¾×५¾ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १५७।

३५६ प्रति नं० ३। पत्र सं० १२। साइज १२×५ इन्च। लेखनकाल सं० १७६८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १५७।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है। आचार्य चंद्रकीर्त्ति के शिष्य पांडे आसकर्ण, घासीराम, भींवसीं के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी।

३५७ प्रति नं० ४। पत्र सं० २१। साइज ११¾×६ इन्च। लेखनकाल–सं० १७५६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५७।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकाल–सं० १६९२। भ० नरेन्द्रकीर्त्ति के प्रशिष्य आसाकरण ने प्रतिलिपि की थी।

३५८ **रसमञ्जरी**–वैद्य शालिनाथ। पत्र सं० २२। साइज १२×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १७१।

३५९ **रसरत्नाकर**–नित्यनाथसिद्ध। पत्र सं० ३६। साइज–१३¾×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अष्टम सर्ग पर्यन्त। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६९।

३६० प्रति नं० २। पत्र सं० १३०। साइज–११¾×६ इन्च। लेखनकाल ×। सप्तमोपदेश पर्यन्त। शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १६९।

३६१ प्रति नं० ३। पत्र सं० १८। साइज ११×५ इन्च। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६९।

३६२ **रामविनोद्भाषा**–श्रीरामचन्द्र। पत्र सं० १६३। साइज १०¾×४¾ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–आयुर्वेद। रचनाकाल–सं० १६२०। लेखनकाल–१८४२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६८।

विशेष—रचनास्थान–मेहरा नगर (पंजाब) है।

३६३ प्रति नं० २। पत्र सं० २१। साइज १०×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं १६८।

३६४ **रुदंतीकल्प**........। पत्र सं० २। साइज–९×४ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–आयुर्वेद। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७०।

३६५ वैद्यकसारसंग्रह–(रामविनोद) रामचंद्र। पत्र सं० १३६ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी। विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल–१६२० । लेखनकाल–सं० १८३४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १८२ ।

विशेष—ग्रन्थ का दूसरा नाम रामविनोद भाषा भी है । रामचन्द्र जिनसिंह सूरि के प्रशिष्य थे ।

३६६ वैद्यकसारसंग्रह–गणपति व्यास । पत्र सं० २५ । साइज–११½×४ इन्च ।. भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७४० । पूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १८५ ।

३६७ प्रति न० २ । पत्र सं० ३२ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८५ ।

३६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १८५ ।

३६९ वैद्यकसारसंग्रह……… । पत्र सं० २८ । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८५ ।

३७० वैद्यजीवन–लोलिम्बराज । पत्र सं० ३० । साइज–८×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं १८४ ।

विशेष—लेखनस्थान–माधोपुर है ।

३७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज १०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८४ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी है ।

३७२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५७ । साइज–१०½×४½ । लेखनकाल–सं० १८२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८४ ।

विशेष—हिन्दी भाषा भी है । भाषाकार श्री हरिनाथ हैं । लेखन स्थान–जयपुर ।

३७३ वैद्यमनोत्सव–नयनसुख । पत्र सं० २३ । साइज–८×४ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८३ ।

३७४ वैद्यरत्न–शिवानन्द भट्ट । पत्र सं० ४८ । साइज १२½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८३ ।

विशेष—ईसरदा (जयपुर) में प्रतिलिपि की गयी थी ।

३७५ वैद्यवल्लभ………। पत्र सं० २६ । साइज १०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । । लेखनकाल–सं० १७६७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८३ ।

विशेष—हिन्दी में शब्दार्थ भी दिया हुआ है ।

३७६ वैद्यविनोद………अनन्तभट्टात्मज भट्ट शंकर । पत्र सं० ११० । साइज १०½×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत ।

विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८२ ।

विशेष—महाराजा रामसिंह के पढने के लिये ग्रन्थ निर्माण किया गया था ।

३७७ **शार्ङ्गधर संहिता**–शार्ङ्गधर । पत्र सं० १०१ । साइज ११×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × लेखनकाल–सं० १७२४ माह सुदी १३ । उत्तरखण्ड तक । सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २७३ ।

विशेष—सांगानेर में प्रतिलिपि हुई थी ।

३७८ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ४५ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५५ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७३ ।

३७९ **प्रति नं० ३** । पत्र सं०–३०६ । साइज–१३×६ इञ्च । लेखनकाल सं० १७८७ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०१

३८० **प्रति नं० ४** । पत्र सं०–१०३ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल सं०–१७४१ । पूर्ण एवं सामान्य सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०१ ।

विशेष—रामसिंहजी के शासनकाल में आमेर निवासी प्रभाचन्द्र वैद्य ने सांगानेर में प्रतिलिपि की थी ।

३८१ **सन्निपातकलिका**–अश्वनिकुमार । पत्र सं० ७ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०–२३१ ।

३८२ **सप्तधातविधि**……… । पत्र सं० १५ । साइज–८½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३२ ।

३८३ **सालिहोत्र**–पं० नकुल । पत्र सं० २३ । साइज १०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–घोडों की चिकित्सा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३१ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

विषय–ज्योतिषादि निमित्तज्ञान साहित्य

ग्रन्थ संख्या–३३

३८४ **अबजदकेवली**……… । पत्र सं० ६ साइज–१०½×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५ ।

३८५ **अष्टवर्गफल**……… । पत्र सं० १० । साइज १०×८½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–राशिफल । मृत्युफल संतानफल, तिथिफल आदि । ज्योतिष के विषय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५८ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

३८६ प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज ८½×६ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५८।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है।

३८७ **गर्गसंहिता**-गर्ग ऋषि। पत्र सं० १७। साइज १०½×५ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६३।

३८८ **गौतमकेवली**……। पत्र सं० १। साइज ११×५½ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२।

३८९ **गृह लाघव**-गणेशदेव। पत्र सं० १२। साइज ११×५ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ३३।

विशेष—हिन्दी में भी अर्थ दिया हुआ है।

३९० **चन्द्रगुप्त के सोलह स्वप्न**……। पत्र सं० २। साइज-११×४ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-सोलह स्वप्नों का वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ४६।

३९१ **चमत्कारचिंतामणी**-राजऋष्य भट्ट। पत्र सं० ८। साइज-१२×५ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १७९५। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ४[illegible]।

विशेष—ग्रहों के फल का वर्णन है।

३९२ **ज्योतिषशास्त्र**-मुंजादित्य। पत्र सं० ६४। साइज-११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १९०४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ४४।

३९३ **ज्योतिषसार**-हर्षकीर्ति। पत्र सं० १०३। साइज-११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ५१।

विशेष—विषय को समझाने के लिये रेखाचित्र भी दिये हुये हैं।

३९४ **ज्ञातकेवली**……। पत्र सं० ३। साइज-११×५ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-शकुनशास्त्र (ज्योतिष) रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२।

३९५ **ज्ञानस्वरोदय**-चरनदास। पत्र सं० २७। साइज-८½×४ इञ्च। भाषा-हिन्दी छन्दोबद्ध। विषय-शकुनशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८९५। अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६५।

विशेष - स्वरों का विस्तृत विवेचन दिया हुआ है।

३९६ **प्रश्नचूडामणि**……। पत्र सं० ४। साइज ११×५½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १२५।

३९७ **प्रश्नावलि**-श्री हयग्रीव। पत्र सं० २३। साइज-१०×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-ज्योतिष।

रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८९१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८ ।

विशेष—२४ प्रकार के प्रश्नों का उत्तर दिया गया है । विधि सहित है । प्रत्येक प्रश्न का यंत्र भी है ।

३९८ **प्रश्नरत्नावलि**·······। पत्र सं० १५ । साइज–९×६ इञ्च । भाषा × । विषय–शकुनशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

विशेष—२७ प्रश्नों के २७ यंत्र हैं । यंत्र में केवल वर्णमाला के अक्षर हैं । उत्तर प्राप्त करने की विधि भी लिखी हुई है ।

३९९ **पातिसाह के नाम की शकुनावली**·······। पत्र सं० ३ । साइज–९×७½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–शकुन शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

विशेष—रेखाचित्र भी दिया हुआ है । १५ बादशाहों के नामों पर शकुन फल दिया हुआ है ।

"ओं ह्रीं श्री महमदापीर बुलबुल हुलहुल दरंदर अभिमंत्र" इस प्रकार मंत्र प्रारम्भ होता है ।

४०० **प्रति नं० २** । पत्र सं० ४ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

विशेष—यंत्र सहित है ।

४०१ **पाशाकेवली**·······। पत्र सं० २८ । साइज–५½×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के ९ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

४०२ **पंचाङ्ग**·······। पत्र सं० १६ । साइज–९×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९१७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २९० ।

संवत् १९१७ का महाराजा तख्तसिंह के समय का पंचाङ्ग है ।

४०३ **पथराहुचक्र**·······। पत्र सं० १ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

४०४ **बसंतराजशकुनावली**–बसन्तराज । पत्र सं० ७० । साइज–१२×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–शकुन शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२ ।

विशेष–हिन्दी टीका भी दी हुई है । ५, ६ तथा ७० से आगे के पत्र नहीं है ।

४०५ **मुहूर्त्तमुक्तावलि**–परमहंस परिव्राजकाचार्य । पत्र सं० १५ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५४ ।

४०६ **मेघमाला**·······। पत्र सं० १९ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४९ ।

विशेष—महादेव पार्वती संवाद का एक अंश है ।

४०७ योगिनीदशा……… । पत्र सं० ३ । साइज–६×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १५६ ।

विशेष—लिपिकार श्री खुशालचंद हैं ।

४०८ रमलशास्त्र……… । पत्र सं० १४ । साइज–६×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८३४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७२ ।

४०६ शकुनावलि……… । पत्र सं० ८ । साइज १०×५ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय-शकुनशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

४१० शकुनावलि–महामुनि गर्ग । पत्र सं०–१० । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–शकुनशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

४११ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज ११×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

४१२ शकुनार्णव……… । पत्र सं० २ । साइज १०×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–शकुनशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

४१३ शलाकानिक्षेपणनिष्काशनविधि……… । पत्र सं० ४ । साइज–१०½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–शकुन शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

विशेष—शकुनों का वर्णन दिया हुआ है ।

४१४ शीघ्रबोध–काशीनाथ । पत्र सं० १७ । साइज ७½×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०१ ।

४१५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४ । साइज ६½×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण–विवाह प्रकरण तक । शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०१ ।

४१६ स्त्रीपुरुषलक्षण……… । पत्र स० १८ । साइज ७½×३½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २२६ ।

* * *

विषय–मन्त्र तन्त्रादि

ग्रन्थसंख्या–३५

४१७ कार्त्तवीर्यकवच–चन्द्रमौलि । पत्र सं० १२ । साइज–८½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८ ।

४१८ चौरासी तंत्र……..। पत्र सं०……। साइज ११×५ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–तन्त्रशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८३३। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामाय। वेष्टन नं० ४४।

४१९ ज्वालामालिनी यंत्र……..। पत्र सं० १। साइज १२×६ इन्च। भाषा– संस्कृत। विषय–मंत्र शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५३।

विशेष—मंत्र सहित चित्र है।

४२० ज्वालामालिनीस्तोत्र……..। पत्र सं० ३। साइज १२×६ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय–मंत्र शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० ५३।

४२१ णमोकारकल्प……..। पत्र सं० ५। साइज–८×६½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-मंत्रशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९९५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५६।

४२२ प्रति नं० २। पत्र सं० ४। साइज ८×६½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९९४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५६।

४२३ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५। साइज–८×६½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९३७। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ५६।

४२४ त्रिपुरार्णव……..। पत्र सं० २२। साइज ९×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–मन्त्र शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २६७।

४२५ पद्मावती यंत्र……..। पत्र सं० १। साइज–११×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–मन्त्र शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२१।

विशेष—यंत्र, मंत्र तथा विधि तीनों ही दी हुई है।

४२६ प्रत्यंगिरासिद्धिमंत्रोद्धार……..। पत्र सं० ६। साइज–७½×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–मंत्र शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८३६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११।

विशेष—पं० हर्षचन्द्र ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी।

४२७ प्रभावतीकल्प……..। पत्र सं० ३। साइज–१०×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–मन्त्रशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११२।

४२८ पुण्याहवाचना……..। पत्र सं० ६। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–मन्त्र शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११।

४२९ प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज १०½×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १११।

विशेष—"पुण्याह वाचना का पाठ ग्वालियर में भट्टारक पट्ट स्थापित करने के अवसर पर सकलकीर्ति ने किया था" ऐसा उल्लेख किया हुआ है।

४३० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज–१०$\frac{३}{४}$×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १११।

४३१ बगुलामुखीपद्धति……… । पत्र सं०–११ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मंत्रशास्त्र। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४३२ ।

४३२ भक्तामरऋद्धिमंत्रविधि……… । पत्र सं० ८ । साइज १०×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी संस्कृत । विषय–मन्त्र शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५ ।

विशेष—मन्त्र और विधि दोनों ही दी हुई है ।

४३३ भक्तामरस्तोत्रऋद्धिमंत्र……… । पत्र सं० ४८ । साइज ११×६$\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र एवं मन्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५ ।

विशेष—मन्त्र तथा यन्त्र दोनों दिये हुये हैं । हिन्दी भाषा में प्रत्येक पद्य के मन्त्र सिद्धि से फल को बतलाया गया है ।

४३४ भैरवपद्मावतीकल्प–मल्लिषेणाचार्य । पत्र सं० २९ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४० ।

विशेष—प्रति सचित्र है ।

४३५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४८ । साइज–११×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८७६ पौष बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४० ।

४३६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५ । साइज–१२×६$\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १४० ।

४३७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६४ । साइज–६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–साधारण । वेष्टन नं० १४१ ।

विशेष—दो तरह की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

४३८ महामृत्युंजय यंत्र……… । पत्र सं० १ । साइज १३×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १५० ।

४३९ मायाबीजविधि……… । पत्र सं० २ । साइज १३×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्र शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५० ।

४४० मंत्रशास्त्रसंग्रह……… । पत्र सं०…… । साइज–७$\frac{३}{४}$×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मंत्र शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ।

४४१ यक्षिणीकल्प……… । पत्र सं० ७० । साइज–६×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६० ।

४४२ योगिनीसाधन……… । पत्र सं० ६ । साइज ८×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मंत्रशास्त्र ।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५९ ।

४४३ विजयपताकायंत्र……… । पत्र सं० १ । साइज १०$\frac{3}{4}$×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मंत्र शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९० ।

४४४ विद्यानुवाद–आचार्य मल्लिषेण । पत्र सं० २३८ । साइज ११×७$\frac{3}{4}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मंत्र शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । २४ अध्याय तक पूर्ण । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७८ ।

विशेष—प्रति सचित्र है ।

४४५ सकलीकरणविधान……… । पत्र सं० ३ । साइज ९$\frac{3}{4}$×४$\frac{1}{2}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्र शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३७ ।

विशेष—जल, नभ, अग्नि और वायु मंडल के चित्र हैं ।

४४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज–१०×४$\frac{3}{4}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०२३७ ।

४४७ सिद्धचक्रमंत्र……… । पत्र सं० ३ । साइज–११×५ इञ्च । ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१३ ।

४४८ सूयप्रतापयन्त्र……… । पत्र सं० १ । साइज–१२×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३५ ।

विशेष—मन्त्र तथा होम विधि दोनो दी हुई है । मंत्र सचित्र है ।

४४९ हनुमतकवच……… । पत्र सं० ३ । साइज–८×४$\frac{3}{4}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मन्त्र शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४९ ।

४५० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज–८×४$\frac{3}{4}$ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४९ ।

४५१ हनुमतपटलविधि……… । पत्र सं० ४ । साइज–=×४$\frac{3}{4}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २४९ ।

विषय–छंदशास्त्र

ग्रन्थ संख्या–८

४५२ प्राकृतछन्दकोश……… । पत्र सं०६ । साइज–१२×६ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–छन्दशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४८ ।

विशेष—गाथा संख्या–७७ ।

४५३ वृत्तरत्नाकर–भट्ट केदार । पत्र सं० १४ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–छन्दशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५४१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । श्री सारंग ज्योतिषी ने प्रतिलिपि की थी ।

४५४ श्रुतबोध–कालिदास । पत्र सं० ११ । साइज–११×८ इन्च । विषय–छन्दशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

४५५ प्रांत नं० २ । पत्र सं० १० । साइज–१०×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २७५ ।

४५६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज–१०×६½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एनं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं०२७५ ।

४५७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १० । साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २७५ ।

४५८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६ । साइज–१०½×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एनं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

४५९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ८ । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

विषय–रस एवं अलंकार

ग्रन्थसंख्या–२

४६० वाग्भट्टालंकार–वाग्भट्ट । पत्र सं० १७ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–अलंकार शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पंचमपरिच्छेद तक । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८६ ।

४६१ रसपीयूष–सोमनाथ । पत्र सं० १२४ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अलंकार शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५५ । अपूर्ण–२८ से ३४ एवं १२३ का पत्र नहीं है । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७० ।

विशेष—महाराजकुमार प्रतापसिंह के लिये ग्रन्थ रचना की गयी थी । भरतपुर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

विषय--कामशास्त्र

ग्रन्थसंख्या-१

४६२ कोकशास्त्र……… । पत्र सं० ७६ । साइज-७×६ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कामशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा अशुद्ध एवं अस्पष्ट । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१ ।

विषय--लोकविज्ञान

ग्रन्थसंख्या-४

४६३ त्रिलोकदर्पणकथा-खड्गसेन । पत्र सं० १०१ । साइज-१२×६$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-लोक विज्ञान । रचनाकाल सं० १७१३ । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

४६४ तीनलोक वर्णन……… । पत्र सं० ७१ । साइज-१३×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-लोक विज्ञान । रचनाकाल-सं० १६८३ । लेखनकाल × । पूर्ण-अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६१ ।

४६५ तीनलोकरचना……… । पत्र सं० २१६ । साइज-९$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-लोक विज्ञान । रचनाकाल-सं० १७७९ । लेखनकाल-सं० १७७९ । पूर्ण-सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६१ ।

४६६ त्रिलोकसार-आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० ७१ । साइज-१२×६ इन्च । भाषा-प्राकृत । विषय-लोक विज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६१७ असाढ सुदी ५ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६ ।

विशेष—सुमतिकीर्त्ति के शिष्य आचार्य रत्नभूषण ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

विषय--सुभाषित

ग्रन्थसंख्या १४

४६७ कक्कापैंतीसी-गुलाबचन्द । पत्र सं ५ । साइज-६$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५ ।

४६८ सुप्पयदोहा-सुप्रभाचार्य । पत्र सं० २२ । साइज-९×४ इन्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७८४ आसोज सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६८ ।

विशेष--प्रति सटीक है । संस्कृत में टीका है ।

४६९ बारहखडी········। पत्र सं० ६। साइज—८×५½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—सुभाषित। रचनाकाल ×।लेखनकाल—सं० १८५१ माह बुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १३३।

४७० प्रति नं० २। पत्र सं० २। साइज—७½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १३३।

४७१ सभातरंग········। पत्र सं० ३५। साइज—११½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२७।

४७२ सिन्दूरप्रकरण—कौरपाल बनारसीदास। पत्र सं० ४३। साइज—५½×४½ इञ्च। भाषा—हिन्दा। विषय—सुभाषित। रचनाकाल सं० १६९१। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २३९।

४७३ सूक्तिमुक्तावलि—सोमप्रभ। पत्र सं० १४। साइज—१०×४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण—पद्य सं० १००। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६५।

विशेष—प्रति सटीक है टीकाकार—हर्षकीर्त्ति है।

४७४ प्रति नं० २। पत्र सं० ११। साइज—१०½×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २३९।

४७५ प्रति नं० ३। पत्र सं० २४। साइज—१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण—४४ पद्य तक हो है। जीर्ण। वेष्टन नं० २३९।

विशेष—प्रति सटीक है।

४७६ प्रति नं० ४। पत्र सं० १४। साइज—११×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २७३।

४७७ सुभाषितार्णव—भ० शुभचंद्र। पत्र सं० ७२। साइज १०½×६ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २३०।

४७८ सुभाषितावली—सकलकीर्त्ति। पत्र सं० २५। साइज—११×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १७९५ माघ शुक्ला १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२७।

विशेष—पं० खुशालचंद ने महाराष्ट्र में प्रतिलिपि की थी।

४७९ प्रति नं० २। पत्र सं० २७। साइज १०½×४ इञ्च। लेखनकाल—सं० १६१८ कार्त्तिक सुदी २। अपूर्ण—प्रारम्भ के २० पत्र नहीं हैं। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२७।

विशेष—हिसार में साधु महसेन ने प्रतिलिपि बनायी थी।

४८० सूरतकीबारहखडी········। पत्र सं० १। साइज १९×५½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १९५८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २३४।

विषय–नीति

ग्रन्थसंख्या–१०

४८१ **नीतिशतक**–भर्तृहरि। पत्र सं० २६। साइज–६×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–नीति। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८१०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८६।

४८२ प्रति नं० २। पत्र सं० १८। साइज–६×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८६।

४८३ **नीतिशास्त्र**–चाणक्य। पत्र सं० १८। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–नीति शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ४७।

४८४ प्रति नं० २। पत्र सं० ५। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८६८। अपूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं ४७।

४८५ प्रति नं० ३। पत्र सं० १३। साइज–१०×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ४७।

४८६ प्रति नं० ४। पत्र सं० २२। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४७।

विशेष—संस्कृत पद्यों का हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है।

४८७ प्रति नं० ५। पत्र सं० १४। साइज–६½×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८२ फागुण सुदी ६। अपूर्ण–१, २, ४ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८६।

विशेष—१० पत्र तक हिन्दी में टिप्पणी दे रक्खी है।–

४८८ **पंचतंत्र**........। पत्र सं० १३४। साइज–६×८ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–नीति शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६०।

४८९ **पंचोपाख्यान**–विष्णुशर्मा। पत्र सं० ३८। साइज–१३×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–राजनीति। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८४५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०४।

विशेष—भट्टारक सुरेन्द्रकीर्त्ति ने कोटा नगर में प्रतिलिपि की थी।

४९० **हितोपदेश भाषा**........। पत्र सं० ३७। साइज–१२½×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–नीति शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं० १८२८ माघ सुदी १३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४६।

विषय–स्तोत्र

ग्रन्थ संख्या–१०४

४९१ अजितशांतिस्तवन–नन्दिषेण। पत्र सं. ४। साइज १०×४½ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६।

विशेष—प्राकृत से संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

४९२ अजितस्तवन–जीवराज। पत्र सं० १। साइज १०×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं. १७।

४९३ आराधनाप्रतिबोधसार–म० सकलकीर्त्ति। पत्र सं० ५। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तवन। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६।

४९४ उपसर्गहरणस्तोत्र–पूर्णचन्द्राचार्य। पत्र सं० ६। साइज–११×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं. २०।

विशेष—अन्तिम पत्र पर धर्मनंदि कृत प्राकृत भाषा में चतुषष्टियोगिनी स्तोत्र भी है।

४९५ ऋषिमंडलस्तोत्र–गौतमस्वामी। पत्र सं० ८। साइज–१३×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण–पद्य–सं० ८४। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३।

विशेष—हिन्दी टीका भी दी हुई है। लेखक जिणदास मालावत है।

४९६ प्रति नं० २। पत्र सं० १३। साइज ११×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१।

४९७ एकीभावस्तोत्रभाषा–भूधरदास। पत्र सं० ५। साइज–१०×३ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९५६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं २२।

४९८ एकीभावस्तोत्र–वादिराज। पत्र सं० १०। साइज–११×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८०६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२।

विशेष—अखयराज कृत हिन्दी टीका भी साथ में दी हुई है।

४९९ प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२।

विशेष—संस्कृत में शब्दार्थ दिये हुये हैं।

५०० प्रति नं० ३। पत्र सं०–४। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२।

५०१ कल्याणमन्दिरस्तोत्र–कुमुदचंद्र। पत्र सं० ११। साइज १०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५६० फागुण बुदी ९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २७।

विशेष—मुनि चरित्रवर्धन कृत संस्कृत टीका है। टीका सुन्दर है। लेखनस्थान—ग्वालियर।

५०२ प्रति नं० २। पत्र सं० ५। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २७।

५०३ प्रति नं० ३। पत्र सं० १५। साइज–१२½×६ इञ्च। लेखनकाल सं०–१८०६ फागुण बुदी १०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २७।

विशेष—अखयराज कृत हिन्दी भाषा भी दी हुई है।

५०४ प्रति नं० ४। पत्र सं० ६। साइज–९×५½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २७।

५०५ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६। साइज १२×६ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २७।

५०६ प्रति नं० ६। पत्र सं० ८। साइज–९×४½ इन्च। लेखनकाल सं० १६४३ पौष शुक्ला १३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २८।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

५०७ प्रति नं० ७। पत्र सं० ४। साइज–८½×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २८।

५०८ प्रति नं० ८। पत्र सं० ६। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २८।

५०९ **क्षेत्रपालस्तोत्र**……। पत्र सं० २। साइज–७½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६१।

५१० **क्षेत्रपालस्तोत्र**……। पत्र सं० १३। साइज ११×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६२।

५११ **चतुर्विंशतिजिनस्तुति**–माघनंदि। पत्र सं० ३। साइज–११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २८३।

विशेष—पद्य संख्या २५।

५१२ **जिनअष्टोत्तरशतनाम**……। पत्र सं० २। साइज–८×६ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५४।

५१३ **जिनपंजरस्तोत्र**–कमलप्रभसूरि। पत्र सं० २। साइज–१०½×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५०।

५१४ **जिनसहस्रनाम**–जिनसेनाचार्य। पत्र सं० ८१। साइज–११×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–

स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं०१८०२ । अपूर्ण एवं अशुद्ध-प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

५१५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज ८×६ इन्च । लेखनकाल सं० १९६८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६५ ।

५१६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७ । साइज ६½×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।

५१७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७ । साइज १०½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।

५१८ दधिपद्रेशस्तोत्र……… । पत्र सं० १ । साइज-१०×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

विशेष—६ पद्यों का संस्कृत में जिनप्रभाचार्य का सरस्वती स्तोत्र भी हैं ।

५१९ दर्शनपाठ……… । पत्र सं० २ । साइज-११×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तवन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

५२० दोषापहारस्तोत्र-जिनप्रभसूरि । पत्र सं० ४ । साइज १०½×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

विशेष—इस प्रति में नवग्रह स्तोत्र भी है ।

५२१ धर्मचाह……… । पत्र सं० २ । साइज-८×४ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तुति । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७९ ।

५२२ निर्वाणकांडभाषा-भैय्या भगवतीदास । पत्र सं० ६ । साइज-५½×३ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तवन । रचनाकाल-सं० १७४१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।

५२३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज-८½×४ इन्च । लेखनकाल-सं० १७५४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९ ।

५२४ पद्मावतीस्तोत्र……… । पत्र सं० ११ । साइज-११×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

५२५ पद्मावतीस्तोत्र…… । पत्र सं० ४ । साइज-११×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

विशेष—पद्य संख्या २७ ।

५२६ पद्मावतीस्तोत्र……… । पत्र सं० ४ । साइज-७½×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचना-

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १२१ ।

५२७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १२१ ।

५२८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४ । साइज–१२×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १२१ ।

५२९ पार्श्वनाथस्तोत्र……… । पत्र सं० २ । साइज–११×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८ ।

५३० पार्श्वनाथस्तोत्र……… । पत्र सं० ८ । साइज–६×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २९० ।

५३१ पार्श्वनाथस्तोत्र……… । पत्र सं० २ । साइज–११×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०२ ।

विशेष—पद्य संख्या ३३ ।

५३२ पार्श्वनाथस्तोत्र……… । पत्र सं० २ । साइज ११×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०२ ।

विशेष—यमकबंध स्तोत्र है । संस्कृत में टीका दी हुई है । भट्टारक महेन्द्रकीर्त्ति ने स्तोत्र की प्रतिलिपि की थी ।

५३३ पार्श्वनाथस्तोत्र–द्यानतराय । पत्र सं०–१ । साइज–१०×४ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

५३४ पंचस्तोत्र सटीक । टीकाकार–नागचंद्रसूरि । पत्र सं० १०८ । साइज १२×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०९ ।

५३५ प्रति नं २ । पत्र सं० २० । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०९ ।

विशेष—अन्त में सहस्रनाम स्तोत्र भी है लेकिन वह अपूर्ण है ।

५३६ भक्तामरस्तोत्रभाषा–हेमराज । पत्र स० ११ । साइज ५×४$\frac{३}{४}$ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३५ ।

५३७ भक्तामरस्तोत्रसटीक…… । पत्र सं० ४२ । साइज ७$\frac{३}{४}$×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत-हिन्दी । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५ ।

५३८ भक्तामरस्तोत्र–मानतुंगाचार्य । पत्र सं० ४२ । साइज १२×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं १३८ ।

विशेष—हिन्दी टीका सहित है ।

५३९ भक्तामरस्तोत्र—मानतुंगाचार्य । पत्र सं० १० । साइज ८×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल- × । लेखनकाल-सं० १८०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

५४० प्रति नं २ । पत्र सं० १५ । साइज-११×५ इन्च । लेखनकाल-सं० १६११ चैत्र बुदी ११ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं १३६ ।

५४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३१ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल सं० १७५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार श्री मेघविजयप्रभ हैं ।

५४२ भक्तामरस्तोत्र—मानतुंगाचार्य । पत्र सं० २४ । साइज-१०$\frac{३}{४}$×७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

विशेष—सुनहरी अक्षरों में लिखी हुई है ।

५४३ प्रति नं २ । पत्र सं० ६ । साइज-८×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

५४४ प्रति नं ३ । पत्र सं० ५ । साइज ८×५$\frac{१}{२}$ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

५४५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६ । साइज ८×८ इन्च । लेखनकाल × । दशा-सामान्य । पूर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० १३४ ।

५४६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५ । साइज १२×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

५४७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

५४८ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५ । साइज-११$\frac{३}{४}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

५४९ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ८ । साइज-११×८$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३४ ।

५५० भक्तामरस्तोत्रटीका—समयसुन्दरोपाध्याय । पत्र सं० १३ । साइज-११×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

५५१ भक्तामरस्तोत्रटीका—ब्रह्म रायमल्ल । पत्र सं० ३६ । साइज १२×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-

स्तोत्र । टीकाकाल सं० १६६७ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३७ ।

५५२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५० । साइज १२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७८२ । पूर्ण एवं शुद्ध दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८ ।

५५३ भयहरस्तोत्र……… । पत्र सं० १४ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४१ ।

विशेष—आचार्य गोविन्द कृत अजितशांति स्तोत्र भी है ।

५५४ भूपालचतुर्विंशतिस्तोत्र–भूपाल कवि । पत्र सं० ३ । साइज १२×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

५५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

५५६ भैरवाष्टक……… । पत्र सं० १ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा– संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४१ ।

५५७ महावीरपार्श्वनाथस्तवन……… । पत्र सं० २ । साइज–८×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत विषय–स्तवन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

५५८ रोगापहारस्तोत्र……… । पत्र सं० २ । साइज–६×४ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७० ।

५५९ लक्ष्मीस्तोत्र–पद्मप्रभदेव । पत्र सं० १ । साइज १०½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७५ ।

५६० प्रति नं० २ । पत्र सं० १ । साइज १२×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार श्री मुनिभूषण है ।

५६१ लक्ष्मीस्तोत्र भाषा……… । पत्र सं० ३ । साइज–१०½×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७५ ।

५६२ वसुधारास्तोत्र……… । पत्र सं० ८ । साइज–६×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८७ ।

५६३ विषापहारस्तोत्र–धनंजय । पत्र सं० १३ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १८६ ।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

५६४ प्रति नं० २। पत्र सं० १०। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८६।

विशेष—अखयराज श्रीमाल कृत हिन्दी टीका सहित है।

५६५ प्रति नं० ३। पत्र सं० १६। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८०१ फागुण सुदी ९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८६।

विशेष—अखयराज श्रीमाल कृत हिन्दी टीका सहित है।

५६६ विषापहारस्तोत्र भाषा–आचार्य अचलकीर्त्ति। पत्र सं० ५। साइज–८¾×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल–सं० १७१५। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८७।

विशेष—नारनोल शहर में स्तोत्र की भाषा की गयी थी।

५६७ प्रति नं० २। पत्र सं० ३। साइज–८×५ इञ्च। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८७।

५६८ विषापहारस्तोत्र भाषा–कवि शांतिदास। पत्र सं० ६। साइज–८×४ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १८७।

५६९ वंदना जखडी–बुधजन। पत्र सं० ४। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तुति। रचनाकाल–×। लेखनकाल–×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९०।

५७० शान्तिस्तोत्र (लघु ……..। पत्र सं० १४। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८८१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २०२।

विशेष–पं० स्वरूपचन्दजी ने अपने शिष्य सदासुख के पढने के लिये की प्रतिलिपि थी।

५७१ शान्तिस्तोत्र–……..। पत्र सं० ३। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०२।

५७२ शिखरविलास–भागचंद। पत्र सं० ७। साइज–११×५¾ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण–पद्य–संख्या ११८। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९९

५७३ समवसरणस्तोत्र–विष्णुसेन। पत्र सं० ७। साइज–१२×५¾ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१६।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है।

५७४ सरस्वतीस्तोत्र……..। पत्र सं० १। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३८।

विशेष—स्तोत्र मंत्र सहित है। गायत्री पाठ भी इसमें है।

५७५ सरस्वतीस्तोत्र……..। पत्र सं० १। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचना-

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३७ ।

विशेष—पार्श्वनाथस्तोत्र तथा वृहस्पति स्तोत्र भी है ।

५७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २ । साइज–८¾×३½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३७ ।

विशेष—पद्य सं० १३ । स्तोत्र मंत्र गर्भित है ।

५७७ सहस्रनामस्तोत्र……… । पत्र सं० १३ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २३४ ।

५७८ स्वयंभूस्तोत्र–समंतभद्राचार्य । पत्र सं० १४ । साइज–८½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

५७९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज १०×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २३५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

५८० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६ । साइज १०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८६० श्रावण सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २३५ ।

५८१ सामायिकपाठ–बहुमुनि । पत्र सं० १६ । साइज–११×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २४१ ।

५८२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

५८३ सिद्धप्रियस्तोत्र–देवनंदि । पत्र सं० ४ । साइज–८×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३६ ।

५८४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १८०६ फागुण सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २३६ ।

विशेष—ऋषिराज कृत हिन्दी टीका भी है । जयपुर में श्री गुलाबचंद भौंसा ने प्रतिलिपि की थी ।

५८५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य वेष्टन नं० २३६ ।

विशेष—हिन्दी में कहीं २ शब्दार्थ दिया हुआ है । इस प्रति में २६ पद्य हैं जबकि उक्त दोनों में २५ पद्य हैं ।

५८६ सिद्धस्तवन–चन्द्रकीर्ति । पत्र संख्या २ । साइज–१०½×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

५८७ स्तुतिपाठ……..। पत्र सं० २ । साइज–११½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१ ।

५८८ स्तोत्रसंग्रह……..। पत्र सं० ८ । साइज–८¾×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४५ ।

विशेष—सर्वचैत्यवंदन ज्वालामालिनीस्तोत्र, पार्श्वनाथस्तोत्र एवं क्षेत्रपालस्तोत्र हैं ।

५८९ स्तोत्रसंग्रह–संग्रहकर्त्ता–फतेहराम लुहाडिया । पत्र सं० ११७ । साइज १०¾×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल सं०–१८५१ माघ शुक्ला १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० २५४ ।

विशेष—जयपुर में सवाईराम ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

५९० स्तोत्रसंग्रह……..। पत्र सं० ५ । साइज–९½×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३३ ।

विशेष—पद्मावती स्तोत्र एवं भारती स्तोत्र हैं ।

५९१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३३ ।

विशेष—५ स्तोत्रों का संग्रह है ।

५९२ हनुमतसहस्रनाम……..। पत्र सं० ९ । साइज–८×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८३७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४९ ।

विशेष—जयपुर में महाराजा प्रतापसिंह के शासनकाल में श्री हर्षचन्द्र छाबड़ा ने प्रतिलिपि की थी ।

५९३ हनुमतस्तोत्र……..। पत्र सं० १ । साइज १२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५० ।

विशेष—हनुमानजी का चित्र बना कर उनके अंगोंपांग पर मंत्र लिखा हुआ है । मन्त्रसिद्धि तथा फल भी लिखा हुआ है ।

५९४ हनुमतस्तोत्र……..। पत्र सं० ६ । साइज ८×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४९ ।

विशेष—स्तोत्र ब्रह्मांडपुराण में से लिखा गया है ।

विषय–पूजा साहित्य

ग्रन्थसंख्या १६२

५९५ **अनन्तचतुर्दशीपूजा**……… । पत्र सं० १३ । साइज–१०¾×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

५९६ **अनन्तनाथपूजा**–श्री भूषण । पत्र सं० १ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

५९७ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १ । साइज–११×४¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

५९८ **अनन्तव्रतोद्यापनपूजा**–आचार्य भूषण । पत्र सं० २२ । साइज–६×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं०१८१६ । अपूर्ण–२१ वां पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

५९९ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ८ । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

६०० **अनन्तव्रतोद्यापनपूजा**–भट्टारक गुणभद्र । पत्र सं० ४४ । साइज १५×५¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८७१ आसोज बुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

विशेष—दो प्रकार की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

६०१ **प्रति नं० २** । पत्र सं० २६ । साइज–१०½×५¾ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८८९ भादवा बुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

६०२ **प्रति नं० ३** । पत्र सं०–२९ । साइज–१२×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२ ।

६०३ **अभिषेकविधि**–(वृहद्) श्री अर्हद्देव । पत्र सं० ९३ । साइज–१०¾×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रथम २ पत्र नहीं है । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—१० पत्र तक जिनसहस्रनाम स्तवन है दो प्रकार की लिपियां है । कहीं २ संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६०४ **अभिषेकविधि**–अभयनन्दि । पत्र सं० ७ । साइज ११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २५७ ।

६०५ **अभिषेकविधि**……… । पत्र सं. २ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

६०६ **अभिषेकविधि**–(वृहद्) आशाधर । पत्र सं० १५ । साइज–११×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

६०७ **अभिषेकविधि**……… । पत्र सं० ८ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय-पूजा। रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८९३ असाढ सुदी १५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—पं. संपत्तिराम ने प्रतिलिपि की थी ।

६०८ **अभिषेकसामग्री**……… । पत्र सं० ३ । साइज–१०½×५ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अभिषेक में काम आने वाली सामग्री का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं. २५७ ।

६०९ **अष्टाह्निकापूजा**……… । पत्र सं० ८ । साइज ११×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं. १८ ।

विशेष—श्री पं. नन्ददास ने बादशाह फरूकशाह के शासनकाल में मकसूदाबाद में प्रतिलिपि की थी ।

६१० **अष्टाह्निकापूजा**……… । पत्र सं० ८ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

विशेष—उत्तर दिशा के १३ चैत्यालयों की पूजा है

६११ **अष्टाह्निकापूजा**–द्यानतराय । पत्र सं० ३ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं. १८ ।

६१२ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

६१३ **अष्टाह्निकापूजा**–कनककीर्त्ति । पत्र सं० ८ । साइज–१८×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २८ ।

६१४ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ५ । साइज ६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८ ।

६१५ **अष्टाह्निकाव्रतोद्यापनपूजा**–कनककीर्त्ति । पत्र सं० ११ । साइज–९×४¾ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८१३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं १४ ।

६१६ **अष्टाह्निकाव्रतोद्यापनपूजा**……… । पत्र सं० १७ । साइज १०½×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल– × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

विशेष—अन्तिम पत्र पर हिन्दी में नन्दीश्वर द्वीप का वृतान्त दे रखा है ।

६१७ **अक्षयदशमीपूजा**……… । पत्र सं० १५ । साइज १०×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७ ।

विशेष—अनन्तव्रतकथा तथा ज्येष्ठजिनवरकथा भी हैं।

६१८ **इन्द्रध्वजपूजा**—भट्टारक विश्वभूषण। पत्र सं० ८०। साइज–११×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १७।

६१९ **ऋषिमंडलपूजा**—ज्ञानभूषण। पत्र सं० १५। साइज–११×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७।

६२० **कंजिकाव्रतोद्यापनपूजा**—मुनि ललितकीर्त्ति। पत्र सं० ६। साइज–१०½×५ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७५१ चैत्र सुदी ८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५।

विशेष—यह प्रति जयकीर्त्ति को भेंट दी गयी थी।

६२१ **कवलचंद्रायणपूजा**—श्री देवेन्द्रकीर्त्ति। पत्र सं० ४। साइज–१२×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५।

६२२ **कर्मचूरव्रतोद्यापन**—भट्टारक लक्ष्मीसेन। पत्र सं० ६। साइज–११×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २३।

६२३ **कर्मदहनपूजा**—भ० सोमदत्त। पत्र सं० १२। साइज–१२×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८१८ भादवा बुदी १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३।

विशेष—लेखनस्थान–जयपुर।

६२४ **प्रति नं० २**। पत्र सं० २६। साइज–११½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३।

६२५ **कल्याणगुणमाला**—भ० शुभचन्द्र। पत्र सं० १७। साइज–११×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३।

६२६ **कल्याणमन्दिर पूजा**—सुरेन्द्रकीर्त्ति। पत्र सं० ७। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा रचनाकाल–सं० १८४२। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २५।

६२७ **कलिकुंडपूजा**—भ० प्रभाचन्द्र। पत्र सं० ६। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४।

६२८ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ५। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४।

विशेष—कलिकुंड यंत्र विधान भी है।

६२९ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ३। साइज–८½×४½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४।

६३० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४ ।

६३१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५ । साइज-८×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४ ।

६३२ **कांजीचौसठपूजा**-शिवकुमार । पत्र सं० १६ । साइज-१०½×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७३३ जेठ बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० २५ ।

विशेष—वृन्दावन में प्रतिलिपि की गयी थी ।

६३३ **क्षेत्रपाल पूजा**……… । पत्र सं० ४ । साइज-११×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

६३४ **क्षेत्रपालपूजा**-विश्वसेन । पत्र सं० १३ । साइज-११×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

६३५ **गणधरवलयपूजा**-भट्टारक प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ८३ । साइज-४×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रारम्भ के ७ पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३ ।

६३६ **गणधरवलयपूजा**……… । पत्र सं० ६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३ ।

६३७ **गुरुपूजा**-ब्र० जिनदास पत्र सं० ४ । साइज-८×६ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४ ।

६३८ **चतुर्विंशतिजिनपूजा**……… । पत्र सं० ५३ । साइज-१०×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८ ।

६३९ **चतुर्विंशतिजिनपूजा**……… । पत्र सं० ४३ । साइज-११×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८८६ माघ सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८ ।

६४० **चतुर्विंशतिजिनपूजा**……… । पत्र सं० ३० । साइज-१०×६ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-अन्तिम एक पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य ।

विशेष—पूजाओं की जयमाला प्राकृत में है ।

६४१ **चतुर्विंशतितीर्थंकरपूजा**……… । पत्र सं. ५० । साइज १०×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८२ ।

६४२ **चन्दनषष्ठिव्रतोद्यापन**-शर्मदेव । पत्र सं० ५ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४० ।

६४३ **चन्दनषष्ठिव्रतोद्यापन**……… । पत्र सं० १० । साइज ११×४¾ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा

रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४०।

६४४ **चन्दनषष्ठिव्रतोद्यापनपूजा**–श्री विजयकीर्त्ति। पत्र सं० ९। साइज–१०×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८९८ श्रावण बुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४०।

विशेष—चन्दनषष्ठिव्रत के मंडल का चित्र भी दिया हुआ है। चित्र सुन्दर है।

६४५ **चौबीसतीर्थंकरपूजा**–रामचन्द्र। पत्र सं० ९३। साइज ११×५ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३७।

६४६ प्रात नं० २। पत्र सं० ७८। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३७।

६४७ **चौबीसतीर्थंकरपूजा**–श्री वृन्दावन। पत्र सं० ६१। साइज–११×७½ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३६।

६४८ प्रति नं० २। पत्र सं० ६७। साइज–१२×८ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३६।

६४९ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६९। साइज–११½×८ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन ० ३६।

६५० **चौबीसतीर्थंकरपूजा**–सेवाराम। पत्र सं० ५५। साइज ६×६ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा। रचनाकाल सं० १८२४ मंगसिर बुदी ८। लेखनकाल सं० १८६६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ३७।

६५१ **चौसठऋद्धिपूजा**–स्वरूपचन्द। पत्र सं० २३। साइज–११×८ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा। रचनाकाल–सं० १९१०। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ३९।

विशेष—अन्तिम पत्र पर मंडल विधि दी हुई है।

६५२ प्रति नं० २। पत्र सं० २९। साइज–११×८ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३९।

६५३ **जम्बूद्वीपपूजा**–ब्रह्म० जिनदास। पत्र सं० २३। साइज–१२×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८१८ भादवा सुदी ४। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४९।

६५४ **जिनशासनदेवपूजा**-भ० विश्वसेन। पत्र सं० २७। साइज–११½×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४९।

विशेष—तीन प्रतियों के पत्र मिलाकर एक प्रति की गयी है।

६५५ **जिनसंपत्तिव्रतपूजा**–भ० देवेन्द्रकीर्त्ति। पत्र सं० ३। साइज–११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४९।

६५६ **ज्येष्ठजिनवरव्रतपूजा**········। पत्र सं० ७। साइज–९½×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४९।

६५७ णमोकारपैंतीसीपूजा……। पत्र सं० ५। साइज–१०¾×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५६।

६५८ णमोकारपैंतीसीपूजा–कनककीर्ति। पत्र सं० ४। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५६।

६५९ णमोकारपंचविंशतिकापूजा……। पत्र सं० ४। साइज ११½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६६।

६६० दशलक्षणजयमाल……। पत्र सं०–६। साइज–१०×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २६८।

६६१ दशलक्षण पूजा……। पत्र सं० ५। साइज १२×६ इञ्च। भाषा–प्राकृत–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६१।

६६२ प्रति नं० २। पत्र सं० ५। साइज–६×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६१।

६६३ प्रति नं० ३। पत्र सं० १। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६२।

विशेष—प्राकृत से संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

६६४ दशलक्षणपूजा–पं० रइधू। पत्र सं० ६। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ६१।

विशेष—अपभ्रंश से संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं। लेखनस्थान–जयपुर।

६६५ दशलक्षणव्रतोद्यापन पूजा–सुमतिसागर। पत्र सं० १०। साइज–१२×५¾ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८।

६६६ प्रति नं० २। पत्र सं० १३। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६७।

६६७ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६१। साइज–१०×४ इञ्च। पूर्ण तथा अशुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८।

६६८ दशलक्षणव्रतोद्यापन पूजा……। पत्र सं० ३१। साइज–१२×६¾ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९५३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ६९।

विशेष—जयपुर में पं० लूणकरणजी के मन्दिर में शास्त्र की प्रतिलिपि हुई थी।

६६९ प्रति नं० २। पत्र सं० ४३। साइज–११×५¾ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९४६। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८।

विशेष—लेखनस्थान जयपुर।

६७० **देवपूजा**……। पत्र सं० १। साइज–११×५ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७०।

विशेष—पर्यायवाची शब्दों के अतिरिक्त संस्कृत में टीका भी दी हुई है। २४ तीर्थंकरों की केवल जयमाला ही है।

६७१ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ४। साइज १०×४½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७०।

विशेष—पूजा का दूसरा नाम चतुर्विंशतितीर्थंकर पूजा भी है। पूजा के अन्त में चैत्यालय वंदना का पाठ और है।

६७२ **धर्मचक्रपूजा–यशोनंदि**। पत्र सं० २२। साइज १२×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७५।

६७३ **नवग्रहपूजा**……। पत्र सं० ६। साइज–११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८५।

विशेष—अन्तिम पत्र पर नवग्रहमंडल के तीन चित्र दिये हुये हैं।

६७४ **नवग्रहपूजा**……। पत्र सं० १। साइज–११×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल × लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं ८५।

विशेष—भद्रबाहु कृत नवग्रह पाठ भी दिया हुआ है।

६७५ **प्रति नं० २**। पत्र सं० १। साइज–१०×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८५।

६७६ **प्रति नं ३**। पत्र सं० १। साइज १०×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८५।

६७७ **नवग्रहपूजा**……। पत्र सं० १०। साइज–११½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८४।

विशेष—भद्रबाहु मुनि कृत नवग्रह स्तोत्र तथा ग्रह विसर्जन मंत्र भी है।

६७८ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ४। साइज ११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८४।

६७९ **नवग्रहपूजा**……। पत्र सं० ६। साइज ११×६ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८४।

विशेष—अन्त में पूजा विधि तथा नवग्रहों के चित्र भी हैं।

६८० **प्रति नं २**। पत्र सं० ६। साइज–११×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८४।

विशेष—नवग्रह मंडल का चित्र भी है।

६८१ **नित्यनियमपूजासंग्रह**……… । पत्र स० १३ । साइज ११×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ८२ ।

विशेष—इस प्रति को पं० मोतीलालजी सेठी (जयपुर) ने मन्दिर में भेंट की थी ।

६८२ **प्रति नं २** । पत्र सं० १० । साइज–६½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८२ ।

६८३ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० १५ । साइज–८×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८२ ।

६८४ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० १६ । साइज–६½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८२ ।

६८५ **निर्दोषसप्तमीव्रतपूजा**……… । पत्र सं० १० । साइज–११×८½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ९० ।

६८६ **निर्वाणकांडपूजा**…… । पत्र सं० ८ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १८७१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८३ ।

६८७ **नेमिनाथपूजा**–भ० सुरेन्द्रकीर्त्ति । पत्र सं० २ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १८२४ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८३ ।

६८८ **प्रति नं० २** । पत्र सं० २ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं. ८३ ।

६८९ **प्रतिमासांतचतुर्दशीव्रतोद्यापनपूजा**–अखयराम । पत्र सं० १४ । साइज–१०½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं. ११६ ।

६९० **पल्यविधानपूजा**–रत्ननंदी । पत्र सं० १० । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७३० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—रामसेनान्वय भ० भुवनकीर्त्ति के शिष्य पं० नारायणदास ने प्रतिलिपि की थी ।

६९१ **पार्श्वनाथपूजा**–अभयचंद्र । पत्र सं० ५ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

विशेष—पंचमेरू की पूजा भी है ।

६९२ **पुरंदरव्रतपूजा**–भ० सुरेंद्रकीर्त्ति । पत्र सं० ३ । साइज–११×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १८३७ । लेखनकाल–सं० १८८७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११९ ।

६९३ **पुरंदरव्रतोद्यापनपूजा**–सोमसेन । पत्र सं० ११ । साइज–६½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११९ ।

६९४ **पुष्पांजलिव्रतोद्यापनपूजा**……… । पत्र सं० १५ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं ११५ ।

६९५ **पुष्पांजलिव्रतपूजा**–पं० गंगादास । पत्र सं० ७ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११५ ।

६९६ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ७ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६०१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११५ ।

६९७ **पूजा संग्रह**……… । पत्र सं० २२ । साइज–११×८ इञ्च । भाषा–प्राकृत–संस्कृत–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—सोलहकारण, पंचमेरू, आदि की पूजायें हैं ।

६९८ **प्रति न० २** । पत्र सं० १४ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—संग्रह में रत्ननंदि कृत पल्यविधानपूजा देवेन्द्रकीर्त्ति कृत त्रेपनक्रियाविधान आदि हैं ।

६९९ **पूजा संग्रह**……… । पत्र सं० २४ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

विशेष—१३ पूजाओं का संग्रह है ।

७०० **पूजा संग्रह**……… । पत्र सं० ३५–४० । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

७०१ **पंचकल्याणकपूजा**–विश्वभूषण । पत्र सं० २२ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

७०२ **पंचकल्याणपूजा**–ब्रह्म गोपाल । पत्र सं० १२ । साइज ११×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६६२ वैशाख सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

विशेष—वादिभूषण के उपदेश से ब्रह्म अरिउ के पठनार्थ साहराम ने पूजा की प्रतिलिपि की थी ।

७०३ **पंचकल्याणपूजा**……… । पत्र सं० १० । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

विशेष—मंगलाचरण और समाप्ति के पद्यों में अकलंक, गुणभद्र समंतभद्र, जिनचंद्र, विद्यानंदि तथा सुमतिसागर आदि आचार्यों को नमस्कार किया गया है ।

७०४ **पंचकल्याणपूजा**–सुरेन्द्रकीर्ति । पत्र सं० २० । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल सं०–१८५१ भादवा बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

विशेष—स्वरूपचंदजी के शिष्य पं० सदासुखजी ने लिपि करवायी तथा संभूराम ने प्रतिलिपि की थी।

७०५ **पंचपरमेष्ठिपूजा**-टेकचंद। पत्र सं० ३१। साइज-१३×५½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १९५६ श्रावण सुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११३।

विशेष—श्री द्यानतरायजी कृत विदेह क्षेत्र पूजा भी है। लालसोट (जयपुर) में प्रतिलिपि की गयी थी।

७०६ प्रति नं० २। पत्र सं० १६। साइज-११½×८ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११३।

७०७ **पंचपरमेष्ठिपूजा**-शुभचन्द्र। पत्र सं० २६। साइज ११×७ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११३।

७०८ **पंचपरमेष्ठिपूजा**-यशोनंदि। पत्र सं० ३३। साइज-१०½×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं० १८५६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११३।

विशेष—जयपुर नगर में प्रतिलिपि की गयी थी। दो प्रतियों का सम्मिश्रण है।

७०९ **पंचम सचतुर्दशीव्रतपूजा**-सुरेन्द्रकीर्ति। पत्र सं० ५। साइज-११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १९३२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११६।

७१० **पंचमीव्रतोद्यापनपूजा**-पं० हर्षचन्द्र। पत्र सं० ७। साइज-११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १९०६ भादवा सुदी १३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११६।

७ १ **पंचमेरुपूजा**-द्यानतराय। पत्र सं० ३। साइज-१०½×५ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११४।

७१२ प्रति नं० २। पत्र सं० ३। साइज-१०½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य वेष्टन नं० ११४।

७१३ **पंचमेरुपूजा**-भट्टारक रत्नचन्द्र। पत्र सं० ८। साइज-१०½×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११४।।

विशेष—पुष्पांजलिव्रत पूजा भी दी हुई है।

७१४ **भक्तामरपूजा**……। पत्र सं० १२। साइज-१०½×५ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३८।

७१५ **भुवनेश्वरीपूजा**……। पत्र सं० ६। साइज-१३×६ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३९।

७१६ **मानुषोत्तरचैत्यालयपूजा**-विश्वभूषण। पत्र सं० ७। साइज-१३×६ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-जा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २५१।

७१७ **मुक्तावलीव्रतोद्यापनपूजा**……। पत्र सं० १२। साइज-११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-

पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२ ।

७१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज–१०$\frac{३}{४}$×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १५२ ।

७१६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२ ।

७२० प्रति नं० ४ । पत्र सं० २ । साइज–६$\frac{३}{४}$×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२ ।

७२१ **मेघमालापूजा**........। पत्र सं० ३ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० १५१ ।

७२२ **मेघमालाव्रतोद्यापन**........। पत्र सं० १४ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

७२३ **मौनिव्रतउद्यापनपूजा–विश्वभूषण** । पत्र सं० १८ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

विशेष—मंडल का चित्र भी दिया हुआ है ।

७२४ **रक्षाबंधनपूजा–श्री रघु** । पत्र सं० ३ । साइज–७$\frac{३}{४}$×६ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५१ ।

७२५ **रत्नत्रयपूजा–कनककीर्त्ति** । पत्र सं० ४ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६२ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

७२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज–११×५$\frac{१}{२}$ इन्च । लेखनकाल–सं० १८८८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६२ ।

७२७ **रत्नत्रयपूजा**........। पत्र सं० ५५ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६३ ।

विशेष—मंडल की पूजा है ।

७२८ **रत्नत्रयपूजा**........। पत्र सं० १५ । साइज–१०$\frac{३}{४}$×४$\frac{३}{४}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

७२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज–८$\frac{३}{४}$×७ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

७३० **रत्नत्रयपूजा**........। पत्र सं० ६ । साइज ११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × ।

लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६३ ।

७३१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

७३२ रत्नावलीव्रतोद्यापन–वज्रकीर्त्ति । पत्र सं० २१ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७२ ।

विशेष—१५ वें पत्र से भट्टारक सुरेन्द्रकीर्त्ति विरचित ज्ञानपंचविंशतिव्रतोद्यापन भी है ।

७३३ रविव्रतकरणविधान……… । पत्र सं० १ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—नवरत्न जटित नवग्रहों का भी वर्णन है ।

७३४ रविव्रतपूजा–भ० देवेन्द्रकीर्त्ति । पत्र सं० ७ । साइज–८×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—सांगानेर में चंपाराम छाबड़ा ने पांडे चोखचंदजी की प्रति से इस पूजा की प्रतिलिपि की थी ।

७३५ रविव्रतोद्यापन……… । पत्र सं० ७ । साइज–१२×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१ ।

७३६ रोहिणीव्रतपूजा–केशवसेन । पत्र सं० ७ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

७३७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

७३८ रोहिणीव्रतोद्यापन–केशवसेन । पत्र सं० १४ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

७३९ प्रति नं० २ । पत्र सं. १६ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं०.१६४ ।

७४० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १३ । साइज–१०¾×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६४ ।

७४१ लब्धिविधानउद्यापन–देवनंदि । पत्र सं० ८ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७६ ।

विशेष—लब्धिविधानमंडल की विधि भी लिखी हुई है ।

७४२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज–१३×७ इन्च । लेखनकाल–सं० १६७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७६ ।

विशेष—सूरजमलजी पाटनी मारोठ वालों ने लब्धिविधान की पूजा मन्दिर में चढाई थी।

७४३ लब्धिविधानपूजा………। पत्र सं० २। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १७६।

७४४ वृहद्शान्तिपूजा………। पत्र सं० ४२। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८६०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०२।

७४५ वास्तुपूजाविधि………। पत्र सं० १०। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८८।

७४६ षोडशकारणजयमाल………। पत्र सं० ३३। साइज १२×५ इञ्च। भाषा—प्राकृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० २०७।

७४७ षोडशकारणपूजा………। पत्र सं० २। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० २०८।

७४८ षोडशकारणपूजा………। पत्र सं० १०। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १७७४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०८।

विशेष—जयमाला प्राकृत में है।

७४९ षोडशकारणव्रतोद्यापन………। पत्र सं० १४। साइज—१२×६ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०७।

७५० षोडशकारणव्रतोद्यापन-केशवसेन। पत्र सं० १६। साइज—१२×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०७।

७५१ षोडशकारणव्रतोद्यापनपूजा………। पत्र सं० १६। साइज—११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०८।

७५२ शांतिकसमस्तविधि—धामा। पत्र सं० ४। साइज—८×७½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०२।

७५३ शांतिधारापाठ………। पत्र सं० २। साइज—११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०२।

७५४ शांतिनाथपूजा—वृन्दावन। पत्र सं० ३। साइज—७½×४ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०३।

७५५ शास्त्रपूजा………। पत्र सं० १। साइज—१२×६ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०१।

७५६ श्रुतज्ञानपूजा………। पत्र सं० २०। साइज—१०½×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७५७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७५८ श्रुतपूजा……। पत्र सं० ६ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

विशेष—गुरु पूजा भी है ।

७५९ श्रुतपंचमीपूजा……। पत्र सं० ९ । साइज–९½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६१ श्रुतस्कंधपूजा……। पत्र सं० २ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ ।

७६३ सप्तपरमस्थानव्रतपूजा……। पत्र सं० ५ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७ ।

७६४ सप्तर्षिपूजा–लक्ष्मीसेन । पत्र सं० ६ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

विशेष—जयमाला हिन्दी में है ।

७६५ सप्तर्षिपूजा–विश्वभूषण । पत्र सं० ११ । साइज–६½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

७६६ समवशरणपूजा–पं० रूपचन्द्र । पत्र सं० ९८ । साइज–१२½×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७५५ फागुण सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१६ ।

७६७ समवसृतिपूजा……। पत्र सं० ३७ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१६ ।

७६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३३ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६ ।

७६९ सम्मेदाचलपूजा–पं० गंगादास । पत्र सं० १२ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१७ ।

७७० सहस्रगुणितपूजा—शुभचन्द्र । पत्र सं० ३२ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १६५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

विशेष—सिद्धचक्र यंत्र की सहस्रगुणित पूजा है ।

७७१ सहस्रनामपूजा—धर्मभूषण । पत्र सं० ५६ । साइज—११½×५½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१० ।

विशेष—पंडित स्वरूपचंदजी ने जयपुर में महात्मा शंभुराम के द्वारा प्रतिलिपि करवायी थी ।

७७२ सार्द्धद्वयद्वीपपूजा........ । पत्र सं० ११८ । साइज—१२×५½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८५१ भादवा बुदी ११ । पूर्ण, शुद्ध एवं सुन्दर । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—सवाईराम गोधा ने पं० चंपारामजी के पढने के लिये पूजा की प्रतिलिपि की थी ।

७७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६३ । साइज—७½×४ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८५१ श्रावण सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—लेखनस्थान—सवाई माधोपुर (जयपुर) ।

७७४ सार्द्धद्वयद्वीपपूजा........ । पत्र सं० ११८ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८८१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—पंडित चंपाराम ने सवाईराम गोधा से प्रतिलिपि करवायी थी ।

७७५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६३ । साइज—१२×६ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २१५ ।

विशेष—सवाई माधोपुर में प्रतिलिपि की गयी थी । सवाई प्रतापसिंहजी का शासनकाल था ।

७७६ सिद्धपूजा—स्वरूपचंद । पत्र सं० ४६ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल—सं० १९१९ । लेखनकाल—सं० १९३८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २११ ।

७७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज—११×६½ इञ्च । लेखनकाल—सं० १९४४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २११ ।

७७८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज—१२×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २११ ।

७७९ सिद्धकूटपूजा—भट्टारक विश्वभूषण । पत्र सं० १३ । साइज—११½×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८८९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१४ ।

७८० सिद्धचक्रपूजा—(वृहद्)—प्रभाचंद्र । पत्र सं० ७ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० २१३ ।

७८१ सिद्धचक्रपूजा—आशाधर । पत्र सं० ४ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचना-

काल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३ ।

७८२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३ ।

विशेष—षोडशकारण पूजा भी है ।

७८३ सुगन्धदशमीव्रतोद्यापन……… । पत्र सं० ८ । साइज-८½×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

७८४ सुगन्धदशमीव्रतपूजा……… । पत्र सं० २ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

७८५ सुगन्धदशमीव्रतपूजा……… । पत्र सं० ३ । साइज-५½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१० ।

७८६ सौख्यकारणव्रतोद्यापन मंडलविधान-अक्षयराम । पत्र सं० २२ । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१७ ।

विषय-लक्षण एवं समीक्षा साहित्य

ग्रन्थ संख्या-७

७८७ चौसठऋद्धि स्वरूप……… । पत्र सं० ७ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-ऋद्धियों का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६ ।

७८८ धर्मपरीक्षा-अमितगति । पत्र सं० १०८ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-समीक्षा । रचनाकाल-सं० १०७० । लेखनकाल × । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८० ।

७८९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७३ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८० ।

७९० धर्मपरीक्षा-सुमतिकीर्त्ति । पत्र सं० १३३ । साइज-११×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी (गुजराती मिश्रित) । विषय-समीक्षा । रचनाकाल-सं० १६२५ । लेखनकाल-सं० १७५१ । पूर्ण तथा सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । अन्तिम दो पत्र जीर्ण हो चुके हैं । वेष्टन नं० ७९ ।

७९१ धर्मपरीक्षा भाषा-मनोहरदास । पत्र सं० ७६ । साइज-१२×५½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-समीक्षा । रचनाकाल-सं० १७९२ । लेखनकाल × । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ८० ।

७९२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२० । साइज-१०×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०४ वैशाख बुदी ३ । पूर्ण तथा शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१ ।

७९३ रत्नपरीक्षा········। पत्र सं० ४ । साइज-१२×४½ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-परीक्षा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७१ ।

विशेष—लेखक-जयचंदजी छाबड़ा । रत्नदीपिका में से विषय लिया गया है । साह दामोदर के पुत्र धारीमल के लिये ग्रन्थ लिखा गया था ।

विषय-स्फुट

ग्रन्थसंख्या-१५

७९४ कुंडलियां-किशोरगोपाल । पत्र सं० १ । साइज-१०×५ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्फुट । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६ ।

विशेष—इसी में शकुनावली यंत्र का फल दे रखा है । यंत्र सचित्र है ।

७९५ घटकर्पर काव्य········। पत्र सं० ३ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५ ।

विशेष—मुग्धावबोधिनी टीका सहित है ।

७९६ दुर्गतिबावनी········। पत्र सं० ३ । साइज-१६×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-दुर्गति में जाने के कारणों पर प्रकाश । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६८ ।

विशेष—अन्तिम २ पद्य नहीं हैं ।

७९७ पट्टी पहाडे········। पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-गणित । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १११ ।

विशेष—पट्टी पहाडे पहिले अंकों में और पीछे शब्दों में लिखे गये हैं ।

७९८ पद्मनंदिपंचविंशति-पद्मनंदि । पत्र सं० ७२ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०३ ।

७९९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१३ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५९ वैशाख बुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

८०० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२२ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

८०१ पंचपात्रवर्णन········। पत्र सं० ४ । साइज-११×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्फुट । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११९ ।

८०२ **वुद्धिविलास**–वखतराम। पत्र सं० ६३। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–धर्म। रचनाकाल–सं० १८२७। लेखनकाल–सं० १८२८ भादवा सुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १३१।

८०३ **राजुलपच्चीसी**–लालचंद विनोदीलाल। पत्र सं० ३। साइज–८×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७६४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७२।

८०४ **वज्रसूची उपनिषत्** श्रीधराचार्य। पत्र सं० ४। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–वज्र सूची। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८६।

८०५ **संस्कृत मंजरी**–अनंत महात्मा। पत्र सं० ५। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३४।

८०६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० १४। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३४।

विशेष—मालपुरा में ऋषि मनोहर ने प्रतिलिपि की थी।

८०७ **सरोदा**–महात्मा कबीर। पत्र स० १८। साइज=½×४½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्फुट। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८६५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३२।

८०८ **सुदृष्टितरंगिणी**……। पत्र सं० १००। साइज–१२×७½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २२८।

विशेष—गाथाओं का हिन्दी में विस्तृत अनुवाद है। अनुवादक श्री टेकचंद हैं।

विषय-संग्रह

गुटका संख्या २२२

८०६ गुटका नं० १ । पत्र सं० ८० । साइज-१०½×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
अध्यात्मज्ञानदर्पण	दीपचन्द कासलीवाल	हिन्दी पद्य	
अनुभवप्रकाश	,,	हिन्दी गद्य	
गुणस्थानभेद	—	,,	
चिद्विलास	दीपचन्द कासलीवाल	,,	
अध्यात्मपच्चीसी	—	हिन्दी पद्य	
अखडी	—	—	
द्वादशानुप्रेक्षा	—	—	
पद व विनती	—	—	

८१० गुटका नं० २ । पत्र सं० १५६ । साइज-६×७ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
बनारसीविलास	बनारसीदास	हिन्दी	
पंचपरमेष्ठीस्तवन	—	,,	५ पद्य
धर्मरासो	—	,,	१५४ पद्य
चतुर्गतिवेलि	हर्षकीर्त्ति	,,	रचनाकाल सं० १६८३
प्रद्युम्नरासो	ब्रह्मरायमल	,,	,, १६२८
जंबूस्वामीरासो	पांडे जिनदास	,,	,, १६४२
जोगीरासो	,,	,,	४२ पद्य
बारहमासा	विनोदीलाल	,,	२६ पद्य
सूरत की बारहखडी	—	,,	१११ पद्य

८११ गुटका नं० ३ । पत्र सं० ३३ । साइज-६×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३ । लेखक—पं० स्वरूपचन्द्र ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तामर ऋद्धिमंत्र	×	संस्कृत	

पार्श्वनाथस्तोत्र	×	संस्कृत
नवग्रहस्तोत्र	×	,,
पद्मावतीस्तोत्र (मंत्र सहित)	×	,,
केवलिप्रश्नविचार	×	,,

८१२ गुटका नं० ४। पत्र सं० ३१। साइज–९×८ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९५१ पोष सुदी १४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २९४।

विशेष—श्री नानूलाल वैद ने मोतीलाल मनोहरपुरा खेडी वाले के पुत्र गुलाबचन्द के पठनार्थ प्रतिलिपि की थी। मूल्य १।|≈। तत्त्वार्थसूत्र, भक्तामरस्तोत्र तथा पंचमंगल आदि पाठों का संग्रह है।

८१३ गुटका नं० ५। पत्र सं० ३६१। साइज ९×७ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७५०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २९५।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रीपालरासो	ब्रह्मरायमल्ल	हिन्दी	रचना सं० १६३०
सुदर्शनरासो	,,	,,	,, १६२६
जम्बूस्वामीरासो	पांडे जिनदास	,,	,, १६४२
प्रद्युम्नरासो	ब्रह्मरायमल्ल	,,	,, १६२८
पार्श्वनाथरासो	कल्याणकीर्त्ति	,,	,, १६६७
भविष्यदत्त चौपई	ब्रह्मरायमल्ल	,,	,, १६३३
हनुमतकथा	,,	,,	,, १६००
सम्यक्त्वकौमुदी	जोधराज गोदीका	,,	,, १७२४
यशोभद्ररासो	—	,,	
नेमीश्वररासो	ब्रह्मरायमल्ल	,,	,, १६१५

८१४ गुटका नं० ६। पत्र सं० २०९। साइज–९×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८०४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २९६।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सुभाषितावली	भ० सकलकीर्त्ति	संस्कृत	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
सरस्वतीपूजा	ज्ञानभूषण	संस्कृत	
गुरूपूजा	—	,,	
मार्गणाविधान	—	हिन्दी	
विषापहारस्तोत्र भाषा	अचलकीर्त्ति	,,	

निर्वाणकांड भाषा	भैय्या भगवतीदास	हिन्दी	
चतुर्विंशतितीर्थंकर पूजा	—	संस्कृत	
जिनसहस्त्रनाम	आशाधर	,,	
ज्ञानचिंतामणि	मनोहरदास	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७००
भक्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	,,	
गुणमंजरी	—	,,	,, १७४०
बाईसपरीषह	हृदयराम	,,	,, १७४६
सिन्दूरप्रकरण	कौरपाल बनारसीदास	,,	
समयसार नाटक	बनासीदास	,,	,, १६६१

८१५ गुटका नं० ७। पत्र सं० २६५। साइज–९×६$\frac{३}{४}$ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६५४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २९७।

विशेष—३९ पूजा एवं विधियों का संग्रह है। तीन गुटकों का सम्मिश्रण है। दूसरा गुटका सं० १७५० तथा तीसरा सं० १७९९ में लिखा गया था।

८१६ गुटका नं० ८। पत्र सं० १४७। साइज–७×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं २९८।

विशेष—३९ पूजा एवं स्तोत्रों का संग्रह है। कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

८१७ गुटका नं० ९। पत्र सं० १८४। साइज–८×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २९९।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मित्रद्रोहकथा	—	संस्कृत	
भवितव्यं भवतीति कथा	—	,,	
पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी	
राजुलपच्चीसी	विनोदीलाल	,,	
शीलसुरंगी चूंदड़ी	—	,,	
चतुरवचनोच्चारिणी कथा	—	संस्कृत	
नियमपालन कथा	—	,,	
कामना कुमार कथा	—	,,	
लोकानुरंजनी कथा	—	,,	
हंसावली कथा	—	संस्कृत	
हंसराज वच्छराज कथा	—	,,	

स्फुट दोहा	—	हिन्दी	
मूढविनोद	नंदलाल	,,	
चंदनमलयगिरी कथा	—	,,	
लीलावती कथा	—	,,	पत्र नहीं है।
गुणपालश्रेष्ठिपुत्रकथा	—	,,	,,
अभयकुमार गुण परीक्षण कथा	—	,,	,,
भक्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	हिन्दी	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा	—	,,	
रविव्रतकथा	श्रुकीर्त्ति	,,	
दंभकथा (अमरसुन्दरी कथा)	—	संस्कृत	
सपत्नीकथा	—	,,	
शीलवतीकथा	—	,,	
विप्रकथा	—	,,	
शीलवतीकथा (बुद्धि विषये)	—	,,	
सोढीकथा (कलि विषये)	—	,,	
गंगदत्त द्विजकथा	—	,,	
मुकुंदपत्नीकथा (स्त्री चरित्रे)	—	,,	
श्रगालकथा (मित्र द्रोहे)	—	,,	
वाल्मीकोदरकथा (मर्मकथने)	—	,,	
धरनृपकथा (सत्व विषये)	—	,,	
द्रोपदीकथा (सत्यवचने)	—	,,	
भूधरद्विजकथा (कलिकाले)	—	,,	
श्रेष्ठीकथा	—	,,	
युधिष्ठरनृपकथा	—	,,	
मित्रद्वयकथा	—	,,	
स्वरूपसूरसेन कथा	—	,,	
योगीत्रय कथा	—	,,	
वररूचिद्विजकथा	—	,,	
कामकथा	—	हिन्दी	
मूर्खकथा	—	,,	
भुजंगकथा	—	,,	

सर्पद्विजकथा	—	संस्कृत
'अल्पाश्रयो न कर्त्तव्यो' कथा	—	,,
सर्वमित्रकथा	—	,,
कूटसाक्षीवर्जनकथा	—	,,
परवणकर्त्तव्य कथा	—	,,
'विरोधस्थाने न वास कार्यो' कथा	—	,,
'शठं प्रतिशठं कुर्यात्' कथा	—	,,
'स्त्रीषु गुह्यं न वाच्यं' कथा	—	,,
अन्य कथायें	—	,,
धमालि	—	हिन्दी

८१८ गुटका नं० १० । पत्र सं० ८८ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०० ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भट्टारक को पिच्छिका देने का मंत्र	—	संस्कृत	
आलोचना पाठ	—	प्राकृत	
महाव्रतदीक्षा विधि	—	संस्कृत	
आचार्यपदस्थापन विधि	—	,,	
भट्टारकपदस्थापन विधि	—	,,	
दीक्षा पटल	—	,,	
दीक्षा महाभिषेक	—	,,	
क्षुल्लक पद मंत्र	—	,,	
आचार्य पद मंत्र	—	,,	
अनन्तविधि	—	,,	
पार्श्वनाथगुणमाला	—	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७४८
चिंतामणिपार्श्वनाथ पूजा	—	,,	
स्वयंभूस्तोत्र	आ० समन्तभद्र	संस्कृत	
निर्वाणकांड गाथा	—	प्राकृत	
रत्नत्रयपूजा	—	संस्कृत	
अभिषेक भजन	—	हिन्दी	
आहार वर्णन	—	,,	

राजुल का बारहमासा	विनोदीलाल	हिन्दी
गुरुवों की जयमाल	ब्रह्म जिनदास	,,
भजन व पद	—	,,

८१९ गुटका नं० ११ । पत्र सं० ६३ । साइज–५×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १८५९ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ३०१ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कमलबत्तीसी	—	हिन्दी	
आनन्दा	आनन्द	,,	४२ पद्य
एकसौ तेतालीस गुणों की हुण्डी	—	प्राकृत	
अहमद की वाणी	—	हिन्दी	

८२० गुटका नं० १२ । पत्र सं० ३७६ । साइज–८×७ इन्च । लेखनकाल–सं० १६६७ । अपूर्ण–६६ से २८३ तक पत्र नहीं हैं । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०२ ।

विशेष—२३ पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है । कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८२१ गुटका नं० १३ । पत्र सं० १३० । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७३९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८२२ गुटका नं० १४ । पत्र सं० ९६ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०४ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा
स्वरोदय	मोहनदास	हिन्दी
घोड़ा चोली का प्रयोग	—	,,

८२३ गुटका नं० १५ । पत्र सं० २२ । साइज–९×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०५ ।

विशेष—तत्त्वार्थसूत्र एवं पंचमंगल आदि पाठों का संग्रह है ।

८२४ गुटका नं० १६ । पत्र सं० २३ । साइज–७×७ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८२५ गुटका नं० १७ । पत्र सं० २२ । साइज–७½×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के आठ पत्र नहीं है । वेष्टन नं० ३०७ ।

विशेष – उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८२६ गुटका नं० १८ । पत्र सं० १२१ । साइज–८×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०८ । लिपि–विकृत ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानचिंतामणी	मनोहरदास	हिन्दी	
भावना	धानतराय	„	
नंदीश्वरजयमाल	—	„	
तीन चौबीसी जयमाल	—	„	
स्तुति	—	„	
पंचमेरूजयमाल	—	„	
तीर्थक्षेत्र जयमाल	रत्नभूषण	„	
भजन व लघुमंगल पाठ	रूपचंद	„	
छह लेश्या कवित्त	हर्षकीर्त्ति	„	
चतुर्गति के बेलि	„	„	
भजन व पद संग्रह	„	„	
श्रावकाचार	—	„	
पदसंग्रह	—	„	

८२७ गुटका नं० १९ । पत्र सं० ५८ । साइज–९×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०९ ।

विशेष – कोई उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८२८ गुटका नं० २० । पत्र सं० १० । साइज–९×७ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१० ।

८२९ गुटका नं० २१ । पत्र सं० ३५ । साइज–९×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१० । लिपि–विकृत है ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
खण्डेलवालों के चौरासी गोत्र	—	हिन्दी	
शनीश्चर की कथा	—	„	

८३० गुटका नं० २२ । पत्र सं० २७ । साइज–९×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१० ।

विशेष—केवल पूजाओं का संग्रह है ।

८३१ गुटका नं० २३ । पत्र सं० ४६ । साइज–६×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३११ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८३२ गुटका नं० २४ । पत्र सं० ६४ । साइज–७×७ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३११ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नांम	भाषा	विशेष
नवरत्नकवित्त	—	हिन्दी	
आयुर्वेदिक नुसखे	—	,,	
भक्तामरकथा	—	गुजराती	
सुबुद्धि चौबीसी	भगवतीदास	हिन्दी	
अकृत्रिमचैत्यालय जयमाल	—	संस्कृत	
चौदहगुणस्थान	—	हिन्दी	
पंचमंगल	रूपचंद	,,	

८३३ गुटका नं० २५ । पत्र सं० ७२ । साइज–८×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० ३१२ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनवरकलावलि	—	प्राकृत	
तीर्थंकरविधान	—	हिन्दी	रचनाकाल सं० १५८०
पार्श्वनाथशकुनसत्तावीसी	ठक्कुरसी	,,	,, १५७८
सप्तव्यसन	—	,,	
पद्मनंदी स्तोत्र	—	,,	
अवजद केवली	—	,,	

८३४ गुटका नं० २६ । पत्र सं० ७३ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१३ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
तीर्थंकरविधान	—	संस्कृत–हिन्दी	
आलापपद्धति	देवसेन	,,	
भावसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
कर्मप्रकृतिविधान	बनारसीदास	हिन्दी	
बारहभावना	—	,,	

पद्मनंदी स्तोत्र	—	”
अबजद केवली	—	”
दोहा शतक	पं० रूपचंद	”
पल्यविधान	—	”

८३५ गुटका नं० २७। पत्र सं० १८। साइज–९×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३१४।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
त्रिलोकसार की कुछ गाथायें	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
४८ ऋद्धि विचार कथन	—	संस्कृत	
नीतिशतक	भर्तृहरि	”	

८३६ गुटका नं० २८। पत्र सं० ९६। साइज–९×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३१४।

विशेष—पूजा पाठ के अतिरिक्त कुछ आयुर्वेद के नुसखे भी दिये हुये हैं।

८३७ गुटका नं० २९। पत्र सं० १८९। साइज–९×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३१५।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्रों का संग्रह है।

८३८ गुटका नं० ३०। पत्र सं० ९६। साइज–६×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३१६।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है।

८३९ गुटका नं० ३१। पत्र सं० ९२। साइज–६×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८५४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३१५।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्रों का संग्रह है।

८४० गुटका नं० ३२। पत्र सं० २२७। साइज–७×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १५६६ पौष सुदी २। अपूर्ण। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ३१७। लेखक–महिमातिलक गणि।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
चतुर्गति चौपई	—	हिन्दी	
समवशरण स्तवन	सोमसुन्दर	”	
फुटकर गाथा	—	प्राकृत	
णमोकारमंत्र माहात्म्य सहित	—	” संस्कृत	

दर्शन पाठ	—	संस्कृत	
सामायिक पाठ	—	प्राकृत	
प्रतिक्रमण सूत्र	—	"	
पार्श्वस्तोत्र	अभयदेव	"	३० गाथा
भक्तामर स्तोत्र	मानतुंगाचार्य	संस्कृत	
जिनस्तुति	—	हिन्दी	
इलापुत्र ऋषि गीत	सागरचन्द्रसूरि	प्राकृत	
सीमंधरस्वामीस्तवन	—	"	
शीलोपदेशमाला	—	"	
गौतमप्रच्छावली	—	"	
नवतत्त्वप्रकरण	—	"	४१ गाथा
रात्रिसंथारा विधि	—	"	
पयुर्षणपर्वस्तुति	—	"	
सिंधुपार्श्वनाथस्तुति	—	"	२७ गाथा
शांतिनाथस्तवन	—	संस्कृत	
पंचपरमेष्ठी स्तवन	—	प्राकृत	
षष्टिशतप्रकरण	—	"	लिपि सं० १५६६
आराधना कुलक	सोमसूरि	"	७० गाथा
जीवविचार	—	"	
रात्रिपोषध विधि	—	"	
चउवीस जिनस्तवन	—	"	
संबोधसत्तरी	—	"	
चर्चा	—	"	४०० गाथा
अजितशांतिस्तवन	—	"	३६ गाथा
भयहरस्तवन	—	"	२१ गाथा
नंदीश्वरस्तवन	—	"	१२ गाथा
सर्वजिनस्तुति	—	संस्कृत	
पंचमीस्तुति	—	"	
दशव्रतनियमादि पद्य	—	"	लिपि सं० १५७६ आषाढ सुदी २ साह जिनदास ने लिखा था

८४१ गुटका नं० ३३। पत्र सं० २६०। साइज-६×५½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ३१७।

विशेष—पूजाओं एवं स्तोत्रों का संग्रह है। कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

८४२ गुटका नं० ३४। पत्र सं० १६०। साइज-६×६ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७६७। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। दो गुटकों का सम्मिश्रण है। वेष्टन नं० ३१८।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
आचार्य व उपाध्यायों के गुण	—	हिन्दी	
अरिहन्तों के गुण	—	”	
पंचेन्द्रिय निरोध	—	”	
१८ नातों का चौढाला	साह लोहट	”	
जखडी	रूपचंद	”	
जखडी	जिनदास	”	
चेतनबत्तीसी	श्रवणपंडित	”	
उपदेशबत्तीसी	—	”	
मेघकुमारगीत	पूनो	”	
मोहविवेककथन	—	”	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
निर्वाणकांडगाथा	—	प्राकृत	
साधुवंदना	बनारसीदास	हिन्दी	
द्वादशानुप्रेक्षा	—	संस्कृत	
भक्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	हिन्दी	
पंचमगति की बेलि	हर्षकीर्त्ति	”	
जोगीरासो	जिनदास	”	
पदसंग्रह	—	”	
वृद्धचाणक्य नीतिशास्त्र	चाणक्य	संस्कृत	
संबोधपंचासिका	—	प्राकृत	

८४३ गुटका नं० ३५। पत्र सं० २७५। साइज-७×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १६५२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३१९।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भावनासंग्रह	चामुंडराय	संस्कृत	
महामतदानविधि	—	हिन्दी	

उपवासदानविधि	—	हिन्दी
सिद्धस्तुति	—	सस्कृत
चतुर्विंशतिजिनस्तवन	—	"
दर्शनपाठ	—	"
नित्यनियमपूजा	—	"
क्षेत्रपालपूजा	—	"
सिंद्धपूजा	—	"
षोडशकारणपूजा	—	हिन्दी
कलिकुंडपूजा	—	"
अष्टाह्निकापूजा	—	"
दशलक्षणपूजा	—	संस्कृत
स्वयंभूस्तोत्र	आ० समन्तभद्र	"
रत्नत्रयपूजा	—	"
शांतिजिनस्तोत्र	—	"
रत्नत्रयपूजा	—	"
शास्त्र पूजा	—	"
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	"
वर्द्धमानस्तोत्र	—	"
चैत्यवंदनस्तोत्र	—	"
चौबीसी जिनस्तवन	सार कवि	हिन्दी
सुप्रभातस्तोत्र	—	संस्कृत
परमानंदस्तोत्र	—	"
अनित्यपंचासिका	त्रिभुवनचंद	हिन्दी
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	बनारसीदास	"

८४४ गुटका नं० ३६ । पत्र सं० १६६ । साइज–६×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८८८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१६ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
देवपूजा	—	संस्कृत	
चतुर्विंशतिपूजा	—	प्राकृत	
सिद्धपूजा	—	संस्कृत	

सोलहकारणपूजा	—	प्राकृत	
दशलक्षणपूजा	—	,,	
रत्नत्रयपूजा	—	संस्कृत	
पंचमेरूपूजा	भूधरदास	हिन्दी	
अष्टाह्निकापूजा	—	प्राकृत	
अनन्तपूजा	—	संस्कृत	
पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी	
संबोधपंचासिका	द्यानतराय	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७५८
पार्श्वनाथपूजा	—	,,	
भक्तामरस्तोत्र	आ० मानतुङ्ग	संस्कृत	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	,,	
जैनपच्चीसी	—	हिन्दी	
निर्वाणकांड भाषा	भगवतीदास	,,	
शांतिपाठ	—	संस्कृत	

८४५ गुटका नं० ३७। पत्र सं० ६०। साइज–७×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२०।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है।

८४६ गुटका नं० ३८। पत्र सं० १०५। साइज–५½×४½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ३२०।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है।

८४७ गुटका नं० ३९। पत्र सं० १३२। साइज–७×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८९४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२०।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मनज्ञानसंग्राम	सेवाराम	हिन्दी	
उपदेशअंग	—	,,	अपूर्ण
भक्तामरस्तोत्रोत्पत्ति कथा	पं० बुधजन	,,	
स्तोत्र महात्म्य	नथमल लालचंद	,,	
जैनशतक	भूधरदास	,,	
पार्श्वनाथस्तोत्र	द्यानतराय	,,	
बारहभावना	भगवतीदास	,,	

भजनसंग्रह	—	"	
कलियुग बत्तीसी	—	"	
कर्मचरित्र बाईसी	रामचन्द्र	"	
पद संग्रह	—	"	
सम्मेदशिखर कवित्त	—	"	
गुरूओं की स्तुति	—	"	
सवाई जयपुर के मंदिरों की सूची	—	"	

८४८ गुटका नं० ४० । पत्र सं० ३७ । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२१ ।

विशेष—चौबीस तीर्थंकरों के चित्र हैं इनके अतिरिक्त कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं हैं ।

८४९ गुटका नं० ४१ । पत्र सं० १७ । साइज–५×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२१ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

८५० गुटका नं० ४२ । पत्र सं० २१ । साइज–५×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२१ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
धर्म की बारहखडी	—	हिन्दी	
उपदेशबत्तीसी	राज	"	
पद	तिलोकचंद	"	

८५१ गुटका नं० ४३ । पत्र सं० १४ । साइज ७×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विशेष—एकीभावस्तोत्र एवं बाईसपरीषह पाठ हैं ।

८५२ गुटका नं० ४४ । पत्र सं० ३८ । साइज–७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
विषापहारस्तोत्र भाषा	अचलकीर्त्ति	हिन्दी	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा	बनारसीदास	"	
पद व भजन	जगत शिरोमणि	"	

८५३ गुटका नं० ४५ । पत्र सं० ८ । साइज–७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

८५४ गुटका नं० ४६। पत्र सं० १३। साइज–७×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२३।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है।

८५५ गुटका नं० ४७। पत्र सं० ९। साइज–७½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७९६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२४।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

८५६ गुटका नं० ४८। पत्र सं० ३८। साइज–४×३ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ३२४।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
देवपूजा	—	संस्कृत	
सिद्धपूजा	—	,,	
पार्श्वनाथपूजा	—	,,	
नवरत्नकवित्त	नवरत्न	हिन्दी	
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	संस्कृत	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	बनारसीदास	हिन्दी	
सोलहकारणपूजा	—	सस्कृत	

८५७ गुटका नं० ४९। पत्र सं० ६५। साइज–४×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२९।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
शनिश्चर कथा	—	संस्कृत	
चौबीस तीर्थंकर जयमाल	—	,,	
राजुलपच्चीसी	—	हिन्दी	
पद व भजन संग्रह	—	,,	

८५८ गुटका नं० ५०। पत्र सं० १०। साइज–७½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२९।

८५९ गुटका नं० ५१। पत्र सं० ८४। साइज–६×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८३०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२२।

विशेष—पूजा पाठ के अतिरिक्त पद एवं भजनों का अच्छा संग्रह है।

८६० गुटका नं० ५२। पत्र सं० ४५ । साइज-५×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८६१ गुटका नं० ५३। पत्र सं० १६ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १९५६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२२ ।

विशेष—पंचमंगल एवं इष्टछत्तीसी के पाठों का संग्रह है ।

८६२ गुटका नं० ५४। पत्र सं० ४० । साइज-५×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२२ ।

विशेष—रत्नत्रय एवं षोडशकारण पूजाओं का संग्रह है ।

८६३ गुटका नं० ५५। पत्र सं० १०१ । साइज-८×८ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

८६४ गुटका नं० ५६। पत्र सं० १६ । साइज-६×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पार्श्वजिनस्तुति	—	हिन्दी	
आलोचना पाठ	—	,,	
सामायिकपाठ	—	,,	
पद व भजन	—	,,	

८६५ गुटका नं० ५७। पत्र सं० ३ । साइज-८×७ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८९२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विशेष—नित्य अभिषेक विधि एवं क्षेत्रपालाष्टक है ।

८६६ गुटका नं० ५७ (क)। पत्र सं० ३४ । साइज-६×५¾ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विशेष—शनीश्चर की कथा एवं भजनों का संग्रह है ।

८६७ गुटका नं० ५८। पत्र सं० १०१ । साइज-५¾×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशे
छहढाला	द्यानतराय	हिन्दी	
राजुलपच्चीसी	विनोदीलाल	,,	

पदसंग्रह	—	हिन्दी	
निर्वाणकाण्ड भाषा	—	,,	
पद व भजन	भगवतीदास	,,	
वज्रनाभिचक्र भावना	—	,,	
पंच परमेष्ठीस्तोत्र	—	,,	
पूजाष्टक	—	,,	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	—	संस्कृत	
पद संग्रह	गुणनन्दि	हिन्दी	
बारहमासा	—	,,	
साधु वंदना	—	,,	
कल्याणमन्दिर भाषा	बनारसीदास	,,	
बारह भावना	—	,,	

८६८ गुटका नं० ५६। पत्र सं० १५। साइज-८×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२६।

८६९ गुटका नं० ६०। पत्र सं० ८८। साइज-४×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
राजा नल की कथा	—	हिन्दी	
ढोला मारूणी	—	,,	
छैला पनिहारी का तमाशा	—	,,	

८७० गुटका नं० ६१। पत्र सं० २०। साइज-७×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२७। लिपि-अस्पष्ट।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
वटुक भैरवस्तोत्र	—	संस्कृत	
चौरासी जाति वर्णन	—	हिन्दी	
फुटकर दोहा	—	,,	
सावित्री अष्टक	—	संस्कृत	
पद संग्रह	—	हिन्दी	

८७१ गुटका नं० ६२। पत्र सं० २४। साइज-७×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२७।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है।

८७२ गुटका नं० ६३। पत्र सं० ६। साइज-७X६ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८१२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२७।

८७३ गुटका नं० ६४। पत्र सं० १२०। साइज-६X६ इन्च। लेखनकाल-सं० १७४७ फागुण सुदी ६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२८।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
आत्मध्यान	—	हिन्दी	
गणधरों की जयमाल	—	"	
पदसंग्रह	—	"	
पंचगति वेलि	हर्षकीर्त्ति	"	
नेमीश्वर जयमाल	—	"	रचना संवत् १७४७
सुदर्शनरासो	रायमल्ल	"	" १६२६
होली चरित्र	छीतर ठोलिया	"	
अष्टाह्निका व्रत	—	"	
मुनियों की जयमाल	—	"	
नवरत्नकवित्त	—	"	
सहस्त्रनामस्तोत्र	—	संस्कृत	
भट्टारक पट्टावली	—	हिन्दी	६२ भट्टारकों के नाम हैं
निर्दोषसप्तमी व्रत कथा	—	"	
बघेरवालों के २२ गोत्र	—	"	
खण्डेलवालों के ८४ गोत्र	—	"	

८७४ गुटका नं० ६५। पत्र सं० ३३। साइज-१०X५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७६६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२८।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

८७५ गुटका नं० ६६। पत्र सं० १५१। साइज-६X६ इञ्च। लेखनकाल-सं० १६६६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ३२६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्फुट दोहे	—	हिन्दी	
ढोलामारूणी दोहे	—	"	लिपि सं० १६६६ पद्य २१०
स्फुट दोहे	—	"	

पंचसहेली	कवि छीहल्ल	,,	६८ दोहे रचना सं० १५७५
दोहापरमार्थी	कवि रूपचंद	,,	२०१ पद्य
दशदानविधि	—	,,	१४ पद्य
अष्टप्रकार पूजा	—	,,	१० पद्य
गोरख दोहावली	गोरखनाथ	,,	७ पद्य
चारवर्ण के दोहे	—	,,	५ पद्य
प्रतिमा लक्षण	—	,,	
फुटकर दोहे	—	,,	
बारहभावना	—	,,	
दोहे	पार्श्वचन्द्र सूरि	,,	
कबीर के दोहे	कबीरदास	,,	५ दोहे
गुडी पर्श्वनाथ छन्द	कुशल कवि	,,	२० पद्य
शिवपच्चीसी	बनारसीदास	,,	
ध्यान बत्तीसी	,,	हिन्दी	
बनारसीदोहावली	,,	,,	
छोटा गीत	—	,,	
छन्द	रुपचन्द	,,	
कबीर के दोहे	कबरीदास	,,	
श्रृंगार के दोहे	—	,,	
,,	—	,,	
फुटकर पद्य	—	,,	
द्विपंचासिका	समाहंस	,,	
कंकाली कवित्त	—	,,	
अष्ट भाषा	—	,,	
फुटकर पद्य	—	,,	
अध्यात्म बत्तीसी	बनारसीदास	,,	
कर्मछत्तीसी	,,	,,	
धर्म धमाल	,,	,,	
अध्यात्म पैडी	,,	,,	
फुटकर दोहे	—	,,	
अभिनन्दनस्तुति	—	,,	

जिनगीत संग्रह	—	"
गुरूगीत	पासचन्द्रसूरि	"
प्रमासपुराण	—	"
गीतसंग्रह	—	"
चतुर्विंशति तीर्थंकर गीत	—	"
गीत संग्रह	—	"
"	—	"
नेमिकुमार गीत	—	"
दोहा संग्रह	—	"

८७६ गुटका नं० ६७। पत्र सं० ७० । साइज–९×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७३३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ३२९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
चतुर्दश गुणस्थान पीठिका	—	हिन्दी	
चतुर्विंशति तीर्थंकर परिचय	—	"	
अष्टकर्म प्रकृति	—	"	
गुणस्थान चर्चा	—	प्राकृत	
तत्त्वार्थसूत्र	—	संस्कृत	
चौबीस ठाणा	—	"	
भक्तामर काव्य ४	—	"	नवीन काव्य
नंद बत्तीसी	—	हिन्दी	
समयसार	बनारसीदास	"	
फुटकर चर्चा	—	"	

८७७ गुटका नं० ६८। पत्र सं० ६० । साइज–६$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३३० । लिपि–घसीट है ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८७८ गुटका नं० ६९ । पत्र सं० ६८ । साइज–६×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८६३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३० ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

८७९ गुटका नं० ७० । पत्र सं० ७० । साइज–७$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३० ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है।

८८० गुटका नं० ७१ । पत्र सं० १२० । साइज-९×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७९८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामुद्रिक शास्त्र	—	हिन्दी	
प्रद्युम्नरासो	ब्रह्मरायमल	,,	रचना सं० १६२८
शीलरासो	—	,,	
गुरावली	—	,,	
आयुर्वेद के नुस्खे	—	,,	
सालहोत्री अश्वचिकित्सा	—	,,	

८८१ गुटका नं० ७२ । पत्र सं० ८५ । साइज-९×५¾ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७४२ चैत्र सुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामुद्रिक (स्त्री पुरूष लक्षण)	—	हिन्दी लिपि	सं० १७४६ आषाढ सुदी १३
पुरुषस्त्रीलक्षण	—	संस्कृत	
नागार्जुनी जोगमाला	—	हिन्दी	
अद्भुतरससागर	—	संस्कृत	

८८२ गुटका नं० ७३ । पत्र सं० २७ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३१ ।

विशेष—२६८ स्फुट दोहों का संग्रह है।

८८३ गुटका नं० ७४ । पत्र सं० ३८ । साइज ६×५ इञ्च । लेखनकाल× । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

८८४ गुटका नं० ७५ । पत्र सं० ८० । साइज ५×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३२ । लिपि-विकृत ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
तीन चौबीसी	—	हिन्दी	
जय पच्चीसी	नवल	,,	
निर्वाणकांड भाषा	भैय्या भगवतीदास	,,	
संबोध अक्षर बावनी	बुधजन	,,	

पंचमंगल	रूपचन्द	"	
एकीभावस्तोत्र	—	"	
बाईसपरीषह	—	"	
भक्तामरस्तोत्र भाषा	—	"	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा	—	"	
विषापहारस्तोत्र भाषा	—	"	

८८५ गुटका नं० ७६ । पत्र सं० ८२ । साइज ६×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
चिकित्सा संग्रह	—	हिन्दी	
सर्वकार्यसिद्धि मंत्र	—	संस्कृत	
राजवशीकरण मंत्र	—	"	

८८६ गुटका नं० ७७ । पत्र सं० १७० । साइज–५×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३३३ ।

विशेष—जिनसहस्त्रनामस्तोत्र भाषा एवं सिन्दूर प्रकरण आदि पाठों का संग्रह है ।

८८७ गुटका नं० ७९ । पत्र सं० ११८ । साइज–६×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८४५ भादवा सुदी १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३३ ।

विशेष—स्तोत्रों का संग्रह है ।

८८८ गुटका नं० ८० । पत्र सं० ९६ । साइज–५×३¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८८९ गुटका नं० ८१ । पत्र सं० १४६ । साइज–५×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १८०० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मंगल गीत	जिनहर्षसूरि	हिन्दी	
णमोकारस्तवन	—	"	
दानशीलतपभावना संवाद	समयसुन्दर	"	
इलापुत्र सिज्झाय	—	"	
क्षमाछत्तीसी	समयसुन्दर	"	
स्तवनसंग्रह	—	"	

भक्तामरस्तोत्र	आ० मानतुंग	संस्कृत
नवतत्त्वप्रकरण	—	प्राकृत
पद व स्तुति	—	हिन्दी

८६० गुटका नं० ८२। पत्र सं० ८०। साइज-५×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३३४।

विशेष—कलियुग बत्तीसी एवं हिन्दी पदों का संग्रह है।

८६१ गुटका नं० ८३। पत्र सं० २७। साइज-५¾×४ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७६६। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। वेष्टन नं० ३३५।

विशेष—गुटके को नैणसागर ने लिखवाया तथा वखतराम ने लिखा। स्तोत्रों का संग्रह है।

८६२ गुटका नं० ८४। पत्र सं० ५०। साइज-५×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३३५।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी	
भक्तामरस्तोत्र	आ० मानतुंग	संस्कृत	
कवित्त	स्योजीराम	हिन्दी	
सहस्रसन्तों की पूजा	—	,,	

८६३ गुटका नं० ८५। पत्र सं० ४। साइज-५×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३३५।

उल्लेखनीय संग्रह नहीं है।

८६४ गुटका नं० ८६। पत्र सं० ४। साइज-५×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३३५।

८६५ गुटका नं० ८७। पत्र सं० १७६। साइज-७¾×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३३६।

विषय-सूची	कर्ता का नाम	भाषा	विशेष
रविवार कथा	भाउकवि	हिन्दी	
योगीरासो	पांडे जिनदास	,,	
बारह अनुप्रेक्षा	हानमान	,,	
पंथी गीत	कवि छीहल	,,	
आदायव्रत	—	संस्कृत	

विषापहारस्तोत्र	धनंजय	संस्कृत
संबोधपंचासिका	—	प्राकृत
हंससारगई	—	,,
यशोधर जयमाल	—	हिन्दी
सुभाषितावली	—	संस्कृत
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्र	प्राकृत
वादिकुंजरस्तोत्र	—	संस्कृत
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	,,

८९६ गुटका नं० ८८ । पत्र सं० २५ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८१० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ३३७

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञान पद	मनोहर	हिन्दी	
आम नींबू का झगडा	—	,,	
बारहमासा	—	,,	
स्तुति	—	,,	
गोरखनाथजी का सरोधा	—	,,	

८९७ गुटका नं० ८९ । पत्र सं० ७० । साइज–५×६ । लेखनकाल–सं० १९४२ । पूर्ण एवं शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचकल्याण	रूपचंद	,,	
भक्तामर स्तोत्र	आ० मानतुंग	संस्कृत	
तीन लोक चैत्यालय पूजा	—	हिन्दी	
सिद्ध पूजा	—	,,	
स्वयंभू स्तोत्र	आ० समन्तभद्र	,,	
दर्शन पच्चीसी	—	,,	
जयपुर के मन्दिरों की वन्दना	बलराम	,,	
पद व कवित्त	—	,,	

८९८ गुटका नं० ९० । पत्र सं० २२ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३७ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

८९९ गुटका नं० ९१ । पत्र सं० १५० । साइज–१२¾×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३३७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
आशीर्वाद	—	संस्कृत	
मुनीश्वर जयमाल	—	हिन्दी	
समस्ततीर्थ जयमाल	सुमतिसार	"	
चतुर्विंशति तीर्थंकर जयमाल	—	संस्कृत	
सरस्वतीस्तुति	—	"	
नंदीश्वरपूजा	—	"	
अंकगिनती	—	"	
प्रोषधपारणा विधि	—	हिन्दी	
त्रेषठशलाकापुरूष नाम	—	"	
गुणस्थान वर्णन	—	"	(प्राकृत)
अवसर्पिणी उत्सर्पिणी काल का चित्र	—	"	
वृहद्प्रतिक्रमण क्रिया विधि	—	प्राकृत	
राजनीति शास्त्र	चाणक्य	संस्कृत	
पट्टीपहाडे	—	—	
वेदकांडी	—	संस्कृत	
वचनकेवली	—	हिन्दी	
शकुनावली	—	संस्कृत	
पाशा केवली	—	"	
आदिनाथस्तवन	—	"	
सिद्धपूजा	—	"	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचन्द्र	"	
देव दर्शन	—	"	
स्तुति संग्रह	—	हिन्दी	
भट्टारक पट्टावली	—	संस्कृत	
वृहद्स्नपन विधि	—	"	
कलीकुण्डस्तवन	—	"	

९०० गुटका नं० ९२ । पत्र सं० १७० । साइज–९×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७२१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समवशरण स्तोत्र	ब्रह्म गुलाल	हिन्दी	
भक्तामर भाषा	हेमराज	„	
धन्ना सेठ की कथा	—	„	
सती दूती की कथा	—	„	पद्य सं० ३१६
गीत	रूपचंद	„	
शील बत्तीसी	—	„	रचनाकाल सं० १५८५
गुणवेलि	ठक्कुरसी	„	
सिंहासन बत्तीसी	—	„	
मुस्लिम शासकों का राज्यकाल वर्णन	—	„	सं० १२०६ से प्रारम्भ
जीवक्रम संवाद	—	„	„ १७१६
चन्द्रगुप्त के सोलह स्वपन	—	„	„
पंचपरमेष्ठी रास	—	„	„
सोलहकारणरास	—	„	
लघुशील रास	—	„	
बादशाही राज्य के सूबे	—	„	

९०१ गुटका नं० ६३ । पत्र सं० ६० । साइज$७\frac{३}{४}$-×$६\frac{३}{४}$ । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के ४१ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३८ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

९०२ गुटका नं० ६४ । पत्र सं० २४ । साइज–$७\frac{३}{४}$×$७\frac{१}{२}$ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद्दी रमल	—	हिन्दी	पत्तियों के नाम का यंत्र है ।
स्तुति संग्रह	—	„	

९०३ गुटका नं० ६५ । पत्र सं० २२ । साइज–$६\frac{३}{४}$×$६\frac{३}{४}$ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३८ ।

विशेष—भट्टारक पट्टावली एवं पूजा पाठ संग्रह है ।

९०४ गुटका नं० ६६ । पत्र सं० ५८ । साइज–$७\frac{३}{४}$×७ इन्च । लेखनकाल–सं० १७८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३३८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद	ब्रह्म दयाल	हिन्दी	
चुनरी	—	”	
नेमीश्वरगीत	—	”	
”	सकलकीर्त्ति	”	
मल्लिनाथजी की पूजा	—	”	
विनती	दीपचन्द	”	
बुद्धिप्रकाश	—	”	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	—	”	
भजन व पद संग्रह	—	”	

९०५ गुटका नं० ९७ । पत्र सं० ४३ । साइज-१०×४½ इन्च । लेखनकाल-सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचमेरुपूजा	सुखानन्द	हिन्दी	
चतुर्विंशतितीर्थंकरपूजा	रामचन्द्र	”	

९०६ गुटका नं० ९८ । पत्र सं० ५६ । साइज-९×६½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३९ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं हैं ।

९०७ गुटका नं० ९९ । पत्र सं० ३२ । साइज-८×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३३९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
उपवास और पारणा विधि	—	हिन्दी	
चार मूर्खों की कथा	—	”	
जीवदयामायाचन	—	”	

९०८ गुटका नं० १०० । पत्र सं० १६ । साइज-९×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३९ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

९०९ गुटका नं० १०१ । पत्र सं० ८ । साइज-८×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४० ।

६१० गुटका नं० १०२। पत्र सं० ६६। साइज-६×६½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७३०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३२५।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रसिकप्रिया	महाकवि केशवदास	हिन्दी	
पद संग्रह	—	"	

६११ गुटका नं० १०३। पत्र सं० ७२। साइज-६×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पद्य एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३४०।

विशेष—मंत्रों और औषधियों का संग्रह है।

६१२ गुटका नं० १०४। पत्र सं० ४०। साइज-४×४ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३४१।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है।

६१३ गुटका नं० १०५। पत्र सं० ४०। साइज-४×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३४१।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पार्श्वनाथस्तवन	—	हिन्दी	
विषापहार स्तोत्र	—	"	
शांतिनाथपूजा	—	"	
३४ प्रकति पाठ	—	"	

६१४ गुटका नं० १०६। पत्र सं० २२। साइज-६½×५। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३४१।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है।

६१५ गुटका नं० १०७। पत्र सं० ८०। साइज-६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३४१।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भर्तृहरि शतक	भर्तृहरि	संस्कृत	
शृंगार मंजरी	सवाई प्रतापसिंह	हिन्दी	
वैराग्य मंजरी	"	"	

६१६ गुटका नं० १०८। पत्र सं० १०८। साइज-६×४½ इञ्च। लेखनकाल। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३४२।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
वैद्यमनोत्सव	केशवदास नयनसुख	हिन्दी	
त्रिकाल चौबीसी के नाम	—	"	
पाकशास्त्र	—	"	
मंत्रादि संग्रह	—	"	

९१७ गुटका नं० १०९ । पत्र सं० १६ । साइज—६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३४२ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

९१८ गुटका नं० ११० । पत्र सं० ४४ । साइज—६×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मंत्रादि संग्रह	—	हिन्दी	
महादेवपार्वती संवाद	—	"	

९१९ गुटका नं० १११ । पत्र सं० २४१ । साइज—६×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
छहढाला	पं० द्यानतराय	हिन्दी	रचनाकाल १७५८
छहढाला	" बुधजन	"	" १८५९
"	" दौलतराम	"	
"	" श्री कृष्ण	"	
बारहभावना	भैय्या भगवतीदास	"	
समाधिमरण	पं० द्यानतराय	"	
स्तुति संग्रह	नवल कवि	"	

९२० गुटका नं० ११२ । पत्र सं० ५-६१ । साइज—७×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४३ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

९२१ गुटका नं० ११३ । पत्र सं० १८ । साइज—६½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३४३ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६२२ गुटका नं० ११४ । पत्र सं० २४ । साइज–६½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३४० ।

विशेष—आयुर्वेदिक नुस्खों का संग्रह हैं ।

६२३ गुटका नं० ११५ । पत्र सं० १६५ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७७६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३४४ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशे
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
साधु वंदना	—	हिन्दी	
पंचमंगल	रूपचन्द	,,	
स्तवन	—	,,	
समयसार	बनारसीदास	,,	
जोगीरासो	ब्र० जिनदास	,,	

६२४ गुटका नं० ११६ । पत्र सं० ३५ । साइज–७½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३४४ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

६२५ गुटका नं० ११७ । पत्र सं० २७ । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ३४० ।

विशेष—भक्तामरस्तोत्र ऋद्धि मंत्र सहित है ।

६२६ गुटका नं० ११८ । पत्र सं० ७७ । साइज–५½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—मंत्रों का संग्रह है ।

६२७ गुटका नं० ११९ । पत्र सं० १३ । साइज–७½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६२८ गुटका नं० १२० । पत्र सं० १३–१३५ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—आयुर्वेदिक नुस्खों का संग्रह है ।

६२९ गुटका नं० १२१ । पत्र सं० ८ । साइज–५½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३४५ ।

विशेष—हिन्दी में पार्श्वनाथ के जीवन का वर्णन है ।

६३० गुटका नं० १२२। पत्र सं० २७। साइज ६×४ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ का पत्र नहीं है। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ३४५।

विशेष—चरनदास कृत हिन्दी में ज्ञानस्वरोदय है।

६३१ गुटका नं० १२३। पत्र सं० २४–१६४। साइज–३½×२½। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३४६।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनदर्शन	—	संस्कृत	
घंटाकर्णमंत्र	—	,,	
नौ का वन्ध	विनोदीलाल	हिन्दी	
स्तुति संग्रह	—	,,	

६३२ गुटका नं० १२४। पत्र सं० ३७–५६। साइज–४×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३४६।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है।

६३३ गुटका नं० १२५। पत्र सं० २२। साइज ४×३ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८६५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३४६।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है।

६३४ गुटका नं० १२६। पत्र सं० ८५। साइज–८½×६ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ के ६ पत्र नहीं हैं। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३४७।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
बिहारी सतसई	महाकवि बिहारी	हिन्दी	
सुन्दर शृंगार	सुन्दरदासजी	,,	

६३५ गुटका नं० १२७। पत्र सं० १६। साइज–८½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३४३।

विशेष—भर्तृहरि कृत वैराग्य शतक है।

६३६ गुटका नं० १२८। पत्र सं० ६। साइज–७×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३३३।

ब्रह्मदेव कृत आदिनाथ से लेकर सुमतिनाथ तक स्तुति संग्रह है।

६३७ गुटका नं० १२६। पत्र सं० २२। साइज–७×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३३३।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पदसंग्रह	पं० भूधरदासजी	हिन्दी	
"	,, बुधजन	"	
पंचमंगल	रूपचन्द	"	
पद संग्रह	पं० द्यानतरायजी	"	

६३८ **गुटका नं० १३०** । पत्र सं० ३७ । साइज ८×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४७ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६३९ **गुटका नं० १३१** । पत्र सं० ४० । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कोकशास्त्र	—	हिन्दी	
शनिश्चर देव की कथा	—	"	
जमाल के दोहे	जमाल कवि	"	
निर्वाणकांड भाषा	भैय्या भगवतीदास	"	
पद संग्रह	—	"	

६४० **गुटका नं० १३२** । पत्र सं० ३६ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं जीर्ण । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० ३४८ ।

विशेष—सहस्त्रनामस्तोत्र एवं पूजा संग्रह है ।

६४१ **गुटका न० १३३** । पत्र सं० ३४ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६४२ **गुटका नं० १३४** । पत्र सं० ५६ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
हनुमान जति (मंत्र)	—	संस्कृत	
डाकिन का चढावा	—	हिन्दी	
झाडा देने का मंत्र	—	"	
पुरुषस्त्रीवशीकरणमंत्र	—	"	
मंत्र संग्रह	—	"	

६४३ **गुटका नं० १३५** । पत्र सं० ४२ । साइज-७×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मोहरा परीक्षा	—	हिन्दी	
त्रिदोषसार की विधि	—	”	
हींगुलू की विधि	—	”	
तीजापौत का मंत्र	—	”	
कलिकुंडदंड यंत्र विधि	—	”	
भक्तामर ऋद्धिमन्त्र	—	संस्कृत	
योगिनी मन्त्र पूजा विधि	—	”	
उच्छिष्ट चाण्डालिनि मंत्र	—	”	
वशीकरण मंत्र	—	”	
मेघाकर्षण मंत्र	—	”	
औषधियां	—	हिन्दी	

६४४ **गुटका नं० १३६** । पत्र सं० १५ । साइज-८×५½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८५४ जेठ सुदि १४ । अपूर्ण-आरम्भ के पत्र नही हैं। शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३४६ ।

विशेष—नवल कविकृत सामुद्रिक शास्त्र भाषा है। रचनाकाल सं० १७४५ है।

६४५ **गुटका नं० १३७** । पत्र सं० ३४ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विशेष—नवलकवि कृत हिन्दी के पदों का संग्रह है।

६४६ **गुटका नं० १३८** । पत्र सं० ६५ । साइज-७½×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है। जैनबद्री देश की चिठ्ठी सं०१८८४ की है।

६४७ **गुटका नं० १३९** । पत्र सं० १५ । साइज-६×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६४८ **गुटका नं० १४०** । पत्र सं० ५७ । साइज-६×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३५० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
बावनी	कवि छीहल	हिन्दी	रचनाकाल सं० १५८४

बावनी	मुनि कल्याणकीर्त्ति	”	
स्फुट पद्य	—	”	

९४९ गुटका नं० १४१ । पत्र सं० ५२ । साइज–६½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । भाषा–हिन्दी । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
इश्कफन्द	—	हिन्दी	
कवित्त	पद्माकर कवि	”	
छप्पय	गंग कवि	”	३९ पद्य
छप्पय	—	”	२० पद्य
गुदा	—	”	१४ पद्य
स्फुट पद्य	—	”	

९५० गुटका नं० १४२ । पत्र सं० १९५ । साइज–९×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
चमत्कारचिंतामणि (ज्योतिष)	—	संस्कृत	
गजजिनेशाष्टक यमकबद्धस्तुति	—	”	
नवग्रहस्तवन	—	”	
सुपार्श्वस्तवन	प्रभाचन्द्र	”	
शांतिनाथस्तुति	—	”	
पार्श्वनाथस्तवन	राजसेन	”	
रावणपार्श्वनाथस्तवन	प्रभाचन्द्र देव	”	
”	—	”	
पार्श्वनाथस्तवन	सोमसेन	”	
जीरावलि पार्श्वनाथस्तवन	कल्याणकीर्त्ति	”	
नवग्रह स्तवन	”	”	
पार्श्वस्तुति	—	”	
मंगलाष्टक	—	”	
चतुर्विध संघ वर्णन	—	”	
सल्लेखना	—	”	
समाधि मरण	—	हिन्दी	

८४ जातियों के नाम	—	,,
राजवंशों के नाम	—	,,
नित्य प्रतिक्रमण विधि	—	प्राकृत
पट्टावलि (बलात्कार गुरावली)	—	संस्कृत
जिनस्तोत्र	जिनचंद्र	,,
भक्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	,,
भूपालचतुर्विंशति	भूपाल कवि	,,
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	,,
विषापहार स्तोत्र	धनंजय	,,
इष्टोपदेश	—	,,
जिनदर्शनस्तवन	—	प्राकृत
श्रुतदेवतास्तवन	—	संस्कृत
शांतिनाथस्तवन	—	,,
करुणाष्टक	पद्मनंदि	,,
क्रियाकाण्डचूलिका	—	,,
एकत्वभावना दशक	—	,,
परमार्थविंशति	—	,,
सज्जनचित्तवल्लभ स्तोत्र	रविषेणाचार्य	,,
अकलंकाष्टक	—	,,
यमकाष्टक	अमरकीर्त्ति	,,
चिंतमणि पार्श्वनाथस्तवन	—	,,
दुर्लभानुप्रेक्षा	—	प्राकृत
समाधिशतक	पूज्यपाद	संस्कृत
वेणीकृपाण	अमरकवि	,,
स्तोत्र	—	,,
पार्श्वनाथ स्तोत्र	—	,,
देवी पद्मावती स्तवन	—	,,
प्रायश्चितविधि	—	,,
विदग्धमुखमंडन	—	,,
चमत्कार ज्योतिष	—	,,
केवली	—	,,
	—	,,

अंतराय चर्चा	—	हिन्दी	
षट मत चर्चा	—	,,	

६५१ गुटका नं० १४३ । पत्र सं० ४३ । साइज-५½×५½ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३३७ । लिपि-विकृत ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पीपाजी की परचई	—	हिन्दी	
पृथ्वीनाथजी की साधुपृच्छा	—	,,	
ज्ञानचौतीसी	—	,,	
राजा गोपीचन्द के पद (सबदी)	—	,,	
गरीबदासजी के पद	—	,,	

६५२ गुटका नं० १४४। पत्र सं० ३६० । साइज-८½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रोहिणी व्रत विधान	पंडित तुलसो	हिन्दी	
दर्शणी अष्टक	—	,,	
स्फुट पद एवं कवित्त	—	,,	
सकलीकरण विधि	—	संस्कृत	
भक्तामर भाषा	हेमराज	हिन्दी	
नाममाला	ब्रह्म दीप	हिन्दी	
आध्यात्म बावनी	—	संस्कृत	
कलिकुण्ड पार्श्वनाथ पूजा	—	,,	
सिद्ध पूजा	—	,,	
बारस अणुपेक्खा	—	अपभ्रंश	
समयसार प्राभृत	कुन्दकुन्दाचार्य	प्राकृत	
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्र	,,	
फुटकर कवित्त	—	हिन्दी	

६५३ गुटका नं० १४५ । पत्र सं० ३४ । साइज-७×५½ इन्च । लेखनकाल × । । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । सामान्य । वेष्टन नं० ३५२ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

६५४ गुटका नं० १४६ । पत्र सं० ४८ । साइज-८½×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध ।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद्य संग्रह	—	हिन्दी	
अजितशांतिस्तवन	—	प्राकृत	
शासनदेवतास्तोत्र	—	”	
शांतिस्तोत्र	—	संस्कृत	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचंद्र	”	

९५५ गुटका नं० १४७ । पत्र सं० ४१ । साइज-७½×७ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० ३५४. ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह है ।

९५६ गुटका नं० १४८ । पत्र सं० १४ । साइज ६-×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५२ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

९५७ गुटका नं० १४९ । पत्र सं० ३२ । साइज-६×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५३ ।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है ।

९५८ गुटका नं० १५७ । पत्र सं० ४३ । साइज-५×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं जीर्ण । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० ३५३ ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह है ।

९५९ गुटका नं० १५१ । पत्र सं० ८० । साइज-६×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १७७८ । अपूर्ण-प्रारम्भ के १० पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ३५३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	बनारसीदास	हिन्दी	
भक्तामरस्तोत्र	—	”	
पंचकल्याण	रूपचन्द	”	
अध्यातमबत्तीसी	—	”	
राजुल के पद	—	”	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
कोक सार	—	”	

६६० गुटका नं० १५२। पत्र सं० १२। साइज–६×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३५४।

विशेष—जिनसेनाचार्य कृत सहस्त्रनामस्तोत्र है।

६६१ गुटका नं० १५३। पत्र सं० २८। साइज–६×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्णं एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३५४।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं हैं।

६६२ गुटका नं० १५४। पत्र सं० २०। साइज–६×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३५४।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है।

६६३ गुटका नं० १५५। पत्र सं० २०। साइज–५×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३४४।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है।

६६४ गुटका नं० १५६। पत्र सं० ४०। साइज–५×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३५५।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है।

६६५ गुटका नं० १५७। पत्र सं० २६२। साइज–६×६½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३५५।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
विनती	—	हिन्दी	४० पद्य
एकीभावस्तोत्र	—	„	
साधु वंदना	—	„	
मोक्षपैडी	बनारसीदास	„	
एकीभावस्तोत्र	—	„	
बावनी	मोहन	„	
वैद्य लक्षण	—	„	
भवसिंधुचतुर्दशी	बनारसीदास	„	
बावनी	—	„	लि० १७८४
चौरासीबोल	हेमचन्द्र	„	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	—	„	
भक्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	„	

९६६ गुटका नं० १५८ । पत्र सं० २२३ । साइज–८½×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३३ आषाढ सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ । तीन गुटकों को मिलाकर एक गुटका कर दिया गया है ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
वृन्द सतसई	कवि वृन्द	हिन्दी	रचना सं० १७१२
सामुद्रिक मूल संस्कृत टीका हिन्दी	—	,,	ले० १८२२
नाममाला	—	संस्कृत	
ग्रहज्ञान	—	,,	
जातक ताजकसार	सवाई प्रतापसिंह	हिन्दी	
मंत्रौषध	कवि शेखर	संस्कृत	
बादशाही समय के प्रान्तों के नाम	—	हिन्दी	
शकुनसारोद्धार	माणिक्यसूरि	संस्कृत	

९६७ गुटका नं० १५९ । पत्र सं० ७६ । साइज–६×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०९ एवं सं० १८१८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

९६८ गुटका नं० १६० । पत्र सं० २५ । साइज–६½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५७ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

९६९ गुटका नं० १६१ । पत्र सं० १९६ । साइज–४½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५७ ।

विशेष—दो गुटकों का संग्रह है ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
वृन्दसतसई	कवि वृन्द	हिन्दी	
चौरासीवोल (श्वेताम्बर)	—	,,	
शकुन शास्त्र	—	,,	
भैरूंजी की पाट गीत	—	,,	
कृष्णस्तुति	—	,,	
शनिश्चर कथा	—	,,	
नवरत्नकवित्त	—	,,	
सामावत्तीसी	—	,,	
फुटकरपद संग्रह	—	,,	

एकीभावस्तोत्र	—	हिन्दी	
भूधर चौबीसी	—	,,	
विषापहारस्तोत्र	—	,,	लि० सं० १८७२
निर्वाणकांड भाषा	भगवतीदास	,,	
निर्वाणमंगल	विश्वभूषण	,,	रचना १७२६
बारहभावना	जगदीश	,,	
पदसंग्रह	—	,,	
नेमिनाथस्तुति	—	,,	
जुआ निषेध छप्पय	—	,,	
कुकविनिंदा	—	,,	
छह रस कथा	—	,,	
पदराग संग्रह	—	,,	
मुनीश्वरों की जयमाल	—	,,	
विनती संग्रह	—	,,	
अनित्यपंचाशिका	त्रिभुवनचन्द	,,	
स्तुति	—	,,	
विषापहारस्तोत्र	जिनदास	,,	
भूपालचौबीसी	भूधरदास	,,	
महालक्ष्मी स्तोत्र	—	संस्कृत	
परमानन्द स्तोत्र	—	,,	
भक्तामरस्तोत्र	आ० मानतुंग	,,	
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	कुमुदचन्द्र	,,	
ऋषिमंडलस्तोत्र	—	,,	
लघु सहस्रनाम	—	,,	
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	,,	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	,,	
भूपालचतुर्विंशति	भूपाल कवि	,,	
विषापहारस्तोत्र	धनंजय	,,	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	,,	
कल्याणमन्दिरभाषा	बनारसीदास	,,	
भक्तामर भाषा	हेमराज	,,	

आदित्यवार की कथा	—	हिन्दी
पदसंग्रह	—	”
कलियुगकथा	—	”
गणेशाष्टक	—	”
सीमंधरस्वामी स्तवन	—	”
पार्श्वनाथाष्टक	—	संस्कृत
विजयसेठविजयासतीरास	—	हिन्दी
जीवोत्पत्ति वर्णन	—	”
दीतवार की कथा	—	”
जिनभक्ति	—	”
फुटकर पद संग्रह	—	”

६७० गुटका नं० १६३ । पत्र सं० ४३ । साइज–६½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५८ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

६७१ गुटका नं० १६४ । पत्र सं० ८२ । साइज–८½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५८ ।

विशेष—भैय्या भगवतीदास की स्फुट रचनाओं का संग्रह है ।

६७२ गुटका नं० १६५ । पत्र सं० ५० । साइज–५½×३¼ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५८ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

६७३ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० ४४ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५९ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कलिकुंडदंड विधि	—	संस्कृत	
भदर रुकने का मंत्र	—	”	
हांडी बंधण मंत्र	—	”	
गायत्री मंत्र	—	”	
हनुमताष्टक	रामचन्द्र	”	
हनुमतकवच	—	”	(ब्रह्मांडपुराण से)
ज्वालामालिनी वज्रपंजर यंत्र	—	”	सचित्र

मंत्र ज्वर	—	संस्कृत
जयपताका मंत्र	—	,,
यंत्र पूजा होमविधि	—	,,
फुटकर मंत्र संग्रह	—	,,

९७४ गुटका नं० १६७ । पत्र सं० १३ । साइज-६×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ ।

विशेष—गुणस्थान सम्बन्धी चर्चायें हैं ।

९७५ गुटका नं० १६८ । पत्र सं० ५४ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३५६ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

९७६ गुटका नं० १६९ । पत्र सं० ५४ । साइज-५×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

९७७ गुटका नं० १७० । पत्र सं० १०० । साइज-६×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
शांतिनाथस्तोत्र	—	संस्कृत	
भक्तामर भाषा	हेमराज	हिन्दी	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	बनारसीदास	,,	
विषापहारस्तोत्र भाषा	अचलकीर्ति	,,	
नेमीश्वर स्तुति	—	,,	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी	
वृंद सतसई	वृंद कवि	,,	७१० पद्य

९७८ गुटका नं० १७१ । पत्र सं० ३९ । साइज ६×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०० ।

विशेष—मंत्रादि संग्रह है ।

९७९ गुटका नं० १७२ । पत्र सं० ४६ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

९८० गुटका नं० १७३ । पत्र सं० १६२ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

६८१ गुटका नं० १७४ । पत्र सं० ५० । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह एवं आयुर्वेदिक नुस्खों का संग्रह है ।

६८२ गुटका नं० १७५ । पत्र सं० ४५ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—श्री रामचन्द्र कृत हिन्दी में रामविनोद है ।

६८३ गुटका नं० १७६ । पत्र सं० २७१ । साइज–६×७ इञ्च । लेखनकाल सं० १७२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७८ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
अध्यात्मोपनिषन्नियोग	हेमचन्द्रसूरि	संस्कृत	
एकाक्षरी नाममाला	—	"	
चित्रबन्ध दोहा	जोधराज गोदीका	हिन्दी	
चक्रेश्वरीस्तोत्र	—	संस्कृत	
ज्वालामालिनी स्तोत्र	—	"	
महालक्ष्मीस्तोत्र	—	"	
प्रश्नोत्तररत्नमाला	—	"	
श्रुतबोध	कालिदास	"	
मुनीश्वरों की ससाई	—	"	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
चौरासी अच्छादन	—	"	
सामायिक बत्तीस दोष	—	संस्कृत	
सीमंधरस्वामी स्तवन	—	"	
मुनिक्रियाकर्म	—	"	
बृहद् प्रतिक्रमण	—	प्राकृत	
ब्रह्मचर्य प्रतिक्रमण	—	"	
स्वयंभूस्तोत्र	समन्तभद्र	संस्कृत	
गुरावली	—	"	
पट्टावलि	—	"	भ० सोमकीर्त्ति तक
अणुव्रतप्रतिक्रमणपाठ	—	"	
कर्मबंध विनाश भावना	—	"	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	"	

सामायिकपाठ	—	संस्कृत	
स्थावरजीवों की आयु	—	”	
पृथ्वी के भेद	—	”	
षट् द्रव्य वर्णन	—	”	
सप्ततत्त्ववर्णन	—	”	
त्रेशठशलाका पुरुष वर्णन	—	”	
तीनलोक रचना	—	”	
अष्टकर्म विवरण	—	”	
पंचषष्टी अतिचार	—	”	
तत्त्वादि वर्णन	—	”	
परमसुखद्वात्रिंशिका	—	”	
परमानंदश्लोक	—	”	लिपि सं० १६४८
अष्टप्रकार पूजा	—	”	
अध्यात्मस्तवन	—	”	
नाभिकमल अध्यात्मप्रकाश	—	”	
दश दृष्टांत काव्य	—	”	
पार्श्वनाथ स्तोत्र	—	”	
वस्तुसंख्या	—	”	
वस्तुविज्ञानरत्नकोश	—	”	लिपि २६६७
बादशाहों की आयु वर्णन	—	हिन्दी	
सूर्यसहस्रनाम	—	संस्कृत	
पंचस्तवन	—	”	
पद्मप्रभुवासुपूजस्तवन	—	”	
चन्द्रप्रभस्तवन	—	”	
यंत्रादि सचित्र	—	”	
शांतिनाथस्तवन	—	”	सं० १६६२
लघुचाणक्य नीतिशास्त्र	चाणक्य	”	
वृहद्चाणक्य नीतिशास्त्र	”	..	

६८४ गुटका नं० १३७ । पत्र सं० २६० । साइज–१०×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के ४० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—पूजा संग्रह एवं बनारसीदास कृत समयसार हैं ।

९८५ गुटका नं० १७८ । पत्र सं० ३० । साइज–१०×७½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८८२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—खण्डेलवालों के ८४ गोत्रों की सूची एवं उनका सामान्य परिचय है

९८६ गुटका नं० १७९ । पत्र सं० १८६ । साइज–९×७ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७०४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा सामान्य । वेष्टन नं० ३६१ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

९८७ गुटका नं० १८० । पत्र सं० १२० । साइज–९×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८० ।

विशेष—कितने ही रोगों के नुसखे दिये हुये हैं । प्रारम्भ और अन्त में कुछ मंत्र भी दिये हैं जिनसे भी रोगों की शांति होती हैं ।

९८८ गुटका नं० १८१ । पत्र सं० ९८ । साइज–९×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८५ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रसिकप्रिया	केशवदास	हिन्दी	
राजसभारंजन	—	”	
शृंगार ग्रंथ	—	”	

९८९ गुटका नं० १८२ । पत्र सं० ३५ । साइज–११×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५५ ।

विशेष—पद संग्रह है ।

९९० गुटका नं० १८३ । पत्र सं० ६६ । साइज–५½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५४ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

९९१ गुटका नं० १८४ । पत्र सं० ७३ । साइज–५½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के १८ पत्र नहीं हैं । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५४ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

९९२ गुटका नं० १८५ । पत्र २७ । साइज ५½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५४ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानचिंतामणि	मनोहरदास	हिन्दी	

खंडेलवालजाति उत्पत्ति वर्णन	—	हिन्दी
भट्टारक पट्टावलि	—	,,

६६३ गुटका नं० १८६ । पत्र सं० २० । साइज–१०×७ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४५ ।

विशेष—गुटके में मंत्रादि का संग्रह है ।

६६४ गुटका नं० १८७ । पत्र सं० ७५ । साइज–६½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३४७ ।

विशेष—२० प्रकार के साधरण मंत्र हैं कुछ नुसखे भी हैं ।

६६५ गुटका नं० १८८ । पत्र सं० ६० । साइज ७½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३४६ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद संग्रह	जगतराम	हिन्दी	
औषधादि संग्रह	—	,,	अलग २ नुसखे दिये हुये हैं।

६६६ गुटका नं० १८६ । पत्र सं० १७४ । साइज–५½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । लिपि–विकृत । वेष्टन नं० १७४ ।

विशेष—मंत्रादि का संग्रह है ।

६६७ गुटका नं० १६० । पत्र सं० १६० । साइज–६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७४ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रावकों के ८४ गोत्र	—	हिन्दी	
पद संग्रह	—	,,	
भक्तामर भाषा	हेमराज	,,	
चौबीस ठांणा की गाथा	—	प्राकृत	
नरकों का यंत्र	—	,,	
पद	—	हिन्दी	"मित्र तो धर्म सनेही की ज्यों
खण्डेलवालों के चौरासी गोत्रों के नाम	—	,,	
खण्डेलवालों की उत्पत्ति वर्णन	—	,,	
पद संग्रह	—	,,	
चौबीसदण्डक चौपई	दौलतरामजी	हिन्दी	
वक्ता और श्रोता के गुण	—	,,	

पद संग्रह	—	„
वज्रनाभिराजा का वैराग्य	—	„
लक्ष्मीस्तोत्र	—	„
पद संग्रह	—	„
राजुलपच्चीसी	—	„
मन ज्ञान का संग्राम	लालचन्द	„
आगम मंगल	—	„
मेघकुमार की विनती	—	„
पद व भजन संग्रह	—	„

९९८ गुटका नं० १९१ । पत्र सं० १४२ । साइज–६×३½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । लेखनकाल–सं० १८८३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १७७ ।

विशेष—गुटके में पूजा और स्तोत्र संग्रह हैं ।

९९९ गुटका नं० १९२ । पत्र सं० २० । साइज–६×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १७७ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

१००० गुटका नं० १९३ । पत्र सं० ६० । साइज–६×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १७७ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

१००१ गुटका नं० १९४ । पत्र सं० ६० । साइज–८×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । प्रति नवीन है । वेष्टन नं० २०९ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

१००२ गुटका नं० १९५ । पत्र सं० ३ । साइज–८×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०९ ।

१००३ गुटका नं० १९६ । पत्र सं० ५ । साइज–८½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०९ ।

१००४ गुटका नं० १९७ । पत्र सं० ९ । साइज–९×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९४ ।

विशेष—हेमराज कृत हिन्दी में चौरासी बोल है ।

१००५ गुटका नं० १९८ । पत्र सं० ४ । । साइज–९×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९४ ।

१००६ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० १० । साइज–७½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

१००७ गुटका नं० २०० । पत्र सं० १७ । साइज–७½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

१००८ गुटका नं० २०१ । पत्र सं० २८७ । साइज–७×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६६५ । अपूर्ण–प्रारम्भ के १६५ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३६२ ।

विशेष—गुटके में पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है ।

१००९ गुटका नं० २०२ । पत्र सं० २२ । साइज–६½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६२ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

१०१० गुटका नं० २०३ । पत्र सं० ३६ । साइज ५½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६२ ।

विशेष—उल्लेखनीय पाठ नहीं है ।

१०११ गुटका नं० २०४ । पत्र सं० २४० । साइज ६×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के १५ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६२ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ब्रह्माण्डपुराण	—	संस्कृत	
मल्लारिकवच	—	"	
मल्लासिहस्त्रस्तोत्र	—	"	
सुन्दरलहरी	—	"	
महिमाख्य स्तोत्र	—	"	
आनन्दलहरी	शंकराचार्य	"	पुन्तदंगचाय
विप्रपराध स्तोत्र	शंकराचार्य	"	
पांडवगीता	पांडव	"	
शिवाष्टक	—	"	
हरनाममाला	—	"	
मंगलाष्टक	—	"	
गंगाष्टक	शंकराचा	"	
रामचन्द्र स्तुति	—	संस्कृत	
प्रश्नोत्तररत्नमाला	शंकराचार्य	"	

आत्मनिजतत्त्वप्रकाश	—	संस्कृत
औषधादि संग्रह	—	„

१०१२ गुटका नं० २०५ । पत्र सं० ३० । साइज–६×४ इञ्च । लेखनकाल × । भाषा–संस्कृत । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

वशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

१०१३ गुटका नं० २०६ । पत्र सं० ६६ । साइज–६×३½ इञ्च । लेखनकाल × । भाषा–हिन्दी । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

१०१४ गुटका नं० २०७ । पत्र सं० ५४ । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

विशेष—पद संग्रह एवं आयुर्वेदिक नुसखों का संग्रह है ।

१०१५ गुटका नं० २०८ । पत्र सं० ७८ । साइज–६×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

१०१६ गुटका नं० २०९ । पत्र सं० ३६ । साइज–६×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६४ ।

१०१७ गुटका नं० २१० । पत्र सं० २५ । साइज ८×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । लिपि–विकृत । वेष्टन नं० ३६५ ।

विशेष—फुटकर पद व स्तुति संग्रह है ।

१०१८ गुटका नं० २११ । पत्र सं १५ । साइज–६×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

१०१९ गुटका नं० २१२ । पत्र सं० १८ साइज ७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

१०२० गुटका नं० २१३ । पत्र सं० १८ । साइज–६×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है ।

१०२१ गुटका नं० २१४ । पत्र सं० ३७ । साइज–६×७ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के २ पत्र नहीं हैं । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—पूजा संग्रह है ।

१०२२ गुटका नं० २१५ । पत्र सं० ३५ । साइज–५×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—भक्तामर स्तोत्र ऋद्धि मंत्र सहित है।

१०२३ गुटका नं० २१६ । पत्र सं० २७ । साइज–५×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—उल्लेखनीय संग्रह नहीं है।

१०२४ गुटका नं० २१७ । पत्र सं० ३ । साइज–५×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—अभयनन्दि कृत स्नपनविधि दी हुई है।

१०२५ गुटका नं० २१८ । पत्र सं० २० । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६७ ।

विशेष—कल्याणमन्दिरस्तोत्र तथा भक्तामरस्तोत्र ऋद्धि मंत्र सहित है ।

१०२६ गुटका नं० २१९ । पत्र सं० १० । साइज–६×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६७ ।

विशेष—पद व स्तुति संग्रह है।

१०२७ गुटका नं० २२० । पत्र सं० १०० । साइज–८×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ३६७ ।

विशेष—पूजा संग्रह है।

१०२८ गुटका नं० २२१ । पत्र सं० २६६ । साइज–६×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा
पंचपरमेष्टी स्तवन	—	प्राकृत
छींक विचार	—	संस्कृत
अंगस्पंद विचार	—	”
शुभशकुन विचार	—	”
यात्रा प्रकरण विचार	—	”
स्वर विचार	—	”
जिनसहस्रनाम स्तोत्र	आशाधर	”
चक्रेश्वरःस्तोत्र	—	”
ज्वालामालिनी स्तोत्र	—	”
चिंतामणीपार्श्वनाथ स्तोत्र	—	”
ऋषिमंडलस्तोत्र	गौतम स्वामी	”

पद्मावतीस्तोत्र	—	संस्कृत
जिनपंजरस्तोत्र	कमलप्रभसूरि	,,
अष्टचत्वारिंशतऋद्धिस्तोत्र	—	,,
लघुसहस्रनामस्तोत्र	—	,,
स्वयंभूस्तोत्र	आ० समन्तभद्र	,,
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	,,
दर्शनप्राभृत	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत
दोहाष्टक	—	हिन्दी
नवरत्नकाव्यछप्पय	—	,,
जलगालनविधि	—	संस्कृत
भारतीस्तोत्र	—	,,
निरंजनस्तोत्र	—	,,
श्रावक दीक्षा पटल	—	हिन्दी
भारती अष्टोत्तर शत नाम	—	,,
चौरासी जाति की जयमाल	—	,,
पंडित जयमाल	—	,,
देवागम स्तोत्र	आ० समंतभद्र	संस्कृत
गायत्री (वैष्णव)	—	संस्कृत
शनिस्तोत्र	—	,,
वृहस्पतिस्तोत्र	—	,,
पंचपरमेष्ठिस्तोत्र	—	,,
चैत्यवंदना	—	,,
प्रायश्चित विधि	एकसंधि	,,
,,	जिनसेनाचार्य	,,
जिनमंगलाष्टक	सिंहनंदि	,,
सरस्वतीस्तोत्र	—	,,
ग्रहशांतिस्तोत्र	भद्रबाहु	,,
जैनरक्षास्तोत्र	—	,,
वर्द्धमानाष्टक	—	,,
महालक्ष्मीस्तोत्र	—	,,
ज्वालामालिनीस्तोत्र	—	,,

शांतिनाथाष्टक	—	संस्कृत
नवकारमंत्र ऋद्धि मंत्र सहित	—	”
लक्ष्मीस्तोत्र	—	”
महालक्ष्मीप्रभावकस्तोत्र	—	”
जैनस्याद्वाद मत गायत्री मंत्र विधान	—	”
त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	—	”
अन्नपूर्णास्तोत्र	वेद्‌व्यास	”
गुरावली	—	संस्कृत
स्वस्त्यनविधान	—	”
ज्योतिषसारोद्धार	हर्षकीर्ति	”
आदित्यस्तोत्र	—	”
चन्द्राष्टक	—	”
मंगलस्तोत्र	—	”
बुधस्तोत्र	—	”
वृहस्पतिस्तोत्र	—	”
शुक्रस्तोत्र	—	”
शनिस्तोत्र	—	”
सूर्यस्तोत्र	—	”
वृहत्स्वयंभूस्तोत्र	—	”
पार्श्वनाथाष्टक	—	”

१०२९ गुटका नं० २२२। पत्र सं० २५–२७३। साइज–४$\frac{३}{४}$×४ इन्च। लेखनकाल–सं० १८१०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३६८।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानचिंतामणि	मनोहरदास	हिन्दी	
'प्राणीडा' गीत	प्रेम सोनी	”	रचना सं० १७६०
बावन बचन	—	”	
भट्टारक पट्टावलि	—	”	सं० १०४ से
पातिस्याही को व्योरा	—	”	
आमेर के राजा की वंशावलि	—	”	
चन्द्रगुप्त के सोलहस्वप्न	—	”	
चार मित्रों की कथा	—	”	

* * *

शास्त्र--भण्डार

श्री दि० जैन मन्दिर बडा तेरहपंथियों (जयपुर)

के

ग्रन्थ

विषय–सिद्धान्त एवं चर्चा

ग्रन्थ संख्या–२५२

१ **आवश्यकचूर्णि**·········। पत्र सं० ४–२३८। साइज–१०×४ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १४२।

२ **आवश्यकवृहद्वृत्ति**·········। पत्र सं० २५२–३६५। साइज–११½×४ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल सं०–१५२३। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १४३।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

जिनहर्ष सूरि के उपदेश से मंडपदुर्ग निवासी साह मंडलिक, साह बहूपा, साह कुरुपाल आदि श्रावकों ने इस ग्रंथ की प्रतिलिपि करवाई थी।

३ **आवश्यकवृहद्वृत्ति**·········। पत्र सं० ४५०। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–प्राकृत–संस्कृत। विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १३४।

४ **आवश्यक सूत्र**·········। पत्र सं० १६–३७। साइज–१०¼×४¼ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १४७४ ज्येष्ठ सुदी ११। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४१।

विशेष—प्रति प्राचीन है।

५ **आवश्यकालंकारवृत्ति**·········। पत्र सं० १२६–१७८। साइज–११½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण। दशा–सामान्य एवं शुद्ध। वेष्टन नं० १४४।

६ **आश्रवत्रिभंगी–नेमिचन्द्राचार्य**। पत्र सं० १५। साइज–११×५ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण। शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १३५।

७ **उत्तराध्ययनसूत्र**·········। पत्र सं० २२–६१। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण। दशा–जीर्ण एवं शुद्ध। वेष्टन नं० १७६।

८ उदयत्रिभंगी········। पत्र सं० २७। साइज–८½×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७७।

९ ओघनियुक्त्यवचूरि········। पत्र सं० ३१। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण। दशा–सामान्य एवं शुद्ध। वेष्टन नं० १५६।

१० कर्मकांडटीका–मूलकर्त्ता आ० नेमिचन्द्र–टीकाकार–सुमतिकीर्त्ति। पत्र सं० ८१। साइज–११½×४½ इञ्च। भाषा–प्राकृत–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। टीकाकाल–सं० १६२०। लेखनकाल–सं० १८५४ चैत्र बुदी ५। पूर्ण। शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २२३।

विशेष—पं० सदासुखजी ने निगोत्यों के मन्दिर (जयपुर) में सं० १८९६ बैशाख बुदी ६ को प्रतिलिपि की थी।

११ प्रति नं० २। पत्र सं० २–४०। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८९ बैशाख बुदी ८। पूर्ण–प्रथम पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२४।

विशेष—"इन्द्रप्रस्थनगरे तन्मध्ये जयसिंहपुरा नाम्नि तत्र पातिसाह मुहम्मदसाह राज्यप्रवर्त्तमाने········भांवसा गोत्रे, मूल चंपापुरी वास्तव्ये साहं बिहारीदास········साह सुखरामजी इदं पुस्तकं लिखाप्य हर्षकीर्त्तये शिष्य मायाराम सदाराम मनराम पठनार्थं दत्तं।"

१२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ४–३५। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टने २२५।

१३ प्रति नं० ४। पत्र सं० ५। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २२६।

१४ कर्मकांड भाषा–हेमराज। पत्र सं० ८२। साइज–१०×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २२७।

१५ प्रति नं० २। पत्र सं० ५६। साइज–११½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२८।

१६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५७। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७२१ कार्तिक सुदी ७ पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२९।

विशेष—कोटा निवासी श्री समरथ के पुत्र साह महेश ओसवाल ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवाई थी।

१७ कर्मप्रकृति–आचार्य श्री नेमिचन्द्र। पत्र सं० १८। साइज–९×४½ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७०२. फाल्गुण शुक्ला २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३६।

विशेष—श्री चारुकीर्त्ति ने जोधा (जोधराज) के पास ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी।

१८ प्रति नं० २। पत्र सं० १५। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २३७।

१९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २७ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३८ ।

२० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ९ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३९ ।

२१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २१ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६५९ चैत्र सुदी १२ । पूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २३९ ।

२२ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७ । साइज–१०×४½ इञ्च । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २३९ ।

२३ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १४ । साइज–१२×४½ इन्च । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

२४ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २१ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६३९ माघ बुदी २ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

विशेष—कहीं २ संस्कृत में शब्दार्थ दिये हुये हैं ।

२५ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ११ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४० ।

२६ प्रति नं० १० । पत्र सं० ११ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

२७ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १४ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४१ ।

२८ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १३ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७५५ ज्येष्ठ बुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

२९ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ११ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८११ माह सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४२ ।

३० प्रति नं० १४ । पत्र सं० ११ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २४२ ।

३१ **कर्मप्रकृति टीका**……। पत्र सं० ३४ । साइज–११×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४३ ।

३२ **कल्पसूत्र**……। पत्र सं० ३–५९ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–आगम । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । जीर्ण । वेष्टन नं० २४६ ।

३३ कल्पसूत्र भाषा………। पत्र सं० ११७। साइज–९ ३/४×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी (गुजराती मिश्रित) विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८३२। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४७।

३४ क्षपणासार–आचार्य नेमिचन्द्र। पत्र सं० ११२। साइज–११ १/२×५ ३/४ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–१ से ५२ तक के पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६२

विशेष—माधवचन्द्र त्रैविद्य कृत संस्कृत टीका सहित है।

३५ प्रति नं० २। पत्र सं० १००। साइज–११ ३/४×५ ३/४ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६२ (क)।

३६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५०। साइज–११ ३/४×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६३।

विशेष—शान्तिनाथ कृत संस्कृत टीका सहित है।

३७ खंडषट्त्रिंशिकावृत्ति–मूलकर्त्ता………। वृत्तिकार–श्री रत्नसिंहसूरि। पत्र सं० ३। साइज–१०×४ ३/४ इन्च। भाषा–प्राकृत–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३०१।

३८ गोमट्टसार (जीवकांड)–आ० नेमिचन्द्र। पत्र सं० ४६। साइज–९ ३/४×६ १/२ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ३२०।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

३९ प्रति नं० २। पत्र सं० १२। साइज–११×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२०।

४० प्रति नं० ३। पत्र सं० ७२। साइज–११×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२०।

४१ प्रति नं० ४। पत्र सं० ११२–३०६ (फुटकर पत्र)। साइज–१० १/२×४ १/२ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ३२०।

४२ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३६–८८। साइज–१०×५ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५५४ ज्येष्ठ सुदी २। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० ३२१।

विशेष—रत्नकीर्त्ति के शिष्य ब्रह्म रतन ने ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी।

४३ प्रति नं० ६। पत्र सं० १०१। साइज–१२×७ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८८७ पोष सुदी १५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२२।

विशेष—कर्मचन्द साह के पुत्र इन्द्रचन्दजी गोधा गांधी वोसवाल ने सवाई जयपुर में ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी।

४४ प्रति नं० ७। पत्र सं० २४–१०६ । साइज–१२×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५८३ भादवा सुदी ५ । अपूर्ण । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२५ ।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है। चंपावती में प्रतिलिपि हुई थी।

४५ प्रति नं० ७। पत्र सं० १३४ । साइज–१२¾×५½ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विशेष—प्रति टीका सहित है। टीका संस्कृत में है।

४६ प्रति नं० ८। पत्र सं० ९३। साइज–१२×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५१ ।

विशेष—फुटकर पत्रों का संग्रह है। हिन्दी अर्थ सहित है।

४७ प्रति नं० ९। पत्र सं० २७२ । साइज–१०×४¾ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३२७ ।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकार–अभयचन्द्र सूरि हैं

४८ प्रति नं० १०। पत्र सं० १२३ । साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२८ ।

विशेष—संस्कृत में अन्वयार्थ दिया हुआ है।

४९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ५० । साइज–१०×४½ इञ्च । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२८ ।

५० प्रति नं० १२। पत्र सं० ७८६ । साइज–१३×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १५७६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३० ।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकार–अभयचन्द्रसूरि है। प्रतिलिपि नागपुर नगर में हुई थी। खण्डेलवाल जाति में उत्पन्न पाटनी गोत्र वाले श्री लूना के पुत्र भरत एवं पौत्रादि जिनदास आदि ने प्रतिलिपि करवाई थी।

५१ प्रति नं० १३। पत्र सं० २९५ । साइज–१२½×६ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३१ ।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकार श्री सुमतिकीर्त्ति है।

५२ प्रति नं० १४। पत्र सं० ५२६ । साइज–१८½×७½ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३२ ।

विशेष—प्रारम्भ के ४ पत्र फिर लगाये गये हैं। प्रति सटीक है।

५३ **गोम्मटसार (कर्मकांड)**–आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० १९५ । साइज–१२×७½ इञ्च । भाषा–प्राकृत

विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८८७ महासुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२३ ।

विशेष—इन्द्रचन्द्र के पुत्र मोतीचन्द ओसवाल ने मक्सूदावाद में ग्रन्थ लिखवाया था ।

५४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६६ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२४ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका–संस्कृत में है । टीका का नाम तत्त्वप्रदीपिका है ।

५५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५६–३७६ । साइज–१२×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका का नाम तत्त्वप्रदीपिका है ।

५६ गोम्मटसार (कर्मकांड) भाषा……… । पत्र सं० ११३ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३५ ।

५७ गोम्मटसार भाषा–महा पं० टोडरमलजी । पत्र सं० ८९९ । साइज–१२×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल–सं० १८१८ । लेखनकाल–सं० १८४० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३६ ।

५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७१४ । साइज–१६×८½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–स्फुट पत्रों का संग्रह । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३८ ।

५९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७०६ । साइज–१२×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३७ ।

विशेष—जीवकांड की भाषा है।

६० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८३ । साइज–१५×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ३३४ ।

विशेष—जीवकांड भाषा है ।

६१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३५६ । साइज–१५×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ३३४ ।

६२ गोम्मटसार संदृष्टि–महापंडित टोडरमलजी । पत्र सं० १२५ । साइज–१०½×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३३९ ।

विशेष—श्री नाथूलालजी गोधा ने इस ग्रन्थ को बड़े मन्दिर में चढाया था ।

६३ गोम्मटसार भाषा……… । पत्र सं० १९७ । साइज–१२×६½ इञ्च । भाषा–प्राकृत–हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३४० ।

विशेष—सम्यग्ज्ञान चन्द्रिका संस्कृत टीका की हिन्दी टीका है ।

६४ गोम्मटसार (कर्मकांड) भाषा–मूलकर्त्ता–श्री नेमिचंद्राचार्य । भाषाकार–पं० हेमराज । पत्र सं० ८५ । साइज–१२×५½ इन्च । भाषा–हिन्दी (गद्य) । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७१७ आसोज बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३४१ ।

विशेष—श्रीकल्याण पहाड्या ने ग्रन्थ को रामपुर में लिखवाया था ।

६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७० । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३४२ ।

६६ चतुर्दश गुणस्थान भाषा–अखयराज । पत्र सं० ५१ । साइज–१२×६½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चर्चा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण –प्रारम्भ के २ तथा अन्तिम पत्र नहीं है । वेष्टन नं० ३८३ ।

६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६१ । साइज–१०×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १७६१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३८४ ।

६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७२ । साइज–११½×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७३१ चैत्र सुदी ५ । अपूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१७ ।

विशेष—राइमल्ल के पुत्र श्री विहारीदास छाबडा ने महात्मा डूंगरसी के पास लिखवाया था ।

६९ गुणस्थानचर्चा........। पत्र सं १०४ । साइज–१४×८ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चर्चा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५० माह बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१८ ।

विशेष—विषय का वर्णन अंकों में किया गया है । सांगानेर में गोदीकों के मन्दिर में प्रतिलिपि हुई थी ।

७० चरचाशतक–द्यानतराय । पत्र सं० ८७ । साइज–१२½×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चर्चा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४०७ ।

विशेष—चरचा शतक के हिन्दी पद्यों का अर्थ श्री हरजोमल पानीपत वाले का दिया हुआ हैं ।

७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४१ । साइज १३×८ इञ्च । लेखनकाल सं० १९०३ । अपूर्ण–प्रारम्भ के २० पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४०६ ।

७२ चरचासमाधान । भूधरदासजी । पत्र स० ९८ । साइज–१२×५½ । भाषा–हिन्दी । विषय–चर्चा । रचनाकाल–सं० १८०६ । लेखनकाल–सं० १८१५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं ४०८ ।

विशेष–सामाप्ति के पश्चात् यह लिखा हुआ है कि भूधरदासजी ने १३८ के प्रश्नों का उत्तर लिखे जिनमें प्रश्न बीस तीस का उत्तर अभ्यास के अनुसार है शेष प्रश्नों का उत्तर अभ्यास के अनुसार मिलता नहीं ।यह मत टोडरमलजी ने निश्चित किया है । अन्त में यह भी लिखा है कि भूधरदासजी से टोडरमल जी शास्त्रों के अधिक ज्ञाता हैं इसलिये उनकी बात पर विश्वास करना चाहिये ।

७३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७८ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ४०९ ।

७४ **चर्चासंग्रह**………। पत्र सं० ३६ । साइज–१२×८½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चर्चा । रचनाकाल ×। लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४१० ।

विशेष—गोम्मटसार, लब्धिसार, क्षपणासार आदि ग्रन्थों की चर्चाओं का संग्रह है ।

७५ **चर्चासंग्रह**………। पत्र सं० ३० । साइज ११×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चर्चा । रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७२१ । अपूर्ण ८, वां १६ वां पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४११ ।

विशेष—"संवत् १७२१ वर्ष मार्गशीर्ष बुदी ६ मालपुरे टोडाक्रावास मध्ये पार्श्वनाथचैत्यालये लिखितो यथागम विशेषः पं० क्षेमेण ।"

७६ **जीतकल्पसूत्र**………। पत्र सं० ५ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामन्य । वेष्टन नं० ४६७ ।

७७ **ज्ञाताधर्मकथा**………। पत्र सं० ६६–६६ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–आगम। रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५७६ आसोज बुदी ७ । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ५२६ ।

७८ **तत्त्वज्ञानतरंगिणी**–भट्टारक ज्ञानभूषण । पत्र सं० ३६ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल–सं० १५६० । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८१ ।

७९ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३२ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५८१ ।

८० **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २६ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८४७ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८३ ।

विशेष—श्री रत्नचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी ।

८१ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० ३२ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८४ ।

८२ **प्रति नं० ५** । पत्र सं० ७ । साइज–१०×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८२ ।

८३ **प्रति नं० ६** । पत्र सं० ७ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८२ ।

८४ **तत्त्वसार**– देवसेन । पत्र सं० १२ । साइज–११½×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८८ ।

८५ **तत्त्वार्थरत्नप्रभाकर**–मुनि श्री प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ११६ । साइज–८×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७०१ चैत्र बुदी १२ सोमवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८६ ।

८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८२ । साइज-६½×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३० पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६० ।

८७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११८ । साइज-११½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७०८ बैशाख सुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६२ ।

विशेष—बूंदी में प्रतिलिपि की गयी थी ।

८८ तत्त्वार्थरत्नाकर········ । पत्र सं० ६४ । साइज-१२×७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६१ ।

८९ तत्त्वार्थराजवार्त्तिक-भट्टाकलंकदेव । पत्र सं० ४०१ । साइज-११×७½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८८५ पौष सुदी १२ । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । प्रारम्भ के ११७ पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ५६३ ।

विशेष—महात्मा रघुनाथ ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

९० प्रति नं० २ । पत्र सं० ५१ से २१८ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६४ ।

९१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १-१३१ तक । साइज-११×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन ५६५ ।

९२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २७६-३११ । साइज-११×७½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७७ द्वितीय ज्येष्ठ सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६६ ।

विशेष—यति माणकचन्द ने जयपुर नगर में प्रतिलिपि की थी ।

९३ तत्त्वार्थसार-अमृतचन्द्र । पत्र सं० ३८ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८६६ मंगसिर सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६८ ।

विशेष—लिपिकर्त्ता श्री नेमिचन्द सोनी हैं ।

९४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २८ । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५६७ ।

९५ तत्वार्थसूत्र-उमास्वाति । पत्र सं० २१ । साइज-१०×७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५६६ ।

विशेष—दीवाण रतनचन्द वधीचन्द ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

९६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५६६ ।

९७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज-८×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-

जीर्ण । वेष्टन नं० ५९९ ।

९८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५९९ ।

९९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ९ । साइज–९½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५९९ ।

१०० प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७ । साइज–९×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६०० ।

१०१ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६०१ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ हैं ।

१०२ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २३ । साइज–६×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९१० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६०२ ।

विशेष—फलटण ग्राम में हूंबड जातीय साह रामचन्द्र ने ग्रंथ कों भेंट दिया था ।

१०३ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६०३ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

१०४ प्रति नं० १० । पत्र सं० ३० । साइज–७½×४½ इञ्च । लेखनकाल –सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६०४ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

१०५ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ३२ । साइज–८×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वैंष्टन नं० ६०४ ।

१०६ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ४००–४३२ । साइज–१०½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६०५ ।

विशेष—विस्तृत हिन्दी टीका सहित है ।

१०७ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १९ । साइज–८½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य वेष्टन नं० ६०६ ।

१०८ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ३० । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६०७ ।

विशेष—भक्तामरस्तोत्र भी है ।

१०९ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १०७ । साइज–११½×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकर श्री योगदेव हैं । टीका संस्कृत में है ।

११० प्रति नं० १६ । पत्र सं० १७८ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल सं० १६५९ आसोज सुदी १० मंगलवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१८ ।

विशेष—लेखनस्थान–गढ रणथंभौर (जयपुर) ऋषभदेवजी अग्रवाल ने प्रतिलिपि करवायी थी । प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है

१११ प्रति नं० १७ । पत्र सं० २१ । साइज–११×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १६६० ज्येष्ठ बुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में हैं ।

११२ प्रति नं० १८ । पत्र सं० १७९ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

११३ **तत्त्वार्थसूत्रटीका**–श्रुतसागर । पत्र सं० ३५० । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६०८ ।

११४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २८१ । साइज–११½×५½ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

११५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६५ । साइज–१०×५ इन्च । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१० ।

११६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४८–२१० । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६११ ।

११७ **तत्त्वार्थसूत्र भाषा**········। पत्र सं० १९७ । साइज–११½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६१४ ।

११८ **तत्त्वार्थसूत्र भाषा**········। पत्र सं० १६० । साइज–१४×७½ इन्च । भाषा–हिन्दी–गद्य । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–दो प्रतियों का मिश्रण है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१५ ।

११९ **तत्त्वार्थसूत्र भाषा**–जयचन्द्रजी छाबड़ा । पत्र सं० २८९ । साइज–१२×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल–सं० १८५९ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१६ ।

१२० **तत्त्वार्थसूत्र भाषा**–पं० सदासुखजी । पत्र सं० ६१६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–

सिद्धान्त। रचनाकाल-सं० १९१४। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। ५०५ से ५८८ तक तथा ६१३ से ६१६ तक के पत्र नहीं हैं। वेष्टन नं० ६१३।

विशेष—प्रति स्वयं लेखक द्वारा लिखी गयी है।

१२१ प्रति नं० २। पत्र सं० ५६। साइज-१३X८ इञ्च। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा सामान्य। वेष्टन नं० ६२५।

१२२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३५१। साइज-११X७½ इञ्च। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६१६।

१२३ तत्त्वार्थसूत्र भाषा-चेतनदास। पत्र सं० ७८०। साइज-१६X१० इञ्च। भाषा-हिन्दी-गद्य। विषय-सिध्दान्त। रचनाकाल-सं० १९५४। लिपिकाल-१९७५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ६११।

विशेष—तत्त्वार्थसार वचनिका का नाम हैं। ग्रन्थ लेखन में ४५२।)॥ खर्च हुये थे ऐसा उल्लेख है।

१२४ तत्त्वार्थसूत्र भाषा……। पत्र सं० १०७। साइज-१२X९ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल सं०-१७७९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६२४।

विशेष—प्रभाचन्द्र के तत्त्वार्थ सूत्र की हिन्दी टीका हैं। लेखक प्रशस्ति विस्तृत दी हुई है। स्वर्णप्रस्थननगर में श्रावक रामदत्त ने प्रतिलिपि की।

१२५ तत्त्वार्थसूत्र-प्रभाचन्द्र। पत्र सं० ११०। साइज-११¾X४½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-सिध्दान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ६१२।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

१२६ तत्त्वानुशासन-रामसेन। पत्र सं० १४। साइज-११X५½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-सिद्धान्त। रचनाकाल X। लेखनकाल-सं० १५६० अषाढ बुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६२६।

१२७ प्रति नं० २। पत्र सं० १५। साइज-१२X७½ इञ्च लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ६२७।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है।

१२८ त्रिभंगीसार-आचार्य नेमिचन्द्र। पत्र सं० ६८। साइज-१२X५ इञ्च। भाषा-प्राकृत। रचनाकाल X। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६४९।

विशेष—विवेकनन्दि कृत संस्कृत में टीका भी दी हुई है।

१२९ प्रति नं० २। पत्र सं० १०५। साइज-१०X५ इञ्च। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६५०।

१३० प्रति नं० ३। पत्र सं० ११८। साइज-१४X४½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १६९४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य जीर्ण। वेष्टन नं० ६५१।

विशेष—जैमल ने प्रतिलिपि की थी।

१३१ प्रति नं० ४। पत्र सं० ७०। साइज–१२×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६५२।

१३२ प्रति नं० ५। पत्र सं० ११०। साइज–६×४ इन्च। लेखनकाल–सं० १६८५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ६५३।

विशेष—रूपपुर के महाराज जयसिंह के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी।

१३३ प्रति नं० ६। पत्र सं० ४४। साइज–११½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६६१ फागुण सुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ६५४।

विशेष—सांगानेर में पं० रतनसी ने प्रतिलिपि की थी।

१३४ प्रति नं० ७। पत्र सं० ४६। साइज–११×७½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७०३ पौष बुदी १४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६५६।

विशेष—कल्याण पहाड्या ने प्रतिलिपि करवाई थी।

१३५ **त्रिभंगीसार**–आ० नेमिचन्द्र। पत्र सं० ४२। साइज–११½×५½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण ३० से ३४ तक के पत्र नहीं हैं। शुध्द। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ६५७।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है।

१३६ **त्रिभंगीसार**–श्रुतमुनि। पत्र सं० ४८। साइज–८×६ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६०३। पूर्ण एवं सामान्य शुध्द। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ६५५।

१३७ **दशवैकालिक सूत्र**………। पत्र सं० ३५। साइज–११×४ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण १४ से ३५ तक पत्र हैं। सामान्य शुध्द। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ७११।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है।

१३८ **दशवैकालिक सिद्धान्तवचूरि**………। पत्र सं० ६४। साइज–६½×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–आगम। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन नं ७११।

१३९ **द्रव्यसंग्रह**–आचार्य नेमिचन्द्र। पत्र सं० ६। साइज–१०½×४½ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७१४।

१४० प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज–११×५½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७१४।

१४१ प्रति नं० ३। पत्र सं० ४। साइज–१०½×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७१४।

१४२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४ । साइज–११×७½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्ठन नं० ७१५ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१४३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज–११×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७२८ वैशाख बुदी १२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१६ ।

विशेष—प्रति हिन्दी अर्थ सहित । आ० कनककीर्त्ति के पढने के लिये पं० कान्हजी ने प्रतिलिपि की थी ।

१४४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १६ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ७१७ ।

विशेष—प्रति हिन्दी टीका सहित है । पं० गुणराज ने पांडे नेताके पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

१४५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३० । साइज–८×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ७१८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार पं० बंशीधर जी हैं । ये प० टोडरमलजी के गुरु थे ।

१४६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ८४ । साइज–१२¾×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१४७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ७ । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

१४८ प्रति नं० १० । पत्र सं० १०३ । साइज–१०¾×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३२८ ।

१४६ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ६ । साइज–६×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३२८ ।

१५० प्रति नं० १२ । पत्र सं० ६ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

विशेष—हिन्दी अर्थ दिया हुआ है ।

१५१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ३ । साइज–१०×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १७२१ माघ सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

१५२ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ४ । साइज-१०¾×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

१५३ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ४ । साइज–१२½×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२० ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

१५४ प्रति नं० १६। पत्र सं० ९। साइज–८×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य वेष्टन नं० ४६।

१५५ प्रति नं० १७। पत्र सं० १४। साइज–१२½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७२०।

विशेष—प्रति सटीक है। टीक संस्कृत में है।

१५६ प्रति नं० १८। पत्र सं० ३०। साइज–१०×३ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७२०।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकार प्रभाचन्द्र है।

१५७ प्रति नं० १९। पत्र सं० १३। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७२०।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका हिन्दी में है।

१५८ प्रति नं० २०। पत्र सं० १०२। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६९७। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७३०।

विशेष–प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

१५९ प्रति नं० २१। पत्र सं० ४१। साइज–८×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७३१।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका हिन्दी में है।

१६० प्रति नं० २२। पत्र सं० १६। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७३५।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है।

१६१ प्रति नं० २३। पत्र सं० ३४। साइज–१०×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७३६।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है।

१६२ प्रति नं० २४। पत्र सं० २०। साइज ११×७½ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७३७।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है।

१६३ प्रति नं० २५। पत्र सं० ९। साइज–१२×८ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७३८।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित हैं। भाषाकार बाबा दुलीचन्दजी हैं।

१६४ प्रति नं० २६। पत्र सं० ७। साइज–१०×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७७५।

विशेष—दूसरे पत्र तक गाथाओं के नीचे संस्कृत में टीका भी दी हुई है।

१६५ प्रति नं० २७। पत्र सं० ६। साइज–१०×४ इन्च। लेखनकाल–सं० १७६३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ७७५।

विशेष—गाथाओं के ऊपर सस्कृत में टीका दी हुई है।

१६६ प्रति नं० २८। पत्र सं० १६। साइज–१०×४½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७७५।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई है।

१६७ प्रति नं० २६। पत्र सं० ६। साइज–१०×४ इन्च। लेखनकाल–सं० १८११ फागुण सुदी ३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७७५।

विशेष—जयपुर में टेकचन्द ने प्रतिलिपि की थी।

१६८ **द्रव्यसंग्रह सटीक**–मूलकर्त्ता–आचार्य नेमिचन्द्र। टीकाकार श्री ब्रह्मदेव। पत्र सं० १३६। साइज–११×५ इन्च। भाषा–प्राकृत–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६२३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७२२।

१६६ प्रति नं० २। पत्र सं० १५१। साइज–११×४¾ इन्च।। लेखनकाल–सं० १७१५ भादवा सुदी १। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७२३।

१७० प्रति नं० ३। पत्र सं० १०३। साइज–१२×६ इन्च। लेखनकाल–सं० १७१५ फागुण सुदी १०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७२४।

विशेष—श्री कल्याण पहाड्या ने प्रतिलिपि की थी।

१७१ प्रति नं० ४। पत्र सं० १०५। साइज–११×४¾ इन्च। लेखनकाल–सं० १४६८ असाढ बुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७२५।

विशेष—राजा वीरम्मदेव के राज्य में गोपाचल दुर्ग पर लिपि हुई थी। अग्रोतकान्वय साधु नरदेव पुत्री देवसिरि निजज्ञानावरणीयक्षयार्थं इदं ग्रन्थं लिखापित। लिखितं पं० श्री कोवसी पुत्र धनपाल।

१७२ प्रति नं० ५। पत्र सं० ७६–१०६। साइज–११×४¾ इन्च। लेखनकाल–सं० १४८४ कार्तिक सुदी। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७२६।

विशेष—मारषपुर में अग्रोतकान्वय गोयल गोत्र वाली प्रियवदा ने प्रतिलिपि करवायी थी।

१७३ **द्रव्यसंग्रह बृहद् वृत्ति**........। पत्र ६६। साइज–११×५ इन्च। भाषा–प्राकृत संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। अन्तिम पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं ७२६।

१७४ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ११७ । साइज–१२×६ इन्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२७ ।

१७५ **द्रव्यसंग्रह भाषा**–पर्वतधर्मार्थी । पत्र सं० ४७ । साइज–१०½×४ इन्च । भाषा–गुजराती । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७३२ ।

विशेष—सांगानेर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१७६ **द्रव्यसंग्रह भाषा**–प० जयचंदजी छाबडा । पत्र सं० २६ । साइज–८½×६ इन्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–सिद्धात । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७३३ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ से लिखी हुई है ऐसा मालूम पड़ता है ।

१७७ **प्रति नं० २** । पत्र सं० २२ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं ७३४ ।

१७८ **नवतत्त्वप्रकरण**……। पत्र सं० ५ । साइज–९×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८५९ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

१७९ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ६ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६० ।

विशेष—संस्कृत में टीका भी दी हुई है ।

१८० **नवतत्त्वसूत्र**……। पत्र सं० ६ । साइज–११×४ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१८१ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १४ । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१८२ **पंचसंग्रह**–आ० नेमिचन्द्र । पत्र सं० ९८ । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५२६ कार्त्तिक सुदी ५ । पूर्ण एवं शुध्द । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १००४ ।

१८३ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १३९ । साइज–११×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १७४४ श्रावण सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १००५ ।

विशेष—सांगानेर में पं० विहारीदासजी के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

१८४ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ७८ । साइज–११×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १००६ ।

१८५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२ । साइज–१०×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन न० १००७ ।

विशेष—केवल १६ वा अधिकार है । प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१८६ पंचाध्यायी–राजमल्ल । पत्र सं० १११ । साइज–१०¾×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिध्दान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एव सामान्य शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०१० ।

१८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६२ । साइज–१४¾×६½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०११ ।

१८८ पंचास्तिकाय–आ० कुन्दकुन्द । पत्र सं० ६ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिध्दान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०१२ ।

१८९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०४ । साइज–१२×५½ इन्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०१३ ।

विशेष—हेमराज पांडे कृत हिन्दी टीका भी है ।

१९० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६७ । साइज–१२×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १ १४ ।

विशेष—आ० अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित हैं ।

१९१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८८ । साइज–९×३½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १३२६ चैत्र बुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०१५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार अमृतचन्द्र सूरि हैं । प्रशस्ति निम्न प्रकार है ।

"संवत् १३२६ चैत्र बुदी दशम्यां बुधवासरे अद्येह योगिनीपुरे समस्तराजावलिसमालंकृतश्रीगयासदीन राज्ये अत्रस्थित अग्रोतक परमश्रावक जिरचरनकमल………।

१९२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १५५ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १६५३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०१६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकर–अमृतचन्द्र सूरि है ।

१९३ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७ । साइज–११¾×५¾ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७७४ फागुण बुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । मूल मात्र है । वेष्टन नं० १०१७ ।

१९४ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १७ साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १८६० । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०१८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार अमृतचन्द्र सूरी है ।

१९५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५२ । साइज-१०×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं १०१९ ।

विशेष—अमृतचन्द्र सूरि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१९६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ५२ । साइज-१ ×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२० ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

१९७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ५५ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०२१ ।

विशेष—आ० अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित हैं ।

१९८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ७० । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२२ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार अमृतचन्द्र है ।

१९९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ११३ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३२ तथा अन्तिम १ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२६ ।

२०० पंचास्तिकाय भाषा-पांडे हेमराज । पत्र सं० ८४ । साइज-१२×६ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२७ ।

२०१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१३ । साइज-११×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १०२८ ।

२०२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४६ । साइज-११½×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रारम्भ के १०० तथा अन्त के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२९ ।

२०३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२३ । साइज-११½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२१ पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०३० ।

विशेष—साह जोधराज गोदीका ने पढने के लिये आनन्दराय तथा रामचन्द महात्मा के पास प्रतिलिपि करवायी थी ।

२०४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १३१ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२३ ।

विशेष—लिपि सुन्दर है ।

२०५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २२९ । साइज-११½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०२४ ।

विशेष—प्रथम दो पत्र फिरसे लिख कर जोडे गये हैं ।

२०६ प्रति न० ७ । पत्र सं० १०१ । साइज–११×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १०२५ ।

२०७ पंचास्तिकाय भाषा–पं० हीरानंद । पत्र सं० ८३ । साइज १०×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल–सं० १७०१ । लेखनकाल १८६६ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०३१ ।

२०८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०२ । साइज–११½×५ । लेखनकाल–सं० १७२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२४२ ।

२०९ प्रश्नव्याकरण········· । पत्र सं० ८७ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आगम । लेखनकाल–सं०१५६१ चैत्र बुदी ४ पूर्ण । शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ११६८ ।

विशेष—आचार्य देवकीर्ति ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२१० प्रति नं० २ । पत्र स० ६६ । साइज–१२×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११६६ ।

विशेष—प्रति सटीक है । संस्कृत में टीका है ।

२११ भगवतीसूत्र········· । पत्र सं० ७३० । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८७ ।

२१२ भगवतीसूत्र········· । पत्र सं० १–४३० । साइज–१०×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–आगम । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण सामान्य एवं शुद्ध (स्फुटपत्र) । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १२८६ ।

२१३ भावत्रिभंगी–आचार्य नेमिचन्द्र । पत्र सं० ५४ । साइज–१३×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०७ भादवा सुदी २ । अपूर्ण–प्रारम्भ के १० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३३३ ।

२१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४८ साइज–१३×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३३४ ।

२१५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३३ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३३५ ।

२१६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५५ । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६८ ।

२१७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज१०½–×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४० ।

२१८ भावात्रिभंगी–श्रुतमुनि । पत्र सं० ५५ । साइज–११×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३३६ ।

विशेष—संस्कृत में संक्षिप्त टीका है।

२१९ **लब्धिसार**–आचार्य नेमिचन्द्र। पत्र सं० १४१। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५७२।

२२० प्रति नं० २। पत्र सं० ३९। साइज–१२×६ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्यशुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५७३।

२२१ प्रति नं० ३। पत्र सं० ८९। साइज–१३×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम वेष्टन नं० १५७४।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

२२२ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४०। साइज–१६×७ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १५७५।

२२३ **लघुसूत्र**……… । पत्र सं० ६। साइज–६×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५९८।

२२४ **वचनकोश**–बुलाकीदास। पत्र सं० १५७। साइज–११×६½ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल–सं० १७०९। लेखनकाल–सं० १८५३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६७०।

विशेष—ग्रन्थ प्रशस्ति विस्तृत है।

२२५ **विशेषसत्तायंत्र**–पांडे रूपचन्द। पत्र सं० २३। साइज–११½×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७२१। अपूर्ण–प्रारम्भ के १२ पत्र नहीं हैं। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १६४१।

२२६ **विशेषसत्तात्रिभंगी**……… । पत्र सं० ५७। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १६४२।

२२७ **विशेषसत्तात्रिभंगी**……… । पत्र सं० ५४। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७१९। पूर्ण एवं सामान्य शुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६४४।

२२८ **श्लोकावर्त्तिक**–आचार्य–विद्यानंदि। पत्र सं० ५७९। साइज–१३×७ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७६३ चैत्र सुदी २ मंगलवार। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७१७।

विशेष—४ पत्रों का जीर्णोद्धार किया हुआ है। सूरत में प्रतिलिपि हुई थी। तत्त्वार्थसूत्र की एक टीका है।

२२९ प्रति नं० २। पत्र सं० ६४२। साइज–११×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८१८ पौष शुक्ला ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १७१८।

२३० प्रति नं० ३। पत्र सं० ५९। साइज–१०×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन १७११।

२३१ **शीलप्राभृत-कुन्दकुन्दाचार्य** । पत्र सं० ३ । साइज-१०½×६ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७७४ ।

२३२ **सत्तात्रिभंगी**……। पत्र सं० २० । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल । लेखनकाल-सं० १७०४ आसोज सुदी ७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८१६ ।

२३३ **संदृष्टि लब्धिसार क्षपणासार-पं० टोडरमलजी** । पत्र सं० ६० । साइज-१२½×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी-गद्य । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १८१८ । लेखनकाल-सं० १८३१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८२६ ।

२३४ **सर्वार्थसिद्धि-पूज्यपाद** । पत्र सं० १८४ । साइज-११×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६१० वैशाख बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५७ ।

विशेष—अमरसर ग्राम में कछवाहा सूर्यमल के शासन काल में प्रतिलिपि हुई थी ।

२३५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४४ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५८ ।

विशेष—प्रति का जीर्णोद्धार किया गया है ।

२३६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६३ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६५६ ।

विशेष—तीसरे अध्याय तक है ।

२३७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०१-१६६ । साइज-११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६५६ ।

२३८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २८८ । साइज-१२×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१४ आसोज बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६५५ ।

विशेष—सांगानेर में चौधरी दुलीचंद ने प्रतिलिपि की थी ।

२३९ **सर्वार्थसिद्धि भाषा-पं० टोडरमलजी** । पत्र सं० ३५३ । साइज-१०×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६० ।

विशेष—दयाचन्दजी ने जयपुर नगर में ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी ।

२४० **सर्वार्थसिद्धि भाषा-पं० जयचन्द्रजी छाबडा** । पत्र सं० २८६ । साइज-११×७½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सिद्धान्त । रचनाकाल-सं० १८६१ । लेखनकाल-सं० १८७३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६६१ ।

२४१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७६ । साइज-८½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं०१८८५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६६२ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी मालूम देती है ।

२ २ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६१ । साइज–१०½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–तीन प्रतियों का मिश्रण है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६३ ।

२४३ सिद्धान्तसार·········। पत्र सं० १२ । साइज–११×६ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं २०७६ ।

विशेष—प्रथम तीन पत्रों में त्रिलोकसार की गाथायें हैं बिहारीदास छावडा ने लिखवाया था । महात्मा डूंगरसी ने लिखा था ।

२४४ सिद्धान्तसार–आचार्य सकलकीर्त्ति । पत्र सं० १०८–१६६ । साइज–१२×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०८४ ।

२४५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१२ । साइज–११×६½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०८७ । नथमल विलाला कृत हिन्दी भाषा है ।

२४६ सिद्धान्तार्थसार–पं० रइधू । पत्र सं० १५५ । साइज–१०× इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५६३ बैशाख सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०८८ ।

लेखक प्रशस्ति विस्तृत है ।

भौमदिने कुरुजांगलदेशे श्री सुवर्णपथसुभदुर्गे पातिसाहि वव्वर मुगलु काविली तस्य पुत्र पातिसाहि हुमायूं तस्य राज्यप्रवर्तमाने काष्ठासंघे माथुरान्वये पुष्करगणे·········मुनि क्षेमकीर्त्ति·········एषां गुरणाम्नाये अग्रोतकान्वये गर्गगोत्रे आसिवास योगिनीपुरि वास्तव्यं·········एतेषांमध्ये साधु गूजर पुत्री लिखापितं ।

२४७ सिद्धान्तसार–भंडारी नेमिचन्द्र । पत्र सं० २५ । साइज–६×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिध्दान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०७६ ।

विशेष—संस्कृत में अर्थ दिया हुआ है । पत्र १६ से पीछे लिखे गये हैं ।

इसका दूसरा नाम सिद्धान्तधर्मोपदेशरत्नमाला भी है ।

२४८ सिद्धान्तसार·········। पत्र सं० ७ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५२५ ज्येष्ठ सुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०८० ।

विशेष—चाटसू (जयपुर) में खण्डेलवालान्वय साधु पाल्ही ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

२४९ सिद्धान्तसारदीपक–भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० २५६ । साइज–१०×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२६ माघ सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं २०८५ ।

२५० प्रति नं० २ । पत्र सं० १५६ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०८१ ।

२५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २३४ । साइज–१२X६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८२३ अषाढ बुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०८२ ।

२५२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १७७ । साइज–१२X६ इन्च । लेखनकाल–सं० १७०५ माह बुदी १३ । जीर्ण । वेष्टन नं० २०८३ ।

विशेष—मनोहर के शिष्य तेजपाल ने प्रतिलिपि की थी ।

२५३ सिद्धान्तसारदीपक–नथमलबिलाला । पत्र सं० २१६ । साइज–११X७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल–सं० १८२४ । लेखनकाल–सं० १८८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०८६ ।

विषय–धर्म एवं आचार शास्त्र

ग्रन्थ संख्या–२५४–५४८

२५४ अनगारधर्मामृत–पं० आशाधर । पत्र सं० ७६ । साइज–१३X६½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–मुनि धर्म वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल–सं० १५५३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य वेष्टन नं० ११ ।

विशेष—प्रति में सामान्य टीका भी दी हुई है । लेखक प्रशस्ति इस प्रकार है—

संवत् १५५३ वर्षे ज्येष्ठ सुदी १० हूबंड जातीय दोसी हेमा भार्या हांसू सुत दोसी, मूचर भार्या लंगी सुत नाथा जीवाएतौ लेखयित्वा दत्तं पुस्तकमिदं मुनिविजयकीर्त्ति पठनार्थम् ।

२५५ अनुभवप्रकाश–पं० दीपचन्द काशलीवाल । पत्र सं० ८२ । साइज–८X६½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल–सं० १७६४ पौष सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५ ।

विशेष—लेखनस्थान बसवा (जयपुर)

२५६ अरहंतों के गुण……। पत्र सं० ५ । साइज–८½X६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अरहंतों के गुणों का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६ ।

२५७ आचारसार वृत्ति–आचार्य वसुनदि । पत्र सं० ३४६ । साइज–११X५ इञ्च । भाषा–प्राकृत–संस्कृत । विषय–आचार धर्म का वर्णन । रचनाकाल X । लेखनकाल–स० १६०५ । अपूर्ण–एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य ।

वेष्टन नं० ६४।

विशेष—अन्तिम पत्र नहीं है। इस ग्रन्थ के मूलकर्त्ता श्री वट्टकेराचार्य हैं।

२५८ **आराधनासार**–देवसेन। पत्र सं० ७। साइज–१०×४½ इन्च। भाषा-प्राकृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२७।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई हैं।

२५९ प्रति नं० २। पत्र सं० २०। साइज–१०×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १४०।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई है। पानी में भीगने से प्रति के पत्र गल गये हैं।

२६० प्रति नं० ३। पत्र सं० ७। साइज–१०×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४०।

२६१ **इष्टछत्तीसी**–पं० बुधजन। पत्र सं० ६। साइज–८×४ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४९।

२६२ **उपदेशरत्नमाला**–भ० सकलभूषण। पत्र सं० ११८। साइज–१२×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत विषय–जन साधारण के लिये कर्मों पर उपदेश। रचनाकाल–सं० १६२७। लेखनकाल–सं० १७४७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७९।

२६३ प्रति नं० २। पत्र सं० ५१। साइज–१०½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८०।

२६४ प्रति नं० ३। पत्र सं० १८३। साइज–१०×४½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ के १०० पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८१।

२६५ प्रति नं० ४। पत्र सं० ३६–१३१। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८२।

२६६ प्रति नं० ५। पत्र सं० १–७१, १०१–८३ तक। साइज–१०½×४½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८३।

२६७ प्रति नं० ६। पत्र सं० १७१। साइज–११×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८४।

२६८ प्रति नं० ७। पत्र सं० २३०। साइज–९½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६८६ भादवा सुदी ५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० १८५।

२६९ **उपदेशरत्नमाला भाषा**……। पत्र सं० ३६। साइज–१०½×७ इन्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–

जनसाधारण के लिये कर्मों पर उपदेश। रचनाकाल-सं० १९७२। लेखनकाल-सं० १९६४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८८।

विशेष—लेखक-बाबा दुलीचंद। धर्मदासगणि द्वारा रचित उपदेशरत्नमाला का संक्षिप्त अनुवाद है।

२७० प्रति नं० २। पत्र सं० १०। साइज-११$\frac{१}{२}$×४$\frac{३}{४}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८९।

२७१ उपदेशसिद्धान्तरत्नमाला—भागचन्द। पत्र सं० ४१। साइज-१०$\frac{१}{२}$×८ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-धर्म। रचनाकाल-सं० १९१२। लेखनकाल-सं० १९५८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८९।

२७२ प्रति नं० २। पत्र सं० ३४। साइज-१२×६$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य जीर्ण। वेष्टन नं० १८७।

२७३ उपदेशरत्नमाला—बाबा दुलीचन्द। पत्र सं० ४। साइज-८×६$\frac{१}{२}$ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-कर्मों पर उपदेश। रचनाकाल-सं० १९६४। लेखनकाल-सं० १९७४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९०।

२७४ उपासकाचार—पूज्यपाद स्वामी। पत्र सं० ६। साइज-१०×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-आचार धर्म का वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १९३८ चैत्र बुदी १०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९

२७५ प्रति नं० २। पत्र सं० ८। साइज-१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७२५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९३।

विशेष—सांगानेर में जोधराज गोदीका ने प्रतिलिपि करवायी थी।

२७६ प्रति नं० ३। पत्र सं० २। साइज-१३×७ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एव शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९४।

२७७ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४। साइज-१२×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९५।

२७८ प्रति नं० ५। पत्र सं० ७। साइज-११×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य। शुद्ध दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९६।

२७९ उपासकाध्ययन—वसुनंदि। पत्र सं० ३५। साइज-११×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १७०३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९८।

२८० प्रति नं० २। पत्र सं० ४४। साइज-१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल-सं० १६११ पौष सुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९९।

विशेष—लेखक प्रशास्ति का एक अंश।

"पौरवारान्वये चौदहागोत्रे सा माधो तद्भार्या भोजी……एतेषां मध्ये सा० राजा तद्भार्या सुहाई इदं शिवान मंडलाचार्य श्री धर्म्मचंद्राय दत्तं।"

२८१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २–२८ ।साइज–१०×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७ ।

२८२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २४ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५७२ फाल्गुण बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०० ।

विशेष—श्री हरिसिंह ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२८३ एकत्वसप्तति–श्री पद्मनन्दि । पत्र सं० २१ । साइज–६½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

२८४ कर्मविपाक……… । पत्र सं० ११२ । साइज–१०½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी पद्य । विषय–कर्मों का वर्णन । लेखनकाल–सं० १८३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४४ ।

विशेष—गुटके के रूप में है । संग्रह ग्रन्थ है । श्री देवकर्ण ने कर्मविपाक ग्रंथ लिखवाया था ।

२८५ कर्मविपाकसावचूर……… । पत्र सं० ५ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत ।-विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४५ ।

विशेष—हिन्द अर्थ भी दिया हुआ है ।

२८६ क्रियाकलाप–प्रभाचन्द्र । पत्र सं० १०२–१२५ । साइज–६½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६४८ अषाढ बुदी ६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । प्रारम्भ के १०१ पत्र नहीं हैं ।दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७१ ।

विशेष—देवापांडे ने प्रतिलिपि की थी ।

२८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५० । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७२७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २७२ ।

२८८ क्रियाकलापवृत्ति……… । पत्र सं० ६० । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–प्राकृत–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १४१८ आषाढ बुदी १३ बुधवार । पूर्ण । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७३ ।

विशेष—प्रशस्ति निम्न प्रकार है ।

२८९ क्रियाकोश–किशनसिंह । पत्र सं० १०० । साइज–१०½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–आचार शास्त्र । रचनाकाल–सं० १७८४ । लेखनकाल–सं० १८२० सावण बुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७५ ।

विशेष—दौसा राणोली निवासी जीवराजजी पांड्या ने प्रतिलिपि की थी ।

२९० प्रति नं० २ । पत्र सं० १५२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९३० । अपूर्ण–तीन प्रतियों का मिश्रण है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७६ ।

२६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६२ । साइज-७½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुध्द। दशा-सामान्य । वेष्टन न० २७७ ।

विशेष—गुटके में है। बांसखों (जयपुर) निवासी श्री डूंगरसी के पुत्र सदाराम ने प्रतिलिपि की थी।

२६२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुध्द। दशा-सामान्य । वेष्टन न० २७८ ।

विशेष—दो प्रतियों का मिश्रण है ।

२६३ क्रियासार……… । पत्र सं० ५ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २७६ ।

विशेष—८० गाथायें हैं।

२६४ केवलभुक्तिनिराकरण-प० जगन्नाथ । पत्र सं० ११ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामा य शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २८६ ।

२६५ गुण वर्णन……… । पत्र सं० ५ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३१६ ।

विशेष—आत्मा, सिध्द तथा नरकों के दुःख का वर्णन ।

२६६ चउसरण बालावबोध……… । पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म। रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७५५ चैत्र सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—हिन्दी में गाथाओं का अर्थ दिया हुआ है। पं० इन्द्र सागर ने प्रतिलिपि की थी।

२६७ चारित्रसार (भावानासार संग्रह)-श्रीमच्चामुंड महाराज । पत्र सं० ६० । साइज-११½×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १५२१ बैशाख सुदी १० शनिवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१२ ।

२६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ४१३ ।

विशेष—खंडेलवालान्वय ठोल्या गोत्र में उत्पन्न संघई नान्हा भार्या नागसिरी संघही चाहड की पुत्री ने मुनि जयकीर्त्ति को यह ग्रन्थ प्रदान किया था ।

२६९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८१ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५८३ असाढ सुदी १४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१४ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति का संक्षिप्त अंश-मंडलाचार्य धर्मचन्द्रदेवाम्नाये महाराणा संग्रामदेवराज्ये चंपावती नगरे सोलकी गोत्रे श्री रामचन्द्रप्रतापे खण्डेलवालान्वपे टोंग्या गोत्रे सा० रेडा इदं शास्त्रं लिखाप्य अर्जिका बाई पद्मसिरियै दत्तं ।

३०० **चारित्रसार पंजिका**……… । पत्र सं० ६ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४१६ ।

३०१ **चारित्रसार भाषा**……… । पत्र सं० २०७ । साइज–६×६½ इन्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–आचार शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । दूसरे अध्याय तक पूर्ण । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४१५ ।

विशेष—चामुंडराय कृत चारित्रसार की भाषा है ।

३०२ **चारित्रसार भाषा**–मन्नालाल । पत्र सं० २०७ । साइज–१०×५ इन्च । भाषा–हिन्दी (गद्य) । विषय–चारित्र । रचनाकाल–सं० १७८१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ४१७ ।

विशेष—ग्रन्थ प्रशस्ति विस्तृत है ।

३०३ **चिद्विलास**–दीपचन्द कासलीवाल । पत्र सं० ४३ । साइज १२×५ इन्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–धर्म । रचनाकाल–सं० १७७६ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४१८ ।

३०४ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ६८ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४१६ ।

३०५ **चतुःशरण प्रवृत्ति**……… । पत्र सं० ७ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ४४० ।

विशेष—हिन्दी में टब्बा टीका दी हुई है ।

३०६ **चौबीसठाणाचर्चा**–आ० नेमिचन्द्र । पत्र सं० ४२ । साइज–११×६ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७८२ फागुण बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४३४ ।

३०७ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १५ । साइज–१०×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२५ ।

३०८ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० १५ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२७ ।

३०६ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० ३२ । साइज–१०×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १७६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२६ ।

३१० **प्रति नं० ५** । पत्र सं० १६ । साइज–६½×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२८ ।

३११ **प्रति नं० ६** । पत्र सं० ३३ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२६ ।

३१२ **प्रति नं० ७** । पत्र सं० २२ साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १८३२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४३० ।

विशेष—वासवा नगर में चन्द्रप्रभ चैत्यालय में पं० परसराम के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयीं थी।

३१३ प्रति नं० ८। पत्र सं० ७। साइज–११½×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७०२ ज्येष्ठ बुदी १२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३१।

३१४ प्रति नं० ६। पत्र सं० ४२। साइज–१२×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३२।

३१५ प्रति नं० १०। पत्र सं० ४४। साइज–६½×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७६८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३३।

३१६ प्रति नं० ११। पत्र सं० २२। साइज–११×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३३।

३१७ प्रति नं० १२। पत्र सं० ४३। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३३।

३१८ **चौबीसठाणाचर्चा**········। पत्र सं० ६०। साइज–११×६½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७०४ पौष शुक्ला ८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ४३६।

विशेष—सीलोर में जोसी श्रीपति ने प्रतिलिपि की थी।

३१९ **चौबीसदंडक**–लक्ष्मीवल्लभ गणि। पत्र सं० २४। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–चर्चा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ४३५।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है।

३२० **चौरासीबोल**–हेमराज। पत्र स० ६। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७२३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ४४१।

विशेष—स्वामी वेणीदास ने औरंगाबाद में सं० १७२३ पौष सुदी ५ को इस ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी।

३२१ **छहढाला**–पं० बुधजन। पत्र सं० ६। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–धर्म। रचनाकाल–सं० १८५०। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४५३।

३२२ **छेद सूत्र**········। पत्र सं० १०। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–श्रावकाचार। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य! वेष्टन नं० ४५४।

विशेष—प्राकृत से संस्कृत में अर्थ दिया हुआ है।

३२३ **जीव विचार**········। पत्र सं० ७५। साइज–१२×५ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–सिद्धान्त। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५०२।

विशेष—गाथाओं का अर्थ पहिले संक्षिप्त रुप से संस्कृत में और फिर विस्तृत रुप से हिन्दी में दिया हुआ है। यह क्रम केवल १० गाथा (१५ पत्र) तक है। फिर स्वतन्त्र रुप से वर्णन है।

३२४ जैनगायत्री……। पत्र सं० ९ । साइज–१२×७ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९८५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५०४ ।

३२५ जैनमतभाषा……। पत्र सं० ६८ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५०५ ।

विशेष—सालिगराम भावसा ने पढने के लिये महात्मा गोविन्दराम के द्वारा प्रतिलिपि करवायी थी ।

३२६ जैनागारप्रक्रिया–बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० ४८ । साइज–११×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल–सं० १९२५ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५१३ ।

३२७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५ । साइज–१३×८ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९६८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५१४ ।

३२८ धर्मोपदेशरत्नमाला–बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० १४ । साइज–११×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल–सं० १९६४ । लेखनकाल–सं० १९६४ फागुण बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८२३

विशेष—लिपिकार स्वयं बाबा दुलीचंद है । उसका दूसरा नाम उपदेशरत्नमाला भी है ।

३२९ धर्मोपदेशश्रावकाचार–भ० रत्नभूषण । पत्र सं० ८९ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८२४ ।

३३० ज्ञानानंदश्रावकाचार–पं० टोडरमलजी । पत्र सं० १४४ । साइज–१३×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–आचार । रचना संवत् × । लेखनकाल–सं० १९९० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५६१ ।

विशेष—जयपुर नगर में पालम निवासी श्री गोविन्दराम ने ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी ।

३३१ तेरहपंथखंडन–पं० पन्नालाल । पत्र सं० २४ । साइज–११×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६४० ।

३३२ धर्मदास दुलीचंद का पत्र व्यवहार–दुलीचंद । पत्र सं० ६ । साइज–११$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–चर्चा । रचनाकाल–सं० १९४६ । लेखनकाल–सं० १९४६ असाढ सुदी २ रविवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ८१४ ।

३३३ त्रिवर्णाचार–भट्टारक सोमसेन । पत्र सं० १२४ । साइज–१२×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७९७ श्रावण सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६८१ ।

विशेष – संग्रामपुरमध्ये महाराजाधिराज श्री सवाई जयसिंहजी विजयराज्ये पुस्तकं लिखापितं ।

३३४ धर्मरत्नाकर……। पत्र सं० ११५ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८१० ।

३३५ धर्मरसायन–पद्मनंदि । पत्र सं० १० । साइज–१०×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१५ ।

३३६ **त्रेपनक्रिया वर्णन**········। पत्र सं० २४ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–आचार। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण सुन्दर तथा शुद्ध । दशा–सामान्य वेष्टन नं० ६८५ ।

३३७ **त्रेपनक्रियाकोश**–दौलतरामजी । पत्र सं० १०४ । साइज–११×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–आचार शास्त्र । रचनाकाल–सं० १७९५ । लेखनकाल–सं० १८४४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६८७।

३३८ प्रति नं० २। पत्र सं० २२ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण १८ वां, २१ वां तथा २३ वें पत्र से आगे नहीं है। १३१ गाथाओं तक है। हिन्दी गद्य में अर्थ दिया हुआ है। बीच २ में अर्थ कटा हुआ भी है। शायद प्रति का पीछे संशोधन किया गया है। लिपि–सामान्थ । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८११ ।

३३९ **धर्मरासो**········। पत्र सं० १६ । साइज–११×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण–शीर्ण । वेष्टन नं० ८१२ ।

३४० प्रति नं० २। पत्र सं० ६१ । साइज–११×७ इन्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८६ ।

३४१ **धर्मरासो**········। पत्र सं० ३० । साइज–७½×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७८८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८१३ ।

विशेष—सांगानेर में दुलीचंदजी श्रावक ने प्रतिलिपि की थी।

३४२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६६ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ६८२ ।

३४३ **दशलक्षणधर्म वर्णन**········। पत्र सं० ४४ ! साइज–१२×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७०५ ।

३४४ **धर्मसार**–पंडित शिरोमणि । पत्र सं० ७५ । साइज–७½×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म। रचनाकाल–सं० १७३२ । लेखनकाल–सं० १८६९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ८२१ ।

३४५ **धर्मोपदेशपीयूष**–ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० २–२९ । साइज–११×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आचार–शास्त्र । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं मामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८२२ ।

३४६ **धर्मसंग्रह श्रावकाचार**–पं० मेधावी । पत्र सं० ७२ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल–सं० १४४० । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८१८ ।

३४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६० । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८९ ।

३४८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ९३ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ८२० ।

३४६ निगोदषट्त्रिंशिका........ । पत्र सं० ६ । साइज–१०X४ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल–सं० १६५३ कार्तिक बुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६७ ।

३५० नियमसार–आ० कुन्दकुन्द । पत्र सं० ११२ । साइज–११X४ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल– X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६०८ ।

विशेष—पद्मप्रभमलधारिदेव कृत संस्कृत टीका भी हैं ।

३५१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज–११X५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७७८ । माह बुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६०६ ।

विशेष—सांगानेर में साह वगसीराम के पठनार्थ लिखी गयी थी ।

३५२ पद्मनंदिपंचविंशति–पद्मनन्दि । पत्र सं० १०१ । साइज–११½X५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल X । लेखनकाल–सं० १६२३ वैशाख बुदी १४ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५१ ।

३५३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०० । साइज–१०½X४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५२ ।

३५४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८५ । साइज–११X४½ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५३ ।

३५५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ८० । साइज–११X४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५८० । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५४ ।

३५६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५१ । साइज–११X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५५ ।

३५७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६४ । साइज–६X४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६० माघ शुक्ला २ बुधवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५६ ।

विशेष—संस्कृत में साधारण टीका भी है । धनराज ने प्रतिलिपि की थी ।

३५८ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३१ । साइज–११X६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५६ ।

३५६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २५ । साइज–१२X५ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५७ ।

३६० प्रति नं० ६ । पत्र सं० २–१३० । साइज–११X५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५७५ फाल्गुण सुदी ७ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६५८ ।

विशेष—बीजापुर में प्रतिलिपि हुई थी । और शिवराम ने आचार्य श्री गुणचंद्र को प्रदान की थी ।

३६१ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६४ । साइज–१२X५ इञ्च । लेखनकाल–स० १८४५ आसोज बुदी १४

रविवार । अपूर्ण-प्रारम्भ के ४० पत्र नही है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९५८ ।

विशेष—राव जीवणराम ने प्रतिलिपि करवायी थी तथा महात्मा गोविन्दराम ने प्रतिलिपि की थी ।

३६२ प्रति नं० ११ । पत्र सं० २४ । साइज-८×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९५९ ।

३६३ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ७१ । साइज-१२½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२४ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३० पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९६० ।

विशेष—फतहचंद पाटनी ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

३६४ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ७५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७०३ माघ सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९६१ ।

विशेष—कल्याण पहाड्या ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

३६५ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ७७ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९६२ ।

३६६ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ११२ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ९६३ ।

३६७ प्रति नं० १६ । पत्र सं० २९५ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ९६४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

३६८ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १३१ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९६५ ।

३६९ प्रति नं० १८ । पत्र सं० २०० । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण १५१ तक पत्र नहीं हैं । सामान्य शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९६७ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

३७० प्रति नं० १९ । पत्र सं० १०५ । साइज-११½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ९६८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

३७१ प्रति नं० २० । पत्र सं० ३० । साइज-१२½×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९६९ ।

३७२. पद्मनन्दिपंचविंशति भाषा-श्री मन्नालाल । पत्र सं० ३३८ । साइज-१०½×७½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १९१५ । लेखनकाल-सं० १९१५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९६६ ।

विशेष—श्री जौंहरीलाल ने भाषा टीका प्रारम्भ की किन्तु आकस्मिक स्वर्गवास के कारण मन्नालाल ने भाषा टीका पूर्ण की।

३७३ **पद्मनंदिपंचविंशतिभाषा**—श्री जोधराज गोदीका। पत्र सं० १५७। साइज—९¾×६ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—धर्म। रचनाकाल—सं० १७२४। लेखनकाल—सं० १७२४। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० ९७१।

विशेष—स्वयं जोधराजजी के हाथ की मूल प्रति मालूम देती है। अन्तिम ३९ पत्र नहीं है।

३७४ प्रति नं० २। पत्र सं० २१। साइज—१०×४½ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं दशा-सामान्य शुद्ध। वेष्टन नं० ९७०।

३७५ **पद्मनंदिपंचविंशति भाषा**—जगतराय। पत्र सं० १९६। साइज—११×८ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण ११९—१९६ तक के पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा सामान्य। वेष्टन नं० ९७२।

३७६ **पुरुषार्थानुशासन**—पं० श्री गोविन्द। पत्र सं० ५१—९७। साइज—९×४ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल × अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११२०।

विशेष—श्री लक्ष्मण के आग्रह पर ग्रन्थ रचना हुई थी।

३७७ **पुरुषार्थसिद्ध्युपाय**—अमृतचन्द्राचार्य। पत्र सं० ३८। साइज—१२½×६ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १७७९ आसोज बुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११२६।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

३७८ प्रति नं० २। पत्र सं० १९। साइज—१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११२५।

३७९ प्रति नं० ३। पत्र सं० १७। साइज—११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११२३।

३८० प्रति नं० ४। पत्र सं० १३। साइज—१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११२४।

३८१ प्रति नं० ५। पत्र सं० १०। साइज—१०½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११२१।

३८२ प्रति नं० ६। पत्र सं० १९। साइज—११×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११२२।

३८३ प्रति नं० ७। पत्र सं० १५ साइज—११×५ इञ्च। लेखनकाल—सं० १९०६ जेठ बुदी १३। पूर्ण एवं

शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ११२२।

विशेष—जयपुर में सवाई रामसिंहजी के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी।

३८४ **पुरुषार्थसिद्धयुपाय भाषा**–महापंडित टोडरमलजी। पत्र सं० ८०। साइज–११×७½ इन्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–धर्म। रचनाकाल–सं० १८२७। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११२८।

३८५ **पुरुषार्थसिद्धयुपाय भाषा**……। पत्र सं० ३४। साइज–११×६½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं है। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११२१।

३८६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ३२। साइज–१०×६ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ११२६।

३८७ **प्रतिक्रमण**–पं० प्रभाचंद्र। पत्र सं० ४८। साइज–१०½×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११४३।

३८८ **प्रतिक्रमण**……। पत्र सं० १४। साइज–१०×४½ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–ध्यान। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११४२।

३८९ **प्रतिक्रमण**……। पत्र सं० ३१। साइज–१२×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११४१।

३९० **प्रतिक्रमण**……। पत्र सं० १०। साइज–१०×४½ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११४३ (क)।

विशेष–हिन्दी अर्थ भी है।

३९१ **प्रश्नोत्तरोपासकाचार**–सकलकीर्ति। पत्र सं० १३९। साइज–१०½×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–श्रावक धर्म वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६४५ पौष शुक्ला ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२००।

विशेष—मालवदेश सारंगपुर में प्रतिलिपि हुई थी।

३९२ **प्रति नं० २**। पत्र सं० १०१। साइज–१०½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ के ६८ पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२१६।

३९३ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० १३३। साइज–१२×५ इन्च। लेखनकाल–सं० १७१५। पूर्ण एवं सामान्य शुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२०६।

विशेष—आमेर में जयसिंहजी के शासककाल में श्री महेन्द्रकीर्ति ने श्रीधरजोशी के पास प्रतिलिपि करवायी थी।

३९४ **प्रति नं० ४**। पत्र सं० ६८। साइज–११½×५½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुध्द। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२३८।

३९५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १०० । साइज-११½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०१ ।

३९६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १२४ । साइज-१०½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१५ मंगसिर बुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२११ ।

३९७ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६८ । साइज-११½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२०५ ।

३९८ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७१ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२८४ ।

३९९ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०२ ।

४०० प्रति नं० १० । पत्र सं० ६२ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०८ ।

विशेष—मोजमाबाद जयपुर में प्रतिलिपि हुई थी ।

४०१ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १३२ । साइज-११½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६७ ज्येष्ठ सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०३ ।

४०२ प्रति नं० १२ : पत्र सं० ७७ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८८६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०६ ।

४०३ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ५७ । साइज-१२×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२०७ ।

४०४ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ८२ । साइज-११½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०० फागुण बुदी ६ । अपूर्ण-२ से ६० तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२१० ।

विशेष—श्री रत्नसीराज्यप्रवर्तमाने कुंवर श्रीसंग्रामप्रतापे सांगानयरि नाम महापत्तने श्री वर्द्धमानचैत्यालये सोनी गोत्रे पूनी नाम श्राविका इदं शास्त्रं लिखाप्य आ० प्रतापश्रियै घटापितं ।

४०५ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १५६ । साइज-१०½×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०० पौष बुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२१२ ।

४०६ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १३५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२१३ ।

विशेष—तीन प्रकार की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

४०७ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ६० । साइज–११३/४×४१/२ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२१४ ।

४०८ प्रति नं० १८ । पत्र सं० २–६० । साइज–१२×५१/२ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२१५ ।

४०९ प्रश्नोत्तरोपासकाचार–बुलाकीदास । पत्र सं० ११९ । साइज–१२×५१/२ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–प्रश्नोत्तर के रुप में श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल–सं० १७४७ । लेखनकाल–सं० १८३५ फागुण बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२१८ ।

४१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११२ । साइज–१०१/२×७१/२ इन्च । लेखनकाल–सं० १८५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२१९ ।

४११ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२९ । साइज–१०१/२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८४५ । अपूर्ण–प्रारम्भ के ७१ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२३ ।

४१२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४३ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८८६ । अपूर्ण–प्रारम्भ के ७५ पृष्ठ नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२३ ।

४१३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११० । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–११० से आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२३ ।

४१४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ११० । साइज–१०१/२×५१/२ इन्च । लेखनकाल–सं० १८०७ । पूर्ण एवं सामान्य दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२२ ।

४१५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १३५ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७३३ । पूर्ण एवं सामान्य शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२२ ।

४१६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १११ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२१ ।

४१७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ११४ । साइज–१२×८ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९१३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२१७ ।

४१८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ९६ । साइज–११×७१/२ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८९३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७३४ ।

४१९ प्रायश्चितविनिश्चय वृत्ति–नन्दिगुरु । पत्र सं० ७३ । साइज–११×७१/२ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५५ चैत्र शुक्ला १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२३३ ।

विशेष—जयपुर में तेरहपंथियों के चैत्यालय में प्रतिलिपि हुई थी ।

४२० प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२० ।

४२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २१ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२१ ।

४२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२२ ।

४२३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३३ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२३४ ।

४२४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४४ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२८ श्रावण बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२३५ ।

४२५ **बाईसअभक्ष्य**–बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० १२ । साइज–१०×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भक्षण करने के अयोग्य पदार्थों का विवरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६६ ।

४२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज–८½×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६६ ।

४२७ **बारहभावना**…… । पत्र सं० २–६ । साइज–१०×४इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल सं० १६०७ । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२७२ ।

विशेष—नाथा महात्माने दशोर नमर में लिख था ।

४२८ **बारहभावना (सिद्धान्तोद्धरितप्रबंध)**…… । पत्र सं० २–६ । साइज १०×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०७ चैत्र बुदी १२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६३ ।

४२९ **भगवती आराधना**–आ० शिवकोटि । पत्र सं० १३६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८१ ।

४३० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७–१०२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८२ ।

विशेष—संस्कृत में कहीं २ शब्दार्थ दिया हुआ है ।

४३१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १–१४६ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

४३२ प्रति नं० ४। पत्र सं० ११२ । साइज–१०×६½ इन्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८४ ।

विशेष—संस्कृत में टीका भी है।

४३३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २२६–४११ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८५ ।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकार अपराजितसूरि हैं। टीका संस्कृत में हैं । टीका का नाम विजयोदया है।

४३४ भगवती आराधना भाषा–पं० सदासुखजी कासलीवाल । पत्र सं० ८०४ । साइज–११½×५½ इन्च। भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । भाषाकाल–सं० १९०८ भादवा सुदी २ । लेखनकाल–सं० १९०८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२७६ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी हुई प्रथम प्रति है।

४३५ प्रति नं० २। पत्र सं० साइज–११×८ इन्च । लेखनकाल–सं० १९१०। अपूर्ण–प्रारम्भ के ३३१ पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२७७ ।

४३६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ४८३ । साइज–१२¼×८¼ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९०८। अपूर्ण–१११ से १२० तक के पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२७८ ।

४३७ प्रति नं० ४। पत्र सं० २८१ । साइज–११×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ के १ से १०० तथा २८१ से आगे के पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२७९ ।

४३८ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३३१ । साइज–११×८ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२८० ।

४३९ भावदीपक–जोधराज गोदीका । पत्र सं० १५८ । साइज–९×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी–गद्य । विषय-धर्म। रचनाकाल–सं० १८५७ । लेखनकाल–सं० १८५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ११५ ।

४४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४९ । साइज–१०½×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३३९ ।

४४१ भावसंग्रह–वामदेव । पत्र सं० ३९ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४२ ।

४४२ प्रति नं० २। पत्र सं० ९ । साइज–८½×४½ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४३ ।

४४३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६–४३ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–फुटकर पत्र है। सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४४ ।

४४४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३ । साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६४३ भादवा सुदी ६।

पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४८ ।

४४५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४० । साइज–९×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १७२५ भादवा बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५३ ।

४४६ भावसंग्रह–देवसेन । पत्र सं० ४६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५८२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । लिपि–विकृत । वेष्टन नं० १३४५ ।

विशेष—खंडेला नगर में प्रतिलिपि हुई थी । प्रशस्ति अपूर्ण है ।

४४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५९१ कार्तिक सुदी ९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० १३४६ ।

४४८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३६ । साइज–११½×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १५७१ माघ सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३४७ ।

४४९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६२२ कार्तिक बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४८ ।

४५० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४६ । साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १६१६ आसोज बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४९ ।

४५१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४६ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३४९ ।

४५२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६७ । साइज–९½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६२१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५० ।

४५३ भावसंग्रह–श्रुतमुनि । पत्र सं० ५४ । साइज–१०½×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७१९ भादवा बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५१ ।

४५४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४९ । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५२ ।

४५५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २७ । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १६०९ कार्तिक सुदी २ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५४ ।

४५६ मिथ्यात्वखंडन–वखतराम । पत्र सं० ११० । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल–सं० १८२१ । लेखनकाल–सं० १८५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३९४ ।

बिशेष—सदासुख मांवसा ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

४५७ मिथ्यात्वनिषेध……… । पत्र सं० २९ । साइज–१२×८ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १३९५ ।

४५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज–१०½×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५२ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३९६ ।

४५९ **मूलकर्मप्रकृतिवर्णन**········। पत्र सं० ९ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४०५ ।

४६० **मूलाचार**–श्रीमद्वट्टेरकाचार्य । पत्र सं० २४० । साइज–१३×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म। रचनाकाल × । टीकाकाल–सं० १६०५ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४०७ ।

विशेष—आ० वसुनन्दि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

४६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज–९½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४०६ ।

४६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६७ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं हैं। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४०९ ।

विशेष—आ० वसुनंदि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

४६३ **मूलाचारप्रदीप**–भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं० १२० । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आचार धर्म का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२० मंगसिर सुदी ५ । अपूर्ण–प्रारम्भ के २ पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४०८ ।

विशेष—बसवा (जयपुर) में प्रतिलिपि हुई थी ।

४६४ **मोक्षमार्गनिरूपण**········। पत्र सं० ६ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १४२४ ।

विशेष—भाषा आलंकारक है ।

४६५ **मूलाचार भाषा**········। पत्र सं० ४६४ । साइज–१०×८ इञ्च । भाषा–प्राकृत–हिन्दी–(गद्य) । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–५१–१०० तथा ३४६ से ४६४ तक के पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४१० ।

४६६ **मोक्षमार्गप्रकाश**–महापंडित टोडरमलजी । पत्र सं० २८३ । साइज–१०½×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी। विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८७३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण प्रथम तथा अन्तिम पत्र कटे हुये हैं। वेष्टन नं० १४२१ ।

विशेष—सवाई जयपुर में लालू महात्मा ने प्रतिलिपि की थी ।

४६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६० । साइज–१३×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४२२ ।

४६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १९९ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रथम पत्र तथा अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४२३ ।

४६९ **यत्याचार**–वसुनन्दि। पत्र सं० ९६ । साइज–१५×६½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–साधु धर्म का वर्णन । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४३२ ।

विशेष—संस्कृत में टीका है ।

४७० **यतिप्रतिक्रमण**–गौतमस्वामी । पत्र सं० ७८ । साइज–९½×४½ इञ्च । भाषा–प्रकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७२६ आसोज सुदी ५ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४३१ ।

विशेष—संस्कृत में टीका सहित है ।

४७१ **याज्ञवल्कीयधर्मशास्त्रग्रंथ**–अपरादित्यदेव । पत्र सं० ४५६ । साइज–१३×८½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–तीसरे अध्याय तक समाप्त । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४६७ ।

४७२ **रत्नकरण्डशास्त्र**–पं० श्रीचन्द्र । पत्र सं० १३६ । साइज–१०½×५ इन्च । भाषा–अपभ्रंश विषय–धर्म । रचनाकाल । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण–शीर्ण । वेष्टन नं० १४९० ।

४७३ **प्रति न० २** । पत्र सं० १२२ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १४९० ।

४७४ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० १४०–२४२ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४९१ ।

४७५ **रत्नकरण्डश्रावकाचार**–आ० समन्तभद्र । पत्र सं० ८ । साइज–१२×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४९२ ।

४७६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ९ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४९२ ।

४७७ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० १–२५ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४९३ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

४७८ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० ४ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४९३ ।

४७९ **प्रति नं० ५** । पत्र सं० ५९ । साइज–११½×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८७९ प्रथम चैत्र बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४९४ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार प्रभाचन्द्र हैं । जयपुर में संपतिराम छाबडा ने प्रतिलिपि की थी ।

४८० **प्रति नं० ६** । पत्र सं० १५ । साइज–११×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १८०७पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४९५ ।

४८१ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ८ । साइज-१०½×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६५ ।

४८२ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १४ । साइज-१०×४½ इन्च । लेखनकाल-सं० १९५९ । अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४६६ ।

४८३ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ४१ । साइज-९×७ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १४६७ ।

विशेष— हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

४८४ प्रति नं० १० । पत्र सं० ७३ । साइज-६½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४८५ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ७६ । साइज-९×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४६८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४८६ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १२ । साइज-९×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४६८ ।

४८७ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १२ । साइज-९×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४६८ ।

४८८ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १२ । साइज-९×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६८ ।

४८९ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ६३ । साइज-९×[illegible] इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४६८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४९० प्रति नं० १६ । पत्र सं० ६६ । साइज-९×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४६८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४९१ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ३४ । साइज-१२×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५०८ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

४९२ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ११ । साइज-११×५½ इन्च । लेखनकाल-सं० १९०६ जेठ सुदी १५।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५०६ ।

४६३ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ३१ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६३४ वैशाख बुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१० ।

विशेष—हिन्दी अर्थ पन्नलालजी कृत है । ग्रन्थ की प्रतिलिपि में १॥- खर्च हुई थे ऐसा भी लेख हैं ।

४६४ प्रति नं० २० । पत्र सं० २२-३१ । साइज-१०¾×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६६ ।

४६५ प्रति नं० २१ । पत्र सं० ६६ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६२० फाल्गुन बुदी १३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण-शीर्ण । वेष्टन नं० १५०० ।

विशेष—प्रभाचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

४६६ **रत्नकरण्डश्रावकाचार भाषा**-पं० सदासुखजी कासलीवाल । पत्र सं० ६१८ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल-सं० १६२० । लेखनकाल-सं० १६२० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५०१ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ से लिखी गई है ।

४६७ प्रति न०२ । पत्र सं० ३७४ । साइज-१२×८ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६३३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५०२ ।

४६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४५२ । साइज-११½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६२६ आसोज बुदी १० । अपूर्ण-पत्र १८५ से २६२ तथा ३०१ से ३८६ तक के पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५०४ ।

४६६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३२३ । साइज-१२½×७¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-५१ से ८६ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५०३ ।

विशेष—नीले कागज पर है ।

५०० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५१५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण २३६ से ३३३ तक के पत्र नहीं हैं । शुद्ध सामान्य । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५०५ ।

५०१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५२२ । साइज-११×७½ इञ्च । लेखनकाल-स० १६३५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५०६ ।

५०२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ४३२ । साइज-११×७½ इञ्च । रचनाकाल-सं० १६२० । लेखनकाल-सं० १६२५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५०७ ।

५०३ **रयणसार**-कुन्दकुन्दाचार्य । पत्र सं० ६ । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२१ ।

५०४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज–११×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५२१ ।

५०५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२१ ।

५०६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १४ । साइज–७½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२२ ।

५०७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११–(४६–५६) । साइज–९×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२३ ।

त्रिशेष—हिन्दी अर्थ है । हिन्दी भाषाकाल–सं० १७६८ है ।

५०८ लघुसंग्रहणीसूत्र–मलहरसूरि । पत्र सं० २१ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एव सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५६४ ।

५०९ लब्धिसार क्षपणासार भाषा–पं० टोडरमलजी । पत्र सं० २८६ । साइज–१०½×७½ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय–धर्म । रचनाकाल–सं० १८१८ । लेखनकाल–सं० १८५० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५७१ ।

विशेष—श्री हीरालालजी ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी । तथा संवत् १८८५ में रामरायजी गोधा ने ग्रंथ को मन्दिर में चढाया । भाषाकार द्वारा अन्त में विस्तृत प्रशस्ति दी हुई है ।

५१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ८३१–१०८३ । साइज–१२½×६½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १४७६ ।

५११ लाटीसंहित (श्रावकाचार)–राजमल्ल । पत्र सं० ५३ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-श्रावक–धर्म–वर्णन । रचनाकाल–सं० १६४१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १५७८ ।

५१२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५४ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६४१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १५७९ ।

५१३ वर्णाश्रमप्रकाशिका–पत्र सं० १८५ । साइज–८×४ इच । भाषा–संस्कृत । विषय–वर्णाश्रम धर्म पर प्रकाश । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८३२ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० १६०६ ।

५१४ वसुनंदिश्रावकाचार–वसुनंदि । पत्र सं० १–२४ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६१८ ।

५१५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज–१३×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८० (क) ।

५१६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २० । साइज—१५×६¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६८० (क) ।

५१७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२ । साइज—११×४½ इञ्च । लेखनकाल—सं० १५६४ वैशाख सुदी ११ शुक्रवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७२८ ।

५१८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ११ । साइज—११½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७२६ ।

५१६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २—२६ । साइज—१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७२७ ।

५२० प्रति नं० ७ । पत्र सं० २५ । साइज—१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७२७ ।

५२१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ११ । साइज—१४×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७२६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ दिया हुआ है ।

५२२ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २० । साइज—१५½×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १७२६ ।

विशेष—इस प्रति को दीमक ने खा रखा है ।

५२३ प्रति नं० १० । पत्र सं० २० । साइज—१५×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १७२५ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

५२४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ११ । साइज—१०×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १७२५ ।

५२५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० २०८ । साइज—११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण—१६५ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुध्द । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७२४ ।

५२६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ३४८ । साइज—११×५½ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६०५ कार्तिक सुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १७२३ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति अलग दी हुई है । वह भी संस्कृत में है ।

५२७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १५८ । साइज—१२×६½ इन्च । लेखनकाल—सं० १८७६ । अपूर्ण—प्रारम्भ के तथा अन्त के पत्र नहीं हैं । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७३० ।

विशेष—मैनपुरी में भूरामल ने प्रतिलिपि की थी । हिन्दी अर्थ सहित है ।

५२८ विचारसत्तरी–महेन्द्रसूरि। पत्र सं० ६। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–गुणस्थान चर्चा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७१० वैशाख शुक्ला १। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १६२१।

विशेष—हिन्दी में टव्वा टीका भी है।

५२९ वृहद् प्रतिक्रमण·········। पत्र सं० १२६। साइज–११×५ इन्च। भाषा–प्राकृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–७६–१२६ तक पत्र है। सामान्य शुद्ध। वेष्टन नं० १६६५।

५३० वृहत्प्रतिक्रमण–श्री गौतमस्वामी। पत्र सं० ८४। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५४५ ज्येष्ठ सुदी १२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६६६।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकार–श्री प्रभाचन्द्र है। प्रति गौर्णौली ग्राम में हुई थी।

५३१ व्रतविधानरासो–संगही दौलतराम। पत्र सं० २३। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–धर्म। रचनाकाल–सं० १७६८ आसोज सुदी १०। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६६

५३२ व्रत समीक्षा·······। पत्र सं० ७। साइज–६½×६½ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–आचार। रचनाकाल–सं० १९५६। लेखनकाल–सं० १९५६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६६१।

विशेष—शृंगार बाई ने मंदसौर जनकपुरा में श्री महावीर स्वामी के मन्दिर में जो व्रतों की प्रतिज्ञा की थी उसकी नकल है।

५३३ श्रावकाचार–पद्मनंदि। पत्र सं० १–५०। साइज–११½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–श्रावक धर्म वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७३२।

५३४ श्रावकाचार भाषा। मूलकर्त्ता–श्री गुणभूसण स्वामी। भाषाकार·····। पत्र सं० ९६। साइज–१२½×८ इञ्च। भाषा–हिन्दी–गद्य। विषय–श्रावक धर्म वर्णन। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९९४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७३३।

५३५ श्रावकाचार–भ० लक्ष्मीसेन। पत्र सं० ५५। साइज–११½×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५४० श्रावण बुदी ७ गुरुवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७३१।

विशेष—गिरिपुर में रावल गंगदास के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी।

५३६ श्रावक प्रायश्चित–अकलंक स्वामी। पत्र सं० ५। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १७२२।

५३७ सत्तास्वरुप·······। पत्र सं० २४। साइज–११×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–धर्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८२०।

५३८ प्रति नं० २। पत्र सं० २८। साइज–११×६ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–६ से ११ तथा २१ का पत्र नहीं है। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८२०।

५३९ सागारधर्मामृत-आशाधर । पत्र सं० ५८ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-श्रावक धर्म वर्णन । रचनाकाल-सं० १२९६ । लेखनकाल-सं० १७२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९७७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । लेखक प्रशस्ति है । भट्टारक नरेन्द्रकीर्त्ति के शिष्य आचार्य कनककीर्त्ति ने प्रतिलिपि की थी।

५४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १९७७ ।

५४१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५० । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५८३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९७८ ।

विशेष—मंडलाचार्य श्री धर्मचन्द्राम्नाये खण्डलवालान्वये चंपावतीवास्तव्ये राव श्री रामचन्द्रराज्ये सोलंकीराज्ये पाटणी गोत्रे साह कान्हा इदं शास्त्रं लिखापितं ।

५४२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३४ । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९७९ ।

५४३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २-२१८ । साइज-११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८० ।

५४४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६७ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६१३ आसोज सुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८१ ।

विशेष—आगरा नगर में इस ग्रंथ की प्रतिलिपि हुई थी ।

५४५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५५ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६३२ । पूर्ण एवं शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८२ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है । "मंडलाचार्य चंद्रकीर्तिदेवाम्नाये खण्डेलवालान्वये वैद गोत्रे साह श्री वूचा तेन इदं ग्रंथ लिखापितं ।"

५४६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २८ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५५४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८३ ।

विशेष—ब्रह्म रत्न ने प्रस्तक की प्रतिलिपि की थी ।

५४७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ४२ । साइज-११½×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५९५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८२ ।

विशेष—लेखक प्रशास्ति विस्तृत है । "मंडलाचार्य धर्मचन्द्राम्नाये अजमेरवास्तव्ये गोधागोत्रे सं० पारस……… एतेषां मध्ये संघवी काल्हा भार्या कल्हासिरि इंद शास्त्रं लिखापितं धर्मचंद्राय दत्तं ।

५४८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ९६ । साइज-११½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-२६-७५ तक । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८३ ।

५४९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ८३ । साइज-१०¾×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२८ असाढ बुदी १४ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १९८४ ।

५५० प्रति नं० १२ । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १९८५ ।

५५१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १२६ । साइज-११×४¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८६ (क) ।

५२२ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २-७ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८६ (क) ।

५५३ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ४९ । साइज-११×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १९८७ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

५५४ **साधुप्रतिक्रमणसूत्र**........। पत्र सं० ८ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८९ ।

५५५ **सारचौबीसी**........। पत्र सं० ९३ । साइज-१२×८ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२४ ।

विशेष—लिपिकर्ता महात्मा पन्नालाल । लेखनस्थान जयपुर ।

५५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७५ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२५ ।

५५७ **सारचौबीसी**........। पत्र सं० १२ । साइज-१२¾×५ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०२६ ।

५५८ **सिद्धान्तधर्मोपदेशरत्नमाला-भण्डारी नेमिचन्द्र** । पत्र सं० १२ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७४ ।

५५९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज-८¾×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २०७८ ।

विशेष—७ वें पत्र से परमात्मप्राकाशदोहा है ।

५६० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२ । साइज-१२¾×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१९९ ।

५६१ **सुदृष्टितरंगिणी**........। पत्र सं० ४१७ । साइज ११×७½ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८९२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१०९ ।

५६२ प्रति नं० २। पत्र सं० १०७। साइज-१२×७ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २१०७।

५६३ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५१२। साइज-११½×६ इन्च। लेखनकाल-सं० १६५३। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २१०८।

विशेष—प्रारम्भ के १-१०० पत्र नहीं हैं।

विषय—अध्यात्म

ग्रन्थ संख्या—५६४-७६४

५६४ **अध्यात्मबारहखडी**-पं० दौलतरामजी। पत्र सं० ४३०। साइज-६½×५½ इन्च। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल-सं० १७६८। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८।

५६५ प्रति नं० २। पत्र सं० १६७। साइज-११½×५½ इन्च। लेखनकाल-सं० १८०० भादवा बुदी ३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६।

विशेष—ग्रन्थ प्रशस्ति विस्तृत है। लेखक श्री मायाराम महात्मा हैं। यह अध्यात्म बारहखडी का संक्षिप्त भाग है। मुख्य २ पद्यों का ही इसमें संग्रह है।

५६६ **अध्यात्मसंग्रह**........। पत्र सं० ४। साइज-१०×४ इन्च। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १३६।

विशेष—आध्यात्मिक पद्यों का संग्रह है।

५६७ **अध्यात्म पद्य संग्रह**........। पत्र सं० ४। साइज-११×६ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११४।

५६८ **अष्टपाहुड**-श्री कुन्दकुन्दाचार्य। पत्र सं० ३७। साइज-१०½×५½ इन्च। भाषा-प्राकृत। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १७६३ पौष बुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३३।

विशेष—सेठ गिरधारीलाल ने पं० प्रेम से इस ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी।

५६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३७ । साइज-१२×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३४ ।

विशेष—संस्कृत में सामान्य अर्थ दिया हुआ है ।

५७० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४४ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१२ फागुण सुदी १४। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३५ ।

विशेष—संस्कृत में सामान्य टीका है । लिपिस्थान-जयपुर है ।

५७१ **अष्टपाहुड भाषा**-पं० जयचन्दजी छावडा । पत्र सं० २२४ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-अध्यात्म । भाषाकाल-सं० १८६७ । लेखनकाल-सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७।

५७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०० । साइज-१४×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रारम्भ के ५० पत्र तथा १०० से आगे के पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० ३६ ।

५७३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७० । साइज-११×८ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८९४ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८ ।

विशेष—लिपिकर्त्ता-पं० मन्नालाल छावडा । लिपिस्थान-जयपुर ।

५७४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६२ । साइज-८½×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १८६७ । अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन न० ३९ ।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी हुई है ।

५७५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २६-९८ । साइज-११×७½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४० ।

५७६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १८६ । साइज-१०½×७½ इन्च । लेखनकाल-सं० १८८१ आसोज सुदी १३। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४१ ।

विशेष—तीन प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

५७७ **आत्मानुशासन**-गुणभद्राचार्य । पत्र सं० ३६ । साइज-१०½×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १५५५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६८ ।

विशेष—बींझा सेठी की भार्या गौरी ने शास्त्र की प्रतिलिपि बाई वीरणि के लिये करवायी थी ।

५७८ प्रति नं० २। पत्र सं० ४० । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ६९ ।

५७९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५२ । साइज-१२½×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १७८३ भादवा बुदी १४। अपूर्ण-प्रारम्भ के ७४ पत्र नहीं हैं । शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७० ।

विशेष—श्री प्रभाचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

५८० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६०६ । अपूर्ण–प्रारम्भ के २५ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६७ ।

५८१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४० । साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण २५ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६७ ।

५८२ प्रति नं० ६ । पत्र स० ५३ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३६ ।

५८३ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ५० । साइज–११$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३७ ।

५८४ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ११–५८ । साइज–११$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६१४ मंगसिर सुदी २ । । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ७१ ।

विशेष—लेखक–पं० लाला है । ब्र० शांतिपद्मश्री के लिये प्रतिलिपि की गयी थी ।

५८५ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १० । साइज–११×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

५८६ प्रति नं० १० । पत्र सं० २९ । साइज–१०×३$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

५८७ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ७४ । साइज–१२$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७२ ।

विशेष—प्रभाचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

५८८ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ४७–९८ । साइज–१२$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८६३ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार महात्मा कालूराम है । टीका हिन्दी में है । श्री मोतीरामजी पाटनी ने प्रतिलिपि की थी ।

५८९ **आत्मानुशासन भाषा**–पं० टोडरमलजी । पत्र सं० १७२ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी (गद्य) । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७४ ।

५९० प्रति नं० २ । पत्र सं० १४० । साइज–११×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७५ ।

५९१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ९१ । साइज–१३$\frac{१}{२}$×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७६ ।

५९२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२५ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×७$\frac{१}{२}$ इञ्च । अपूर्ण–५९ से १०० तथा आगे के पत्र नहीं

है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७७।

५९३ प्रति नं० ५। पत्र सं० १००। साइज–११×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७८।

५९४ प्रति नं० ६। पत्र सं० १४९। साइज–१०½×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८४५ फागुण सुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७९।

विशेष—चंदाणी निवासी श्री शंभूराम ने प्रातलिपि की थी। लेखनस्थान लश्कर (मध्य भारत)।

५९५ प्रति नं० ७। पत्र सं० १३९। साइज–११×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८०।

विशेष—अन्तिम पत्र फिर लिखा गया है।

५९६ प्रति नं० ८। पत्र सं० ११४। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–स्फुट पत्रों का संग्रह है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८१।

५९७ प्रति नं० ९। पत्र सं० १७। साइज–८½×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८२।

५९८ प्रति नं० १०। पत्र सं० १००। साइज–११½×८ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९१४। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८२।

५९९ प्रति नं० ११। पत्र सं० ३३। साइज–११×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८२।

६०० **आत्मावलोकन**–दीपचन्द कासलीवाल। पत्र सं० ८५। साइज–११½×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–अध्यात्म। रचनाकाल–सं० १७७७। लेखनकाल–सं० १८०२ फागुण सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८३।

विशेष—साह सुखरामजी पांड्या चाटसू निवासी ने ऋषि दयाराम के पास प्रतिलिपि करवायी थी।

६०१ प्रति नं० २। पत्र सं० ६१। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८४।

६०२ **आत्मसंबोध काव्य**–श्री पं० रइधू। पत्र सं० २५। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–अध्यात्म। लेखनकाल–सं० १५५२ ज्येष्ठ बुदी १३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६५।

६०३ प्रति नं० २। पत्र सं० २५। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६६।

६०४ **अध्यात्मबिंदु**–हर्षवर्धन। पत्र सं० १४–३०। साइज–१२×७½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७८९। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५।

६०५ **चेतनविलास**–जौंहरीलाल । पत्र सं० १३९ । साइज–१२×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९८३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ४२३ ।

विशेष—इसके अतिरिक्त २५ पत्रों की सूची और दे रखी है । लिपि स्थान–जयपुर

६०६ **जैनशतक**–पं० भूधरदासजी । पत्र सं० १६ । साइज–७½×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल–सं० १७८१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५११ ।

६०७ **प्रति नं० २** । पत्र सं० २१ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८९५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५१२ ।

६०८ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ३४ । साइज–७½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ५१० ।

६०९ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० २२ । साइज–८×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५०९ ।

विशेष—नवरत्न कवित्त एवं घंटाकर्णस्तोत्र, चर्चा शतक आदि रचनाओं का भी कुछ अंश है ।

६१० **प्रति नं० ५** । पत्र सं० ३५ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८४६ वैशाख बुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५०८ ।

६११ **ज्ञानचिंतामणि**–मनोहरदास । पत्र सं० १२ । साइज–८½×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल–सं० १७२८ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५३० ।

६१२ **ज्ञानदीपक**……। पत्र सं० ३४ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५३१ ।

६१३ **ज्ञानप्रकाशविलास**–बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० ८ । साइज–८×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५३२ ।

६१४ **ज्ञानसमुद्र**–जोधराज गोदीका । पत्र सं० ३३ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२२ चैत्र सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ५३३ ।

विशेष—स्वयं जोधराज गोदीका ने सांगानेर में प्रतिलिपि की थी ।

६१५ **ज्ञानानन्दपूरितनिर्भरनिजरस**………। पत्र सं० ३३ । साइज–१२½×८ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५६० ।

६१६ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३४ । साइज–९½×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५६० ।

६१७ **दर्शनप्राभृत**–आ० कुन्दकुन्द । पत्र सं० २–६ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७७४ ।

६१८ द्वादशानुप्रेक्षा–लक्ष्मीचन्द । पत्र सं० २ । साइज–११½×६ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–संसार चिंतन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७३६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४ ।

विशेष—पं० लक्ष्मीदास ने प्रतिलिपि की थी ।

६१९ द्वादशानुप्रेक्षा········। पत्र सं० ५ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–संसार चिंतन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७४५ ।

६२० द्वादशानुप्रेक्षा········। पत्र सं० २० । साइज–१२×६ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–संसार चिंतन । काल × । लेखनकाल–सं० १५८५ चैत्र शुक्ला १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ७४६ ।

विशेष—कासिली नामक ग्राम में प्रतिलिपि हुई थी । खण्डेलवालान्वय भौंसा गोत्र वाले श्री चाहा की पुत्री सीता ने ग्रंथ लिखवाया था ।

६२१ परमहंसचौपई········। पत्र सं० २–१६ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०३२ ।

६२२ परमार्थ दोहा शतक–रूपचंद । पत्र सं० ६ । साइज–११½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १०३४ ।

६२३ परमार्थविंशति········। पत्र सं० १२ । साइज–११½×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५०४ ।

विशेष—इसके अतिरिक्त एकत्वभावना, अनिश्चयपंचाशत आदि भी हैं ।

६२४ परमात्मप्रकाश–योगीन्द्रदेव । पत्र सं० ८८ । साइज–१०½×६ इन्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–आध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८९२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०३५ ।

विशेष—संस्कृत के पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६२५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७८ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८९४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १०३६ ।

विशेष—संस्कृत में टीका है ।

६२३ प्रति न० ३ । पत्र सं० ९९ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन न० १०३७ ।

विशेष—संस्कृत में टीका है ।

६२७ प्रति न० ४ । पत्र सं० ९८ । साइज–११×३½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण १–११, ५८–९३ तक तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १०३८ ।

६२८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३६ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०३९ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

६२९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २०९ । साइज–११×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७१८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४० ।

विशेष—प्रति सटीक हैं । टीका संस्कृत में है ।

६३० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १५ । साइज–११×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४१ ।

विशेष—कहीं २ संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

६३१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ३४ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४२ ।

६३२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २३ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७२० । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४३ ।

६३३ प्रति नं० १० । पत्र सं० १८ । साइज–८×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४३ ।

६३४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १४४ । साइज–११×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७१६ आसोज सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४४ ।

विशेष—जेतपुरा में साह श्री सुन्दरदासजी ने लिखवाया ।

६३५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० २३१ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४५ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है । प्रक्षेपक गाथाओं को निकाल कर टीका की गई है । ऐसा टीकाकार का मत है ।

६३६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १६ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१६ मंगसिर सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । केवल मूल प्रति है । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४६ ।

विशेष—महात्मा डूंगरसी ने प्रतिलिपि की थी ।

६३७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २५ । साइज–१०½×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १०४७ ।

६३८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १८ । साइज–९×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४८ ।

६३९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १००–१५२ । साइज–१३×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४९ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

६४० प्रति नं० १७। पत्र सं० २५८। साइज-११×६ इन्च। लेखनकाल-सं० १९०१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १०५०।

विशेष—श्री ब्रह्मदेव कृत संस्कृत टीका तथा दौलतरामजी कृत हिन्दी भाषा सहित है।

६४१ परमात्मप्रकाश भाषा-मूलकर्त्ता-योगीन्द्रदेव-भाषाकार……। पत्र सं० १९९। साइज-११×५ इन्च। भाषा-प्राकृत-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०५२।

६४२ प्रति नं० २। पत्र सं० १९। साइज-१२×५½ इञ्च। मूल प्रति है। लेखनकाल-सं० १७१६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०५३।

६४३ परमात्मप्रकाश भाषा-हेमराज। पत्र सं० २६। साइज-१०×५½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-आध्यात्मिक। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०५१।

६४४ प्रवचनसार-आ० कुन्दकुन्द। पत्र सं० १४३। साइज-१०×४½ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-आध्यात्मिक। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ११७६।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४५ प्रति नं० २। पत्र सं० १२७। साइज-११×५ इंच। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११७८।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४६ प्रति नं० ३। पत्र सं० २१-८४। साइज-१२×५½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७९३ वैशाख सुदी ६। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११८३।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४७ प्रति नं० ४। पत्र सं० २२। साइज-१२½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ११८४।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका है। हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है।

६४८ प्रति नं० ५। पत्र सं० १००। साइज-११½×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ११७७।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६४९ प्रति नं० ६। पत्र सं० ६१। साइज-११×५ इन्च। लेखनकाल-सं० १६१९ फागुण बुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा- सामान्य। वेष्टन नं० ११७९।

विशेष—अमृतचंद्राचार्य कृत संस्कृत टीका सहित है।

६५० प्रति नं० ७। पत्र सं० २४३। साइज-१०½×५½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७४० असाढ शुक्ला

चतुर्थी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८० ।

विशेष—अमृतचंद्राचार्य कृत संस्कृत टीका एवं हेमराज कृत हिन्दी अर्थ सहित हैं।

६५१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १५० । साइज–११×७½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८७६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११८१ ।

६५२ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १३६ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८२ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

६५३ प्रति नं० १० । पत्र सं० ६० । साइज–१२½×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १५६१ श्रावण बुदी २ । पूर्ण एवं सामन्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८६ ।

विशेष—श्री दूलदुर्ग में श्री ठाकुर ने ग्रंथ की प्रतिलिपि की थी । अमृतचंद्राचार्य कृत संस्कृत टीका सहित है ।

६५४ प्रवचनसार–अमितिगति । पत्र सं० ३४ । साइज–१५½×७½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–आध्यात्मिक रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एव शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८५ ।

६५५ प्रवचनसार भाषा–पांडे हेमराज । पत्र सं० २४७ । साइज–६½×४½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–धर्म । रचनाकाल–सं० १७०६ । लेखनकाल–सं० १७२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८७ ।

६५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ११८८ ।

६५७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २०० । साइज–८½×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११८६ ।

६५८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६१ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७१७ वैशाख बुदी ७ मंगलवार । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ११६० ।

६५६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६८ । साइज–११½×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६१ ।

६६० प्रति नं० ५ । पत्र सं० १८३ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६२ ।

६६१ प्रवचनसार भाषा……… । पत्र सं० ७२ । साइज–११×६ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८०३ । दर्शनाचार तक । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६३ ।

६६२ प्रवचनसार–जोधराज गोदीका । पत्र सं० ६० । साइज–६½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अध्यात्म । रचनाकाल–सं० १७२६ । लेखनकाल–सं० १७२६ कार्तिक बुदी ११ भृगुवार । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६४ ।

विशेष—प्रथम तीन पत्र नहीं हैं।

६६३ **प्रवचनसार भाषा**—पं० देवीदास। पत्र सं० १०५। साइज—९×५ इन्च। भाषा—हिन्दी। विषय—धर्म। रचनाकाल—सं० १८२४। लेखनकाल—सं० १८२८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ११९५।

विशेष—"लिखतं प्रधान अमानरार स्थान छत्रपुर पठनार्थ भाई मनसाराम पठनार्थ जयपुर वासी।

६६४ **मोहविवेक**—बनारसीदास। पत्र सं० १२। साइज—१०×४ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४२५।

६६५ प्रति नं० २। पत्र सं० १२। साइज—१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४२७।

६६६ **वीतरागशास्त्र**.........। पत्र सं० ८। साइज—१०×४½ इन्च। भाषा—संस्कृत। विषय—अध्यात्मिक। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १६४७।

६६७ **वैराग्यशतक**.........। पत्र सं० ५। साइज—१०×४ इन्च। भाषा—प्राकृत। विषय—अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १६५७।

६६८ **ब्रह्मानन्द**—पं० श्री रामकृष्ण। पत्र सं० ८०। साइज—१०×५½ इन्च। भाषा—संस्कृत। विषय—आध्यात्मिक। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण—विषयानन्द प्रकरण तक। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६६२।

६६९ **षट्पाहुड**—आ० कुन्दकुन्द। पत्र सं० ७६—२००। साइज—१२×५½ इञ्च। भाषा—प्राकृत। विषय—आध्यात्मिक। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७९२।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है। टीकाकार श्रुतसागर हैं।

६७० प्रति नं० २। पत्र सं० ५८। साइज—१०½×५½ इच। लेखनकाल—सं० १८५० फाल्गुण शुक्ला १२। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७९३।

६७१ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३५। साइज—१०½×४ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७९४।

६७२ प्रति नं० ४। पत्र सं० ३३। साइज—९×४ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७९५।

६७३ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३। साइज—१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७९६।

विशेष—केवल शील पाहुड ही है।

६७४ प्रति नं० ६। पत्र सं० २। साइज—१०½×६ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७९६।

विशेष—शील पाहुड है।

६७५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३६ । साइज-१०½×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८११ ।

विशेष—संस्कृत में अर्थ भी दिया हुआ है ।

६७६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ५६ । साइज-१०½×४½ इन्च । लेखनकाल-सं० १७१४ मंगसिर बुदी अमावस । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७६७ ।

६७७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १३ । साइज-१०×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७६८ ।

६७८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५४ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१४ फागुण बुदी ११ बुधवार पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०१ ।

विशेष—कल्याण पहाड्या ने प्रतिलिपि की थी ।

६७६ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ५५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०२ ।

६८० प्रति नं० १२ । पत्र सं० ७६-२०० । साइज-१२×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०४ ।

विशेष—श्रुतसागर कृत संस्कृत टीका सहित है ।

६८१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ६७ । साइज-११½×५¾ इञ्च । लेखंनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८१३ ।

विशेष—श्रुतसागर कृत संस्कृत टीका सहित है । प्रत्येक पृष्ठ पर यह लिखा हुआ है "या टीका झूंठी छै" "गाथा सांची छै" "या टीका अप्रमाण झूंठी छै कुमार्गी किया छै" इत्यादि ।

६८२ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १३३-१८२ । साइज-१०×७½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन न० १८१४ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

६८३ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ४१ । साइज-११×८ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८१५ ।

विशेष—हिन्दी टीका सहित है ।

६८४ प्रांत नं० १६ । पत्र सं० २-३६ । साइज-१०½×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८१५ (क) ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

६८५ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ७४ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८०० ।

६८६ प्रति नं० १८। पत्र सं० ५५। साइज-१०½×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८०१ पौष बुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा:-सामान्य। वेष्टन नं० १७६६।

विशेष---संस्कृत में टीका सहित है।

६८७ प्रति नं० १९। पत्र सं० ५०। साइज-१०×४ इञ्च। लेखनकाल-सं० १५४२ ज्येष्ठ बुदी १४। पूर्ण एवं शुध्द। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८०३।

विशेष—मूलमात्र है।

६८८ समयसार-कुन्दकुन्दाचार्य। पत्र सं० २२। साइज-११×६½ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १७७८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६२।

६८९ प्रति नं० २। पत्र सं० १३३-१५१। साइज-१३×६ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-आध्यात्मिक। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १६३२ पौष बुदी १। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६१।

विशेष—ब्रह्मदेव कृत संस्कृत टीका सहित है। प्रतिलिपि मध्यप्रदेश के अमलपुर नगर में हुई थी।

६९० प्रति नं० ३। पत्र सं० ११२। साइज-१२×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८५९।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६९१ प्रति नं० ४। पत्र सं० ९४-१५०। साइज-११×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १४४६ वैशाख बुदी १० मङ्गलवार। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६०।

विशेष—अमृतचन्द्र की संस्कृत टीका सहित है। योगिनीपुर में पिरोज साह के राज्य में हुई थी।

६९२ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६४। साइज-११×५½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १९५३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८५८।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं।

६९३ प्रति नं० ६। पत्र सं० १७२। साइज-११½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८४७।

विशेष—अमृतचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है।

६९४ प्रति नं० ७। पत्र सं० १३१। साइज-११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८४८।

६९५ प्रति नं० ८। पत्र सं० ५९। साइज-१२½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८४९।

६९६ प्रति नं० ९। पत्र सं० १७१। साइज-१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुध्द। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८४३।

६९७ प्रति नं० १० । पत्र सं० ९३ । साइज ११×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८०४ ज्येष्ठ बुदी १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४४ ।

विशेष—पद्यों का हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

६९८ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ५० । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन न० १८४५ ।

६९९ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ५८ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८४६ ।

७०० प्रति नं० १३ । पत्र सं० १४८ । साइज-८½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८५२ ।

७०१ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १७८ । साइज-११½×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२८ पौष सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १८५६ ।

७०२ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १७६ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । प्रारम्भ के १०१ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । वेष्टन नं० १८५० ।

७०३ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १२३ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८५३ ।

७०४ प्रति नं० १७ । पत्र सं० ३६ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७३१ मंगसिर बुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८५४ ।

विशेष—फाउद मध्ये शीतलनाथ चैत्यालय में प्रतिलिपि हुई थी ।

७०५ प्रति नं० १८ । पत्र सं० २३ । साइज-११×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७०८ चत्र सुदी पूर्णिमा । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८५१ ।

७०६ प्रति नं० १९ । पत्र सं० २-१९ । साइज-९½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८६३ ।

७०७ प्रति नं० २० । पत्र सं० ३७५ । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२२ पौष बुदी ३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८४० ।

विशेष—संग्रामपुर में प्रतिलिपि हुई थी ।

७०८ प्रति नं० २१ । पत्र सं० १०१ । साइज-११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४१ ।

७०९ प्रति नं० २२ । पत्र सं० १७ । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८४२ ।

७१० प्रति नं० २३। पत्र सं० २११। साइज-११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६४।

विशेष—कलशों का हिन्दी गद्य अनुवाद भी दिया हुआ है। प्रति प्राचीन हैं भाषाकार राजमल्ल हैं।

७११ प्रति नं० २४। पत्र सं० ३७। साइज-११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान वेष्टन नं० १८६३।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

७१२ **समयसारकलशा टीका**-राजमल्लजी। पत्र सं० १९९। साइज-११½×५½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण-प्रथम पृष्ठ तथा १९९ से आगे के पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १८६६।

७१३ प्रति नं० २। पत्र सं० २३७। साइज-१२×५½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७४६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६६।

विशेष—बनारसीदास कृत भाषा भी इस में हैं।

७१४ प्रति नं० ३। पत्र सं० २७४। साइज-११½×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७६२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८६५।

७१५ **समयसार नाटक**-महाकवि बनारसीदास। पत्र सं० ७४। साइज-१२×५ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल-सं० १६९३। लेखनकाल-सं० १८६०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८७१।

७१६ प्रति नं० २। पत्र सं० १५९। साइज-१३×८ इञ्च। लेखनकाल-सं० १९५०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८७०।

विशेष—हिन्दी गद्य टीका पंडित रूपचन्दजी कृत है। रूपचन्दजी द्वारा लिखित प्रशस्ति नहीं दी हुई हैं।

७१७ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३९। साइज-११½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८७२।

७१८ प्रति नं० ४। पत्र सं० १४२। साइज-९×६ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८३५। पूर्ण एवं सामान शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८७३।

७१९ प्रति नं० ५। पत्र सं० २०४। साइज-९½×४। लेखनकाल-सं० १८३०। अपूर्ण-४७ तक पत्र नहीं हैं। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८७४।

७२० प्रति नं० ६। पत्र सं० ५१। साइज-८×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८७४।

७२१ प्रति नं० ७। पत्र सं० २३। साइज-१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८७५।

७२२ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २–९८ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६३ आसोज सुदी ६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८७६ ।

विशेष—चौधरी वखतराम के पुत्र श्री दुलीचन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

७२३ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ६९ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १८७७ ।

७२४ प्रति नं० १० । पत्र स० १२५ । साइज–११×७ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७०९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १८७८ ।

विशेष— प्रति का जीर्णोद्धार हो रखा है ।

७२५ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १४० । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८७९ ।

विशेष—रूपचन्द कृत समयसार की हिन्दी गद्य टीका भी है ।

७२६ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ५८ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८८० ।

७२७ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १५१ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९२७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८८१ ।

७२८ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ७५ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८८२ ।

७२९ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ७५ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १८८३ ।

विशेष—बूंदी (राजस्थान) में भावसिंहजी के राज्य में प्रतिलिपि की गयी थी ।

७३० प्रति नं० १६ । पत्र सं० १३२ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८८४ ।

विशेष—ब्रह्म रूपजी ने पडसोलानगर में ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

७३१ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १०४ । साइज–१२×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७०५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८८५ ।

७३२ प्रति नं० १८ । पत्र सं० १६० । साइज–७½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य वेष्टन नं० १८८६ ।

७३३ प्रति नं० १९ । पत्र सं० ७५ । साइज–१३×८ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८८७ ।

विशेष—रूपचन्द कृत हिन्दी गद्य टीका सहित है।

७३४ समयसार भाषा-पं० जयचन्द्रजी छाबडा। पत्र सं० २४८। साइज—१५×६½ इञ्च। भाषा—हिन्दी गद्य विषय—अध्यात्म। रचनाकाल—सं० १८६४। लेखनकाल—सं० १८६६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८६४।

७३५ प्रति नं० २। पत्र सं० २५। साइज—११×७½ इञ्च। लेखनकाल—सं० १९६४। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८६५।

७३६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३५२। साइज—१०½×८ इञ्च। लेखनकाल—सं० १९३८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १८८८।

विशेष—बखतावरलाल छाबडा ने भीवराजजी की प्रेरणा से प्रतिलिपि की थी।

७३७ प्रति नं० ४। पत्र सं० २८०। साइज—८½×६ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८६४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८५७।

विशेष—प्रति स्वय जयचन्दजी द्वारा लिखी गयी है। इसलिये स्थान २ पर प्रति संशोधित की हुई है।

७३८ समयसार नाटक भाषा–मूलकर्त्ता–महाकवि बनारसीदास। भाषाकार—सदासुखजी कासलीवाल। पत्र सं० २८८। साइज—११×७½ इञ्च। भाषा—हिन्दी पद्य–गद्य। विषय—अध्यात्म। रचनाकाल—सं० १९१४। लेखनकाल-सं० १९३३ फागुण बुदी ४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १८६१।

७३९ समयसार भाषा........। पत्र सं० १६०। साइज—१३½×६½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८४२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८८९।

७४० समयसार भाषा........। पत्र सं० ७६। साइज—९½×५½ इञ्च। भाषा—हिन्दी गद्य। विषय—अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १८९०।

७४१ समयसार भाषा........। पत्र सं० ६४। साइज—१०½×४½ इञ्च। भाषा—हिन्दी गद्य। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। जीवाधिकार तक पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८९२।

७४२ समयसार भाषा........। पत्र सं० २००। साइज—११½×७¼ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण—प्रथम पत्र तथा अन्तिम पत्र नहीं है। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८५५।

७४३ संवेगामृतभावना–श्री रत्नसिंह सूरि। पत्र सं० ८६। साइज—१०×४½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १९५२।

विशेष—पं० तिलकसागर ने बगडी नगर में प्रतिलिपि की थी।

७४४ स्वामीकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा–कार्त्तिकेय। पत्र सं० ४०। साइज—८½×६½ इञ्च। भाषा—प्राकृत। विषय-अध्यात्म। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २१६६।

७४५ प्रति नं० २। पत्र सं० २६। साइज—११½×५¾ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण—आगे के पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २१७०।

७४६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २० । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७१ ।

७४७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७०–१०४, २७३–२३० । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८६१ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७३ ।

विशेष—भट्टारक शुभचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७४८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६७ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल-स० १६०७ आसोजशुक्ला १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१७२ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

७४९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६७ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७४ ।

विशेष—भ० शुभचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५० प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६५ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१७५ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

७५१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १६ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७६ ।

७५२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २५ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७७ ।

७५३ प्रति नं० १० । पत्र सं० २६ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७८ ।

७५४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १०१–२१५ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१७९ ।

विशेष—भ० शुभचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ३२ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१८० ।

७५६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० २१६ । साइज–१०½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१८१ ।

विशेष—भ० शुभचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २९ । साइज-१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८१ ।

७५८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ६९ । साइज-१३×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८२ ।

विशेष—भट्टारक शुभचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७५९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० २८६ । साइज-१२×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुध्द । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८३ ।

विशेष—भ० शुभचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

७६० स्वामीकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा भाषा-जयचंदजी छाबड़ा । पत्र सं० १०६ । साइज-८½×६ इन्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-धर्म । रचनाकाल-सं० १८६३ । लेखनकाल-सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८५ ।

विशेष—प्रति स्वयं जयचन्द्रजी द्वारा लिखी गई है ।

७६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७३ । साइज-११×८ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । आगे के पत्र नहीं हैं । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८४ ।

७६२ प्रतिनं० ३ । पत्र सं० १२७ । साइज-११×८ इञ्च । लेखनकाल-सं० १९१९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८७ ।

७६३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १५५ । साइज-१०×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८८ ।

७६४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३०१ । साइज-११½×९ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८८८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१८९ ।

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Nariá, Varanasi

विषय—न्याय एवं दर्शन

ग्रन्थ संख्या—७६५-८७२

७६५ अष्टशती–भट्टाकलंकदेव । पत्र सं० ३८ । साइज–११½×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४२ ।

७६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३४ । साइज–११×८ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२८ माघ बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४३ ।

विशेष—जयपुर नगर में महात्मा कालूराम ने प्रतिलिपि की थी ।

७६७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४३ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८६८ वैशाख बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४४ ।

७६८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २४ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४५ ।

७६९ अष्टसहस्री–विद्यानन्दि । पत्र सं० २३२ । साइज–११½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १४९० फाल्गुण सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४७ ।

७७० आप्तपरीक्षा–विद्यानन्दि । पत्र सं० ११० । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १५७८ मंगसिर सुदी ७ । अपूर्ण–प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११८ ।

विशेष—अहमदाबाद के समीप राजपुर ग्राम में उपाध्याय अभयचन्द्र के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी । हूंबड जातीय श्री हर्षमदे ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

७७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज–१३×७ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७ ।

७७२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७ । साइज–८×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६ ।

७७३ आप्तमीमांसा भाषा–पं० जयचन्दजी छाबडा । पत्र सं० ८९ । साइज–९½×७½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–न्याय । रचनाकाल–सं० १८६७ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११९ ।

७७४ आप्तमीमांसालंकृति·········। पत्र सं० २२५ । साइज–१५×७ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२० ।

विशेष—संस्कृत टीका भी है ।

७७५ आलापपद्धति–देवसेन। पत्र सं० ११। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–न्याय। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३३।

७७६ प्रति नं० २। पत्र सं० २०। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८७७ वैशाख बुदी १२। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १२८।

७७७ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८१२ मंगसिर सुदी ४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७७८ प्रति नं० ४। पत्र सं० १३। साइज–११½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८४ मंगसिर बुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७७९ प्रति नं० ५। पत्र सं० ११। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८११ फागुण बुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७८० प्रति नं० ६। पत्र सं० ६। साइज–११½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७८१ प्रति नं० ७। पत्र सं० ६। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७८२ प्रति नं० ८। पत्र सं० १२। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७८३ प्रति नं० ६। पत्र सं १२। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७८४ प्रति नं० १०। पत्र सं० ६। साइज–११×३½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२६।

७८५ प्रति नं० ११। पत्र सं० ६। साइज–१०×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८२ चैत्र शुक्ला ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३०।

विशेष—यह प्रति सांगानेर में साह जोधराज गोदीका के पठनार्थ लिखी गई थी।

७८६ प्रति नं० १२। पत्र सं० ११। साइज–१२×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८०३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३१।

७८७ प्रति नं० १३। पत्र सं० ११। साइज–१०×६ इञ्च। लेखनकाल–स० १६५५ कार्तिक शुक्ला १२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १३२।

७८८ किरणावली प्रकाश–महामहोपाध्याय श्री गंगेश्वरात्मज उपाध्याय श्री वर्द्धमान। पत्र सं० ४०। साइज–

१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६७ ।

७८९ **खंडनसूत्र**……। पत्र सं० ४ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०२ ।

७९० **खंडसूत्र**–श्री हर्ष । पत्र सं० ११९ । साइज–१२×६इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × लेखनकाल । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ३०४ । इसका दूसरा नाम खंडन खाद्य भी है ।

७९१ **चन्द्रावलोक**……। पत्र सं० १३ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९६५ श्रावण कृष्णा ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४०१ ।

७९२ **जीवास्तित्ववाद**……। पत्र सं० ८ । साइज–९¾×५ । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५०३ ।

७९३ **तत्त्वबोध**……। पत्र सं० ६ । साइज–८×५¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५८७ ।

७९४ **तर्कदीपिका**–योगी विश्वनाथ । पत्र सं० ७ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२८ ।

७९५ **तर्कभाषा**–श्री केशवमिश्र । पत्र सं० ३९ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७५७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२८ ।

७९६ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३३ । साइज–१०½×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६९९ फाल्गुन सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६२९ ।

७९७ **तर्कसंग्रह**–अन्नंभट्ट । पत्र सं० ९ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६३० ।

७९८ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ७ । साइज–११×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६३१ ।

७९९ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ३२ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६३१ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८०० **तृप्तिदीपिका**……। टीकाकार पं० रामकृष्ण । पत्र सं० २–८४ । साइज–१०×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६४१ ।

८०१ **दर्शनसार**–देवसेन । पत्र सं० ३ । साइज–११½×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७०४ ।

८०२ प्रति नं० २। पत्र सं० ३। साइज-११½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७०४।

८०३ **देवागमस्तोत्र**-आचार्य समन्तभद्र। पत्र सं० ५। साइज-११½×५½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-न्याय। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७६४।

विशेष—ग्रन्थ का दूसरा नाम आप्तमीमांसा भी है।

८०४ प्रति नं० २। पत्र सं० ३२। साइज-१०½×६ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८६०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ७६७।

विशेष—प्रतिलिपि जयपुर में हुई थी। ग्रन्थ का दूसरा नाम आप्तमीमांसा भी है। प्रति सटीक है। टीकाकार वसुनन्दि हैं।

५०८ **देवागमस्तोत्र भाषा**-पं० जयचन्द्रजी छाबड़ा। पत्र सं० ४५। साइज-८×६ इञ्च। भाषा-हिन्दी गद्य। विषय-न्याय। रचनाकाल-सं० १८६६। लेखनकाल-सं० १८६६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७६

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की है।

८०६ प्रति नं० २। पत्र सं० ८४। साइज-१२×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ७६६।

८०७ **द्वैतविवेकपदयोजना**-श्री रामकृष्ण। पत्र सं० ५४। साइज-१०×५½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-न्याय। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ७७३।

८०८ **नयचक्र**-श्री देवसेन। पत्र सं० ३५। साइज-१०½×५ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-दर्शन शास्त्र। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८४४।

८०९ प्रति नं० २। पत्र सं० २४। साइज-८½×४½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८६२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८४५।

८१० प्रति नं० ३। पत्र सं० २१। साइज-१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ८४६।

विशेष—संस्कृत में संक्षिप्त टीका दी हुई है।

८११ प्रति नं० ४। पत्र सं० १८। साइज-१०½×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ८४६।

८१२ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६। साइज-१०×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४७।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है।

८१३ **नयचक्र भाषा**-हेमराज। पत्र सं० १४। साइज-१२×५½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-न्याय। रचना

काल-सं० १७२६ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४७ ।

८१४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २३ । साइज-६½×६¼ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४८ ।

८१५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २१ । साइज-८×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८४९ ।

विशेष—मालपुरा नगर में साधु हंसगिरी ने करमचंद के लिये प्रतिलिपि की थी ।

८१६ **नयवर्णन**……… । पत्र सं० ५ । साइज-११×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५० ।

विशेष—तत्त्वार्थ सूत्र के 'नैगमसंग्रह' आदि सूत्र की ही विस्तृत टीका है ।

८१७ **नवतत्त्वनिदानोपनिषत्**……… । पत्र सं० ७२ । साइज-१२×६½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६१ ।

८१८ **न्यायग्रंथ**……… । पत्र सं० १२२ । साइज-१०½×३ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८८७ ।

८१९ **न्यायदीपिका**—अभिनवधर्मभूषण । पत्र सं० ४१ । साइज-११×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८८ ।

८२० प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज-१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८९ ।

८२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३१ । साइज-१०½×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९० ।

८२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८ । साइज-१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० ८९१ ।

८२३ **न्यायमञ्जरी**……… । पत्र सं० १९ । साइज-११×६ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९२ ।

८२४ **न्यायसार**—पं० भावशर्मा । पत्र सं० १० । साइज-१०½×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १९३२ अषाढ बुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९३ ।

८२५ **न्यायसूत्र**—गौतम मुनि । पत्र सं० ८ । साइज-१०×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७४१ वैशाख सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९४ ।

८२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८९४ ।

८२७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १० । साइज–८½×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य वेष्टन नं० ८६५ ।

८२८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६ । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६५ ।

८२९ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ७ । साइज–१२×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६६ ।

८३० परीक्षामुख–माणिक्यनंदि । पत्र सं० ७ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०५६ ।

८३१ प्रमाणनिर्णय–वादिराज । पत्र सं० ३८ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल–सं० १७३२ । लेखनकाल–सं० १७९५ असाढ बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६५।

८३२ प्रमाणनिर्णय–श्री जयसिंह सूरि । पत्र सं० १६१ । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८१२ वैशाख शुक्ला पूर्णिमा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११६४।

८३३ प्रमाणपरीक्षा–विद्यानन्दि । पत्र सं० ४० । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६८ ।

८३४ प्रमाणपरीक्षा भाषा–श्री भागचन्द । पत्र सं० ४७ । साइज–१४×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–४७ से आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० ११६७।

८३५ प्रमाणप्रमेयकलिका–श्री नरेन्द्रसेन । पत्र सं० २४ । साइज–११½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत। विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६६ ।

८३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११७४ ।

८३७ प्रमाणमीमांसा–हेमचन्द्राचार्य । पत्र सं० ४४ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७९५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६९ ।

८३८ प्रमेयकमलमार्त्तण्ड–आ० प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ३५४ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत। विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७० ।

८३९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१६ । साइज–११×८ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९२५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११७१ ।

८४० प्रमेयरत्नमाला–अनन्तवीर्य । पत्र सं० ७१ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५६ चैत्र सुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७२ ।

विशेष—जयपुर में नंदलाल ने ग्रंथ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

८४१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८० । । साइज–११×५ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११७३

८४२ **प्रमेयरत्नमाला भाषा**–पं० जयचन्दजी छावडा । पत्र सं० ६३ । साइज–८¾×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–न्याय । रचनाकाल–सं० १८६३ । लेखनकाल–सं० १८६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११७५

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की लिखी हुई है ।

८४३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२० । साइज–११×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०५७ ।

८४४ **भाषापरिच्छेद**–पंचानन भट्टाचार्य । पत्र सं० ११ । साइज–६×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३५५ ।

८४५ **मीमांसाभाष्य**–शवर स्वामी । पत्र सं० ४६५ । साइज–१६×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं०१८५६ पौष बुदी १३ । पूर्ण–१२ अध्याय । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १३६७

८४६ **मीमांसावार्त्तिक**–कुमारिल भट्ट । पत्र सं० ३६३ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३६८ ।

८४७ **मुक्तावली**........ । पत्र सं० ६१ । साइज–८×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४०२ ।

८४८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७ । साइज–११×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४०० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८४९ **रत्नकरावतारिका**–रत्नप्रभाचार्य । पत्र सं० २६१ । साइज–१०×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४८८ ।

विशेष—प्रति प्रमाणनयतत्त्वालोकालंकार की लघु वृत्ति है ।

८५० प्रति नं० २ । पत्र सं० ५० । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४८९ ।

८५१ **वेदान्तसार**–परमहंस परिव्राजकाचार्य सदानंद । पत्र सं० १० । साइज–११×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५६ ।

८५२ **वेदान्तसंग्रह**........ । पत्र सं० ३८ । साइज–८½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५५ ।

८५३ **वृत्तिदीपिका**–श्री कृष्ण भट्ट । पत्र सं० ३२ । साइज–१२½×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६७ ।

८५४ **शास्त्रदीपिका**........ । पत्र सं० ५६ । साइज–१०×३½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचना–

काल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १७७५ ।

विशेष—पत्र ५४–५५ नहीं हैं ।

८५५ शारीरिकभाष्य–भगवदानंद । पत्र सं० १७२ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५४ज्येष्ठ शुक्ला १३ । प्रथमाध्याय पूर्ण । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७०१ ।

८५६ शारीरिकमीमांसा–भगवान् शंकर । पत्र सं० २९७ । साइज–१२×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । तृतीय अध्याय तक । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७०२ ।

८५७ प्रति नं० २ । पत्र स० २७६ । साइज–१०½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७०३ ।

८५८ षट्दर्शनसमुच्चयवृत्ति–वृत्तिकार श्री देवसुन्दर सूरि । पत्र सं० १०५ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७८८ ।

८५९ षट्दर्शनसमुच्चयसूत्र । पत्र सं० २–४ । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८१२ ।

विशेष—जयपुर में तेरहपंथियों के मन्दिर में प्रतिलिपि हुई थी ।

८६० सप्तपदार्थी–श्री दिव्यादित्याचार्य । पत्र सं० ५ । साइज–१२½×७ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १८३२ ।

८६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २८ । साइज–१५×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५३२ भादवा सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८३२ ।

विशेष—वहुद्रव्यपुर में महीक ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार शिवादित्य है ।

८६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८३१ ।

विशेष—शिवपुरी में पं० विद्याकीर्त्ति मुनि द्वारा प्रतिलिपि की गयी थी ।

८६३ सन्मतितर्क–सिद्धसेन । पत्र सं० ५७८ । साइज–११½×६ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८३१ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८६४ सांखायन श्रौतसूत्र........ । पत्र सं० १०५ । साइज–९½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६९१ ।

८६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६५ । साइज–९½×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०५ आसोज बुदी ६ । पूर्वार्द्ध पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६९२ ।

८६६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८० । साइज–१३×८ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७९० ।

८६७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८१ । साइज–९×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १८०२ फाल्गुण शुक्ला ९ । पूर्ण एवं शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९९१ ।

विशेष—पुण्डरीक दिवाकर ने प्रतिलिपि की थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

८६८ सांख्यतत्त्वकौमुदी–वाचस्पतिमिश्र । पत्र सं० ६७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल–स० १८६८ । पूर्ण एव शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १९९२ ।

८६९ सांख्य सप्तति……… । पत्र सं० ३ । साइज–९×६½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९९३ ।

८७० सारसंग्रह–वरदराज । पत्र सं० ५१ । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५९४ श्रावण बुदी ५ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०२७ ।

विशेष—प्रथम पत्र नहिं है ।

८७१ स्याद्वादमंजरी–मल्लिषेण । पत्र सं० ६३ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण । त्रुटित पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१५९ ।

८७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८५ । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६० ।

विषय–प्रतिष्ठा एवं अन्य विधान

ग्रन्थ संख्या—११

८७३ जिनसंहिता–भगवज्जिनसेनाचार्य । पत्र सं० २–३७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४९४ ।

८७४ दीक्षापटल–आशाधर । पत्र सं० ८ । साइज–५×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्रतिष्ठा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ७५३ ।

८७५ प्रतिष्ठासार–महापंडित आशाधर । पत्र सं० ६७ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्रतिष्ठा । रचनाकाल–सं० १२८५ । लेखनकाल–सं० १८५० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११४४ ।

विशेष—इसका दूसरा नाम प्रतिष्ठासारोद्धार एवं जिनयज्ञकल्प है ।

८७६ प्रति नं० २। पत्र सं० ४२ । साइज–८½×५ इन्च । लेखनकाल× । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० ११४७ ।

विशेष—स्फुट पत्र हैं ।

८७७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं है। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४७७ ।

८७८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ११५–८११ । साइज–१२×४½ इन्च । लेखनकाल–सं१५६४ फागुण बुदी १। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४७८ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति अपूर्ण है ।

८७९ प्रतिष्ठासारसंग्रह–वसुनंदि । पत्र सं० २८ । साइज–१४×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्रतिष्ठा। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण–६ अध्याय तक है । सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११४५ ।

८८० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३१ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७५९ चैत्र शुक्ला प्रतिपदा। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११४६ ।

विशेष—सांगानेर में जोशी केशवदास ने घासीराम भौंवसी के पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

८८१ महाभिषेक–आशाधर पत्र सं० २२ । साइज–१२×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्रतिष्ठा। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८१ ।

विशेष—ब्रह्म नेमिदत्त के लिये लिपि किया गया था ।

८८२ विवाह पद्धति–बाबा दुलीचन्द । पत्र सं० १२ । साइज–८×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी–संस्कृत । विषय-विधि–विधान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३३ ।

८८३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज–९¾×६¾ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३४ ।

* * *

विषय—योग शास्त्र

ग्रन्थ संख्या—६५

८८४ ज्ञानार्णव–आचार्य शुभचन्द्र । पत्र सं० १२८ । साइज–११¾×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-योगशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५३९ ।

८८५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२२ । साइज–१२×५¾ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५४० ।

८८६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४१ । साइज–११×४½ इन्च । लेखनकाल ×। पूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४० ।

८८७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०६ । साइज–११×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४० ।

८८८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १०० । साइज–११×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४० ।

८८९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १०१ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–स० १६१५ माघ सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० ५४१ ।

विशेष—तक्षकगढ में महाराजा श्री कल्याण के शासनकाल में खण्डेलवालान्वय बाकलीवाल गोत्र वाले सहस्मल ने शास्त्र लिखवाया था ।

८९० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १२१ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७८४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४२ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति पर स्याही फिरी हुई है ।

८९१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० १३९ । साइज–११×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १७२२ वैशाख सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४३ ।

विशेष—रामपुर में सुखदेव पाटनी ने लिखवाया था । संवत् १७९८ में हस्तिनापुर से यह ग्रंथ जयपुर भेजा गया ।

८९२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १४६। साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५९८ कार्त्तिक सुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४४ ।

विशेष—हिसार नगर में फिरोजसाह के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी ।

८९३ प्रति नं० १० । पत्र सं० १६७ । साइज–१०½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४५ ।

८९४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ५१ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४६ ।

८९५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १२१ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १५९१ मंगसिर बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४७ ।

विशेष—इस प्रति को श्री खेमी ने मंडलाचार्य धर्मचन्द्र को भेंट में दी थी ।

८९६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ११२ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १६३७ भादवा सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५४८ ।

८९७ प्रति नं० १४। पत्र सं० १७६। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६८९ फागुण बुदी ९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ५४९।

८९८ प्रति नं० १५। पत्र सं० १२६। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। प्रति प्राचीन है। वेष्टन नं० ५५०।

८९९ प्रति नं० १६। पत्र सं० ६५। साइज–११½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५१।

९०० ज्ञानार्णव गद्य टीका–श्रुतसागर। पत्र सं० ६। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–योग। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६७६ श्रावण शुक्ला त्रयोदशी। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५३।

९०१ प्रति नं० २। पत्र सं० ७। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६७४ कार्तिक बुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५२।

विशेष—पं० केशव ने प्रतिलिपि की थी।

९०२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६९०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ५५४।

९०३ ज्ञानार्णव भाषा–पं० जयचन्दजी छाबड़ा। पत्र सं० ४१६। साइज–११½×८ इञ्च। भाषा–संस्कृत हिन्दी। विषय–योग। रचनाकाल–सं० १८६९। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ५५५।

९०४ प्रति नं० २। पत्र सं० २८४। साइज–११½×८ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९२३। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५ पत्र नहीं है। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५६।

९०५ प्रति नं० ३। पत्र सं० २५५। साइज–१०½×७½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८७२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५७।

विशेष—जयपुर में महात्मा राधाकृष्ण ने प्रतिलिपि की थी।

९०६ प्रति नं० ४। पत्र सं० २४४। साइज–८×६ इञ्च। लेखनकाल–स० १८६९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५८।

विशेष—प्रति स्वयं भाषाकार के हाथ की है।

९०७ प्रति नं० ६। पत्र सं० ३१९। साइज–११×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ५५९।

९०८ पातंजल योगशास्त्र–वेदव्यास। पत्र सं० ८०। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–योग। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८६८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १०६८।

६०९ प्रति नं० २। पत्र सं० १८। साइज–९×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १४६५।

६१० योगदृष्टि–आचार्य हरिभद्रसूरि। पत्र सं० २७। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय–योग शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७२० पौष बुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४६८।

६११ योगसार–योगीन्द्रदेव। पत्र सं० ९ साइज–११×५ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–योग। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८६६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४५७।

६१२ प्रति नं० २। पत्र सं० १७। साइज–८½×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८३५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४७१।

विशेष—हिन्दी गद्य में गाथाओं का अर्थ दिया हुआ है।

६१३ प्रति नं० ३। पत्र सं० १०। साइज–१०½×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४५८।

६१४ प्रति नं० ४। पत्र सं० १५। साइज–९×६ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४५१।

विशेष—हिन्दी अर्थ दिया हुआ है।

६१५ प्रति नं० ५। पत्र सं० ८। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७१४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४६४।

६१६ योगसार………। पत्र सं० २०। साइज–११×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–योग। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४५९।

६१७ योगसार–श्री श्रुतकीर्त्ति। पत्र सं० ६७। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–योग। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५५२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १४६६।

विशेष—लेखक की यह रचना अभी प्रकाश में आयी है।

६१८ योगीन्द्रसार भाषा–बुधजन। पत्र सं० ८। साइज–७×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–योग। रचनाकाल–सं० १८९५। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४६३।

६१९ प्रति नं० २। पत्र सं० ७। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४६३।

६२० प्रति नं० ३। पत्र सं० ११। साइज–७×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १४६२।

६२१ योगिनीहृदयदीपिका–आनन्दनाथ। पत्र सं० १०४। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–योग शास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६६९ ज्येष्ठ सुदी १४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४७०।

९२२ समाधितंत्र—पर्वतधर्मार्थी। पत्र सं० १६६। साइज–१०×६ इञ्च। भाषा–गुजराती। विषय–योग। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८०८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९११।

विशेष—दो तीन प्रतियों का सम्मिश्रण है। प्रारम्भ के ९९ पत्र फिर जोडे गये हैं।

९२३ प्रति नं० २। पत्र सं० १३३। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७३९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९१२।

९२४ प्रति नं० ३। पत्र सं० १६५। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७१३ फाल्गुन सुदी ९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण–शीर्ण। वेष्टन नं० १९०३।

९२५ प्रति नं० ४। पत्र सं० १५१। साइज–९×६ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८७०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९०८।

९२६ प्रति नं० ५। पत्र सं० २५३। साइज–८½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८०५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९०९।

९२७ प्रति नं० ६। पत्र सं० २१४। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७७२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९१३।

९२८ प्रति नं० ७। पत्र सं० २०१। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९१४।

विशेष—प्रति प्राचीन है।

९२९ प्रति नं० ८। पत्र सं० १९२। साइज-१०×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १९१५।

९३० प्रति नं० ९। पत्र सं० ९०। साइज–१२×६ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८०८। अपूर्ण–प्रारम्भ के पत्र नहीं है। अशुद्ध। दशा–सामान्य। लिपि–विकृत। वेष्टन नं० १९०६।

९३१ प्रति नं० १०। पत्र स० १४२। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। लिपि-विकृत। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १९०७।

९३२ प्रति नं० ११। पत्र सं० २०२। साइज–१२×५½ इञ्च। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७२४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९०४।

९३३ प्रति नं० १२। पत्र सं० २३२। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७०६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १९०५।

९३४ प्रति नं० १३। पत्र सं० १७५। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–दो प्रतियों का मिश्रण है। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १९०२।

९३५ समाधितन्त्रभाषा……..। पत्र सं० ११। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–योग।

रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१७ ।

६३६ **समाधितन्त्र भाषा**……… । पत्र सं० ४४ । साइज–६×४ इन्च । रचनाकाल–सं० १७७७ । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रथम ६ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१८ ।

विशेष—इसके पूर्व नेमीचंद भंडारी कृत उपदेश–सिद्धान्तरत्नमाल आदि हैं ।

६३७ **समाधितन्त्र भाषा**……… । पत्र सं० १५१–३०२ । साइज–१०½×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी मिश्रित गुजराती । विषय–योग । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । वेष्टन नं० १६१० ।

६३८ **समाधिमरणभाषा**……… । पत्र सं० २१ । साइज–१०½×५ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–योग । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६२० ।

विशेष—श्री मगनलाल लुहाडिया जयपुर लिपिकर्त्ता हैं ।

६३६ **समाधिमरणस्वरूप**……… । पत्र सं० १२ । साइज–१०×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–योग । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१६ ।

६४० **समाधिमरण स्वरूप**……… । पत्र सं० ११ । साइज–१२×६ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–योग । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६२१ ।

६४१ **समाधिमरण स्वरूप**……… । पत्र सं० १५ । साइज–१२×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–योग । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवंशुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६२२ ।

६४२ **समाधिशतक–पूज्यपाद** । पत्र सं० ५ । साइज–११×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–योग । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६२४ ।

६४३ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १० । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६२७ ।

६४४ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २२ । साइज–८×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६२८ ।

विशेष—प्रति हिन्दी अर्थ सहित है । बसवा (जयपुर) में गोरधनदास ने प्रतिलिपि की थी ।

६४५ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० १० । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६०१ ।

६४६ **प्रति नं० ५** । पत्र सं० ७ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५६२ श्रावण बुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६२५ ।

विशेष—मुनि प्रभाचन्द्र के पठनार्थ लिखा गया था ।

६४७ **प्रति नं० ६** । पत्र सं० ३६ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६२६ ।

विशेष—प्रभाचन्द्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

६४८ समाधिशतक भाषा-ब्रह्मचारी शीतलप्रसादजी । पत्र सं० १६८ । साइज-१२×७½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-योग । रचनाकाल-सं० १९७७ । लेखनकाल-सं० १९८० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १६

विषय—पुराण ।

ग्रन्थ संख्या—११७

६४९ अष्टादशपुराण कथन ....। पत्र सं० २७ । साइज-८×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८ ।

विशेष—अठारह पुराणों का संक्षिप्त कथन है ।

६५० आदिपुराण-महाकवि पुष्पदंत । पत्र सं० १४३ । साइज-१३×५ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १५३७ फाल्गुन सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८५ ।

विशेष – संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १५३७ फागुण सुदी ६ रविवारे उत्तरा नक्षत्रे...सुरत्राण गयासुद्दीनराज्यप्रवर्त्तमाने टोडागढदुर्गे पार्श्वनाथ चैत्यालये काष्ठासंघे......अग्रोतकान्वये गोइलगोत्रे मिलिक यशोधर......शाह छाजू इद शास्त्रं लिखापितं । अर्जिका शांतिश्री योग्य दत्तं ।

६५१ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५२ । साइज-११¾×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५२६ असाढ बुदी १३ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण-शीर्ण । वेष्टन नं० ८६ ।

विशेष—लेखन प्रशस्ति अपूर्ण है । उसका संक्षिप्त भाग इस प्रकार है—

संवत् १५२६ वर्षे असाढ बुदी १३ गुरौ दिने......भट्टारक श्री सिंहकीर्त्ति देवान् तस्याम्नाये गोलापूर्वान्वये इक्ष्वाकु-वंशसमायुक्त मूलसंघोसमुद्भवः जिनधर्म्मसदाचारसुद्भूतो उत्तमं कुलं .....।

६५२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७७ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६४८ माघ शुक्ला १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८७ ।

विशेष—खंडेलवालजाति में उत्पन्न साह थिरपाल के पठनार्थ ग्रन्थ लिखा गया । लेखक-श्वेताम्बर अमरसिंह । सं० १६५१ में थिरपाल ने इस ग्रन्थ को मुनि नेमचंद्र को भेंट किया था ।

६५३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २९५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६५३ ज्येष्ठ शुक्ला ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है। संग्रामपुर में महाराजा मानसिंह के शासनकाल में अग्रवाल जाति में उत्पन्न साह श्री लूणा ने इस ग्रन्थ को लिखवाया था।

९५४ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३४४। साइज–११½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १५९७ फागुण सुदी १३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८९।

विशेष—प्रति सचित्र है। चित्र सं० ३०० से अधिक हैं। चित्र अच्छे हैं। चित्रों में मुगलकालीन कला न होकर भारतीय कला के दर्शन होते हैं। चित्रों के पास संस्कृत में संक्षिप्त परिचय दिया हुआ है। चौधरी राइमल्ल ने सचित्र प्रतिलिपि करवायी थी। तथा हरिनाथ कायस्थ ने प्रतिलिपि की थी।

९५५ प्रति नं० ६। पत्र सं० २०८। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६०९ माघ बुदी ३ सोमवार। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९०।

विशेष—बादशाह जहांगीर के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी।

९५६ प्रति नं० ७। पत्र स० ३८२। साइज–९½×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १४७७ वैशाख बुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य जीर्ण। वेंष्टन नं० ९१।

विशेष—लेखक प्रशस्ति महत्त्वपूर्ण है। श्री नरेन्द्रकीर्त्ति ने प्रतिलिपि की थी। संवत् १५६५ में संगही माधो ने पुस्तक छुडाकर पं० छीतर को पठनार्थ दी थी।

एक नवीन पत्र पर सं० १६५२ चैत्र बुदी ३ की भी लेखक प्रशस्ति लिखी गई है लेकिन वह अपूर्ण है।

९५७ प्रति नं० ८। पत्र सं० १७१। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९२।

विशेष—संस्कृत में संकेत दिये हुये हैं।

९५८ **आदिपुराण टीका**–प्रभाचन्द। पत्र सं० ८४। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५६९ माघ सुदी १२। पूर्ण एव शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९३।

विशेष—ग्रन्थ का एक भाग फटा हुआ है।

९५९ **आदिपुराण**–जिनसेनाचार्य। पत्र सं० ४६६। साइज–१२×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९५।

विशेष—अन्तिम ४५ पत्र फिर लिखाये गये हैं। अन्तिम ५ अध्याय आ० जिनसेन के शिष्य आ० गुणभद्र के रचे हुये हैं।

९६० प्रति नं० २। पत्र सं० ७६३। साइज–१३×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६६३ चैत्र सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९४।

विशेष—प्रति सचित्र है। २०० से अधिक चित्र हैं।

महाराजा मानसिंह के शासनकाल में भट्टारक श्री देवेन्द्रकीर्त्ति तत्भ्राता आचार्य खेमचन्द के आम्नाय में खण्डेल–

वालान्वय दोसी गोत्रवाले साह श्री लोहट के वंश में–श्री कैसो ने इस पुराण की प्रतिलिपि करवाकर आ० खेमचन्द्र को प्रदान की थी । प्रशस्ति में नानू संघी का भी उल्लेख आया है । तथा उसके नाम के पूर्व जिनपूजापुरंदरान् संघभारधुरंधरान् यात्रा प्रतिष्ठाकरणकरावणसमर्थान् दानदानेश्वरश्रेयासांवतारान् राजसभाशृंगारहारान् ” आदि विशेषण दिये हुये हैं ।

६६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४७५ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७८६ भादवा सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९६ ।

विशेष—चार प्रकार की लिपियां हैं । श्री घासीराम ने सांभर में प्रतिलिपि की थी ।

६६२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६७९ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६४२ कार्तिक बुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९७ ।

विशेष—आमेर में महाराजा भगवंतदास के राज्य में रेखा अजमेरा की स्त्री राइवदे ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

६६३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३०९ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–२८२–३०९ हैं । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९८ ।

६६४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३२७ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३७७ ।

६६५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २६–५३३ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३७८ ।

६६६ आदिपुराण–भट्टारक सकलकीर्त्ति । पत्र सं० १८४ । साइज–१३×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७०५ वैशाख सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९९ ।

विशेष—सांगानेर में गूजरमल पोहोकरण व्यास ने प्रतिलिपि की थी ।

६६७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५१ ।। साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०० ।

६६८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४२ । साइज–१२½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०१ ।

६६९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २३६ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–त्रुटित पत्र हैं । जीर्ण । वेष्टन नं० १०२ ।

६७० आदिपुराण भाषा–पं० दौलतरामजी । पत्र सं० ७३४ । साइज–१०½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–पुराण । रचनाकाल–सं० १८२४ । लेखनकाल–सं० १८५४ मंगसिर सुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०४ ।

विशेष— कामवननगर में सीनूराम छाबडा ने प्रतिलिपि करवायी थी तथा मोतीराम सेठी ने प्रतिलिपि की थी । प्रारम्भ के ३२ पृष्ठ दूसरी प्रति में से निकाल कर जोडे गये हैं ।

९७१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५५४ । साइज–१५×८ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के १०० पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०३ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है । प्रथम प्रति में ४० वां सर्ग अधिक है ।

९७२ प्रतिनं० ३ । पत्र सं० ३८२ । साइज–१०½×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०५ ।

९७३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २०० । साइज–१२×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६ ।

९७४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४२६ । साइज–१४×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०७ ।

९७५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३६६–४६७ । साइज–१३×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०८ ।

९७६ आदिपुराण भाषा........। पत्र सं० २३ । साइज–११×६¾ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०९ ।

९७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १९ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०९ ।

९७८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३१ से ६३ तक । साइज–११×६½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०९ ।

९७९ आदिपुराण भाषा........। पत्र सं० ४४–२९६ । साइज–११¾×४½ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७९८ । अपूर्ण–प्रारम्भ के ४३ पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११० ।

विशेष—२४ सर्ग तक ही है ।

९८० आदिपुराण भाषा (पद्य)–अजयराज । पत्र सं० २२५ । साइज–९×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पुराण । रचनाकाल–सं० १७९७ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १११ ।

९८१ आदिपुराण की सक्षिप्त कथा........। पत्र सं० २७ । साइज–११×७¾ इञ्च । भाषा–हिन्दी–गद्य । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११२ ।

९८२ उत्तरपुराण–महाकवि पुष्पदंत । पत्र सं० ४९३ । साइज–१०¾×५ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६४१ चैत्र बुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५७ ।

विशेष—संक्षिप्त प्रशस्ति इस प्रकार है—

संवत् १६४१ वर्षे चैत्र बुदी एकादशी ११ भौमवासरे श्रीमत्काष्ठासंघे माथुरगच्छे पुष्करगणे लोहाचार्यान्वये

मट्टारक श्री मलयकीर्त्ति देवा……भट्टारक श्री कुमारसेणि तदाम्नाये अग्रोतकान्वये वांसिलगोत्रे साह चांदा तद् भार्या साध्वी जिणदासही……साधु श्री तिलोकचंद इदं उत्तरपुराणशास्त्रं लिखापितं कर्मक्षयनिमित्तं ।

६८३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६–६३ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५८ ।

६८४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४२३ । साइज–१२½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६१५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३७६ ।

विशेष—बाई हठो के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

६८५ उत्तरपुराण टिप्पण–आचार्य प्रभाचन्द्र । पत्र सं० ५३ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १५६ ।

विशेष—महाकवि पुष्पदंत इसके मूलकर्त्ता हैं ।

६८६ उत्तरपुराण–गुणभद्राचार्य । पत्र सं० १२८ । साइज–११×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६० ।

६८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २०७ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६१० पौष बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६१ ।

विशेष—केवल निम्न प्रशस्ति ही है—

संवत् १६१० वर्षे पौषमासे कृष्णपक्षे अष्टम्यां तिथौ शुक्रवासरे देवरोदग्रामे शुभस्थाने लिखितं ।

६८८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३५४ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–पत्र नहीं है । अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६२ ।

६८९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३६३ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६३ ।

६९० प्रति नं० ५ । पत्र सं० १७१ । साइज–६½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७४६ कार्त्तिक बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४ ।

विशेष—श्री लालवर्द्धनगणि ने प्रतिलिपि की थी ।

६९१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १७२ । साइज–१३×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५ ।

६९२ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २२१ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५६७ वैशाख सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६ ।

विशेष—७६ सर्ग तक है । प्रति अल्लावलपुर में अल्लावलखां के शासनकाल में धाना ने पुराण की प्रतिलिपि करवाई थी । संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १५६७ वर्षे वैशाख सुदी १० गुरूदिने अल्लावलपुरशुभस्थाने अल्लावलखानराज्यप्रवर्त्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्वये पुष्करगणे भट्टारकगुणकीर्त्तिदेवा……श्री गुणभद्रदेवाः तदाम्नाये अग्रोतकान्वये मीतनगोत्रे……साधु पद्मसिंहनामधेयान् ……एतेषां मध्ये यस्तुधा नामधेयस्तेनेदं पुराणं लिखापितं दत्तं श्री ब्रह्म सारू तस्य पठनार्थं।

९९३ प्रति नं० ८। पत्र सं० २४९। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६७।

९९४ प्रति नं० ९। पत्र सं० २८३। साइज–१३×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७६२ भादवा बुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६८।

९९५ प्रति नं० १०। पत्र सं० ३७३। साइज–१३×५¾ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६९।

९९६ प्रति नं० ११। पत्र सं० २८७। साइज–११¾×५¾ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७०।

विशेष—प्रति शुद्ध की हुई है।

९९७ उत्तरपुराण टिप्पण……। पत्र सं० ११५। साइज–१०¾×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५६९ कार्त्तिक सुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७१।

विशेष—आ० गुणभद्र कृत उत्तरपुराण का टिप्पण है। प्रतिलिपि खण्डेलवाल वंश में उत्पन्न नेमा ने करवाई थी। संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है।

संवत् १५६९ कार्त्तिक सुदी २ सोमवारे श्री मूलसंघे नद्याम्नाये श्री कुंदकुंदाचार्यान्वये बलात्कारगणे सरस्वतीगच्छे भट्टारक श्री पद्मनंदिदेवा तत्पट्टे भं० शुभचन्द्रदेवा……तदाम्नाप्रतिपालक मुनि विशालकीर्त्ति श्री खण्डेलवालवंशे पापल्यागोत्रे सं० भोजा भार्या मेहू……एतन्मध्ये सं० नेमाख्येन ज्ञानावरणाद्यष्टविधकर्म्मक्षयार्थं पंजिकाख्यं शास्त्रमिदं दत्तं। लिखितं तिवारी हूलू तस्य पुत्र पं० रतनू।

९९८ उत्तरपुराण–भ० सकलकीर्त्ति। पत्र सं० २३४। साइज–१२×५¾ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७९९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७२।

विशेष—पं० सुखराम ने देहली में प्रतिलिपि की थी।

९९९ उत्तरपुराण भाषा–पंडित खुशालचन्द। पत्र सं० २९२। साइज–१३×७½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पुराण। रचनाकाल–सं० १७९९। लेखनकाल–सं० १८९९। अपूर्ण–प्रारम्भ के ३६ पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७५।

१००० प्रति नं० २। पत्र सं० २९१। साइज–१२×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–स्फुट पत्रों का संग्रह है। अशुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७४।

१००१ प्रति नं० ३। पत्र सं० २३५। साइज–१४×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं

है। सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७३ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

१००२ **नेमिनाथपुराण**–ब्रह्म नेमिदत्त । पत्र सं० ४७६ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत। विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७८३ वैशाख सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१७।

विशेष—हिन्दी टब्बा टीका सहित है । उदयपुर नगर में ब्रह्मराम के शिष्य ब्रह्म हीरा के पठनार्थ पुराण की लिपि हुई थी । उस समय वहाँ महाराज संग्रामसिंहजी राज्य करते थे । ऋषि भागचन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

१००३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८१ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–स० १७५३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१८ ।

विशेष—दिवसा (दौसा) नगर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१००४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६८ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६४२ आसोज सुदी १० पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६१६ ।

विशेष—कुली (जयपुर) ग्राम में समस्त श्रावकों ने प्रतिलिपि करवाकर मण्डलाचार्य नेमिचन्द्र को भेंट दिया था।

१००५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६१ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६४८ भादवा सुदी ८। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२० ।

१००६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १२३ । साइज–११×७½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८७१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२१ ।

विशेष—प्रतिलिपि जयपुर में हुई थी ।

१००७ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ३६० । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७५१ भादवा बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२२ ।

विशेष—हिन्दी टब्बा टीका सहित है । उदयपुर में प्रतिलिपि की गयी थी । ब्रह्मराम के पठनार्थ टीका की गयी थी ।

१००८ **नेमिनाथ पुराण**–भागचंद । पत्र सं० १३३ । साइज–१२½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी–गद्य । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १६०७ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२३ ।

विशेष—प्रशस्ति दी हुई है । लेखक ने ६३ दिन में ही ग्रन्थ रचना समाप्त की थी ऐसा उल्लेख है ।

१००९ **पद्मपुराण**–रविषेणाचार्य । पत्र सं० ८३६ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२२ वैशाख सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६७४ ।

विशेष—अजमेर में खुशालचन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

१०१० **पद्मपुराण**–भट्टारक श्री सोमसेन । पत्र सं० १४७ । साइज–६½×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७१६ आसोज सुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६७

विशेष—पानीपत में प्रतिलिपि हुई थी।

१०११ प्रति नं० २। पत्र सं० १६७–२२६। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७४५ श्रावण सुदी ५। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६७७।

विशेष—नेवटा (जयपुर) में लक्ष्मीसेन ने प्रतिलिपि की थी।

१०१२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३६६। साइज–१०½×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८८१ श्रावण सुदी ६। अपूर्ण। प्रारम्भ के ३१ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। जीर्ण। वेष्टन नं० ६७५।

विशेष—प्रारम्भ के ३२–११७ तक के पत्र किसी दूसरी प्राचीन प्रति के हैं।

१०१३ पद्मपुराण भाषा–खुशालचंद। पत्र सं० २३५। साइज–११½×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-पुराण। रचनाकाल–सं० १७८३। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य वेष्टन नं० ६७८।

१०१४ प्रति नं० २। पत्र सं० ३२४। साइज–१२×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६७६।

१०१५ प्रति नं० ३। पत्र सं० २२४। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८१५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८२।

विशेष—जिहांनाबाद में मायाचन्द्र ने पद्मपुराण की प्रतिलिपि की थी।

१०१६ पद्मपुराण भाषा–पंडित दौलतरामजी। पत्र सं० ४१५। साइज–१४×७ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-पुराण। रचनाकाल–सं० १८२३। लेखनकाल–सं० १८३२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८०

विशेष—जयपुर में श्वेताम्बर जैन श्री जयरामदास गोविन्दराम ने प्रतिलिपि की थी।

१०१७ प्रति नं० २। पत्र सं० ५२६। साइज–१५×६½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८५६। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५२ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८१।

१०१८ प्रति नं० ३। पत्र सं० ६५२। साइज–१०½×७ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण ५१६–६०२ तक तथा अन्तिम पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८३।

१०१६ प्रति नं० ४। पत्र सं० ६८। साइज–१२×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–तीन प्रतियों का सम्मिश्रण है। आगे के पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८४।

१०२० प्रति नं० ५। पत्र सं० ६६७। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८३०। अपूर्ण–प्रारम्भ के ४०१ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ६८५।

विशेष—जयपुर नगर में नंदराम नवलराम छाबड़ा ने प्रतिलिपि की थी।

१०२१ प्रति नं० ६। पत्र सं० ५४५। साइज–१२½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६८६।

१०२२ प्रति नं० ७। पत्र सं० २६०–३७० । साइज–१३½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६८६ ।

१०२३ पद्मपुराण–भगवानदास । पत्र सं० ८१ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पुराण। रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७५५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६८७ ।

१०२४ पाण्डवपुराण–भट्टारक शुभचन्द्र । पत्र सं० १४८ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पुराण । रचनाकाल–सं० १६०८ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६२ ।

१०२५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६७४ वैशाख सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६३ ।

विशेष—जहांगीर के शासनकाल में साह पीथा काला ने मुनि श्री भूषण को प्रदान की थी ।

१०२६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७५ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६६० ज्येष्ठ सुदी ३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६५ ।

विशेष—मेलसा नगर में बाई दानां आदि ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१०२७ पाण्डवपुराण–बुलाकीदास । पत्र सं० ३०७ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पुराण । रचनाकाल–सं० १७५४ । लेखनकाल–सं० १६०५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १०६६ ।

१०२८ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५० । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–आरम्भ के १४८ तथा २५१ से आगे के पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६७ ।

१०२९ पासणाहपुराण–पं० रइधू । पत्र सं० ६८ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६५५ मंगसिर बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११००।

विशेष—लेखक प्रशस्ति अपूर्ण है ।

१०३० भागवत महापुराण........। पत्र सं० १५० । साइज–१४×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२८८ ।

विशेष—११ वां स्कध है ।

१०३१ भविष्योत्तर पुराण........। पत्र सं० २–१५ । साइज–८×३½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३६४ ।

१०३२ महाभारत........। पत्र सं० ११ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पुराण। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूण–शांति पर्व है । वेष्टन नं० १३८० ।

१०३३ वर्द्धमानपुराण सूचनिका–पं० बुधजन । पत्र सं० १० । साइज–१०×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी। विषय–पुराण । रचनाकाल–सं० १८६५ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१५ ।

१०३४ विमलनाथपुराण भाषा........। पत्र सं० १३१ । साइज–१४×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी–गद्य।

विषय-पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १६६०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १६३१।

१०३५ विमलनाथपुराण-रत्नचन्द्र। पत्र सं० ५१। साइज-१०×४½ इन्च। भाषा-हिन्दी। विषय-पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० १६३२।

१०३६ वर्द्धमानपुराण भाषा……… । पत्र सं० १६४। साइज-११½×५ इन्च। भाषा-हिन्दी। विषय-पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८८४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १६७८।

विशेष—भट्टारक सकलकीर्त्ति इसके मूलकर्त्ता है।

१०३७ शांतिपुराण-महाकवि असग। पत्र सं० ६४। साइज-१२½×६ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १७००।

विशेष—अन्तिम पत्र फिर से लिखा गया है।

१०३८ शालिग्रामपरीक्षा……… । पत्र सं० १। साइज-१०½×५ इन्च। विषय-पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १७०६।

विशेष—वामनपुराण में से लिया गया है।

१०३९ हरिवंशपुराण-जिनसेनाचार्य। पत्र सं० २२२। साइज़-११×४½ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण-प्रारम्भ के ११० तथा २२२ से आगे पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२२५।

१०४० प्रति नं० २। पत्र सं० १५८। साइज-११×४½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२२५।

१०४१ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३४२। साइज-११×४ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। प्रति प्राचीन है। वेष्टन नं० २२२६।

१०४२ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४७१। साइज-११½×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७६७ माघ शुक्ला ११ पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२२७।

१०४३ प्रति नं० ५। पत्र सं० १४०। साइज-१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२२८।

१०४४ प्रति नं० ६। पत्र सं० २८७। साइज-१४×७ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २२२९।

१०४५ हरिवंशपुराण-महाकवि धवल। पत्र सं० ४७५। साइज-१२×५½ इन्च। भाषा-अपभ्रंश। विषय-पुराण। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १५७९ कार्त्तिक सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२३०।

विशेष—मुनि माघनन्दि के लिये प्रतिलिपि की गयी थी।

१०४६ हरिवंशपुराण-मुनि यशःकीर्त्ति। पत्र सं० १७४। साइज-११×४½ इञ्च। भाषा-अपभ्रंश विषय-

पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३१ ।

विशेष—अन्तिम पत्र फिर से लिखा हुआ है ।

१०४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १११ । साइज-११$\frac{३}{४}$×५$\frac{१}{२}$ इन्च । लेखनकाल-सं० १६१८ वैशाख सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३२ ।

विशेष—सम्राट् अकबर के शासनकाल में अलवर में प्रतिलिपि की गयीं थी ।

१०४८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४३ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५४० वैशाख बुदी अमावस्या। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२३३ ।

विशेष—हिसार नगर में बहलोल साह के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी । गंशल गोत्र वाले श्री रूपचन्द ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१०४९ **हरिवंशपुराण**—ब्रह्म जिनदास । पत्र सं० १४४ । साइज-१०×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६४३ पौष सुदी ३ शनिवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० २२३५ ।

१०५० प्रति नं० २ । पत्र सं० २१५ । साइज-१३×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १६१६ वैशाख सुदी ३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३६ ।

विशेष—रामसेनान्वये ब्रह्मचारी श्री खेमराजाख्येन स्वयं लिखितं ।

१०५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६७ । साइज-१२×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३४ ।

१०५२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १७६ । साइज-११×६ इञ्च। लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २२३७ ।

१०५३ **हरिवंशपुराण**—भट्टारक श्री भूषण । पत्र सं० ३१७ । साइज-१०×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १६७५ चैत्र शुक्ला १३ । लेखनकाल-सं० १७१८ ज्येष्ठ बुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२३८ (क)

विशेष—पंडित खेतसी ने प्रतिलिपि की थी ।

१०५४ **हरिवंशपुराण**—पं० दौलतरामजी । पत्र सं० ४४८ । साइज-१३$\frac{३}{४}$×६$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पुराण । रचनाकाल-सं० १८२९ । लेखनकाल-सं० १८६६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२३८ ।

१०५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७२ । साइज-१०$\frac{३}{४}$×७$\frac{३}{४}$ इन्च । लेखनकाल-सं० १८७५ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३०१ पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२४० ।

विशेष—सवाईराम गोधा ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१०५६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५०२ । साइज-१०$\frac{१}{२}$×७ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २२४१ ।

विशेष—जीर्णोद्धार हो रखा है । गुमानीराम के पुत्र भूराराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१०५७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ९२ । साइज–१२×८ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४२ ।

विशेष—गुमानीराम के पुत्र भूराराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१०५८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४९३–५१५ तक । साइज–१३×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८७१ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४२ ।

१०५९ हरिवंशपुराण भाषा–खुशालचंद काला । पत्र सं० २३४ । साइज–१२×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पुराण । रचनाकाल–सं० १७८० । लेखनकाल–सं० १८२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । लिपि–सुन्दर । वेष्टन नं० २२४३ ।

विशेष—करौली नगर में श्री फकीरदास पापडीवाल ने पुराण की प्रतिलिपि करवायी थी ।

१०६० प्रति नं० २ । पत्र सं० २५६ । साइज–१२×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८०६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४४ ।

विशेष—सूरतगढ में पुराण की प्रतिलिपि हुई थी ।

१०६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २११ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४५ ।

१०६२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १२१ । साइज–९½×६½ इन्च । लेखनकाल–सं० १८२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४६ ।

१०६३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २०१ । साइज–११½×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८२८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४७ ।

१०६४ हरिवंशपुराण–श्री जैन । पत्र सं० २४२ । साइज १०×५ इन्च । भाषा–गुजराती–मिश्रित–हिन्दी गद्य । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५७ फागुण सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४८ ।

विशेष—पं० हरि ने प्रतिलिपि की थी ।

१०६५ हरिवंशपुराण भाषा········। पत्र सं० ४९९ । साइज–११×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–३५२–४९९ तक के पत्र नहीं हैं । वेष्टन नं० २२३९ ।

विषय—चरित्र

ग्रन्थ संख्या—

१०६६ करकंडुचरित्र-भ० शुभचन्द्र। पत्र सं० १६०। साइज-१०×४½ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-चरित्र। रचनाकाल-सं० १६११। लेखनकाल-सं० १६६१ माह बुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२१।

विशेष—शिवपुरी में राव श्री शत्रुसाल के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी। बघेखालान्वय मोडागोत्र वाले श्री नानू ने इस शास्त्र को लिखवाकर भ० देवेन्द्रकीर्त्ति के शिष्य मुनि पद्मकीर्त्ति को प्रदान किया।

१०६६ प्रति नं० २। पत्र सं० ८६। साइज-१०½×४½ इन्च। लेखनकाल-सं० १६६३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २२२।

विशेष—आमेर में महाराजा मानसिंहजी के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी। संघी डालू ने इस शास्त्र को पल्य विधान उद्यापन के अवसर पर भ० श्री देवेन्द्रकीर्त्ति को भेट दिया था।

१०६८ गौतमस्वामीचरित्र-मंडलाचार्य धर्मचन्द्र। पत्र सं० ५०। साइज-१२×४ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १६०६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३४६।

१०६९ चैनसुख लुहाडिया का जीवन-मास्टर मोतीलालजी संघी। पत्र सं० ६। साइज-१२×८ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-जीवन चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ४२४।

१०७० जम्बूस्वामि चरित्र-ब्रह्म जिनदास। पत्र सं० ४५। साइज-१२×५½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ४६२।

१०७१ जिनदत्तचरित्र-गुणभद्राचार्य। पत्र सं० ७८। साइज-१२×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १७४९ ज्येष्ठ बुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ४६८।

विशेष—नंदावृती नगर में चंद्रप्रभ चैत्यालय में पं० भगवान अग्रवाल ने स्वयं लिखा।

१०७२ प्रति नं० २। पत्र सं० २-३५। साइज-१२×५ इञ्च। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ४६९।

१०७३ प्रति नं० ३। पत्र सं० २०-३०। साइज-१०½×५½ इन्च। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ४७०।

१०७४ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४३। साइज-१०×४ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ४७१।

१०७५ प्रति नं० ५। पत्र सं० ४४। साइज-९×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८१२ चैत्र बुदी ७।

पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७२ ।

१०७६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ४६ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७०५ भादवा सुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७३ ।

विशेष—दिवसान नगर में सुमतिनाथ चैत्यालय में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१०७७ **जीवंधरचरित्र**-भट्टारक शुभचन्द्र । पत्र सं० १४० । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४९८ ।

१०७८ **जीवंधर चरित्र**-नथमलविलाला । पत्र सं० १२४ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १८३५ । लेखनकाल-सं० १८७० । अपूर्ण-दो प्रतियों का सम्मिश्रण है-५१-१२४, १०१-१६१ पत्र हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४९९ ।

१०७९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १६३ । साइज-११½×५½ इञ्च । विषय-चरित्र । लेखनकाल-सं० १८६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०० ।

१०८० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६९ । साइज-१०½×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-६९ से आगे के पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०१ ।

१०८१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १६४ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८९२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५०२ (क) ।

विशेष—इसी मन्दिर में पं० रुपचंदजी चांदवाड़ ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की ।

१०८२ **जैतरामविलास**-जैतराम बापना । पत्र सं० ७९ । साइज-१२×६½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १९१९ । लेखनकाल-सं० १९७९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५०३ (क) ।

विशेष—मूलचंदजी डागा बीकानेर के आग्रह से ग्रन्थ रचना की गयी थी ।

१०८३ **णेमिणाह चरिउ**-महाकवि दामोदर । पत्र सं० ३-४४ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५७७ ।

विशेष—३२-४३ पत्र भी नहीं है ।

१०८४ **त्रिषष्टिस्मृतिशास्त्र**-महापंडित आशाधर । पत्र सं० २३ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल-सं० १२९१ । लेखनकाल-सं० १५५७ चैत्र बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८४ ।

विशेष—संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार हैं—

"खण्डेलवालान्वये कुवारतिया गोत्रे श्रीपथ वास्तव्ये सा० कवरू हेमू गजा एतै शास्त्रमिदं लेखयित्वा मुनि हेमचन्द्राय प्रदत्तं ।"

१०८५ **त्रिषष्ठिशलाकापुरुषचरित्र**-आ० हेमचन्द्र । पत्र सं० २१-१०५ । साइज-११×३½ इञ्च ।

भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६८३।

विशेष—फुटकर पत्र हैं ।

१०८६ **धन्यकुमारचरित्र**–आ० गुणभद्र । पत्र सं० ४३ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६५३ कार्त्तिक सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८

विशेष—खंडेलवालान्वय गंगवाल गोत्र वाले साह तेजा की स्त्री साध्वी तेजपाल ने मंडलाचार्य नेमिचन्द्र को प्रदान किया था ।

१०८७ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३७ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६६४ फागुण सुदी १३। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८२ ।

विशेष—मंडलाचार्य यशःकीर्त्ति के आम्नाय में सा० रूपसी भार्या साध्वी स्वरूपदे ने लिखवाया था ।

१०८८ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २० । साइज–१०×४½ इन्च । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८२ ।

१०८९ **धन्यकुमारचरित्र**–भट्टारक यशःकीर्त्ति । पत्र सं० १११ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६८० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८३ ।

विशेष—प्रतिलिपिकर्त्ता श्री करमसी हैं ।

१०९० **धन्यकुमारचरित्र**–भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं० ४६ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६३५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८४ ।

विशेष—प्रतिलिपि फागुई नगर में हुई थी ।

१०९१ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ४५ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८५ ।

१०९२ **धन्यकुमार चरित्र**–ब्रह्म नेमिदत्त । पत्र सं० २० । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८७ ।

१०९३ **प्रति नं० २** । पत्र सं० २० । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८६ ।

१०९४ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २३ । साइज–११½×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८८ ।

१०९५ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० २० । साइज–११×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८९ ।

१०९६ **धन्यकुमारचरित्र**–खुशालचंद । पत्र सं० ७९ । साइज–८×५½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८९२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७९० ।

विशेष—दयाचंद चांदवाड जयपुर ने वडे मन्दिर में प्रतिलिपि की थी। ग्रंथ के मूलकर्त्ता ब्रह्म नेमिदत्त हैं।

१०६७ प्रति नं० २। पत्र सं० ६६। साइज–८½×७½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६०५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७६१।

विशेष—लेखनस्थान–जयपुर है।

१०६८ प्रति नं० ३। पत्र सं० ८१। साइज–१०×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८४०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७६२।

विशेष—सवाई जयपुर में ग्रन्थ की प्रतिलिपि हुई थी।

१०६६ **धन्यकुमारचरित्र भाषा**………। पत्र सं० ४७। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७६३।

११०० प्रति नं० २। पत्र सं० ४०। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं हैं। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७६३।

११०१ **नागकुमारचरित्र**………। पत्र सं० ३३। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६६७ ज्येष्ठ बुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८६६।

विशेष—चंपावती में पं० डालू ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी।

११०२ प्रति नं० २। पत्र सं० २६। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ८७०।

११०३ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३५। साइज–७½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८७१।

११०४ प्रति नं० ४। पत्र सं० २६। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६६७ पौष सुदी २ रविवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८७२।

विशेष—आचार्य श्री अनन्तकीर्तिसूरि के शिष्य पंडित वस्तुपाल ने प्रतिलिपि की थी।

११०५ **नागकुमार चरित्र–पं० धर्मधर**। पत्र सं० ५४। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १५६८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८७३।

विशेष—प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १५६८ वर्षे चैत्र मासे कृष्ण पक्षे षष्ठी दिवसे बुधवारे राव श्री मालदे राज्यप्रवर्तमाने क्वर श्री महेशप्रतापे नराणा नाम नगरे चन्द्रप्रभजिन चैत्यालये श्री मं० धर्मचन्द्राम्नाये खण्डेलवालान्वये…………।

११०६ प्रति नं० २। पत्र सं० ६१। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १५९६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ८७४।

विशेष—श्री कमलकीर्ति ने रामसर स्थान पर प्रतिलिपि करवायी थी।

११०७ नागकुमार चरित्र भाषा–नथमल विलाला। पत्र सं० ६२। साइज–११×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। विषय–चरित्र। रचनाकाल–सं० १८१०। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८७५।

११०८ प्रति नं० २। पत्र सं० ६२। साइज–१२$\frac{३}{४}$×७$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ८७६।

११०९ नागकुमार चरित्र भाषा………। पत्र सं० २८। साइज–१२$\frac{३}{४}$×८ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९६४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ८७७।

१११० नेमिनाथरास–आचार्य जिनसेन। पत्र सं० ११। साइज–१०$\frac{३}{४}$×४$\frac{१}{२}$ इन्च। भाषा–गुजराती मिश्रित हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल–सं० १५५८। लेखनकाल–सं० १६१३ पोष सुदी पूर्णिमा। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ९२४।

११११ पार्श्वनाथ चरित्र–पं० श्री पद्मसुन्दर। पत्र सं० ४०। साइज–१०$\frac{३}{४}$×४$\frac{१}{२}$ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६१५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०७३।

विशेष—बादशाह अकबर के शासनकाल में मंडलाचार्य कुमारसेनदेव के आम्नाय में अग्रवाल वंशोत्पन्न गोयलगोत्र स्वदेशपरदेशविख्यात मानुचौधरी के…………ने प्रतिलिपि करवाई।

१११२ पार्श्वनाथचरित्र–भ० सकलकीर्त्ति। पत्र सं० १२५। साइज–११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रारम्भ के ८९ पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०७४

१११३ प्रति नं० २। पत्र सं० ५०। साइज–१३×५$\frac{१}{२}$ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १०७५।

१११४ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५१–७७। साइज–१३×५$\frac{३}{४}$ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १०७६।

१११५ प्रति नं० ४। पत्र सं० ११७। साइज–१२×४$\frac{३}{४}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १०७७।

१११६ प्रति नं० ५। पत्र सं० ८९। साइज–११×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १०७८।

१११७ पार्श्वनाथ चरित्र–पं० असवाल। पत्र सं० १०६। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८९६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १०७९।

१११८ प्रद्युम्नचरित्र–महाकवि सिंह। पत्र सं० १४४। साइज–१०×४$\frac{३}{४}$ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६४६ आश्विन बुदी ६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११४८

विशेष—मोजमाबाद में आदीश्वर चैत्यालय में जोशी ऊदा ने प्रतिलिपि की थी।

१११९ प्रति नं० २। पत्र सं० १४०। साइज–१२×५$\frac{१}{२}$ इन्च। लेखनकाल–सं० १६०४ आषाढ बुदी १३

पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११४६।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है। संक्षिप्त निम्न प्रकार है—

रतिवासा वास्तव्य दौलतिखानराज्य में खण्डेलवालान्वय छाबडा गोत्र वाले संघही रणमल के प्रथमपुत्र साह ताल्हू तथा उसकी भार्या तिहुणश्री ने इस शास्त्र को मुनि श्री जयकीर्त्ति को प्रदान किया था।

११२० प्रति नं० ३। पत्र सं० ३४–१०१। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६४५ पौष सुदी १२। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा– सामान्य। वेष्टन नं० ११५०।

११२१ प्रद्युम्नचरित्र–आचार्य सोमकीर्त्ति। पत्र सं० १७२। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७४६ माघ सुदी पूर्णिमा। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५१।

विशेष—बगरू (जयपुर) में सबलसिंह के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी।

११२२ प्रति नं० २। पत्र सं० १७४–२५६। साइज–१२×४½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५२।

११२३ प्रति नं० ३। पत्र सं० १०६-१३३। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। लेखनकाल-सं० १८८८ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५३।

विशेष—जयपुर में केसरीसिंह कासलीवाल ने प्रतिलिपि करवायी थी।

११२४ प्रति नं० ४। पत्र सं० १४०। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५४।

११२५ प्रद्युम्नचरित्र········। पत्र सं० १७३। साइज–१३×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५५।

११२६ प्रद्युम्नचरित्र–भट्टारक सकलकीर्त्ति। पत्र सं० ३८६। साइज–११½×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण। ३०० से पूर्व तथा आगे के पत्र नहीं है। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५६।

११२७ प्रद्युम्नचरित्र भाषा–ज्वालाप्रसाद बखतावरसिंह। पत्र सं० २४४। साइज–१२½×८ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–चरित्र। रचनाकाल–सं० १६१४। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५७।

विशेष—विस्तृत प्रशस्ति दी हुई है।

११२८ प्रद्युम्नचरित्र भाषा········। पत्र सं० १७४। साइज–११×८ इञ्च। भाषा–हिंदी गद्य। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–केवल १०१ से १७४ तक के पत्र हैं। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५८।

११२९ प्रद्युम्नप्रबन्ध–देवेन्द्रकीर्ति। पत्र सं० ५४। साइज–९×४½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल–सं० १७२२। लेखनकाल–सं० १८४०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११५९।

विशेष—"महेश्वर मांहि रचना रची चंद्रनाथ गृहद्वार रे।" गिरिपुर में नंदलाल ने प्रतिलिपि की थी।

११३० प्रीतिंकरचरित्र–ब्रह्मनेमिदत्त। पत्र सं० १७। साइज–१०×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १२३६।

११३१ प्रति नं० २। पत्र सं० ७२। साइज–९×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं जीर्ण। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२३७।

११३२ भद्रबाहुचरित्र–आचार्य रत्ननंदि। पत्र सं० २३। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६२७ ज्येष्ठ बुदी १४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३०६

विशेष—सांगानेर में राजा भारमल के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी।

११३३ प्रति नं० २। पत्र सं० २३। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३०७।

११३४ प्रति नं० ३। पत्र सं० २६। साइज–१०½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६२६ वैशाख सुदी ५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३०८।

११३५ प्रति नं० ४। पत्र सं० २१। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३०९।

११३६ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६७। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९३४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३११।

११३७ प्रति नं० ६। पत्र सं० ३३। साइज–१२×८½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १३१३।

विशेष—रूपचंद बिलाला कृत हिन्दी टीका सहित है।

११३८ प्रति नं० ७। पत्र सं० २५। साइज–११½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६४५ पौष सुदी ९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३१४।

विशेष—साह सहसा भार्या साहिबदे ने इस शास्त्र की प्रतिलिपि करवाकर श्री विनयसागर को प्रदान किया था।

११३९ भद्रबाहु चरित्र.........। पत्र सं० ३५। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३१२।

११४० भद्रबाहु चरित्र.........। पत्र सं० ५६। साइज–१२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३१०।

विशेष—लेखक का नंदिमित्र की कथा वर्णन का प्रमुख लक्ष्य है।

११४१ **भविष्यदत्त चरित्र**–धनपाल । पत्र सं० ११९ । साइज–११×९ इन्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२४ ।

११४२ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १२८ । साइज–११$\frac{३}{४}$×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६५४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३२५ ।

११४३ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ६१–११५ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३२६ ।

११४४ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० १५२ । साइज–११×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १४६४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२७ ।

विशेष—गोपाचल नगर में श्री गेंगरेंद्र के शासनकाल में वारहसेणी जाति में उत्पन्न श्रावक ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

११४५ **भविष्यदत्तचरित्र**–पं० श्रीधर । पत्र सं० १,६८–८८ । साइज–१०$\frac{३}{४}$×४$\frac{१}{२}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२९ ।

११४६ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ५–५० । साइज–१०×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६४१ । अपूर्ण । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३३० ।

११४७ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ८० । साइज–१०×४ इन्च । लेखनकाल–सं० १७२९ माघ शुक्ला पूर्णिमा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२८ ।

११४८ **महीपालचरित्र**–चारित्र भूषण मुनि । पत्र सं० ३५ । साइज–१०$\frac{३}{४}$×४$\frac{१}{२}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९१२ माह सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८२ ।

११४९ **महीपाल चरित्र भाषा**……… । पत्र सं० ३५ । साइज–११$\frac{१}{२}$×४$\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८३ ।

११५० **महीपालचरित्र**–नथमल । पत्र सं० ६१ । साइज–११$\frac{३}{४}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १९१८ । लेखनकाल–सं० १९२८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८४ ।

११५१ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ५८ । साइज–११×८ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९३५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १३८५ ।

११५२ **मेघेश्वरचरित्र**–पं० रइधू । पत्र सं० १३८ । साइज–११$\frac{३}{४}$×५$\frac{३}{४}$ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–चरित्र । रचनाकाल × लेखनकाल–सं० १६१० चैत्र सुदी २ वृहस्पतिवार । अपूर्ण–प्रथम दो पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४२० ।

विशेष—अलवर नगर में बादशाह सलीम (जहांगीर) के शासनकाल में प्रतिलिपि की गयी थी ।

११५३ **यशोधर चरित्र**–भ० सकलकीर्ति । पत्र सं० ४५ । साइज–११×५$\frac{१}{२}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६६० पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १४४० ।

विशेष—मोजमाबाद में महाराजा मानसिंह के शासनकाल में श्री किसना पाटनी ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी।

११५४ प्रति नं० ७। पत्र सं० ३८। साइज—१२½×४½ इञ्च। लेखनकाल—सं० १७२६ भादवा बुदी २। पूर्ण एवं सामान्यशुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४१।

११५५ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५—३४। साइज—११¾×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४२।

११५६ यशोधर चरित्र—सोमकीर्ति। पत्र सं० ३५। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल—सं० १५३६। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४३।

११५७ प्रति नं० २। पत्र सं० ५५। साइज—१५×७ इञ्च। लेखनकाल—स० १७७८ चैत्र बुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १४४४।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका हिन्दी गद्य में है। प्रति के अन्त में निम्न शब्द लिखे हुये हैं—

पत्र का रुपया ३।।) दीया सूरत मध्ये पत्र ५५ का दिया। लिखावणी का रुपया ५।।) दिया। लिखायो श्री उदयपुर मध्ये भट्ट रत्नजी हरजी मल्लेन लिखापितं इदं पुस्तकं।

११५८ यशोधरचरित्र—भ० सकलकीर्ति। पत्र सं० ४८। साइज—११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल—सं० १६५६ माघ शुक्ला ५। लेखनकाल—सं० १६६१ मंगसिर सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४५।

विशेष—मोजमाबाद वास्तव्य सं० केसौ ने लिखवाया।

११५९ यशोधरचरित्र……। पत्र सं० १३। साइज—१०¾×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८०१ द्वि० अषाढ बुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४६।

विशेष—संक्षिप्त रूप से कथा है।

११६० प्रति नं० २। पत्र सं० १६। साइज—११×४¾ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४७।

११६१ यशोधरचरित्र……। पत्र सं० ६२। साइज—६¾×४¾ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४८।

११६२ यशोधरचरित्र—श्री श्रुतसागर। पत्र सं० ५६। साइज—११¾×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४४९।

११६३ यशोधरचरित्र……। पत्र सं० २१। साइज—११×४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। लेखनकाल—स० १७१५ कार्त्तिक बुदी ३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १४५०।

११६४ यशोधरचरित्र—वादिराज सूरि। पत्र सं० २२। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १४५१।

११६५ यशोधर चरित्र–कायस्थ श्री पद्मनाभ। पत्र सं० ८९। साइज–१०×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७०९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० १४५२।

विशेष—लेखक प्रशस्ति का संक्षिप्त भाग निम्न प्रकार है—

संवत् १७०९ वर्षे वैशाख सुदी षष्टी दिवसे सोमवासरे वियोगे श्री द्रव्यपुरमध्ये राजा श्री अर्जुनगौड राज्ये श्री मूलसंघे नंद्याम्नाये बलात्कार गणे सरस्वती गच्छे श्री कुन्दकुन्दाचार्यान्वये भट्टारक श्री चन्द्रकीर्त्ति देवास्तत्पट्टे श्री देवेन्द्रकीर्त्तिदेवास्तत्पट्टे भट्टारक.........ब्रह्मछीतर तेनेदं स्वहस्तेन लिखितं।

११६६ यशोधर चरित्र–पंडित लक्ष्मीदास। पत्र सं० ४८। साइज–११×८ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल–सं० १७८१। लेखनकाल–सं० १९०२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४५३।

११६७ प्रति नं० २। पत्र सं० ५२। साइज–१०½×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य वेष्टन नं० १४५४।

११६८ प्रति नं० ३। पत्र सं० ७४। साइज–१२×५¼ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८८८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४५५।

११६९ यशोधर चरित्र भाषा.........। पत्र सं० ४४। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४५६।

११७० वर्द्धमानकथा–नरसेन। पत्र सं० १७। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६७७।

११७१ वर्द्धमानचरित्र–भट्टारक सकलकीर्त्ति। पत्र सं० ५१। साइज–११½×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६०९।

११७२ प्रति नं० २। पत्र सं० ५१–९७। साइज–१२½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १६७९।

११७३ प्रति नं० ३। पत्र सं० १७९। साइज–११½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण ३–६८,९०, ११० १७९ तक पत्र हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६११।

११७४ प्रति नं० ४। पत्र सं० १०७। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६१२।

११७५ प्रति नं० ५। पत्र सं० २–६१। साइज–१२×५ इञ्च। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६१३।

११७६ प्रति नं० ६। पत्र सं० १९५। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १६१४।

विशेष—ब्रह्म रायमल्ल ने प्रतिलिपि की थी।

११७७ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १६४ । साइज–१०¾×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८८४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६१० ।

विशेष—हिन्दी गद्य टीका सहित है ।

११७८ विक्रमचरित्ररास–श्री विमलेन्द्र । पत्र सं० ३४ । साइज–१०¾×४½ इञ्च । भाषा–पुरानी हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६६९ चैत्र सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६१९ ।

११७९ विक्रमप्रबन्ध–रामचन्द्र सूरि । पत्र सं० ४९ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १४९० । लेखनकाल–सं० १६६४ ज्येष्ठ सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६२० ।

विशेष—१,२,३८, ३९ के पत्र नहीं है ।

११८० शांतिनाथचरित्र–भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं० २०७ । साइज–११¾×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६५९ भादवा बुदी १ रविवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६९४ ।

११८१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १, १९६–२३१ । साइज–१०¾×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६० चैत्र बुदी ३ । अपूर्ण । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६९५ ।

विशेष—पं० बिहारीदास ने, दयाराम लच्छीराम ने लिखवाया । कोटा में जोशी फल्हू ने प्रतिलिपि की थी ।

११८२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७–२१, १०७–१९२ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८१२ कार्त्तिक बुदी ५ । अपूर्ण–त्रुटित पत्र । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६९६ ।

११८३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३२२ । साइज–१०×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६९७ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी दी हुई है ।

११८४ शालिभद्र चरित्र–जिनसिंहसूरि । पत्र सं० १६ । साइज–९¾×३ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १६७८ । लेखनकाल–सं० १७३८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १७०५ ।

विशेष—लाडनूँ नगर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

११८५ श्रीपाल चरित्र–पंडित रइधू । पत्र सं० १०८ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०५ कार्त्तिक सुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १७३७ ।

विशेष—बादशाह जहांगीर के शासनकाल में हिसार पेरोजा कोट में सिंघल गोत्र वाले साधु कौसल सी ने लिखवाया था ।

११८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७१ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७२२ चैत्र सुदी ८ । पूर्ण । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७३८ ।

११८७ श्रीपालचरित्र–सकलकीर्ति । पत्र सं० ५२ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७३९ ।

११८८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४७ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १५४८ आसोज सुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७४० ।

११८९ श्रीपाल चरित्र–ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० ५३ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १५८५ अषाढ शुक्ला ५ । लेखनकाल–सं० १६९८ कार्तिक सुदी ५ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७४१ ।

११९० प्रति नं० २ । पत्र सं० ६२ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा– वेष्टन नं० १७४२ ।

११९१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७२ । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १६४० श्रावण सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७४३ ।

विशेष—सांखिणा ग्राम में प्रतिलिपि हुई थी । प्रशस्ति अपूर्ण है ।

११९२ श्रीपाल चरित्र–पंडित श्री नरदेव । पत्र सं० ३९ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६२४ फाल्गुण बुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७३६

११९३ श्रीपालचरित्र–परिमल्ल । पत्र सं० ७० । साइज–१०½×६ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण । अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७४४ ।

११९४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४३ । साइज–१०½×७½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७४५ ।

११९५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११४ । साइज–१०×७ इन्च । लेखनकाल–सं० १८८२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७४६ ।

११९६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ९६ । साइज–१३×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८९१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७४७ ।

विशेष—चुन्नीलाल सौगाणी ने जयपुर में प्रतिलिपि की ।

११९७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १५८ । साइज–९×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १७७९ जेष्ठ सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० १७४८ ।

विशेष—गुटके रूप में है ।

११९८ श्रीपालचरित्र……। पत्र सं० २०२ । साइज–१०½×७½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७४९ ।

११९९ श्रीपालचरित्र……। पत्र सं० २१९ । साइज–१०½×५ इन्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय–

चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८१३। अपूर्ण–प्रारम्भ के ६० पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १७५०।

१२०० श्रीपालचरित्र………। पत्र सं० ६०। साइज–६½×६½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७५१।

१२०१ श्रीपालचरित्र………। पत्र सं० २–२०। साइज–११×७½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७५२।

१२०२ श्रेणिकचरित्र–भट्टारक श्री यशःकीर्त्ति पत्र सं० ६४। साइज–६½×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६६१। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७५६।

१२०३ श्रेणिकचरित्र-भट्टारक शुभचन्द्र। पत्र सं० १३०। साइज–१०×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-चरित्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७३१ अषाढ बुदी ४। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७६०।

१२०४ प्रति नं० २। पत्र सं० ८८। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७६२।

१२०५ प्रति नं० ३। पत्र सं० १२०। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १७६१।

१२०६ श्रेणिकचरित्र–भट्टारक विजयकीर्त्ति। पत्र सं० १४१। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-चरित्र। रचनाकाल–सं० १८२०। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७६३। पद्य संख्या २६८०

१२०७ प्रति नं० २। पत्र सं० १२६। साइज–६½×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १७६४।

१२०८ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५२। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६२०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७६२।

१२०६ प्रति नं० ४। पत्र सं० १२६। साइज–११×७½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६१०। अपूर्ण–२-६१ तक के पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७६५।

१२१० प्रति नं० ५। पत्र सं० ८१। साइज–११×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रथम तथा ८१ से आगे के पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७६६।

१२११ प्रति नं० ६। पत्र सं० २८–५६। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १७६७।

१११२ प्रति नं० ७। पत्र सं० ५८। साइज–१५×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६५७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १७७१।

१२१३ श्रेणिकचरित्र………। पत्र सं० ५०। साइज–११½×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–चरित्र।

रचनाकाल ×। लेखनकाल × । अपूर्ण–१९ अधिकार तक । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७६८ ।

१२१४ श्रेणिकचरित्र………। पत्र सं० २२ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १६६५ । लेखनकाल × । पूर्ण एव शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७६९ ।

विशेष—वखतराम के पुत्र दुलीचंद चौधरी ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि बनायी थी ।

१२१५ श्रेणिकचरित्र भाषा ………। पत्र सं० ११३ । साइज–१२×६ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७७० ।

विशेष—प्रथम और अन्तिम पत्र नहीं है ।

१२१६ संभवनाथचरिउ–श्री तेजपाल । पत्र सं० ३४ । साइज–११×५½ इन्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९३२ ।

१२१७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५०–७४ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १९३२ ।

१२१८ सगरप्रबन्ध रास–नरेंद्रकीर्त्ति । पत्र सं० १३ । साइज–९¾×४¾ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १६४३ । लेखनकाल–सं० १६६३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्ठन नं० १८१६

१२१९ सीताचरित्र–रामचन्द्र । पत्र सं० १९६ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १७७३ । लेखनकाल–सं० १७७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०९५ ।

१२२० प्रति नं० २ । पत्र सं० १३६ । साइज–१०½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०९६ ।

१२२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८५ । साइज–१२×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८१७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०९४ ।

१२२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २१३ । साइज–८×६½ इन्च । लेखनकाल–सं० १७९५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २०९७ ।

विशेष—किसनदास सोनी, सवाईराम पाटनी, और वखतराम गोधा ने प्रतिलिपि की थी । दौलतराम ने लिखवायी थी ।

१२२३ सुकुमालचरिउ–पं० श्रीधर । पत्र सं० ३६ । साइज–११×४½ इन्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १२०८ । लेखनकाल–सं० १४८६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०९८ ।

विशेष—श्री डूगरसिंह के शासनकाल में गोपाचल दुर्ग में श्री यशःकीर्त्ति ने इसकी प्रतिलिपि की थी ।

१२२४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५७ । साइज–९½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६२९ चैत्र बुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०९९ ।

१२२५ सुकुमालचरित्र–सकलकीर्त्ति । पत्र सं० ४६ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१०० ।

१२२६ सुकुमालचरित्र भाषा……। पत्र सं० ३४ । साइज–८½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी गद्य । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१०१ ।

१२२७ सुदर्शनचरित्र–भ० सकलकीर्त्ति । पत्र सं० ४९ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७१० श्रावण बुदी ४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २१०५ ।

१२२८ सुदर्शनचरित्र–ब्रह्मनेमिदत्त । पत्र सं० ७२ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१०६ ।

१२२९ सुभौमचरित्र–भ० रत्नचन्द्र । पत्र सं० ५४ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१३३ ।

१२३० स्थूलभद्रचरित्र……। पत्र सं० १७ । साइज–८½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१५८ ।

१२३१ हनुमच्चरित्र–ब्रह्म अजित । पत्र सं० ५८ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५९७ । पूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २२१९ ।

विशेष—नवसाल ग्राम में सा० देवा भांभरी ने प्रतिलिपि की थी ।

१२३२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४४ । साइज–१२×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२२० ।

१२३३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १०२ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६५३ कार्तिक बुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२२१ ।

१२३४ हरिबलराजर्षिचरित्र……। पत्र सं० २१ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७८८ माघ सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २२२४ ।

१२३५ हरिषेणचरिउ……। पत्र सं० २–२४ । साइज–९×४½ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय-चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२४९ ।

१२३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५५१ मंगसिर बुदी ८ गुरुवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५० ।

विशेष—पं० अचल ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

विषय—कथा साहित्य

ग्रन्थ संख्या—११६

१२३७ अकलंकचरित्र–श्री मक्खन। पत्र सं० २१। साइज–१२×७½ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–अकलंक स्वामी का जीवन। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९९३। पर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ९।

विशेष—गोविन्दराम देहली वाले ने प्रतिलिपि की थी।

१२३८ अनंतव्रतकथा–श्रुतसागर। पत्र स० १०। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२।

१२३९ अष्टाह्निकाकथा–श्री नथमल। पत्र सं० १४। साइज–११×५¼ इन्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १९२१। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दसा–सामान्य। वेष्टन नं० ५१।

१२४० प्रति नं० २। पत्र सं० २४। साइज–१२×४½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ५२।

१२४१ आकाशपंचमीव्रतकथा........। पत्र सं० ६। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६१।

१२४२ आदित्यव्रतकथा–केशवसेन। पत्र सं० ७। साइज–१२×५½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ११३।

१२४३ आराधनाकथाकोष–ब्रह्मनेमिदत्त। पत्र सं० १९२। साइज–१२×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १२४।

१२४४ प्रति नं० २। पत्र सं० ७५। साइज–१०½×४½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १२५।

१२४५ प्रति नं० ३। पत्र सं० १२६। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण। १०–५८ तक तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १२६।

१२४६ प्रति नं० ४। पत्र सं० २०१। साइज–१२×५½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १२२।

१२४७ प्रति नं० ५। पत्र सं० १९५। साइज–११½×५½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१७।

१२४८ आराधनाकथाकोश–पत्र सं० ५५। साइज–१२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी गद्य। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११९।

१२४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२०

विशेष—पात्र केशरी ब्राह्मण, अकलंकदेव, समंतभद्र, सनत्कुमार चक्रवर्त्ति, संजयमुनि की कथाओं का संग्रह है।

१२५० आराधनाकथाकोश……। पत्र सं० ४० । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा। रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२३ ।

१२५१ कथाकोश–हरिषेणाचार्य । पत्र सं० ६७३ । साइज–१२×५ इञ्च । विषय–कथा । रचनाकाल-सं० ६८६ लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६ ।

विशेष—१५८ कथाओं का संग्रह है।

१२५२ कथासंग्रह………। पत्र सं० २१ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-संग्रह। रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१८ ।

१२५३ कलिकापंचमी कथा–श्री भद्रसेन । पत्र सं० १८ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७८८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५२ ।

विशेष—कथा श्वेताम्बर सम्प्रदाय की मान्यता के अनुसार है । प्रारम्भ के १३ पत्रों तक राजा गजसिंह चरित्र है। इसकी रचनाकाल–सं० १५५३ है । कथा का दूसरा नाम चंदनमलयगिरि कथा है ।

१२५४ चतुर्दशीकथा–टीकम । पत्र सं० २६ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १७१२ । लेखनकाल–सं० १७६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३८५ ।

विशेष—देहली में आचार्य विमलकीर्त्ति ने प्रतिलिपि की थी । इसका दूसरा नाम चतुर्दशी चौपई भी है ।

१२५५ चन्द्रहंस की कथा–टीकम । पत्र सं० ४४ । साइज–७½×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १७०७ । लेखनकाल–सं० १७८६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण वेष्टन नं० ३८६ ।

विशेष—बखतराम के पुत्र दुलीचंद चौधरी ने गाजी के थाना में प्रतिलिपि की थी।

१२५६ चन्द्रायणव्रतकथा………। पत्र सं० ४ । साइज–१०½×७ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ३६६ ।

१२५७ चार मित्रों की कथा–अजैराज । पत्र सं० ६ । साइज–७½×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १७८१ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४१२ ।

१२५८ जम्बूस्वामीचरित्र–पांडे जिनदास । पत्र सं० १८ । साइज–६½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल–सं० १६४२ । लेखनकाल–सं० १८२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४६३।

१२५६ त्रिकालचौवीसी कथा–अभ्रदेव । पत्र सं० ६१ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६४२ ।

विशेष—मुनि ज्ञानभूषण ने प्रतिलिपि की थी ।

१२६० **दर्शनकथा**—भारमल्ल । पत्र सं० २३ । साइज-१०½×७ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण—अन्तिम पृष्ठ नहीं है । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७०१ ।

१२६१ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३१ । साइज-१२×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०२ ।

१२६२ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २४ । साइज-१२×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७०३ ।

१२६३ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० २१ । साइज-१२×६½ इन्च । लेखनकाल-सं० १९२६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७३ ।

१२६४ **नंदीश्वरकथा**—भ० शुभचन्द्र । पत्र सं० ८ । साइज-१२×५½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एव शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८३७ ।

१२६५ **नागकुमारकथा** ...... । पत्र सं० १८ । साइज-९×६½ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । लिपि-विकृत । वेष्टन नं० ८७८ ।

१२६६ **नागश्रीकथा**—ब्रह्म नेमिदत्त । पत्र सं० १९ । साइज-१०×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८७९ ।

१२६७ **प्रति नं० २** । पत्र सं० २-१५ । साइज-१०×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८० ।

१२६८ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २५ । साइज-१०×४ इन्च । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८८१ ।

१२६९ **निर्दोषसप्तमीकथा**—ब्रह्मरायमल्ल । पत्र सं० ४ । साइज-११½×४½ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९११ ।

१२७० **निशिभोजनकथा**—भारमल्ल । पत्र सं० १२ । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१३ ।

१२७१ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १० । साइज-१२½×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१४ ।

१२७२ **नेमिकुमार की चूँदड़ो**—मुनि हेमचन्द्र । पत्र सं० ९ । साइज-७½×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१५ ।

१२७३ **नेमिचंद्रिका**—खुशालचंद पल्लीवाल । पत्र सं० १९ । साइज-८½×६½ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल-सं० १८८० । लेखनकाल-सं० १८८३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९१६ ।

विशेष—लेखक प्रशस्ति विस्तृत है। खुशालचंद के पूर्वज कान्यकुब्ज देश के रहने वाले थे। मनूलाल श्रावक ने प्रतिलिपि की थी।

१२७४ **निशल्याष्टमीकथा**………। पत्र सं० ५। साइज–६×३ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९३०।

विशेष—निशल्य अष्टमी कथा पत्र ३ तक तथा आगे मोक्ष सप्तमी कथा पत्र ५ तक प्राकृत में लिखी हुई है।

१२७५ **पंचपर्वकथा**………। पत्र सं० ८। साइज–७½×४ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७८९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९९७।

विशेष—सांगानेर में दुलीचंद चौधरी ने प्रतिलिपि की थी।

१२७६ **पल्यविधानव्रतकथा**–श्री श्रुतसागर सूरि। पत्र सं० ८२। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा– सामान्य। वेष्टन नं० १०५९।

१२७७ **पुण्याश्रवकथा**–मुमुक्षु रामचन्द्र। पत्र सं० १५१। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७०६ मंगसिर बुदी ९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११०८।

विशेष—श्री आणंदजी के शिष्य पचाइण ने प्रतिलिपि की थी।

१२७८ **प्रति नं० २**। पत्र सं० १७५। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८२ कार्तिक बुदी ११ अपूर्ण–प्रारम्भ के ९८ पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११०७।

विशेष—संग्रामपुर में जगराम गोदीका ने प्रतिलिपि करवायी थी।

१२७९ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ९८। साइज–११¾×५¾ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ११०९।

१२८० **पुण्याश्रवकथाकोश**–दौलतरामजी। पत्र सं० २२२। साइज–८½×७½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-कथा। रचनाकाल–सं० १७७७ लेखनकाल–सं० १८०५ चैत्र बुदी ६ बुधवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११०।

विशेष—जसूंतपुरा में प्रतिलिपि की गयी थी।

१२८१ **प्रति नं० २**। पत्र सं० २००। साइज–१३¾×५¾ इन्च। लेखनकाल–सं० १८३५। अपूर्ण–पांच प्रतियों का संग्रह है। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११११।

विशेष—१–२९, ५१–१००, १०१–१८०, ४२–५८ तथा ४१ से २०० तक प्रत्येक प्रति के पत्र हैं।

१२८२ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० १७६। साइज–१२¾×६ इन्च। लेखनकाल–सं० १८८४। पूर्ण–तीन प्रतियों का मिश्रण है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११२।

१२८३ **प्रति नं० ४**। पत्र सं० ३२९। साइज–१२×५¾ इन्च। लेखनकाल–सं० १७७९ मंगसिर सुदी ६ सोमवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १११३।

विशेष—सांगानेर में प्रतिलिपि की गयी थी।

१२८४ प्रति नं० ५। पत्र सं० २९५। साइज–११½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११४।

१२८५ प्रति नं० ६। पत्र सं० २६४। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। प्रति प्राचीन है। वेष्टन नं० १११५।

१२८६ प्रति नं० ७। पत्र सं० ५४। साइज–१२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११६।

१२८७ प्रति नं० ८। पत्र सं० २५७। साइज–१२½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण। १६ से ५० तक के पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११७।

१२८८ प्रति नं० ९। पत्र सं० १५६। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १११८।

१२८९ प्रति नं० १०। पत्र सं० १२६–१५०। साइज–१०½×७½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११९।

१२९० प्रति नं० ११। पत्र सं० १२०–१२८ तक। साइज–१२×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १११९।

१२९१ **पंचदंडछत्रबंध**–अभयचन्द्र सूरि। पत्र सं० ३–४९। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल–सं० १४९० माघ सुदी १४। लेखनकाल–सं० १६६४। अपूर्ण। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १२४०

१२९२ **भरटक द्वात्रिंशिका**………। पत्र सं० ११। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३३१।

विशेष—३२ कथाओं का संग्रह है।

१२९३ **भीमकेवलीकथा**………। पत्र सं० ११६। साइज–९½×७ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३५९।

१२९४ **मधुपिंगल मुनि की कथा**………। पत्र सं० १२। साइज–९×७½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३७४।

१२९५ **मुक्तावलीविधानकथा**………। पत्र सं० ५। साइज–१०½×४ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३९९।

१२९६ **मेघमालाव्रतोपाख्यान**–श्रुतसागर। पत्र सं० ३। साइज–१२×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कथा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७६३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४१८।

१२९७ मोक्षसप्तमीकथा-गुणभद्र । पत्र सं० ५ । साइज-९½×३½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७१ ।

१२९८ मृगापुत्र कथा········। पत्र सं० १३ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० १४२६ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

१२९९ रात्रिभोजनकथा-भ० मल्लिभूषण । पत्र सं० २७ । साइज-८×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६७८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३८ ।

विशेष—पं० सावलदास ने वणहटा ग्राम में ग्रन्थ की प्रति लिपि करवाई थी ।

१३०० रूपसेन सुजाणदे चरित्र-भीम । पत्र सं० २० । साइज-९×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल-स० १७१७ आसोज बुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४० ।

१३०१ रैदव्रत कथा-गणि देवेन्द्रकीर्त्ति । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८०२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४१ ।

१३०२ रोहिणीविधानकथा-मुनि देवनंदि । पत्र सं० १३ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४२ ।

१३०३ रोहिणीव्रतकथा-आ० भानुकीर्त्ति । पत्र सं० ५ । साइज-८½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५४३ ।

विशेष—सिंकंदरपुर निवासी पं० डालू विलाला के पुत्र रोलू ने इसको भेंट में दिया था ।

१३०४ लघुजातक········। पत्र सं० १० । साइज-१०½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६२ ।

१३०५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २-१३ । साइज-९×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० १५६३ ।

१३०६ लब्धिविधान कथा········। पत्र सं० १० । साइज-११×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६७ ।

१३०७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३-१७ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६७ ।

१३०८ लब्धिविधान कथा-पं० अभ्रदेव । पत्र सं० १२ । साइज-११×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५६८ ।

१३०९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज-११½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५६८ ।

१३१० वैराग्यकल्प……..। पत्र सं० २–१३५ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८० (ग) ।

विशेष—प्रति प्राचीन है ।

१३११ शत्रुंजयोद्धार–पं० मानुमेरू । पत्र सं० १४ । साइज–६½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६८३ ।

१३१२ शिखरमहात्म्य–मनसुख । पत्र सं० १०३ । साइज–१५×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल–सं० १८४५ । लेखनकाल–सं० १८५८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७०८ ।

१३१३ शीलकथा–भारमल्ल । पत्र सं० २१ । साइज–१२×८ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १७१६ ।

१३१४ श्रीपालकथा……..। पत्र सं० ३६ । साइज–६×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७३५ ।

१३१५ सप्तपरमस्थानक कथा–श्रुतसागर । पत्र सं० ७ । साइज–१२×५½ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८३४ ।

१३१६ सप्तव्यसनकथा……..। पत्र सं० १८ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८३५ ।

१३१७ सप्तव्यसन कथा–आचार्य सोमकीर्त्ति । पत्र सं० ७४ । साइज–१४×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १८३६ ।

१३१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११३ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १८३७ ।

१३१९ सद्वछसा लिंगा की वार्त्ता……..। पत्र सं० १७० । साइज–६×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८२१ ।

१३२० सम्यक्त्वकौमुदी कथा……..। पत्र सं० १२७ । साइज–६×३½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १४६० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । लिपि–विकृत । वेष्टन नं० १६३३

विशेष—राजा वीरम्मदेव के शासनकाल में गोपाचल दुर्ग में मुनि धर्मचन्द्र के पढने के लिये प्रतिलिपि की गयी थी ।

१३२१ सम्यक्त्वकौमुदी……..। पत्र सं० ३१ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३४ ।

१३२२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६३४ ।

१३२३ सम्यक्त्वकौमुदी……..। पत्र सं० ४७ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा

रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६३५ ।

१३२४ सम्यक्त्वकौमुदी–गुणाकरसूरि । पत्र सं० ४१ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६६७ माघ शुक्ला ४ । अपूर्ण–प्रथम पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६३६ ।

विशेष—पं० श्रीचन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

१३२५ सम्यक्त्वकौमुदी……… । पत्र सं० ६४ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३७ ।

१३२६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४१ । साइज–११×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३८ ।

१३२७ सम्यक्त्वकौमुदी……… । पत्र सं० १३० । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७६२ वैशाख सुदी २ शनिवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६३६

विशेष—इन्द्रगढ में मुनि मेघविमल ने पंडित नगजी के पठनार्थं प्रतिलिपि की थी ।

१३२८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५६७ वैशाख सुदी १५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४० ।

विशेष—सं० १७६८ में विजयपुर में सुंदरदास और उसकी भार्या ने पं० ऋषभदास को यह प्रति भेंट की थी ।

१३२९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६५ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७५० मंगसिर बुदी १३ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४१ ।

१३३० प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०३ । साइज–१२×५½ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४२ ।

१३३१ सम्यक्त्वकौमुदीकथा……… । पत्र सं० ४६ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४३ ।

१३३२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४६ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४४ ।

१३३३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५० । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४५ ।

१३३४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५० । साइज–१०×४ इञ्च । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४५ ।

१३३५ सम्यक्त्वकौमुदी–जोधराज गोदीका । पत्र सं० ५८ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल–सं० १७२४ । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४६ ।

१३३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज–१२३/४×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६४७ ।

१३३७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज–१२×५१/२ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६४८ ।

विशेष—दौसा (जयपुर) में साह श्री भावसिंह ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३३८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७२ । साइज–९×७ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४९ ।

१३३९ **सम्यक्त्वकौमुदी**–लालचंद विनोदीलाल । पत्र सं० १६६ । साइज–१०३/४×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल–सं० १८७९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५० ।

१३४० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११० । साइज–१०३/४×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५१ ।

१३४१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ४० । साइज–१३×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१६६ ।

१३४२ **सिंहासनबत्तीसी**…… । पत्र सं० ३० । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०९२ ।

विशेष—आगे के पत्र नहीं हैं ।

१३४३ **सोलहकारणकथा**…… । पत्र सं० ४ । साइज–१११/२×४१/२ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१५३ ।

१३४४ **हनुमतकथा**–ब्रह्मरायमल्ल । पत्र सं० ५६ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १६८१ । लेखनकाल–सं० १७२५ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२१६ ।

१३४५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५३ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–चरित्र । रचनाकाल–सं० १६५७ । लेखनकाल–सं० १९२५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२१७ ।

१३४६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३९ । साइज–१२×७ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९८५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २२१८ ।

१३४७ **होलिकाचरित्र**…… । पत्र सं० ४ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७६६ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २२५२ ।

१३४८ **होलिरेणुका चरित्र**–पं० जिनदास । पत्र सं० ६३ । साइज–९१/२×४१/२ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कथा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५४ ।

१३४९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३५ । साइज–१३½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५५ ।

१३५० प्रति नं० ३ । पत्र सं० २५ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५६ ।

१३५१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६१ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६१७ कार्तिक बुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५७ ।

विशेष—तक्षकगढ में प्रतिलिपि हुई थी ।

१३५२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५८ । साइज–९½×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५३ ।

विशेष—अन्तिम पत्र नहीं है ।

विषय—काव्य

ग्रन्थ संख्या—१२०

१३५३ **काव्यकल्पलता**–अमरचन्द्रसूरि । पत्र सं० २१४ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७३३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २५९ ।

विशेष—चंपावती में प्रतिलिपि की गयी थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१३५४ **किरातार्जुनीय**–महाकवि भारवि । पत्र सं० ७२ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री विनय सुन्दर हैं ।

१३५५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १९५ । साइज–१२×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८४५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६९ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री एकनाथ भट्ट हैं ।

१३५६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३७ । साइज–१२×५½ इन्च । अपूर्ण–नवम सर्ग तक । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७० ।

१३५७ **कुमारसम्भव**–महाकवि कालिदास । पत्र सं० ३४ । साइज–११½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७३४ भादवा बुदी १४ । पूर्ण–सप्तम सर्ग तक । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८० ।

विशेष—नारायणा नगर में व्यास जट्ट ने प्रतिलिपि की थी।

१३५८ प्रति नं० २। पत्र सं० ५८। साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इन्च। लेखनकाल–सं० १७२१ फाल्गुण सुदी ११ पूर्ण–सात सर्ग तक। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २८१।

विशेष—बूंदी में प्रतिलिपि की गयी थी।

१३५९ गीतगोविन्द–महाकवि जयदेव। पत्र सं० ८। साइज–८×६ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३१४।

विशेष—८ वें पत्र पर वसंतराग व गुर्ज्जरी राग के दो गीत हैं।

१३६० गोवर्द्धन सप्तसती टीका–टीकाकार–आचार्य त्रिलोचन। पत्र सं० ८५। साइज–११$\frac{१}{२}$×५ इन्च। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८३६ पौष सुदी २। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ३४३।

१३६१ घटकर्प्पर काव्य–घटकर्प्पर। पत्र सं० ३। साइज–१२×६ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३६१।

१३६२ प्रति नं० २। पत्र सं० ३। साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८४३ फाल्गुण बुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० ३६१।

१३६३ चन्द्रप्रभचरित्र–वीरनंदि। पत्र सं० २८। साइज–११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–तृतीय सर्ग तक। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३८७।

१३६४ प्रति नं० २। पत्र सं० १५६। साइज–११$\frac{१}{२}$×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३८८।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

१३६५ प्रति नं० ३। पत्र सं० ८१। साइज–११×५ इन्च। लेखनकाल–सं० १८८३ आषाढ बुदी १० बृहस्पतिवार पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम वेष्टन नं० ३८९।

विशेष—महात्मा राधाकृष्ण ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी।

१३६६ प्रति नं० ४। पत्र सं० ८५। साइज–१०×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३९०।

१३६७ प्रति नं० ५। पत्र सं० ८। साइज–१०×५$\frac{१}{२}$ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३९१।

विशेष—प्रथम सर्ग ही है।

१३६८ प्रति नं० ६। पत्र सं० २–४७। साइज–१३×५$\frac{१}{२}$ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ३९२।

१३६९ प्रति नं० ७। पत्र सं० ५०। साइज–१०$\frac{१}{२}$×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–तीसरे सर्ग तक।

सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६३ ।

१३७० प्रति नं० ८ । पत्र सं० १११ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६४ ।

१३७१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५० । साइज–१०×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६५ ।

१३७२ प्रति नं० १० । पत्र सं० ८ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम वेष्टन नं० ३६६ ।

विशेष—प्रथम सर्ग ही है ।

१३७३ **चन्द्रप्रभचरित्र**–श्री यशःकीर्त्ति । पत्र सं० ८२ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३६७ ।

१३७४ **चन्द्रप्रभकाव्य भाषा**……… । पत्र सं० ११ । साइज–८×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत–हिन्दी । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३६८ ।

विशेष—केवल द्वितीय सर्ग के ६८ पद्य की ही भाषा है ।

राजा पद्मनाथ ने श्रीधर मुनि के पास तत्त्व का रूप कहा उसका वर्णन है ।

१३७५ **जम्बूस्वामिचरित्र**–महाकवि श्रीवीर । पत्र सं० १०६ । साइज–६½×४½ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–काव्य । रचनाकाल–सं० १०७६ । लेखनकाल–सं० १५४१ आसोज बुदी ७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० ४५६ ।

विशेष—खण्डेलवालान्वय पाटणी गोत्रे संघही धनराज भार्या कोडी तथा उसके पुत्रों ने विशालकीर्त्ति मुनि के लिये प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४६० ।

विशेष—५१ पत्र के आगे फिर १ से पत्र संख्या लगी हुई है ।

१३७७ **जम्बूस्वामिचरित्र टिप्पण**……… । पत्र सं० ३१ । साइज–११×५½ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश संस्कृत । विषय–चरित्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५६५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४६१ ।

विशेष—वीर कवि कृत जम्बूस्वामिचरित्र का टिप्पण है । प्रशस्ति अपूर्ण है । खंडेलवालान्वय टोंग्या गोत्र वाले सज्जन ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३७८ **त्रिभुवनदीपक प्रबन्ध**–जयशेखर सूरि । पत्र सं० २० । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५५० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२८ ।

विशेष—भट्टारक सोमकीर्त्ति के शिष्य ब्र० गुणराज के लिये सूर्यपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१३७९ **द्विसंधानकाव्य**–महाकवि धनंजय । पत्र सं० ९६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४७ अषाढ सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४४७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकर नेमिचंद्र हैं ।

१३८० **प्रति नं० २** । पत्र सं० २५–५० । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७४७ ।

१३८१ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० ५८ । साइज–११½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । तीन प्रतियों का मिश्रण है । वेष्टन नं० ७४८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार नेमिचन्द्र हैं ।

१३८२ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० २९ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३६ चैत्र बुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७४९ ।

विशेष—श्री नेमिचन्द्र की टीका भी है । ब्राह्मण नारायणदास ने तेरहपंथियों के मंदिर में प्रतिलिपि की थी ।

१३८३ **प्रति नं० ५** । पत्र सं० ३६८ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ७५० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१३८४ **प्रति नं० ६** । पत्र सं० ५६ । साइज–११½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७८५ माघ सुदी ११ । अपूर्ण–२१–५६ तक पत्र हैं । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७५१ ।

१३८५ **प्रति नं० ७** । पत्र सं० १६३ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–२१ से १६३ तक के पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७५१ ।

विशेष—प्रीत सटीक हैं । टीकाकर नेमीचन्द्र हैं ।

१३८६ **प्रति नं० ८** । पत्र सं० ३–३४ । साइज–११×६½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७५२ ।

१३८७ **धर्मशर्माभ्युदय**–महाकवि हरिचन्द्र । पत्र सं० १२२ । साइज–११×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ८१७ ।

१३८८ **नागकुमार चरित्र**–महाकवि पुष्पदंत । पत्र सं० ७१ । साइज–११½×४½ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६५ ।

विशेष—राजाधिराज श्री रामचन्द्रराज्ये तक्षकपुरवास्तव्ये खण्डेलवालान्वये बाकलीवाल गोत्रे सा. पाल्हा……..एतेषां मध्ये सा. नेता भार्या लाडमदे तथा इदं शास्त्रं लिखापितं धर्म्मचन्द्राय दत्तं । तक्षकपुर ।

१३८९ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ४९ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८६६ ।

विशेष—संक्षिप्त प्रशस्ति निम्न प्रकार है—

संवत् १५५८ वर्षे श्रावण सुदी १२ भौमे श्री गोपाचलगढदुर्गे तोमरवंशे अश्वपतिगजपतिनरपति त्रयाधिपति महाराजाधिराज श्रीमानसिंह देवाः तद्राज्यप्रवर्तमाने भट्टारकजी चन्द्राम्नाये जैसवालान्वये साधु सा. चाहू भार्या करमा............ एतेषां मध्ये घोमा इदं नागकुमारं लिखापितं ।

१३६० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५५४ भादवा सुदी ३। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६७ ।

विशेष—राहतपुर में प्रतिलिपि की गयी थी ।

१३६१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५५ । साइज-१०½×८ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५१६ ज्येष्ठ बुदी १२ बृहस्पतिवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६८ ।

विशेष—प्रति लिपि झुंझुंणु में हुई थी । वहाँ आदीश्वर का चैत्यालय था । लंबेचु वंश में उत्पन्न चौधरी भीखम ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१३६२ नलोदय काव्य—महाकवि कालिदास । पत्र सं० ३२ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत। विषय-काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८४४ वैशाख बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५२।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१३६३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज-८½×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५५ । पूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५३ ।

विशेष—इसमें कर्त्ता का नाम रविदेव दिया हुआ है ।

१३६४ नेमिनिर्वाण—श्री वाग्भट्ट । पत्र सं० ६६ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य। रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६२५ ।

विशेष—सांभर निवासी विजैराम पारीक ने प्रतिलिपि की थी ।

१३६५ नैषधचरित्र—कविराज-हर्ष । पत्र सं० ११५ । साइज-१२½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा- सामान्य । वेष्टन नं० ६२६ ।

विशेष—काव्य सटीक है । नारायणी टीका है ।

१३६६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १४१ । साइज-१२½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्व खण्ड पूर्ण । शुद्ध। दशा-सामान्य । प्रति प्राचीन है । वेष्टन नं० ६२७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार-चारित्र वर्द्धन हैं । टीका का नाम चारित्र वर्द्धनी है ।

१३६७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४५२ । साइज-१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-१३ वें सर्ग के ५१वें पद्य तक । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६२८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । जिनराज सूरि टीकाकार हैं ।

१३९८ **पउमचरिय**–महाकवि स्वयंभु त्रिभुवनस्वयंभु। पत्र सं० ४९३। साइज–१२×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–महाकाव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ९४१।

१३९९ **पउमचरिय टिप्पण**········। पत्र सं० ५६। साइज–११×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ९४२।

विशेष—स्वयंभु कृत पउमचरिय पर टिप्पण है।

१४०० **पार्श्वनाथपुराण**–भूधरदासजी। पत्र सं० ६३। साइज–१२×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–काव्य। रचनाकाल–सं० १७८९। लेखनकाल–सं० १८३६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८०।

विशेष—महात्मा कौजूराम ने जोबनपुर में प्रतिलिपि की थी।

१४०१ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ६९। साइज–११×७ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८१।

१४०२ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ९७। साइज–१०$\frac{३}{४}$×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८३३। अपूर्ण–पाँच अपूर्ण प्रतियों का मिश्रण है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८२।

१४०३ **प्रति नं० ४**। पत्र सं० १०५। साइज–१०×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८३।

१४०४ **प्रति नं० ५**। पत्र सं० ८६। साइज–११$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८४।

१४०५ **प्रति नं० ६**। पत्र सं० ११६। साइज–१२$\frac{१}{२}$×६$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८७६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८५।

विशेष—संगही झूंथाराम ने लिखवाया तथा श्री लिछमनराम बाकलीवाल ने लिखा था।

१४०६ **प्रति नं० ७**। पत्र सं० ३९। साइज–१४$\frac{१}{२}$×७ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८६।

१४०७ **प्रति नं० ८**। पत्र सं० ५७। साइज–१४$\frac{१}{२}$×७ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एव सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८७।

१४०८ **प्रति नं० ९**। पत्र सं० ७९। साइज–११$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८४४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०८८।

विशेष—जयपुर में दयाराम ने प्रतिलिपि की थी।

१४०९ **प्रति नं० १०**। पत्र सं० ११४। साइज–१०$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १०९०।

विशेष—दो प्रतियों का मिश्रण है।

१४१० प्रति नं० ११ । पत्र सं० १०६ । साइज-११½×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०९१ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है । प्रथम ५५ पत्र एक प्रति के हैं तथा फिर ५५ से अन्य प्रति के पत्र हैं।

१४११ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ७९ । साइज-१३×६¾ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०९२ ।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है । प्रथम प्रति के ४० तथा दूसरी प्रति के ४० से आगे के पत्र है ।

१४१२ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ११४ । साइज-११¾×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८९४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०९३ ।

विशेष—जयपुर में मन्नालाल छाबडा ने प्रतिलिपि की थी ।

१४१३ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ११७ । साइज-१०¾×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०९४ ।

विशेष—नवनन्दराम खिन्दूका ने प्रतिलिपि की थी ।

१४१४ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ९८ । साइज-१३×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८३१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०९५ ।

विशेष—जीवराज पांड्या दासयोंली वाले ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१४१५ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ८९ । साइज-१०×४¾ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०९६ (क)

१४१६ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १०५ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०८९ ।

विशेष—दो प्रकार की प्रतियों का सम्मिश्रण है ।

१४१७ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ६९-९० । साइज-१०¾×७ इञ्च । लेखनकाल-सं० १९४५ कार्तिक बुदी ६ शुक्रवार । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १०९६ ।

१४१८ प्रति नं० १९ । पत्र सं० १-९७ । साइज-११¾×५¾ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८११ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०९७ ।

विशेष—श्रावक खुशालचंद साह ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

१४१९ प्रति नं० २० । पत्र सं० १-९ । साइज-११¾×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १०९८ ।

१४२० प्रति नं० २१ । पत्र सं० ८४ । साइज-१२×५¾ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२३९ ।

१४२१ **प्रबोधचन्द्रिका**–वैजलभूपति । पत्र सं० २६ । साइज–१२×५$\frac{३}{४}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनांकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६० ।

१४२२ **म.वशतक**–नागराज । पत्र सं० १२ । साइज–१०×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १३४१ ।

१४२३ **भामिनीविलास**–पंडितराज जगन्नाथ । पत्र सं० ८ । साइज–१२×५$\frac{३}{४}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३३७ ।

१४२४ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ५ । साइज–१२×५$\frac{३}{४}$ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३३७ ।

१४२५ **मेघदूत**–महाकवि कालिदास । पत्र सं० १४ । साइज–१२×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२२ पौष बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४११ ।

विशेष—प्रति सटीक है । प्रतिलिपि जयपुर में सवाई माधोसिंहजी के शासनकाल में हुई थी ।

१४२६ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १८ । साइज–१२×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८२२ फागुण सुदी १४ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४१२ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४२७ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २३ । साइज–१०$\frac{३}{४}$×४$\frac{३}{४}$ इन्च । लेखनकाल–सं० १७७८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४१३ ।

१४२८ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० ४१ । साइज-१०×४$\frac{३}{४}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १४१४ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४२९ **प्रति नं० ५** । पत्र सं० १४ । साइज–१०×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१५ ।

१४३० **प्रति नं० ६** । पत्र सं० १८ । साइज–१२×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १७८१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा– सामान्य । वेष्टन नं० १४१६ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४३१ **प्रति नं० ७** । पत्र सं० १० । साइज–११$\frac{३}{४}$×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४१७ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१४३२ **यशस्तिलक चम्पू**–श्री सोमदेव सूरि । पत्र सं० ३४४ । साइज–१२×५$\frac{१}{२}$ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १४३३ ।

विशेष—ग्रामेर में महाराजाधिराज········ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवाई थी। जोशी टोडर ने प्रतिलिपि की थी।

१४३३ प्रति नं० २। पत्र सं० ४४१। साइज–११$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४३४।

१४३४ **यशोधरचरित्र**–महाकवि पुष्पदंत। पत्र सं० ६३। साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४३५।

१४३५ प्रति नं० २। पत्र सं० ५७। साइज–१०×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७२० आसोज सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४३६।

१४३६ प्रति नं० ३। पत्र सं० १७१। साइज–१०$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १६१३ मादवा बुदी ८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४३७।

विशेष—प्रति टव्वा टीका सहित है। प्रत्येक शब्द का संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिया हुआ है। जयपुर नगर में प्रतिलिपि हुई थी।

१४३७ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४१–८३। साइज–१०×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १४३८।

१४३८ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६६। साइज–१०×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल–सं० १५३६ सुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४३६।

विशेष—हिसार जिले में पेरोजानगर में कुतुबखां के शासनकाल में अग्रोतकान्वय गोयल गोत्र वाली साध्वी नाल्ही ने आत्मकर्मक्षयार्थ ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी।

१४३६ **रघुवंश**–महाकवि कालिदास। पत्र सं० ११८। साइज–११×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। १८ सर्ग तक पूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४७६।

१४४० प्रति नं० २। पत्र सं० २१। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। ३ सर्ग तक पूर्ण। वेष्टन नं० १४७७।

१४४१ प्रति नं० ३। पत्र सं० १२८। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। १२ सर्ग तक पूर्ण। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४७८।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१४४२ प्रति नं० ४। पत्र सं० १३७। साइज–११$\frac{१}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७२८ फागुण सुदी ७ शनिवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य जीर्ण। वेष्टन नं० १४७६।

विशेष—सीलोराख्य ग्राम में पं० लिखमा ने प्रतिलिपि की थी।

१४४३ प्रति नं० ५। पत्र सं० ७६। साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। १३ सर्ग तक पूर्ण। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १४८०।

१४४४ प्रति नं० ६। पत्र सं० ६२। साइज–१२×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। चार सर्ग तक। शुद्ध।

दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८१ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार समयसुन्दर गणि है ।

१४४५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १५३ । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८४८ चैत्र शुक्ला १२ । अपूर्ण-प्रारम्भ के १८ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८२ ।

१४४६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ८५ । साइज-१०½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १९०८ । अपूर्ण-प्रारम्भ के ३० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८३ ।

१४४७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १६४ । साइज-११×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६५१ । अपूर्ण । २ पत्र नहीं है । टीका पांचवे सर्ग से है । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८४ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार चारित्रवर्द्धन गणि हैं ।

१४४८ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५१ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८५ ।

१४४९ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ३० । साइज-१०×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४८५ ।

१४५० प्रति नं० १२ । पत्र सं० १७ । साइज-११½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४८५ ।

१४५१ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १३२ । साइज-१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४८६ ।

१४५२ वरांगचरित्र-भट्टारक वर्द्धमानदेव । पत्र सं० ४३ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०१ ।

१४५३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६२-१०० । साइज-१२×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०२ ।

१४५४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८९ । साइज-११½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५६४ कार्त्तिक बुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०३ ।

१४५५ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३९ । साइज १३½×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण-तेरह सर्ग तक । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०४ ।

१४५६ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ६९ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५९ भादवा बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०५ ।

१४५७ वर्द्धमानकाव्य-जयमित्रहल । पत्र सं० ७१ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६७४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०८ ।

विशेष—बादशाह सलीम के शासनकाल में सेकरि (सीकरी) में जैसवाल जाति में उत्पन्न गुणमाला ने प्रतिलिपि करवायी थी।

१४५८ **विदग्धमुखमंडन**—बौध्दाचार्य धर्मदास। पत्र सं० २०। साइज—१०$\frac{३}{४}$×४ इन्च। भाषा—संस्कृत। विषय—काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६२२।

१४५९ **प्रति नं० २**। पत्र सं० २९। साइज—१०×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल—सं० १७३०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६२३।

१४६० **प्रति नं० ३**। पत्र सं० १९। साइज—१०×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल—सं० १५५१।पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १६२४।

१४६१ **प्रति नं० ४**। पत्र सं० २—३७। साइज—११×५ इञ्च। लेखनकाल—सं० १६७४ माघ बुदी ७। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १६२५।

१४६२ **बिहारीसतसई**—महाकवि बिहारी। पत्र सं० ७२। साइज—११$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—श्रृंगार रस। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८३४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६४३.

१४६३ **विहारकाव्य**—कालदास। पत्र सं० ५। साइज—९×४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८४४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६३५।

१४६५ **शिशुपालवध**—महाकवि माघ। पत्र सं० २२—१४३। साइज—९×४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—काव्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १४९५ माघ सुदी १३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७११।

विशेष—दो प्रकार की लिपि है। माघ के पिता का नाम 'दत्तक' लिखा हुआ है।

१४६६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ७२। साइज—११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण—२ सर्ग है। शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० १७१२।

विशेष—प्रति सटीक है। टीकाकार मल्लिनाथ सूरि है।

१४६७ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ३५। साइज—११×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७१३।

विशेष—प्रति सटीक है।

१४६८ **प्रति नं० ४**। पत्र सं० २८। साइज—१०×४ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७१४।

१४६९ **प्रति नं० ५**। पत्र सं० ५८। साइज—१०×४$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण—२० सर्ग तक। सामान्य शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० १७१५।

१४७० **प्रति नं० ६**। पत्र सं० १६। साइज—१२×५$\frac{१}{२}$ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७७३।

१४७१ **षट्कर्मोपदेशरत्नमाला**—महाकवि अमरकीर्त्ति । पत्र सं० १०० । साइज—१०×४½ इन्च । भाषा—अपभ्रंश । विषय—काव्य । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १५८२ मंगसिर शुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७८६ ।

विशेष—प्रशस्ति अपूर्ण है और वह निम्न प्रकार है—

रणस्थंभगढ वास्तव्ये राणा संग्रामराज्ये पार्श्वनाथ चैत्यालये खंडेलवालान्वये वैदगोत्रे.......।

१४७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७—१०७ । साइज—१२×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १७८७ ।

विषय—इतिहास

ग्रन्थ संख्या—६

१४७३ **खंडप्रशस्ति**....... । पत्र सं० ३ । साइज—११×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—इतिहास । रचनाकाल × लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ३०२ ।

१४७४ **राजवंशवर्णन**....... । पत्र सं० २—९ । साइज—९×४ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—इतिहास । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५३७ ।

विशेष—भारत में होने वाले प्रायः सभी राज वंशों के नाम व शासनकाल दिये हुये हैं ।

१४७५ **श्रुतस्कंध**—हेमचन्द्राचार्य । पत्र सं० ६ । साइज—१२×६ इन्च । भाषा—प्राकृत । विषय—इतिहास । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७५६ ।

१४७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६ । साइज—१३×६ इन्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १७५६

१४७७ **श्रुतावतार**—पं० श्रीधर । पत्र सं० ५ । साइज—१०½×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—इतिहास । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १७५८ ।

१४७८ **संघपट्ट**—जिनवल्लभसूरि । पत्र सं० १२ । साइज—१२×५½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—धर्म । रचनाकाल—सं० १०८० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १८२७ ।

विशेष—प्रति सटीक है । लेखक प्रशस्ति है ।

विषय—नाटक

ग्रन्थ संख्या—६

१४७६ ज्ञानसूर्योदय नाटक-वादिचन्द्र। पत्र सं० ४५ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत। विषय-नाटक। रचनाकाल-सं० १६४८ । लेखनकाल-सं० १८३५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३५।

विशेष—मालवदेश में सुसनेर नगर में प्रतिलिपि हुई थी।

१४८० ज्ञानसूर्योदय नाटक भाषा-पार्श्वदास निगोत्या । पत्र सं० ५८ । साइज-१२×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी विषय-नाटक। रचनाकाल-सं० १९१७ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३६ ।

१४८१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४० । साइज-१२×९ इन्च । लेखनकाल-सं० १९३६ ज्येष्ठ शुक्ला १०। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५३७ ।

विशेष—श्री हीरालाल छाबडा ने लिखवा कर इस प्रति को बडे मन्दिर चढायी थी।

१४८२ ज्ञानसूर्योदय नाटक-जिनवरदास । पत्र सं० ५९ । साइज-११½×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-नाटक। रचनाकाल-सं० १८५४ । लेखनकाल-सं० १८९२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५३८ ।

विशेष—दयाचन्द चांदवाड ने इसी मन्दिर में प्रतिलिपि की थी।

१४८३ लटकमेलक नाटक-कविराज शंखधर । पत्र सं० १५ । साइज-९½×४½ इञ्च। भाषा-संस्कृत । विषय-नाटक। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १५६६ ।

१४८४ सभासार नाटक-कवि रघुराम । पत्र सं० १८ । साइज-९½×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-नाटक। रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८४५ भादवा बुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८३८ ।

विषय—व्याकरण

ग्रन्थ संख्या—१११

१४८५ अष्टाध्यायीसूत्र-आ० पाणिनी । पत्र सं० ३६ । साइज-१२×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अष्टम अध्याय के चतुर्थ पाद तक । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं०

१४८६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१ । साइज-११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५० ।

१४८७ कातन्त्र व्याकरण महावृत्ति-मूलकर्त्ता-शिववर्मा । टीकाकार-दुर्गसिंह । पत्र सं० ५२१।

साइज–११½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५५ ।

१४८८ कारकप्रकरण ……… । पत्र सं० १५ । साइज–११×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५७ ।

१४८९ कारकवाद–श्रीमज्जयराम भट्टाचार्य । पत्र सं० १८ । साइज–१०×३½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५८ ।

१४९० काशिकावृत्ति–वामनाचार्य । पत्र सं० ३१९ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण रचनाकाल × । लेखनकाल × अपूर्ण–१०१ से पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा– सामान्य । वेष्टन नं० २६५ ।

विशेष—अष्टाध्यायी की एक टीका का नाम काशिका वृत्ति है ।

१४९१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२९ । साइज–१०½×७ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २६६ ।

१४९२ क्रियाकलाप–विजयानंद । पत्र सं० ९ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७४ । प्रथम पत्र नहीं है ।

१४९३ गुणरत्नमहोदधि ……… । पत्र सं० ११० । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३१५ ।

विशेष—गोविन्दसूरि के शिष्य पं० वर्धमान कृत वृत्ति दी हुई है । सारस्वत की टीका है ।

१४९४ जैनेन्द्रव्याकरण–देवनन्दि । पत्रसं० ३८७ । साइज–१०½×७½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८७६ कार्तिक बुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५१५ ।

विशेष—प्रति अभयनन्दि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१४९५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २७३ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५१६ ।

१४९६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५७७ । साइज–१०×८ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५१७ ।

विशेष—अभयनन्दि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१४९७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४३–६० । साइज–११×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५१८ ।

१४९८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २६–४९ । साइज–११×७½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५१९ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीकाकार श्री मेघविजय हैं ।

१४९९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६० । साइज–१२X६ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२० ।

१५०० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १९ । साइज–१६X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण–पंचमाध्याय तक । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२१ ।

विशेष—प्रति सटीक है ।

१५०१ जैनेन्द्रप्रक्रिया……। पत्र सं० ३६ । साइज–१०½X४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२२ ।

१५०२ धातुपाठ……। पत्र सं० १५ । साइज–१०X४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८२५ ।

विशेष—कातन्त्र व्याकरण के आधार पर धातु पाठ की रचना हुई है ।

१५०३ धातुपाठ……। पत्र सं० ९ । साइज–१०½X६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८२६ ।

१५०४ धातुपाठावली–वोपदेव । पत्र सं० ३० । साइज–१०½X४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ८२७ ।

१५०५ धातुमंजरी–काशीनाथ । पत्र सं० ४७ । साइज–१०X४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८२८ ।

१५०६ पंचसंधि……। पत्र सं० १८ । साइज–९X४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल–सं० १८१३ आसोज सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १००८ ।

१५०७ परिभाषेन्दुशेखर–नागोजी भट्ट । पत्र सं० ७३ । साइज–९X६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल–सं० १८६९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । अक्षर मिट गये हैं । वेष्टन नं० १०५५ ।

१५०८ पाणिनीयभाष्य-कैयट । पत्र सं० २०४ । साइज–१०½X५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६१ ।

विशेष—पातंजलि कृत पाणिनी व्याकरण पर भाष्य है ।

१५०९ पातंजलिमहाभाष्य–श्री पतंजलि । पत्र सं० ४२४ । साइज–१६X७ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल X । लेखनकाल–सं० १७५७ आसोज बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । दीमक ने खा रक्खा है । वेष्टन नं० १०६९ ।

१५१० प्रति नं० २ । पत्र सं० १७५ । साइज–१२X५ इञ्च । लेखनकाल X । प्रथम अध्याय का द्वितीय पाद तक पूर्ण । जीर्ण–शीर्ण । पत्र चिपके हुए हैं । वेष्टन नं० १०६९ ।

१५११ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६९८ । साइज–११×६ इञ्च । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १०७० ।

१५१२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ४२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । प्रथम अध्याय के द्वितीय पटल तक । सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १०७० (क)

१५१३ **प्रक्रियाकौमुदी**–आचार्य रामचन्द्र । पत्र सं० ९० । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११३८ ।

१५१४ **प्रक्रियाकौमुदी**–नृसिंहाचार्य । पत्र सं० ३१५ । साइज–१२×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६९५ ज्येष्ठ शुक्ला २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११३९

विशेष—पत्र सं० ४०३ से प्रारम्भ की गयी है ।

१५१५ **प्राकृतदीपिका**……। पत्र सं० १६४ । साइज–११×६½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८७२ फागुण सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १२२४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार सौभाग्यगणि हैं । सवाई राम गोधा ने प्रतिलिपि की थी ।

१५१६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १००–१६३ । साइज–१०½×८ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १२२५ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है ।

१५१७ **प्राकृतप्रकाश**–वररुचि । पत्र सं० १३ । साइज–१४×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२६ ।

१५१८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३६ । साइज–९×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२७ ।

१५१९ **प्राकृतव्याकरण**–चंडकवि । पत्र सं० १६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–व्याकरण रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२२ चैत्र बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२८ ।

१५२० प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२२९ ।

१५२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १५ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १२३० ।

१५२२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १५ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२३१ ।

१५२३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ३१–५९ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १२३२ ।

१५२१ माधवीयधातुवृत्ति–सायणाचार्य । पत्र सं० १६४ । साइज–१०×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८७ ।

विशेष—यह ग्रन्थ रत्नविशाल गणि के वाचनार्थ लिखा गया था । इसकी अंतिम पुष्पिका इस प्रकार हैं ।

इति श्री पूवदक्षिणपश्चिमसमुद्राधीश्वरकंपराजसुतसंगममहाराजमंत्रिणा मायणसुतेन माधवमहोदरेण सायणाचार्येण विरचितायां माधवीयां धातु वृतौ चुरादयः संपूर्णाः ।

१५२५ लघुसिद्धान्त कौमुदी–वरदराज । पत्र सं० १५८ । साइज–८×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६१ ।

विशेष—समास पर्यन्त है । वरदराज भट्टोजीदीक्षित के शिष्य थे । लघुसिद्धा त कौमुदी सिध्दान्तकौमुदी का संक्षिप्त भाग है ।

१५२६ वाक्यप्रकाश……… । पत्र सं० ११ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५२ ।

विशेष—प्रति सटिक है । टीका संस्कृत है ।

१५२६ (क) प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५३ ।

१५२७ वैयाकरण भूषणसार–श्री कोंडभट्ट । पत्र सं० ४२ । साइज–११×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १३६२ ।

विशेष—केवल स्फोट तत्त्व का निरुपण किया गया है ।

१५२८ प्रति नं० २ । पत्र सं०–२२–८५ । साइज–११×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६५८ ।

१५२९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३८ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । दो प्रतियों का मिश्रण है । वेष्टन नं० १६५६ ।

१५३० व्याकरणसूत्र । पत्र सं० ४ । साइज–१२×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८० (ख) ।

१५३१ शव्दशोभा–कवि नीलकण्ठ । पत्र सं० ३३ । साइज–६×५½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२४ श्रावण बुदी अमावस । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८५

१५३२ शव्दसंग्रह……… । पत्र सं० ७ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८६ ।

१५३३ शव्दानुशासन–हेमचन्द्राचार्य । पत्र सं० १०० । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८७ ।

१५३४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३५ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–सप्तम अध्याय तक । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८८ ।

विशेष—लघु वृत्ति सहित है ।

१५३५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ५६ । साइज–१०×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६७ वैशाख सुदी ५ । अष्टम अध्याय तक । शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६८९ ।

१५३६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५ । साइज–१२×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५८० ।

१५३७ सारस्वतचन्द्रिका……… । पत्र सं० ३४–६७ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५३८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज–१२×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५३९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३३–६० । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५४० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३१ । साइज–१०×४¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०४८ ।

१५४१ सारस्वतदीपिका–टीकाकार–श्री चन्द्रकीर्तिसूरि । पत्र सं० १९५ । साइज–१०×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०२८ ।

विशेष—तक्षकपुर में श्री माणिक्यचन्द्रजी ने प्रतिलिपि की थी ।

१५४२ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३२ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०२९ ।

१५४३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७८–२१९ । साइज–१०×४¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३० ।

१५४४ सारस्वतप्रक्रिया–अनुभूतिस्वरूपाचार्य । पत्र सं० ८३ । साइज–८¾×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०३६ ।

१५४५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १०८ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३६ ।

१५४६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २८–४३ । साइज–१०¾×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०३५ ।

१५४७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १०४ । साइज–११½×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७७९ जेष्ठ सुदी ५। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५५ पत्र नहीं हैं । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३४ ।

१५४८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–पंचसंधि मात्र है । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३४ ।

१५४९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० २२ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८७६ । अपूर्ण एवं अशुद्ध दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३३ ।

१५५० प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३८ । साइज–९×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०३२ ।

विशेष—केवल सूत्र ही हैं ।

१५५१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७८ । साइज–८×३½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८९० । पूर्ण कृदन्त प्रक्रिया तक । अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३९ ।

१५५२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० १५–९१ । साइज–९×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३९ ।

१५५३ प्रति नं० १० । पत्र सं० २–२० । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३९ ।

१५५४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १–३२ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३९ ।

१५५५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १–३९ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३९ ।

१५५६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० २५ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३७ ।

१५५७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० २७ । साइज–८×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३७ ।

१५५८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १३ । साइज–१०×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०३८ ।

१५५९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ६५ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०४३ ।

१५६० प्रति नं० १७ । पत्र सं० ७ । साइज–१०½×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८६२ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०४७ ।

विशेष—केवल सूत्र हैं।

१५६१ प्रति नं० १८। पत्र सं० २१। साइज–६×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६६३ आसोज सुदी १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा––सामान्य। वेष्टन नं० २०५०।

१५६२ प्रति नं० १६। पत्र सं० ३७। साइज–१०×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २०४६।

१५६३ प्रति नं० २०। पत्र सं० ८। साइज–८½×४ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–प्रथमसंधि पर्यन्त। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०४०।

१५६४ प्रति नं० २१। पत्र सं० ३३–८६। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६३३ आषाढ सुदी ६। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२०४।

विशेष—लिपिकार गौरीलाल बाकलीवाल है।

१५६५ प्रति नं० २२। पत्र सं० ३४–८६। साइज–१२×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६३३ आषाढ सुदी ६। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०३१।

१५६६ प्रति नं० २३। पत्र सं० ६३। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६४५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०४१।

१५६७ प्रति नं० २४। पत्र सं० ४६। साइज–१०×४इञ्च। लेखनकाल–सं० १७४२ मंगसिर सुदी १३। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २०४२।

१५६८ प्रति नं० २५। पत्र सं० ६। साइज–८½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८४८। पंचसंधि पूर्ण। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०४२।

१५६९ प्रति नं० २६। पत्र सं० ६। साइज–८½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पंचसंधि तक। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०४२।

१५७० प्रति नं० २७। पत्र सं० ५५। साइज–८×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०४२।

१५७१ सारस्वतप्रदीप–भट्ट धनेश्वर। पत्र सं० ६। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २०४६।

विशेष—धातुओं के रुप हैं।

१५७२ सारस्वतरूपमाला………। पत्र सं० ४। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०४५।

१५७३ सारस्वतटीका–टीकाकार–पुंजराज। पत्र सं० २–६३। साइज–१०× इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–व्याकरण। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २०४४।

१५७४ सिद्धान्तकौमुदी–भट्टोजीदीक्षित । पत्र सं० १४६ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखंनकाल × । पूर्वार्द्ध पूर्ण । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०५९ ।

१५७५ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२७ । साइज–१०½×६ इन्च । लेखनकाल × । उत्तरार्द्ध । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०६० ।

१५७६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४० । साइज–११×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण पूर्वार्द्ध तक । सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०६१ ।

१५७७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७४ । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६२ ।

१५७८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०६३ ।

१५७९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ११६ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६३ । अपूर्ण–प्रारम्भ के ४५ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६४ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार ज्ञानेन्द्र सरस्वती हैं ।

टीका का नाम तत्त्वबोधिनी टीका हैं ।

१५८० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १६७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६५ ।

१५८१ प्रात नं० ८ । पत्र सं० ६७ । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । तिङन्त स्वर प्रकरण तक । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०६६ ।

विशेष—संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार जयकृष्ण है ।

१५८२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ६८ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६७ ।

१५८३ प्रति नं० १० । पत्र सं० २५ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०६८ ।

१५८४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० १७५ । साइज–११×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२०१ ।

१५८५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० १८२ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२०२ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार ज्ञानेन्द्र सरस्वती है ।

१५८६ सिद्धान्तचन्द्रिका–श्री रामचन्द्र । पत्र सं० १३८ । साइज–११×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–

व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । तृतीय वृत्ति तक पूर्ण । शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०६६ ।

१५८७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८६ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के ५० पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०७१ ।

१५८८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८४३ अषाढ शुक्ला ४ । पूर्ण एव शुध्द । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०७२ ।

१५८९ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण–पूर्वार्द्ध । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०७२ ।

१५९० प्रति नं० ५ । पत्र सं० ७० । साइज–१०½×४½ इञ्च । पूर्ण–पूर्वार्द्ध । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०७३ ।

१५९१ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १० । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २०७४ ।

१५९२ **सिद्धान्तचन्द्रिका टीका**–टीकाकार–सदानंद । पत्र सं० १२४ । साइज–१०½×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्वार्द्ध । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०७० ।

१५९३ **स्वरोदय**……… । पत्र सं० ३१ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६८ ।

विशेष—हिन्दी टीका भी है ।

१५९४ **हेमलघुन्यास**……… । पत्र सं० ४०१ । साइज १०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५०१ श्रावण बुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५८ ।

विशेष— लिपि बहुत बारीक है । २९६ से पूर्व के पत्र नहीं हैं ।

१५९५ **हेमन्यास टीका**……… । पत्र सं० ४९ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २२५९ ।

विषय—कोश

ग्रन्थ संख्या—३०

१५९६ **अनेकार्थसंग्रह**–हेमचन्द्राचार्य । टीकाकार श्री महेन्द्र सूरि । पत्र सं० १६३ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कोश । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७६२ माघ शुक्ला सप्तमी । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८ ।

विशेष—विक्रमपुर में पं० मुनि सुजानसिंह ने अपने पढने के लिये प्रतिलिपि की थी।

१५९७ **अनेकार्थध्वनि मंजरी**………। पत्र सं० ७। साइज–१२×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८१२ माघ बुदी १। तृतीय अध्याय तक पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७।

विशेष—जयपुर में प्रतिलिपि की गयी थी।

१५९८ प्रति नं० २। पत्र सं० १८। साइज–६½×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। दशा–सामान्थ। वेष्टन नं० १७।

१५९९ प्रति नं० ३। पत्र सं० १४। साइज–१०×४ इन्च। भाषा–संस्कृत। रचनाकाल ×। लेखकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ५४।

१६०० **अभिधानचिंतामणिनाममाला**–आचार्य हेमचन्द्र। पत्र सं० १०१। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण–६ कांड तक। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ३०।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१६०१ प्रति नं० २। पत्र सं० ४९। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। तीसरे कांड तक पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१।

१६०२ प्रति नं० ३। पत्र सं० १०। साइज–१०×४ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२।

१६०३ प्रति नं० ४। पत्र सं० ६७। साइज–१०×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ३२।

विशेष—श्री डूंगरसी ने प्रतिलिपि की थी।

१६०४ **अमरकोश**–अमरसिंह। पत्र सं० ६०। साइज–९×४ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७४६ कार्तिक सुदी २। तीसरे कांड तक पूर्ण। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २३।

विशेष—खीमसी ऋषि के छोटे भाई नेतसी ने कोटा नगर में प्रतिलिपि की थी।

१६०५ प्रति नं० २। पत्र सं० १३। साइज–११½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४।

१६०६ प्रति नं० ३। पत्र सं० ४८। साइज–१२×५½ इन्च। लेखनकाल–सं० १८५२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५।

विशेष—जयपुर में जयचन्द्रजी ने प्रतिलिपि की थी।

१६०७ प्रति नं० ४। पत्र सं० ३९। साइज–१२½×६ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१६०८ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३३। साइज–१०½×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६०९ प्रति नं० ६। पत्र सं० ५१–११६। साइज–१०½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८६५ चैत्र बुदी १३। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६१० प्रति नं० ७। पत्र सं० २३। साइज–९×६½ इन्च। भाषा–संस्कृत। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६११ प्रति नं० ८। पत्र सं० ३२–४३। साइज–१२½×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६१२ प्रति नं० ९। पत्र सं० १३। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ६०।

१६१३ अमरकोश सटीक–रचयिता श्री अमरसिंह। टीकाकार–श्री भानुजीदीक्षित। पत्र सं० ४४२। साइज–११×५¼ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८६० माघ शुक्ला ५। तीसरे कांड तक पूर्ण। सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २७।

विशेष—लेखक लक्ष्मीनाथ। कोश की एक पुष्पिका निम्न प्रकार है।

इति श्री बघेरवालवंशोद्भव श्री महीपरविषयाधिपकीर्त्तिसिंहदेवाज्ञया श्री ५ भट्टोजिदीक्षितात्मज श्री भानुजीदीक्षित विरचितायां अमरटीकायां व्याख्या सुधाख्याय द्वितीयकांडे वनौषधि वर्गः विवरणं समाप्तं।

१६१४ एकाक्षरीनाममाला……। पत्र सं० ३। साइज–१०½×४ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०७।

१६१५ एकाक्षरनाममालिका–मुनि विश्वशंभु। पत्र सं० ११। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७२१ माह सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०८।

विशेष—यह पुस्तक जोधराज गोदीका ने पढने के लिये लिखी थी।

१६१६ नाममाला–धनंजय। पत्र सं० १३। साइज–११×५ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–कोश। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८५७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७६४।

१६१७ प्रति नं० २। पत्र सं० १६। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८८२।

१६१८ प्रति नं० ३। पत्र सं० १७। साइज–९½×४ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८८३।

१६१९ प्रति नं० ४। पत्र सं० १५। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८८४।

१६२० प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६१० ।

१६२१ **नानार्थकोश**……… । पत्र सं० ४० । साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कोश । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रथम तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८८५ ।

१६२२ **मानमंजरी**–नन्ददास । पत्र सं० १२ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कोश । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७५४ माघ सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३६० ।

१६२३ **विश्वलोचन**–पंडित धर्मसेन । पत्र सं० ५१–८२ । साइज–१०$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कोश । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६२२ अषाढ शुक्ला ५ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६४५ ।

१६२४ **शब्दकौस्तुभ**–भट्टोंजीभट्ट । पत्र सं० २०६ । साइज–९$\frac{१}{२}$×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कोश । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण–प्रथम अध्याय के प्रथम पाद तक । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८४ ।

१६२५ **हैमीनाममाला सूची**……… । पत्र सं० ५ । साइज–१०×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–कोश । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२६१ ।

विशेष— केवल सूची मात्र है ।

* * *

विषय—आयुर्वेद

ग्रन्थ सख्या—११

१६२६ **जगसुंदरीप्रयोगमाला**–मुनि यशःकीर्त्ति । पत्र सं० १४४ । साइज–११$\frac{५}{२}$×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–जीर्ण वेष्टन नं० ४५८ ।

१६२७ **पथ्यापथ्य**……… । पत्र सं० १३ । साइज–८×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६४३ ।

१६२८ **मधुकोशल**……… । पत्र सं० ४१ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३७३ ।

१६२६ योगसार········। पत्र सं० ३४-२०३ । साइज-१२×४ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १४६० ।

१६३० योगरत्नावली-परमशिवाचार्य पं० श्रीकृष्ण । पत्रसं० ५ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४६६ ।

विशेष—केवल रसायन विधि नामक छट्ठा परिच्छेद है ।

१६३१ योगचिन्तामणि-हर्षकीर्त्ति । पत्र सं० ६० । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६६३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४७२ ।

१६३२ शतश्लोकवैद्यक-व्योपदेव । पत्र सं० ६ । साइज-१०½×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६८२ ।

१६३३ शार्ङ्गधर संहिता-शार्ङ्गधर । पत्र सं० ५६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७०४ ।

१६३४ शार्ङ्गधरदीपिका-श्री सावसिंहात्मज "नाटमल्ल" । पत्र सं० १५१ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७०४ ।

१६३५ सुश्रुतसंहिता-श्री सुश्रुत । पत्र सं० २२०-२३२ । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-आयुर्वेद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१३७ ।

१६३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २-६३ । साइज-१२×५ इन्च । लेखनकाल-सं० १६४८ फागुण सुदी ७ । शारीराध्याय तक सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१३६ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहीत है । टीकाकार श्री जयदास हैं ।

विषय—ज्योतिषादि निमित्त-ज्ञान साहित्य

ग्रन्थ संख्या—६६

१६३७ अवजदकेवली········। पत्र सं० २ । साइज-१०½×५ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६ ।

१६३८ अरिष्टाध्याय········। पत्र सं० २४ । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-ज्योतिष शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६८० माघ कृष्णा ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३० ।

विशेष—हिन्दी में शब्दार्थ दिया हुआ है ।

१६३९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज–१२×८ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३० ।

१६४० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज–२१×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१ ।

१६४१ गणपाठ……। पत्र सं० २४ । साइज–१०×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३०८ ।

१६४२ गर्भषडारचक्र–देवनंदि । पत्र सं० ६ । साइज–१०½×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३१२ ।

१६४३ गृहलाघव–गणेश दैवज्ञ । पत्र सं० ३१ । साइज–१०×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । प्रथम पत्र नहीं है । वेष्टन नं० ३४७ ।

१६४४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३४८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१६४५ गृहदृष्टिफल……। पत्र सं० ६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३४९ ।

१६४६ गृहगोचरफल……। पत्र सं० २ । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३५० ।

१६४७ चन्द्रोन्मीलन……। पत्र सं० २७ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८५२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४०२ ।

१६४८ चन्द्रोन्मीलन टीका……। पत्र सं० ६६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७५४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४०३ ।

विशेष—संग्रामपुर में भट्टारक जगत्कीर्त्ति ने टीका लिखवायी थी ।

१६४९ चमत्कारचिंतामणि–श्री नारायण भट्ट । पत्र सं० ५ । साइज–१०×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४०४ ।

१६५० चमत्कारचिंतामणि–कल्याणवर्मा । पत्र सं० १३ । साइज–८×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४०५ ।

१६५१ जातकपद्धति–श्री गणक केशव । पत्र सं० ६ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४६४ ।

१६५२ जातकपद्धति–श्रीपति भट्ट । पत्र सं० १३ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–

ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ४६५ ।

१६५३ जातकालंकार–गणेश दैवज्ञ । पत्र सं० १७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४६६ ।

विशेष—लेखक श्री गोपाल के पुत्र थे ऐसा स्वयं लेखक ने लिखा हैं ।

१६५४ ज्योतिष खंड……। पत्र सं० ४ । साइज–१०×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ५२४ ।

विशेष—दूसरे पत्र से इसी छन्द शास्त्र का विषय वर्णित है ।

१६५५ ज्योतिषरत्नमाला–श्रीपति । पत्र सं० ११ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२५ ।

१६५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० २५ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०३ वैशाख बुदी १३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२६ ।

विशेष—रामचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी ।

१६५७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १६ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५५९ श्रावण पंचमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ५२६ ।

विशेष—निदानपुर में भारमल्ल के शासनकाल में ग्रन्थ की प्रतिलिपि की गयी थी ।

१६५८ ज्योतिषशास्त्र………। पत्र सं० १९ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२७ ।

१६५९ ज्योतिष्करण्ड ………। पत्र सं० ५–९७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५२८ ।

विशेष—संस्कृत में टीका दी हुई है । टीकाकार श्री मलयगिरि हैं ।

१६६० ताजिकशास्त्र–श्री विश्वनाथ । पत्र सं० ५१ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । टीकाकाल–सं० १५५१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६३२ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री नीलकण्ठ हैं ।

१६६१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७४ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६३२ ।

१६६२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६३३ ।

१६६३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ८ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६३३ ।

१६६४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २७ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९६७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ९३४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री हर्षरत्न हैं ।

१६६५ दशाचक्र········। पत्र सं० २६ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१२ ।

१६६६ दिवाकरपद्धति–दिवाकर । पत्र सं० ९ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल–सं० १५४७ (शक) । लेखनकाल–सं० १८३० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७४० ।

१६६७ दिशाफल········। पत्र सं० ६ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७४१ ।

विशेष—अन्तिम पत्र पर त्रिपता का चक्र भी है ।

१६६८ नवग्रह विचार········। पत्र सं० ५ । साइज–९×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८५७ ।

१६६९ नृपतिजयचर्य्या–नरपति । पत्र सं० ४९ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८३० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९२९ ।

१६७० नारचन्द्र ज्योतिषशास्त्र–नारचन्द्र । पत्र सं० १९ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८८६ ।

१६७१ निमित्त शास्त्र········। पत्र सं० १० । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी (पुरानी) । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९०७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९०७ ।

१६७२ पद्मकोश–गंगेन्द्रि । पत्र सं० ७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९५० ।

१६७३ पाशाकेवली········। पत्र सं० १० । साइज–८½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९४० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११०३ ।

१६७४ पाशाकेवली–गर्गऋषि । पत्र सं० ११ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × लेखनकाल × ! पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११०४ ।

१६७५ प्रश्नदीपिका········। पत्र सं० ४ । साइज–१०½×४½ इञ्च । विषय–ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११९६ ।

१६७६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११९७ ।

१६७७ भद्रबाहु संहिता–भद्रबाहु । पत्र सं० ४७ । साइज–९×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–ज्योतिष ।

शकुन । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १६७१ मंगसिर सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १३२५

विशेष—मुनि पद्मनन्दि ने गोपाचल में प्रतिलिपि की थी ।

१६७८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ९८ । साइज—१०½×५ इन्च । लेखनकाल—सं० १६०७ भादवा सुदी ७ । अपूर्ण—८२-९० तक । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३१६ ।

१६७९ भुवनदीपक—श्री पद्मप्रभसूरि । पत्र सं० १९ । साइज—११×५ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल—सं० ११३४ । लेखनकाल—सं० ११३२ ? (१७३२) । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३५७ ।

१६८० भुवनदीपक—हेमप्रभसूरि । पत्र सं० ३९ । साइज—१३×९ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १३५८ ।

१६८१ मानसागरीपद्धति……… । पत्र सं० १७१ । साइज—१०½×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय— रचनाकाल × । लेखनकाल—स० १८३० चैत्र शुक्ला १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३९१ ।

१६८२ मासेश्वरफल……… । पत्र सं० १ । साइज—१०½×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १३९३ ।

१६८३ मुहूर्त्तमुक्तावली—परमहंसपरिव्राजकाचार्य । पत्र सं० ६ । साइज—१२×५½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १८७५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४०४ ।

१६८४ मुहूर्त्तचिंतामणि……… । पत्र सं० २५ । साइज—११×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४०३ ।

१६८५ रत्नदीपक……… । पत्र सं० ८ । साइज—१०×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५१९ ।

१६८६ रत्नमञ्जूषा……… । पत्र सं० १७ । साइज—१०×४ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण—प्रारम्भ के १२ पत्र नहीं हैं । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५२० ।

१६८७ राजयोगवर्णन……… । पत्र सं० ३ । साइज—१०½×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५३६ ।

१६८८ वर्षतन्त्र—श्री नीलकण्ठ । पत्र सं० ३५ । साइज—११×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६१६ ।

१६८९ वर्षविनोद—रामविनोद । पत्र सं० १३ । साइज—१०½×४½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल—सं० १५५० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १६१७ ।

१६९० वृहज्जातक—श्री वराहमिहर । पत्र सं० ३७ । साइज—१०½×५ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—ज्योतिष । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १६६४ ।

विशेष—प्रति ११ पत्र तक सटीक है।

१६६१ वराहसंहिता ……। पत्र सं० ६। साइज—१० ३/४×४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६७२।

विशेष—केवल स्त्रीमात्र फल है।

१६६२ शकुनशास्त्र ……। पत्र सं० ५३। साइज—१० ३/४×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६८१।

१६६३ षट्पंचासिका वृत्ति—भट्टोत्पल। पत्र सं० १८। साइज—११×४ ३/४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८२८ वैशाख सुदी १०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १५६०।

विशेष—महाचंद्र ने स्वपठनार्थ लिखी थी।

१६६४ प्रति नं० २। पत्र सं० ८। साइज—११×४ ३/४ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८८२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७६०।

१६६५ प्रति नं० ३। पत्र सं० १४। साइज—८ ३/४×५ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८२५ पौष सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १७८६।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया गया है।

१६६६ सर्वतोभद्रचक्र ……। पत्र सं० ५। साइज—११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १६५३।

१६६७ सामुद्रिक ……। पत्र सं० १५। साइज—६×६ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १८३३ फागुण बुदी १३। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा—जीर्ण। पत्र एक दूसरे से चिपे हुये हैं। वेष्टन नं० २०२२।

१६६८ स्वप्नविचार ……। पत्र सं० ५। साइज—११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २१६१।

१६६९ स्वप्नाध्याय ……। पत्र सं० २। साइज—१० ३/४×४ ३/४ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—ज्योतिष। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २१६२।

१७०० होराष्टपंचासिका टीका ……। पत्र सं० २७। साइज—८×४ ३/४ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८७०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२६०।

१७०१ प्रति नं० २। पत्र सं० ५। साइज—१०×४ ३/४ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८६८ वैशाख सुदी १०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२६०।

१७०२ प्रति नं० ३। पत्र सं० ८। साइज—१० ३/४×४ ३/४ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८२८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २२६०।

विषय—मंत्र तंत्रादि

ग्रन्थ संख्या—१२

१७०३ **उन्मत्तभैरवी**……। पत्र सं० ३७ । साइज-१२×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७८ ।

१७०४ **गणधरवलयं मंत्र**……। पत्र सं० २-३६ । साइज-११×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १९१३ माह बुदी २ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३०९ ।

विशेष—अन्य मंत्र भी हैं ।

१७०५ **ज्वालामालिनीकल्प**—मूलकर्त्ता-इन्द्रनंदि योगीन्द्र । भाषाकार-चंद्रशेखर शास्त्री । पत्र सं० ५६ । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-संस्कृत हिन्दी । विषय-मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १९९१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५२३ ।

विशेष—विषय सूची अतिरिक्त पत्रों में दे रखी है । श्री जमनालाल शर्मा ने प्रतिलिपि की थी ।

१७०६ **णमोकारकल्प**……। पत्र सं० १ । साइज-११½×८ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५७४ ।

१७०७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ९ । साइज-८×१½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५७४ ।

विशेष—१०८ बार णमोकार मंत्र लिखा हुआ है । दूसरे पत्र पर णमोकार मन्त्र विद्या सिद्धि के लिये लिखा हुआ है ।

१७०८ **णमोकारकल्प**—भट्टारक सिंहनंदि । पत्र सं० ४७ । साइज-११×५½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मंत्रशास्त्र । रचनाकाल-सं० १६६७ । लेखनकाल-सं० १९८९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ५७५ ।

१७०९ **भक्तामरस्तोत्र** । पत्र सं० २६ । साइज-११½×८ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १९३६ वैशाख शुक्ला १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२९८ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है ।

१७१० प्रति नं० २ । पत्र सं० ३२-४८ । साइज-८½×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२९७ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है । मंत्रों के यंत्रों के खाके भी दिये हुये हैं ।

१७११ **भक्तामरस्तोत्र**……। पत्र सं० २ । साइज-१०½×५ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-मंत्रशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १२९३ ।

१७१२ **मन्त्रमहोदधि**–श्री महीधर। पत्र सं० १०५। साइज–१०$\frac{३}{४}$×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–मंत्रशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८५६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३७५।

१७१३ **विद्यानुशासन**–मतिसागर। पत्र सं० १७८। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–मंत्रशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १४३२ पौष सुदी १४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६३०।

विशेष—प्रति यंत्रों सहित है। मतिसागर संग्रहकर्त्ता हैं। उन्होंने भिन्न भिन्न आचार्यों द्वारा निर्मित मन्त्रों का संग्रह करके विद्यानुशासन नाम दिया है। इसका दूसरा नाम विद्यानुवाद भी है। आयुर्वेद का भी विद्यानुशासन में समावेश है।

१७१४ **सौभाग्यरत्नाकर**–श्री विद्यानंदनाथ। पत्र सं० ५०–१४८। साइज–१२$\frac{३}{४}$×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–मंत्रशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७३६। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २२५७।

विशेष—हृदयराम ने प्रतिलिपि की थी।

विषय—छन्दशास्त्र

ग्रन्थ संख्या—१७

१७१५ **छंद कोश**……। पत्र सं० ७। साइज–१०$\frac{३}{४}$×४$\frac{३}{४}$ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–छन्दशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४५१।

१७१६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ६। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७९३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४५२।

१७१७ **द्वात्रिंशद्गुण भेद**……। पत्र सं० २। साइज–१०$\frac{३}{४}$×६ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–छन्दशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ७४२।

१७१८ **पिंगलछंदशास्त्र**–श्री नानूराम। पत्र सं० ९९। साइज–९×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–छन्दशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११०५।

विशेष—प्रति के मध्य में से दो तीन स्थानों के पत्र फटे हुये हैं। पद्य सं० १०५८ है।

१७१९ **पिंगलशास्त्र**……। पत्र सं० ३७। साइज–१२×५$\frac{३}{४}$ इञ्च। भाषा–प्राकृत। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७९९ कार्त्तिक बुदी ९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ११०६।

विशेष—प्रति हिन्दी टीका सहित है।

१७२० वृत्तरत्नाकर–भट्टकेदार । पत्र सं० ६ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–छन्दशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६६ ।

१७२१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६४४ माह सुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७३ ।

१७२२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ९ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७४ ।

१७२३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७४ ।

१७२४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १० । साइज–११×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२३ श्रावण सुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१७२५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १२ । साइज–११×५½ इञ्च । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६७५ ।

१७२६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० २० । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६७५ ।

१७२७ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ११ । साइज–९×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३७ फागुण वुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८० ।

१७२८ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ५ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८० ।

१७२९ प्रति नं० १० । पत्र सं० १४ । साइज–९×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६८० ।

१७३० श्रुतबोध–कालिदास । पत्र सं० ४ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–छन्दशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८९५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७५४ ।

१७३१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज–१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १७५५ ।

* * *

विषय—रस एवं अलंकार

ग्रन्थ संख्या—३०

१७३२ अमरूकशतक–मूलकर्त्ता–अमुरू । पत्र सं० ५५ । साइज–११×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री चतुर्भुज हैं ।

१७३३ कविकल्पलता–वाग्भट्ट सुत श्री देवेश्वर । पत्र सं० २६ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५३ ।

विशेष—प्रथम पद्य–इस प्रकार है ।

मालवेंद्रमहामात्यः श्रीमद्वाग्भट्टनंदनः ।
देवेश्वरः प्रतनुते कविकल्पलतामिमां ॥

१७३४ कविमुखमंडन–पं० ज्ञानमेरुमुनि । पत्र सं० १० । साइज–६×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५४ ।

विशेष—दौलतखां के लिये शास्त्र रचना की गयी थी ऐसा कवि ने उल्लेख किया है । फतहपुर में इसकी प्रतिलिपि हुई थी ।

१७३५ काव्यप्रकाश–मम्मट । पत्र सं० १४६ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकार शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २६१ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री वैद्यनाथ हैं । टीका का नाम उदाहरण चन्द्रिका है ।

१७३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज–१०⅓×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६२ ।

विशेष—मूल कारिकाओं का संग्रह है ।

१७३७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४१–६६ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५४ फाल्गुण शुक्ला प्रतिपदा । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २६० ।

विशेष—जयचन्द्रजी ने नन्दलाल के पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

१७३८ काव्यप्रदीप–महामहोपाध्याय श्री गोविन्द । पत्र सं० १५० । साइज–१३×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४० वैशाख सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २६३ ।

विशेष—गोविन्दराम दधीचि ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी । प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार श्री वैद्यनाथ हैं । टीकाकार विठ्ठलसूरि के पौत्र एवं रामभट्ट के पुत्र थे ।

१७३९ काव्यादर्श–महाकवि दण्डी । पत्र सं० ४२ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १५७३ मंगसिर बुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

खण्डेलवालान्वय पापल्यागोत्रे सा० घडसी ने इसकी प्रतिलिपि करवाकर मुनि धर्मचन्द्र को प्रदान की थी ।

१७४० कुवलयानन्द–अप्पयदीक्षित । पत्र सं० ६६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–१–१५ तक के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८२ ।

१७४१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १–२४ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २८२ ।

१७४२ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १–२५ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८२ ।

१७४३ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८१६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८३ ।

विशेष—सवाई जयनगर में पं० सुखराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१७४४ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ७ । साइज–६×६ इञ्च । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८

१७४५ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ९ । साइज–१०½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८५ ।

१७४६ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ९ । साइज–१०½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २८५ ।

१७४७ रसगंगाधर टिप्पण……… । पत्र सं० ३१ । साइज–९×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकार-शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२४ ।

विशेष—रसगंगाधर के कठिन स्थलों का टिप्पण है ।

१७४८ रसतरंगिणी–श्री भानुदत्त । पत्र सं० ३६ । साइज–१०½×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकार शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८३५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२५ ।

१७४९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज–११×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५३ वैशाख शुक्ला १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२६ ।

१७५० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १–२९ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२७ ।

१७५१ रसमंजरी–भानुदत्त । पत्र सं० २५ । साइज–११½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकार

शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२८ ।

१७५२ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५३ पौष सुदी १२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५२९ ।

१७५३ रसतरंगिणी–भट्टाचार्य वेणीदत्त शर्मा । पत्र सं० ६६ । साइज–१३×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–रस । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५३० ।

१७५४ रसमंजरी भाषा–श्री रघुनाथ । पत्र सं० २३ । साइज–११½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७७१ पौष बुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५३१ ।

विशेष—लाहौर नगर में प्रतिलिपि हुई थी ।

१७५५ रसमंजरी…….. । पत्र सं० १८ । साइज–८½×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–रस । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५३२ ।

१७५६ रसरहस्य–श्री कुलपति मिश्र । पत्र सं० ८८ । साइज–१०½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल–सं० १७२७ । लेखनकाल–सं० १८८९ । अपूर्ण–प्रारम्भ के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५३३ ।

विशेष—लालजीमलजी कायस्थ के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

१७५७ वाग्भट्टालंकार–वाग्भट्ट । पत्र सं० १६ । साइज–१२×४¼ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–अलंकारशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६५४ ।

१७५८ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज–१०⅓×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६६० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१७५९ श्रृंगारवैराग्य तरंगिणी–सोमप्रभाचार्य । पत्र सं० १२ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–रस । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७२० ।

१७६० श्रृंगार शतक…….. । पत्र सं० ४ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–श्रृंगाररस । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२२ चैत बुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७२१ ।

१७६१ संदेशरासक–अद्दहमाण । (अब्दुल रहमान) । पत्र सं० ३१ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–श्रृंगाररस । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०८ वैशाख सुदी १४ । अपूर्ण–प्रारम्भ के ३ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८२८ ।

विशेष—सरस्वती पत्तन में बादशाह सलीम के शासनकाल में वाचनाचार्य माणिक्यराज ने लिखा । संस्कृत में टीका दी हुई है । संस्कृत अर्थ स्पष्ट है ।

विषय—गणित शास्त्र

ग्रन्थ सख्या—१४

१७६२ बीजगणित………। पत्र सं० २६ । साइज—८×४ इञ्च । विषय—गणित । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १२६८ ।

१७६३ बीजगणित सटीक………। टीकाकार—श्री कृष्ण गणक। पत्र सं० १०७। साइज—१०½×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत । विषय—गणित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १२६६

१७६४ लीलावती सूत्र—भास्कराचार्य । पत्र सं० १६ । साइज—१०×५½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—गणित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५८१ ।

१७६५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २४ । साइज—१३×५½ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८४४ आसोज बुदी ५ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५८५ ।

१७६६ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १०८ । साइज—११½×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १९३४ वैशाख सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५८८ ।

१७६७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १३० । साइज—१२½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५८९ ।

१७६८ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५ । साइज—९×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५९० ।

१७६९ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५ । साइज—१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—उत्तम । वेष्टन नं० १५९० ।

१७७० प्रति नं० ७ । पत्र सं० १०० । साइज—९½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५९१ ।

१७७१ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७८ । साइज—११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५९२ ।

१७७२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ३४ । साइज—१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण—प्रारम्भ के तथा अन्त के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५९३ ।

१७७३ लालावती भाषा………। पत्र सं० २८ । साइज—१२×५ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—गणित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० १५९४ ।

१७७४ प्रति नं० २ । पत्र सं० १८ । साइज—११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—

सामान्य । वेष्टन नं० १५९६ ॥

विशेष—प्रति प्राचीन है॥

१७७५ लीलावती भाषा—लालचंद । पत्र सं० २१ । साइज—१२×५½ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय-गणित॥ रचनाकाल—सं० १७३० । लेखनकाल—सं० १७४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५९५ ।

विशेष—प्रशस्ति सुन्दर एवं महत्त्वपूर्ण है ।

विषय—कामशास्त्र

ग्रन्थ संख्या—४

१७७६ कोक प्रबन्ध……। पत्र सं० २० । साइज—६×६ इन्च । भाषा—हिन्दी । विषय—कामशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७९५ श्रावण सुदी ८ । पूर्ण एवं अशुद्ध ॥ दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २८७ ।

१७७७ कोकसार—आनंदकवि । पत्र सं० १७ । साइज—६×६ इन्च । भाषा—हिन्दी विषय—कामशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७९५ श्रावण सुदी १३ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २८८ ।

१७७८ रतिरहस्य टीका……। पत्र सं० ५ । साइज—१०×४½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कामशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १४८७ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ सहित है ।

१७७९ सामुद्रिकशास्त्र……। पत्र सं० ४२ । साइज—६×५½ इन्च । भाषा—संस्कृत । विषय—कामशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० २०२१

विशेष—प्रति सटीक है । टीका हिन्दी गद्य में है ।

विषय—लोकविज्ञान

ग्रन्थ संख्या—३३

१७८० अकृत्रिम चैत्यालय वर्णन—बाबा दुलीचंद पत्र सं० ४ । साइज—१०½×६½ इन्च । भाषा—हिन्दी । विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल—सं० १९५१ । लेखनकाल—सं० १९५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६ ।

विशेष—त्रिलोकसार ग्रन्थ में से लिया गया है।

१७८१ जैन यात्रा दर्पण—बाबा दुलीचंद पत्र सं० २७। साइज—११×७½ इञ्च । भाषा—हिन्दी। विषय—भूगोल । रचनाकाल × । लेखनकाल । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य वेष्टन नं० ५०६।

विशेष—प्रथम भाग है।

१७८२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४३ । साइज—१०½×७ इञ्च । लेखनकाल—सं० १६५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५०६ ।

विशेष—षष्ठ भाग तक पूर्ण है।

१७८३ जैनयात्रा दर्पण—बाबा दुलीचंद । पत्र सं० ७० । साइज—१०×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—भूगोल । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५०७ ।

विशेष—जैन तीर्थों की यात्रा का पूर्ण विवरण दिया हुआ है।

१७८४ त्रिलोकदीपक—इन्द्रवामदेव । पत्र सं० ८९ । भाषा—संस्कृत । विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६५९ ।

१७८५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८१ । साइज—१३½×७½ इञ्च । लेखनकाल । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा जीर्ण । वेष्टन नं० ६६० ।

१७८६ त्रिलोकदीपक········। पत्र सं० १९—६७ । साइज—१२×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६६१ ।

१७८७ त्रिलोक प्रज्ञप्ति········। पत्र सं० १०२ । साइज—१२×५½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण—प्रारम्भ के ३ तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६६२ ।

१७८८ त्रिलोक प्रज्ञप्ति········। पत्र सं० २६५ । साइज—१२×५½ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७९८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६६३ ।

१७८९ त्रिलोक प्रज्ञप्ति········। पत्र सं० ४२४ । साइज—१०×५ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७८७ । ज्येष्ठ शुक्ला १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६६४ ।

विशेष—वृंदावती नगरी में रावराजा बुधसिंहजी के राज्य में मुनि रामविमल ने प्रतिलिपि की थी।

१७९० त्रिलोकसार—आचार्यनेमिचन्द्र । पत्र सं० ७१ । साइज—११×५ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ६६६ ।

१७९१ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३३ । साइज—१०½×५ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८८४ । पौष शुक्ला ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६६७ ।

१७९२ प्रति नं० ३ । पत्र सं २१४ । साइज—१२×५½ इञ्च । लेखनकाल—सं० १८७३ भादवा बुदी ७ । अपूर्ण प्रारम्भ के २५ पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ६६८ ।

१७९३ प्रति नं० ४। पत्र सं० २९। साइज-१०×४½ इन्च। लेखनकाल-सं० १५४२ चैत्र बुदी ११। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६६९।

विशेष—मुनि विशालकीर्त्ति के निमित्त व्याघ्रेरवालान्वय देवराया गोत्र वाले सं० तीकम के पुत्र शंकर एवं उसकी भार्या धानी ने शास्त्र की प्रतिलिपि करवायी थी।

१७९४ प्रति नं० ५। पत्र सं० ६४। साइज-१५×७ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६७०।

१७९५ प्रति नं० ६। पत्र सं० ५७। साइज-१२×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण-प्रारम्भ का १ पत्र नहीं है। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० ६७१।

विशेष—सागरसेन कृत संस्कृत टीका सहित है।

१७९६ प्रति नं० ७। पत्र सं० २६। साइज-१०×४½ इन्च। लेखनकाल-सं० १७९६ वैशाख बुदी ९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६७१।

विशेष—नरसिंह अग्रवाल ने प्रतिलिपि की थी।

१७९७ प्रति नं० ८। पत्र सं० ९१। साइज-१०×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६७२।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है। टीकाकार श्री सहस्रकीर्त्ति हैं।

१७९८ प्रति नं० ९। पत्र सं० ६२। साइज-१०×४½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १५२९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६७३।

विशेष—प्रति सागरसेन कृत संस्कृत टीका सहित है।

१७९९ **त्रिलोकसंदृष्टि**……। पत्र सं० १४। साइज-१५½×८ इन्च। भाषा-प्राकृत। विषय-लोकविज्ञान। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६६५।

विशेष—रेखाओं द्वारा विषय को समझाया गया है।

१८०० **त्रिलोकसार भाषा**……। पत्र सं० २७६। साइज-१२×६½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-लोकविज्ञान। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ६७४।

१८०१ **त्रिलोकसार भाषा-पंडित टोडरमलजी**। पत्र सं० ३०३। साइज-११½×६½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-लोकविज्ञान। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८३९। अपूर्ण-प्रारम्भ के १०८ पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ६७८।

१८०२ **त्रिलोकसार भाषा-स्वरूपचंद बिलाला**। पत्र सं० १८। साइज-१०×४½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-लोकविज्ञान। रचनाकाल-सं० १९०१। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० ६७६।

विशेष—संवत् १६२७ में सुमतिकीर्त्ति सूरि कृत त्रैलोक्यसार की गुजराती भाषा के आधार पर उक्त ग्रंथ की

रचना की गयी । पद्य सं० २३२ ।

१८०३ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७७ ।

१८०४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १८ । साइज-१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७५ ।

१८०५ **त्रिलोकसार भाषा**……… । पत्र सं० ३९ । साइज-१४½×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-लोकविज्ञान रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७९ (क) ।

१८०६ **त्रिलोकसार दर्पण कथा**-श्री खड्गसेन । पत्र सं० १२० । साइज-१३×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल-सं० १७०८ । लेखनकाल-१८०४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । लिपि-विकृत । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६७९ ।

१८०७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १९५ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७३८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८० ।

१८०८ **त्रिलोकदीपक**-इन्द्रवामदेव । पत्र सं० ८६ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६८९ ।

१८०९ **त्रिलोकदीपक**-गुणभूषण । पत्र सं० ८१ । साइज-१५×१० इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८६३ बैशाख सुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६९० ।

विशेष—विषय को रेखाचित्रों द्वारा समझाया गया है । रेखाचित्र रंगीन हैं ।

१८१० **त्रिलोकस्थिति**……… । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४ इन्च । भाषा-संस्कृत-प्राकृत । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६९१ ।

१८११ **मजलसराय पानीपत वाले का पत्र**……… । पत्र सं० १ । साइज-१२×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-यात्रावर्णन । रचनाकाल-सं० १८२२ । लेखनकाल-सं० १८२२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १३७२ ।

विशेष—श्री मजलसराय गोमट्ट स्वामी की यात्रा करने गये थे । यात्रा से लौटने के पश्चात् हैदराबाद (दक्षिण) से उन्होंने सा० उग्रसेन पानीपतवालों को अपनी यात्रा का वर्णन लिखा है । पत्र महत्त्वपूर्ण है ।

१८१२ **सूर्यप्रज्ञप्ति टीका**……… । पत्र सं० १३९ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-लोकविज्ञान । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१५२ ।

विषय—सुभाषित

ग्रन्थ संख्या—३०

१८१३ **उपदेशशतक**–द्यानतरायजी । पत्र सं० २२ । साइज–११×५¾ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सुभाषित । रचनाकाल–सं० १७५८ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९१ ।

१८१४ **प्रति नं० २** । पत्र सं० १९ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९१ ।

१८१५ **दुर्घटकाव्य**–कवि कालिदास । पत्र सं० २२ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७५४ ।

१८१६ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ६ । साइज–११×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १९०० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७५५ ।

१८१७ **बुधजन सतसई**–बुधजन । पत्र सं० ८ । साइज–८×६ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण–नीति अधिकार तक । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२७० ।

१८१८ **बावनी**–किशनदास । पत्र सं० १८ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सुभाषित । रचनाकाल–सं० १७६३ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६७ ।

विशेष—बनारसीदास कृत बावनी भी इसी में है ।

१८१९ **भर्तृहरिशतक**–मर्तृहरि । पत्र सं० १९ । साइज–१०½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२३ द्वितीय चैत्र शुक्ला ११ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३१८ ।

१८२० **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३४ । साइज–१०½×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९३० चैत्र बुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १३१७ ।

१८२१ **मान बावनी**–मनराज । पत्र सं० १२ । साइज–९×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३८८ ।

१८२२ **विवेकविलास**–श्री जिनदत्त सूरि । पत्र सं० ८९ । साइज–८×३½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य जीर्ण । वेष्टन नं० १६३८ ।

१८२३ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ४३ । साइज–१०½×४¼ इञ्च । लेखनकाल × । प्रथम पत्र नहीं है । सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६३९ ।

१८२४ **प्रति नं० ३** । पत्र सं० १२ से १७ तक । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६४० ।

१८२५ **बारक्खरी दोहा**-(बारहखडी दोहा) श्री महचंद। पत्र सं० १२। साइज-१०×४½ इञ्च। भाषा-अपभ्रंश। विषय-सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १५९१ पौष सुदी १२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १६५३।

विशेष—श्री चाहड सौगाणी ने प्रतिलिपि करवाई थी।

१८२६ **षष्ठशतप्रकरण**-भंडारी नेमिचन्द। पत्र सं० ७। साइज-१०×४ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८०६।

१८२७ **सज्जनचित्तवल्लभ**……। पत्र सं० ४। साइज-१०½×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८१७।

१८२८ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ४। साइज-९½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८१७।

१८२९ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ४। साइज-१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १८१८।

१८३० **प्रति नं० ४**। पत्र सं० ४। साइज-८½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० १८१८।

१८३१ **सद्भाषितावली**-पन्नालाल चौधरी। पत्र सं० ६०। साइज-१३×७ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-सुभाषित। रचनाकाल-सं० १९१०। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम। वेष्टन नं० २१२८।

१८३२ **संबोधपंचाशिका**-गौतमस्वामी। पत्र सं० १७। साइज-१०½×४½ इञ्च। भाषा-प्राकृत। विषय-आत्मबोध सम्बन्धी गाथायें। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९३०।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है।

१८३३ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ५। साइज-११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १९३०।

१८३४ **सिंदूरप्रकरण**-कौरपाल बनारसीदास। पत्र सं० १६। साइज-१०½×५½ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-सुभाषित। रचनाकाल-सं० १६९६। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०८९।

१८३५ **प्रति नं० २**। पत्र सं० २६। साइज-९×५½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८१८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २०९०।

१८३६ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० २९। साइज-९×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २०९१।

१८३७ **सुभाषितकोश**……। पत्र सं० ४। साइज-१०×४½ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २१३५।

१८३८ **सुभाषितरत्नमाला**……। पत्र सं० १२। साइज–१३×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २१२९।

१८३९ **सुभाषितरत्नसंदोह**–अमितिगति। पत्र सं० ३१–७५। साइज–१०×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८९३ फाल्गुण १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २१३२।

१८४० **सुभाषितार्णव**–भ० शुभचन्द्र। पत्र सं० ६५। साइज–११½×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७७४ ज्येष्ठ सुदी ८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१११।

१८४१ प्रति नं० २। पत्र सं० ६७। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २११०।

१८४२ **सुभाषितसंग्रह**……। पत्र सं० १८। साइज–१२×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१३०।

१८४३ **सुभाषितसंग्रह**……। पत्र सं० ८। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१३१।

१८४४ **सुभाषितावली**–भट्टारक सकलकीर्त्ति। पत्र सं० २४। साइज–१०×४½ इन्च। भाषा–संस्कृत। विषय–सुभाषित। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २११२।

१८४५ प्रति नं० २। पत्र सं० ३४। साइज–१०½×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १९२३ माघ शुक्ला १३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २११३।

१८४६ प्रति नं० ३। पत्र सं० २६। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८४०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २११४।

१८४७ प्रति नं० ४। पत्र सं० २२। साइज–१०×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य वेष्टन नं० २११४।

१८४८ प्रति नं० ५। पत्र सं० २१। साइज–१२×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २११४।

१८४९ प्रति नं० ६। पत्र सं० २०। साइज–११×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम वेष्टन नं० २११४ :

१८५० प्रति नं० ७। पत्र सं० २०। साइज–१०½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २११४।

१८५१ प्रति नं० ८। पत्र सं० २६। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २११४।

१८५२ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ३० । साइज-९X६½ इन्च । लेखनकाल-सं० १८३८ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २११४ ।

१८५३ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५० । साइज-११½X५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८३२ अषाढ शुक्ला २ पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११५ ।

विशेष—जयसिंहपुरा में हीरानन्द ने प्रतिलिपि की थी ।

१८५४ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ६० । साइज-११X५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२६ कार्त्तिक बुदी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११५ ।

१८५५ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ४४ । साइज-१२X५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२० मंगसिर सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११६ ।

१८५६ प्रति नं० १३ । पत्र सं० ६५ । साइज-१२X४ इन्च । लेखनकाल-सं० १७७४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २११७ ।

१८५७ प्रति नं० १४ । पत्र सं० ३२ । साइज-१२X६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१० वैशाख सुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । वेष्टन नं० २११७ ।

१८५८ प्रति नं० १५ । पत्र सं० २२ । साइज-९½X४½ इन्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २११८ ।

१८५९ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ३२ । साइज-१०X४½ इन्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २११९ ।

१८६० प्रति नं० १७ । पत्र सं० १६ । साइज-१०½X४ इन्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२० ।

१८६१ प्रति नं० १८ । पत्र सं० १९ । साइज-११X४ इन्च । लेखनकाल-सं० १७७१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२३ ।

१८६२ प्रति नं० १९ । पत्र सं० २१ । साइज-१०½X४½ इञ्च । लेखनकाल X । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२२ ।

१८६३ प्रति नं० २० । पत्र सं० २६ । साइज-१०½X४½ इन्च । लेखनकाल-सं० १८११ फाल्गुण बुदी ९ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२१ ।

१८६४ प्रति नं० २१ । पत्र सं० ३७ । साइज-९X४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६८९ चैत्र सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१२४ ।

विशेष—महात्मा नरायण ने साह भीखा के पठनार्थ तक्षकपुर में प्रतिलिपि की थी ।

१८६५ प्रति नं० २२ । पत्र सं० ३७ । साइज–६×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५६२ फागुण सुदी ६। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१२५ ।

विशेष—हुमायुँ बादशाह के शासन काल में सिंहनंदन स्थान पर गणि विनयसुन्दर ने प्रतिलिपि की थी।

१८६६ प्रति नं० २३ । पत्र सं० २१–११३ । साइज–८×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६२७ फाल्गुण शुक्ला १५ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१२६ ।

१८६७ प्रति नं० २४ । पत्र सं० ५३ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१२७ ।

१८६८ सूक्तिमुक्तावली–आ० सोमप्रभ । पत्र सं० ६ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७५६ कार्तिक सुदी १४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१३८।

१८६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २१३९ ।

१८७० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १७ । साइज–८×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९१४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१४० ।

१८७१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५० । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१४१ ।

विशेष—प्रति हर्षकीर्त्ति कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१८७२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ५ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१४१ ।

१८७३ प्रति नं० ६ । पत्र सं० १३ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१४२ ।

१८७४ प्रति नं० ७ । पत्र सं० १८ । साइज–९×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७१६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१४३।

१८७५ प्रति नं० ८ । पत्र सं० २३ । साइज–८×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१४४ ।

१८७६ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ११ । साइज–९×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २१४४ ।

१८७७ प्रति नं० १० । पत्र सं० ३२ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१४५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१८७८ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ३२-४७ । साइज-१०×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २१४६ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१८७९ प्रति नं० १२ । पत्र सं० २-१० । साइज-९½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६४ आसोज सुदी पूर्णिमा । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४७ ।

१८८० प्रति नं० १३ । पत्र सं० २-१४ । साइज-६×४ इन्च । लेखनकाल-सं० १८४३ श्रावण सुदी १२ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४७ ।

१८८१ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १२ । साइज-९½×५ इन्च । लेखनकाल-सं० १७८६ ज्येष्ठ बुदी १२ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४८ ।

१८८२ प्रति नं० १५ । पत्र सं० १० । साइज-९×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१४९ ।

१८८३ प्रति नं० १६ । पत्र सं० १३ । साइज-१२×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २१५० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । टीकाकार वाचनाचार्यं चारित्रवर्द्धनसूरि हैं ।

१८८४ प्रति नं० १७ । पत्र सं० १२ । साइज-१०½×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६४ चैत्र शुक्ला प्रतिपदा । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१५१ ।

१८८५ प्रति नं० १८ । पत्र सं० ५८ । साइज-१०×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रथम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२०० ।

विशेष—प्रति हर्षकीर्त्ति कृत संस्कृत एवं कौरपाल बनारसीदास कृत हिन्दी टीका सहित है ।

१८८६ हितोपदेश बावनी—हेमराज । पत्र सं० १२ । साइज-१०×४ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७५७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २२२२ ।

विशेष—इसका दूसरा नाम अक्षर बावनी भी है ।

विषय—नीतिशास्त्र

ग्रन्थ संख्या—१५

१८८७ **कामन्दकी नीतिसार**—कामन्दक। पत्र सं० २२८। साइज—११×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-नीतिशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८८१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५६।

१८८८ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ६५। साइज—१०½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण—प्रारम्भ के ४० पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन न० ६०१।

१८८९ **क्षत्रचूडामणि**—श्री वादीभसिंह। पत्र सं० ४३। साइज—११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय-नीतिशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १६१५ अषाढ सुदी ८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २८९।

विशेष—तक्षकमहादुर्ग में महाराजाधिराज श्री कल्याण के शासनकाल में पांडे मेधा खण्डेलवाल सोनी के वंशजों ने प्रतिलिपि करवायी थी।

१८९० **प्रति नं० २**। पत्र सं० ३५। साइज—१२×५½ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८०७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २९०।

१८९१ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ३५। साइज—१०×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २९१।

१८९२ **नीतिशतक**—मर्तृहरि। पत्र सं० ११। साइज—११×४½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—नीतिशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८९८।

१८९३ **नीतिसार**—इन्द्रनन्दि। पत्र सं० ७। साइज—११×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—नीतिशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० ८९९।

१८९४ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ४। साइज—९×४ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण—प्रथम पत्र नहीं है। शुद्ध। दशा—जीर्ण। वेष्टन नं० ९००।

१८९५ **पंचाख्यान**—विष्णुशर्मा। पत्र सं० १०९। साइज—१२×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—नीतिशास्त्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १००९।

१८९६ **भर्तृहरिशतक**—मर्तृहरि। पत्र सं० ३०। साइज—१२×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय-नीति एवं शृंगार। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १३१९।

१८९७ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ३४। साइज—१२×५ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८२४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १३२०।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१८९८ **राजनीतिशास्त्र**—चाणक्य । पत्र सं० १० । साइज—१०½×४½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । रचना-काल × । लेखनकाल—सं० १७६१ फागुण सुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १५३४ ।

विशेष—सांगानेर में पंडित लक्ष्मीदास ने प्रतिलिपि की थी ।

१८९९ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ९ । साइज—९×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण—तीन अध्याय तक । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३५ ।

१९०० **प्रति नं० ३** । पत्र सं० २० । साइज—९×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३५ ।

१९०१ **प्रति नं० ४** । पत्र सं० १७ । साइज—११×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५३५ ।

विषय—स्तोत्र

ग्रन्थ संख्या—२६३

१९०२ **अकलंकाष्टक**·········। पत्र सं० ९ । साइज—१०×४½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० २ ।

१९०३ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ५ । साइज—९½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २ ।

१९०४ **अकलंकाष्टक भाषा**—सदासुख कासलीवाल । पत्र सं० १६ । साइज—११×५½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल—सं० १९१५ । लेखनकाल—सं० १९४६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ३ ।

१९०५ **अध्यात्मस्तोत्र**—श्रीकेशव । पत्र सं० ३ । साइज—११½×४½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० १० ।

विशेष—यंत्र विधि सहित है । इसका नाम नाभिकमल अध्यात्म प्रकाश भी है ।

१९०६ **अष्टमहाभय स्तोत्र**·······। पत्र सं० २ । साइज—९×४ इञ्च । भाषा—प्राकृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ५७ ।

१९०७ **अर्हन्नाम सहस्र**—हेमाचार्य । पत्र सं० ७ । साइज—१२×४½ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १७२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण । वेष्टन नं० ५८ ।

विशेष—रामचन्द्र ने प्रतिलिपि की थी।

१९०८ **अरहंतचौपई**–गणि महिमासागर। पत्र सं० ४। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश (प्राचीन हिन्दी)। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल–सं० १७०४। लेखनकाल–सं० १७३३ श्रावण सुदी ९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ५९।

विशेष—आगरा में दीपा नामक महात्मा ने इस स्तोत्र की प्रतिलिपि की थी।

१९०९ **इष्टोपदेश सटीक**। टीकाकार–आशाधर। पत्र सं० १५। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५१।

१९१० **प्रति नं० २**। पत्र सं० ४। साइज–१२×४½ इन्च। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५१।

१९११ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ८। साइज–९½×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८१७ भादवा सुदी ९। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १५२।

१९१२ **इष्टोपदेश भाषा**–शीतलप्रसाद। पत्र सं० ११९। साइज–१३×७ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल–सं० १९३५। लेखनकाल–सं० १९९३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १५०।

१९१३ **एकीभावस्तोत्र**–वादिराज। पत्र सं० ३। साइज–११×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०९।

१९१४ **प्रति नं० २**। पत्र सं० १०। साइज–६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१०।

१९१५ **एकीभावस्तोत्र भाषा**–भूधरदासजी। पत्र सं० ४। साइज–८×६½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २११।

१९१६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ५। साइज–८½×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१२।

१९१७ **कल्याणमन्दिरस्तोत्र**–कुमुदचन्द्र। पत्र सं० १४। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४८।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१९१८ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ९। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४९।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

१९१९ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ८। साइज–१०×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८६६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५०।

१६२० प्रति नं० ४ । पत्र सं० २१ । साइज-११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१ ।

विशेष—अखयराज श्रीमाल कृत हिन्दी टीका सहित है ।

१६२१ गायत्रीमंत्र........ । पत्र सं० १० । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ३१३ ।

१६२२ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-श्री शोभन । पत्र सं० १० । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६२४ कार्त्तिक सुदी १० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७६ ।

१६२३ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-पुण्यशीलगणि । पत्र सं० १४ । साइज-८½×६ इञ्च । भाषा-हिंन्दी । विषय-स्तवन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्थ । वेष्टन नं० ३७७ ।

१६२४ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-श्री वप्पभट्ट । पत्र सं० ४ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १५१४ पौष सुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७८ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है । मुंजिकपुर में तिलककलशगणि ने प्रतिलिपि की थीं ।

१६२५ चतुर्विंशतिजिनस्तुति-जिनलाभसूरि । पत्र सं० ३ । साइज-११½×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८३३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३७६ ।

विशेष—श्री घासीराम ने प्रतिलिपि की थी ।

१६२६ चतुर्विंशतितीर्थंकरस्तोत्र-सकलकीर्त्ति । पत्र सं० ६३ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८६३ श्रावण शुक्ला ३ सोमवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८० ।

१६२७ चतुर्विंशति तीर्थंकर स्तोत्र........ । पत्र सं० ५ । साइज-६×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८१ ।

१६२८ चतुःषष्ठियोगिनीस्तोत्र........ । पत्र सं० ११ । साइज-८×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ३८२ ।

१६२९ जिनत्रिभुवनस्तोत्र........ । पत्र सं० ३ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ५६४ ।

१६३० जिनपंजरस्तोत्र-श्री कमलप्रभ । पत्र सं० १ । साइज-१०×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७५ ।

१६३१ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-५½×३ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४७५ ।

१६३२ जिनवरदर्शन स्तोत्र–आचार्य पद्मनंदि । पत्र सं० ६ । साइज–५×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय-स्तोत्र ।रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४७६ ।

१६३३ जिनशतक–आचार्य समन्तभद्र । पत्र सं० ३६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४८० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१६३४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४३ ।. साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८१ ।

१६३५ जिनशतकपंजिका–जम्बू कवि । पत्र सं० ४६ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ४८२ ।

विशेष—शंब कवि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६३६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज–१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४८३ ।

विशेष—शंब कवि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१६३७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ५६३ ।

१६३८ जिनसहस्रनाम–जिनसेनाचार्य । पत्र सं० १८ । साइज–८½×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४८४ ।

१६३९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १० । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १६७३ ।

१६४० प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६ । साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १६७५ ।

१६४१ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २४ । साइज–७½×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६७२ ।

विशेष—स्वयम्भू स्तोत्र और है ।

१६४२ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १३ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६८ ।

विशेष—संस्कृत में श्लोकों के ऊपर टीका दी हुई है ।

१६४३ जिनसहस्रनामस्तोत्र–पं० आशाधर । पत्र सं० १४ । साइज–१०×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ४८५ ।

१९४४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ११७ । साइज-११×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८६ ।

विशेष—श्रुतसागर कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१९४५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ४९ । साइज-१२×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८६ चैत्र शुक्ला ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९७४ ।

१९४६ **जिनसहस्रनामस्तोत्र टीका**-टीकाकार-अमरकीर्त्ति । पत्र सं० ७२ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८७ ।

विशेष—अमरकीर्त्ति मल्लिभूषण के शिष्य थे ।

१९४७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४३ । साइज-५½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० ४८७ ।

१९४८ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७३९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४८९ ।

१९४९ **जिनसहस्रनामभाषा**-बनारसीदास । पत्र सं० ९ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १६९० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४९२ ।

१९५० प्रति नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-९×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४९३ ।

१९५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ९ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१९७ ।

१९५२ **जिनस्तवन**-जयानंद सूरि । पत्र सं० ५ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४९६ ।

विशेष—कनककुशल कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१९५३ **जिनस्तवन**........। पत्र सं० ९ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९८८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१९५४ **णमोकार निर्युक्त**........। पत्र सं० ९ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५७६ ।

१९५५ **तित्थागालीय**........। पत्र सं० ३९ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तवन । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६७४ श्रावण सुदी ९ भौमवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३५

विशेष—जैसलमेर नगर के साह जीवा ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि करवायी थी ।

१६५६ तीर्थराजस्तोत्र……। पत्र सं० १० । साइज–१०½×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६३६ ।

विशेष—जैन गायत्री स्तोत्र का दूसरा नाम है ।

१६५७ निर्वाणकाण्ड गाथा……। पत्र सं० ३ । साइज–११×८ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–स्तवन। रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६५१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६१२ ।

१६५८ पदसंग्रह–नेमीचन्दजी बख्शी । पत्र सं० १४ । साइज–१२×८ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भजन एवं पद । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६४४ ।

१६५९ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४५ । साइज–१२×७ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १२८६ ।

१६६० पदसंग्रह–हीराचंद पत्र सं० १५ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भजन संग्रह। रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६३७ वैशाख सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६४५ ।

१६६१ पद व भजनसंग्रह……। पत्र सं० २०० । साइज–१२× ६¾ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भजन व स्तुति । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६८७ पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६४६ ।

विशेष—२६ जैन कवियों के ६१० पद व भजनों का संग्रह है ।

१६६२ पद संग्रह–जयचंदजी छाबडा । पत्र सं० ५३ । साइज–१२×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भजन। रचनाकाल–सं० १८७४ । लेखनकाल × । अपूर्ण–प्रारम्भ के ४० पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ६४७ ।

१६६३ पदसंग्रह……। पत्र सं० ५ । साइज–११×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६४८ ।

१६६४ पदसंग्रह–उदयलाल । पत्र सं० ३०–६० । साइज–६¾×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भजन संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६४६ ।

विशेष—अन्त में द्रव्य संग्रह भाषा भी दिया हुआ है ।

१६६५ पद संग्रह……। पत्र सं० ३१७ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भजन व स्तुति। रचनाकाल × । लेखनकाल–१८५६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७६१ ।

विशेष—१८ प्रकार की रागों के पद व भजनों का संग्रह । इसका दूसरा नाम षट् पाठ भी है ।

१६६६ पंचपरमेष्ठी स्तवन……। पत्र सं० ७ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र। रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६६६ ।

१६६७ पंचमंगल–श्री रूपचद । पत्र सं० १० । साइज–८×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तुति । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८६६ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६६८ ।

१६६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७२८ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६६६ ।

१९६९ परमानंदस्तोत्र........पत्र सं० २ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०३३ ।

१९७० पार्श्वनाथस्तोत्र–पद्मप्रभ । पत्र सं० १ । साइज–१०×४½ । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२५ फागुण सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११०१ ।

विशेष—यह स्तोत्र साह जोधराज गोदीका का था ।

१९७१ पार्श्वमहिम्नस्तोत्र–मुनि राजसिंह । पत्र सं० ४ । साइज–१२×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९८७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १०९९ ।

१९७२ पार्श्वनाथस्तोत्र–पद्मप्रभदेव । पत्र सं० ५ । साइज–१२½×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११०२ ।

१९७३ भक्तामरस्तोत्र–आ० मानतुंग । पत्र सं० ३ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९० ।

१९७४ प्रति नं० २ । पत्र सं० २–२१ । साइज–११×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७०६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९० ।

विशेष—हर्षकीर्त्ति सूरि कृत संस्कृत टीका सहित है ।

१९७५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० २–१५ । साइज–९½×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८१२ पौष बुदी १० । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९१ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है । मंत्रों का फल हिन्दी में दिया हुआ है ।

१९७६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६३६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १२९२ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है ।

१९७७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० २ । साइज–१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९२ ।

विशेष—हेमराज कृत हिन्दी अर्थ भी है ।

१९७८ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ९ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५४७ कार्त्तिक सुदी ९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९४ ।

विशेष—प्रति सटीक है टीका संस्कृत में है । लेखनकाल–सं० १५३७ कार्त्तिक सुदी १२ भी दिया हुआ है । बारां (कोटा) में प्रतिलिपि हुई थी ।

१९७९ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ६ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९४ ।

१९८० प्रति नं० ८ । पत्र सं० ५ । साइज–११½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १२९४ ।

विशेष—मंत्र भी हैं ।

१९८१ प्रति नं० ९ । पत्र सं० ९ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १२९६ ।

१९८२ प्रति नं० १० । पत्र सं० ५ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३६३ ।

विशेष—प्रति मंत्र सहित है ।

१९८३ प्रति नं० ११ । पत्र सं० ४ । साइज–८½×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम वेष्टन नं० १३६३ ।

१९८४ प्रति नं० १२ । पत्र सं० ८ । साइज–१२½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम वेष्टन नं० १३६३ ।

१९८५ प्रति नं० १३ । पत्र सं० १९ । साइज–१२½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १३६३ ।

विशेष—तत्त्वार्थ सूत्र भी दिया हुआ है ।

१९८६ प्रति नं० १४ । पत्र सं० १९ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९११ श्रावण सुदी । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दश–जीर्ण । वेष्टन नं० १२९८ ।

विशेष—अन्त में तत्त्वार्थ सूत्र भी है ।

१९८७ प्रति नं० १५ । पत्र सं० ९ । साइज–१३½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९८ ।

१९८८ प्रति नं० १६ । पत्र सं० ४ । साइज–९×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९८ ।

१९८९ प्रति नं० १७ । पत्र सं० २४ । साइज–९×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९८ ।

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

१९९० प्रति नं० १८ । पत्र सं० १३ । साइज–८½×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९७ ।

विशेष—प्रति सटीक हैं । टीका संस्कृत में है ।

१९९१ प्रति नं० १९ । पत्र सं० ४१ । साइज–९½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२९७ ।

विशेष—ब्रह्मरायमल्ल कृत संस्कृत टीका सहित है।

१९९२ प्रति नं० २० । पत्र सं० ७ । साइज-९×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १२९७ ।

विशेष—कल्याणमन्दिरस्तोत्र भी इसी में है ।

१९९३ प्रति नं० २१ । पत्र सं० १४ । साइज-१२½×६½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२९५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

१९९४ प्रति नं० २२ । पत्र सं० ४० । साइज-११× ५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५० कार्त्तिक बुदी ११ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०० ।

विशेष—ब्रह्मरायमल्ल कृत संस्कृत टीका सहित है।

१९९५ **भक्तामरस्तोत्र वृत्ति**—ब्रह्मरायमल्ल । पत्र सं० ४३ । साइज-११½×५½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १६६७ आषाढ सुदी ५ । लेखनकाल-सं० १७४९ वैशाख सुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य वेष्टन नं० १२९९ ।

१९९६ **भक्तामरस्तोत्र भाषा**—अखयराजश्रीमाल । पत्र सं० २५ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी गद्य । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०२ ।

१९९७ प्रति नं० २ । पत्र सं० २२ । साइज-११½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-अन्तिम पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०१ ।

१९९८ **भक्तामरस्तोत्र भाषा**—पं० जयचन्द्रजी छाबडा । पत्र सं० २६ । साइज-१०½×५ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १८७० । लेखनकाल-सं० १९१५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०३ ।

१९९९ **भक्तामरस्तोत्र भाषा**·········। पत्र सं० २१ । साइज-९½×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८०४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०४ ।

२००० **भक्तामरस्तोत्र कथा**—नथमल लालचन्द । पत्र सं० ६२ । साइज-८½×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १८२९ । लेखनकाल-सं० १८२९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३०५ ।

२००१ **भूपालचतुर्विंशति**—भूपालकवि । पत्र सं० १० । साइज-१०×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६० ।

२००२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-१०½×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३६५ ।

विशेष—सिद्धिप्रियस्तोत्र (देवनन्दि) एवं कल्याणमालास्तोत्र भी दिये हुये हैं।

२००३ भूपालचतुर्विंशति भाषा–जिनदास। पत्र सं० ३। साइज–१२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३६१।

२००४ मालास्तोत्र……..। पत्र सं० ४। साइज–१०½×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १३६२।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है। स्तोत्र की समाप्ति के पश्चात् परमानन्द स्तोत्र हिन्दी अर्थ सहित दिया हुआ है।

२००५ ऋषिमंडलस्तोत्र–गौतमस्वामी। पत्र सं० ११। साइज–११½×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५४७।

२००६ प्रति नं० २। पत्र सं० १६। साइज–५½×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १५४७।

२००७ प्रति नं० ३। पत्र सं० ३। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५४८।

२००८ प्रति नं० ४। पत्र सं० ३। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १५५०।

२००९ ऋषिऋद्धि शतक–स्वरूपचन्द बिलाला। पत्र सं० १०। साइज–६½×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल–सं० १६०२। लेखनकाल–सं० १६०३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५५१।

२०१० लघुस्तवन टीका–सोमतिलकसूरि। पत्र सं० १४। साइज–१०×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७१६ माघ बुदी ६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५६२

२०११ लक्ष्मीस्तोत्र–पद्मप्रभदेव। पत्र सं० २। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १५७७।

२०१२ विषापहारस्तोत्र–धनंजय। पत्र सं० ६। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६३६।

२०१३ प्रति नं० २। पत्र सं० ५। साइज–८×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १६३६।

२०१४ विषापहारस्तोत्र–अचलकीर्ति। पत्र सं० ३। साइज–१२×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय-स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १६३७।

२०१५ वीरस्तवन–जिनवल्लभसूरि। पत्र सं० ३। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६४६।

२०१६ विनतीसंग्रह–ब्रह्मदेव। पत्र सं० ४५। साइज–९×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तवन। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १६४८।

२०१७ वीरभक्ति……… । पत्र सं० ३। साइज–१३×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६५०।

विशेष—निर्वाणभक्ति भी इसी में है।

२०१८ शांतिनाथस्तवन–पद्मसुन्दर। पत्र सं० ६। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६६८।

२०१९ प्रति नं० २। पत्र सं० ३। साइज–९×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एनं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६६९।

२०२० समवशरणस्तोत्र–विष्णुसेन गणि। पत्र सं० ६। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८९८।

२०२१ समवशरणस्तोत्र–पंडित हीरानन्द। पत्र सं० १९। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल–सं० १७०१। लेखनकाल–सं० १७०४। पूर्ण एवं शुद्ध। पद्य–सं० ३०१। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८९९।

विशेष—कर्मविधानविशेषावचूरि २५ पद्यों में और है। लामपुर नगर में विजयसूरि ने ग्रन्थ की प्रतिलिपि की थी।

२०२२ सामायिकपाठ……… । पत्र सं० १७। साइज–८×४½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एनं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९९७

२०२३ प्रति नं० २। पत्र सं० ४४। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९९८।

२०२४ प्रति नं० ३। पत्र सं० २८। साइज–९×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९९९।

विशेष—हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है।

२०२५ प्रति नं० ४। पत्र सं० १५। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८९६ जेठ सुदी ७ मंगलवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०००।

२०२६ प्रति नं० ५। पत्र सं० ३१। साइज–११×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २००१।

विशेष—संस्कृत टिप्पण भी है।

२०२७ प्रति नं० ६। पत्र सं० ३०। साइज–९×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९९४।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ हैं ।

२०२८ प्रति नं० ७। पत्र सं० ६४। साइज–११½×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७९३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९९६।

विशेष—मारोठ में उदयराम ने प्रतिलिपि बनायी। प्रति संस्कृत एवं हिन्दी अर्थ सहित है।

२०२९ प्रति नं० ८। पत्र सं० १५। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २००२।

२०३० प्रति नं० ९। पत्र सं० १५। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २००३।

विशेष—संस्कृत में अर्थ दिया हुआ है।

२०३१ प्रति नं० १०। पत्र सं० ५८। साइज–११×४ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–फुटकर पत्र हैं। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २००४।

२०३२ प्रति नं० ११। पत्र सं० ५९। साइज–११×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६९८ श्रावण सुदी १३। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २००५।

विशेष—आमेर नगर में प्रतिलिपि हुई थी। संस्कृत टीका सहित है।

२०३३ प्रति नं० १२। पत्र सं० ६३। साइज–१०×४½ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७२१ मंगसिर सुदी १४ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २००६।

विशेष—प्रति सटीक है। टीका संस्कृत में है। जोधराज गोदीका के पढने के लिये प्रतिलिपि की गयी थी।

२०३४ प्रति नं० १३। पत्र सं० ७९। साइज–९×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २००८।

विशेष—विस्तृत हिन्दी अर्थ है। अजबगढ (राजस्थान) में पांडे बिहारीदास ने प्रतिलिपि करवायी थी।

२०३५ प्रति नं० १४। पत्र सं० २९। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २००९।

२०३६ प्रति नं० १५। पत्र सं० ५९। साइज–१३×५¾ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१२।

२०३७ प्रति नं० १६। पत्र सं० ४४। साइज–८×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०११।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

२०३८ प्रति नं० १७। पत्र सं० ३–१४०। साइज–११¾×४¾ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण–अन्तिम पत्र नहीं है। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १९९५।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है।

२०३९ सामायिक पाठ……। पत्र सं० ४। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१०।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है।

२०४० सामायिक पाठ–श्री बहुमुनि। पत्र सं० १४। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१३।

२०४१ प्रति नं० २। पत्र सं० २०। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१३।

२०४२ सामायिकपाठ भाषा……। पत्र सं० ५४। साइज–१२½×७ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-स्तवन। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८०४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१४।

२०४३ सामायिक पाठ भाषा–जयचंदजी छाबड़ा। पत्र सं० ५२। साइज–१०×४¾ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८९६। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१६।

२०४४ प्रति नं० २। पत्र सं० ५८। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०२०।

२०४५ प्रति नं० ३। पत्र सं० ५४। साइज–१२×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८०६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य जीर्ण। वेष्टन नं० २०१७।

२०४६ प्रति नं० ४। पत्र सं० ४२। साइज–११½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१८।

२०४७ सामायिक पाठ–पं० सुखलाल। पत्र सं० ९। साइज–८×५ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल–सं० १८५१। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २०१९।

विशेष—पं० सुखलालजी के समय जयपुर के दीवान पद पर बालचंदजी छाबड़ा थे। उनके पुत्र रामचंदजी छाबड़ा का भी कवि ने उल्लेख किया है।

२०४८ सुगुरूशतक–जिनदास। पत्र सं० ६। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल–सं० १८९२। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २१०४।

२०४९ स्वयंभूस्तोत्र–समन्तभद्राचार्य। पत्र सं० १७। साइज–९½×४ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–स्तोत्र। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २१६३।

२०५० प्रति नं० २। पत्र सं० ९। साइज–१०×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २१६३।

२०५१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७५ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६४ ।

विशेष—अन्य पाठों का भी संग्रह है ।

२०५२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ५० । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१६४ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५३ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १६ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५४ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५१–६१ । साइज–१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५५ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ३१–१०१ । साइज–१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २१६५ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२०५६ प्रति नं० ८ । पत्र सं० ४ । साइज–११½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

२०५७ प्रति नं० ९ । पत्र सं० २०–३९ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७९४ कार्तिक शुक्ला ४ अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६६ ।

विशेष—पंडित प्रभाचंद्र कृत संस्कृत टीका सहित है ।

२०५८ प्रति नं० १० । पत्र सं० १० । साइज–१३×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१६७ ।

२०५९ स्तोत्र टीका–मूलकर्त्ता–श्री विद्यानन्दि । टीकाकार–पं० आशाधर । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामाय । वेष्टन नं० २१९० ।

२०६० स्तोत्र व नीति के पद्य–गुलाम मुहम्मद । पत्र सं० ४६ । साइज–९½×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तोत्र व नीति । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१९१ ।

विशेष—२१९ पद्य हैं । रचना उत्तम है ।

२०६१ स्तोत्रसंग्रह........। पत्र सं० ११–१४ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१९२ ।

२०६२ स्तोत्र-पात्रकेशरी । पत्र सं० २ । साइज-१३×७ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६३ ।

२०६३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५ । साइज-११×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६४ ।

२०६४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २१६५ ।

विषय—पूजा साहित्य

ग्रन्थ संख्या—१५५

२०६५ अकृत्रिमचैत्यालयपूजा-चैनसुख । पत्र सं० ५६ । साइज-१२½×७½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १६८५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४ ।

२०६६ अकृत्रिमचैत्यालय वर्णन-वावा दुलीचद । पत्र सं० २३ । साइज-१०½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५ ।

विशेष—इसी में वावा दुलीचंद कृत मृत्युमहोत्सव (हिन्दी) भी है ।

२०६७ अढाईद्वीपपूजा-श्री डालूराम । पत्र सं० १४४ । साइज-१२½×८½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८७६ । लेखनकाल-सं० १६६५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७ ।

विशेष—महाराजा जयसिंह के शासनकाल में दीवान अमरचन्द्रजी के आग्रह से उस पूजा की रचना की गयी । रचनास्थान-माधोराजपुरा (जयपुर) लिपिस्थान-जयपुर । ईश्वरलाल चांदवाड ने जयपुर के वडे मन्दिर में प्रतिलिपि करवायी थी ।

२०६८ अनन्तनाथ पूजा-शांतिदास । पत्र सं० १२ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३ ।

२०६९ अष्टाह्निका पूजा……… । पत्र सं० ४ । साइज-८½×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५३ ।

विशेष—अन्त में अष्टाह्निका व्रत जाप्य विधि तथा अकृत्रिम चैत्यालयों के नाम दिये हुए हैं ।

२०७० अष्टाह्निका जयमाल……… । पत्र सं० ४ । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६० (ख) ।

२०७१ अक्षयनिधि व्रत पूजा……… । पत्र सं० १४ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ५५ ।

२०७२ इन्द्रध्वजपूजा-भट्टारक विश्वभूषण। पत्र सं० ८२। साइज-१२×६ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८२४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४६।

विशेष—सवाई जयपुर में माधोसिंहजी महाराज़ के शासनकाल में प्रतिलिपि हुई थी।

२०७३ प्रति नं० २। पत्र सं० ४५। साइज-१२×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४७।

२०७४ प्रति नं० ३। पत्र सं० १६-११-१२५ तक। साइज-११¾×५ इन्च। लेखनकाल-सं० १८६१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० १४८।

२०७५ कर्मचूरव्रतोद्योतनपूजा........। पत्र सं० ८। साइज-१०½×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २३०।

२०७६ कर्मदहनपूजा-शुभचन्द्र। पत्र सं० २०। साइज-८×५½ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १७६५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २३१।

२०७७ प्रति नं० २। पत्र सं० १४। साइज-१२×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २३२।

२०७८ प्रति नं० ३। पत्र सं० १६। साइज-११¾×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २३३।

२०७९ प्रति नं० ४। पत्र सं० २८। साइज-११×५½ इन्च। लेखनकाल-सं० १९३०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २३४।

२०८० कर्मदहनपूजा-टेकचंद। पत्र सं० १६। साइज-१०×७ इन्च। भाषा-हिन्दी। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८७४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २३५।

विशेष—लिपिकर्त्ता-लालचंद महात्मा। जयपुर में बडे मंदिर में प्रतिलिपि हुई थी।

२०८१ क्षेत्रपालपूजा........। पत्र सं० २२। साइज-१२×६ इन्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २९४।

विशेष—अन्य पूजायें भी हैं।

२०८२ गुरावली पूजा........। पत्र सं० ३। साइज-१०×५ इञ्च। भाषा-संस्कृत। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १८५०। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३१९।

विशेष—एक पत्र पर गुरु पूजा और है।

२०८३ चतुर्विंशतितीर्थंकरपूजा-रामचन्द्र। पत्र सं० ६५। साइज-१२¾×५¾ इञ्च। भाषा-हिन्दी। विषय-पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल-सं० १९४५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३६७।

२०८४ प्रति नं० २। पत्र सं० ७४। साइज-१२×५¾ इञ्च। लेखनकाल-सं० १९०१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० ३६८।

२०८५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७३ । साइज–१०½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३६९ ।

२०८६ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ३८ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३७० ।

२०८७ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १४ । साइज–११×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–अजितनाथ की पूजा तक ही है । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३७० ।

२०८८ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ६१ । साइज–११×५½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ३७२ ।

२०८९ प्रति नं० ७ । पत्र सं० ८२ । साइज–८×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १८८० श्रावण बुदी १ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३७३ ।

२०९० प्रति नं० ८ । पत्र सं० ७० । साइज–११½×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १९१३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३७४ ।

२०९१ **चतुर्विंशतितीर्थंकरपूजा**–वृन्दावन । पत्र सं० ८५ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ३७१ ।

२०९२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ५८ । साइज–११×६½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १९२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ३७५ ।

विशेष –हीरालाल गंगवाल ने प्रतिलिपि की थी ।

२०९३ **चन्द्रायणव्रतपूजा**–देवेन्द्रकीर्त्ति । पत्र सं० ४ । साइज–१०½×८ । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ४०० ।

२०९४ **चौसठऋद्धिपूजा**–स्वरूपचंद । पत्र सं० ३१ । साइज–१२×८ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १९१० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४३७ ।

२०९५ **जिनगुणसंपत्तिपूजा**–श्री केशव वर्णी । पत्र सं० ८ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४६७ ।

२०९६ **जिनस्नपन**–महापंडित आशाधर । पत्र सं० १५ । साइज–८×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४०५ ।

विशेष—अन्य पूजायें भी हैं ।

२०९७ **जिनसहस्रनाम पूजा**–मुनिधर्मचन्द्र । पत्र सं० ६६ । साइज–११½×६ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७९९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ४८९ ।

विशेष—जिहानाबाद में प्रतिलिपि की गयी थी ।

२०६८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७५ । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १९२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ४६० ।

२०६९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६६ । साइज-११½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १९२६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ४६१ ।

२१०० जिनसहस्रनामपूजा-पं० चैनसुखजी । पत्र सं० १७ । साइज-१२½×७ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १९७१ ।

२१०१ तीनलोकपूजा-टेकचन्द । पत्र सं० ६०० । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १८२८ । लेखनकाल-सं० १९९२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ६३७ ।

२१०२ तेरहद्वीपपूजा.........। पत्र सं० ४२ । साइज-११½×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३८ ।

२१०३ तेरहद्वीपपूजा.........। पत्र सं० १६२ । साइज-११½×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १९२१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६३९ ।

विशेष—विजयलाल काशलीवाल ने प्रतिलिपि की थी ।

२१०४ त्रिंशच्चतुर्विंशतिपूजा-शुभचन्द्र । पत्र सं० ९४ । साइज-१०½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १९२० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४३ ।

विशेष—पं० भावशर्मा भी ग्रन्थ रचना में सहायक थे ।

२१०५ प्रति नं० २ । पत्र सं० ४२ । साइज-१०½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ६४४ ।

२१०६ प्रतिं नं० ३ । पत्र सं० ७७ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७९४ भादवा बुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४५ ।

विशेष—चि० लूणकर्ण के पढने के लिये जिहानाबाद नगर में पं० खींवसीजी ने प्रतिलिपि की थी ।

२१०७ प्रति नं० ४ । पत्र सं० ७५ । साइज-१०½×४¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४६ ।

२१०८ त्रिपंचाशतक्रियाव्रतपूजा.........। पत्र सं० ६ । साइज-१२×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४७ ।

२१०९ तीनचौबीसी पूजा.........। पत्र सं० १२ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ६४८ ।

२११० दशलक्षण पूजा.........। पत्र सं० १० । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०६ ।

२१११ **दशलक्षणपूजा**……। पत्र सं० १५ । साइज-११½×५½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०७ ।

विशेष—प्रारम्भ में सोलहकारण जयमाल है ।

२११२ **दशलक्षणपूजा**-पं० भावशर्मा । पत्र सं० १५ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७२४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०८ ।

२११३ **दशलक्षणपूजा**-रइधू । पत्र सं० ६ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ७०९ ।

२११४ प्रति नं० २ । पत्र सं० ३ । साइज-११½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०९ ।

२११५ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ७ । साइज-१०½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७०९ ।

२११६ **द्वादशव्रतमंडलोद्यापन पूजा**-श्री भट्टारक देवेन्द्रकीर्त्ति । पत्र सं० १६ । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल-सं० १७७२ माघ सुदी ११ । लेखनकाल-सं० १८९३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७४३ ।

२११७ **द्वादशांगपूजा**-डालूराम । पत्र सं० १७ । साइज-१४×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८७६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७४४ ।

२११८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज-१३×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७४४ ।

२११९ **देवपूजा**……। पत्र सं० २६ । साइज-१०×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८२३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५६ ।

विशेष—संस्कृत के साथ हिन्दी भी दी हुई है ।

२१२० **देवपूजा**……। पत्र सं० ६ । साइज-१०½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५७ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२१२१ **देवपूजा**……। पत्र सं० ३६ । साइज-१०½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७५८ ।

२१२२ **देवसिद्धपूजा**……। पत्र सं० २० । साइज-१२×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७५९ ।

विशेष—८ प्रतियों का एक संग्रह है ।

२१२३ **देवसिद्धपूजा**—सदासुखजी कासलीवाल । पत्र सं० ४७ । साइज—८ ३/४×६ इञ्च । भाषा—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल—सं० १९२१ । लेखनकाल—सं० १९२२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६० ।

विशेष—नित्य नियम पूजा भी इस पूजा का नाम है ।

२१२४ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ८१ । साइज—१०×४ ३/४ इञ्च । लेखनकाल—सं० १९४३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ९०३ ।

विशेष—पूजाओं का हिन्दी गद्य में अर्थ दिया हुआ है ।

२१२५ **देवसिद्ध पूजा**……… । पत्र सं० ८ । साइज—९ १/२×५ ३/४ इञ्च । भाषा—संस्कृत—हिन्दी । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६१ ।

२१२६ **देवसिद्ध पूजा**……… । पत्र सं० १५ । साइज—१० ३/४×६ १/२ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६२ ।

२१२७ **प्रति नं० २** । पत्र सं० ३० । साइज—१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७६३ ।

विशेष—हिन्दी अर्थ भी दिया हुआ है ।

२१२८ **धर्मचक्रपूजा**—यशोनंदि सूरि । पत्र सं० २२ । साइज—१० ३/४×७ १/२ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७९५ ।

२१२९ **धर्मचक्रपूजा**—महाकवि वीर । पत्र सं० ३६ । साइज—११ ३/४×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल—सं० १५८६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७९६ ।

विशेष—प्रशस्ति दी हुई है ।

२१३० **धर्मचक्रपूजा**……… । पत्र सं० १८ । साइज—९ १/२×४ १/४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—जीर्ण वेष्टन नं० ७९७ ।

विशेष—मोजमाबाद में प्रतिलिपि हुई थी ।

२१३१ **धर्मचक्रपूजा**—धर्मभूषण । पत्र सं० २३ । साइज—१० १/२×५ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७९८ ।

२१३२ **धर्मचक्रपूजा**……… । पत्र सं० ९० । साइज—१२×६ इञ्च । भाषा—प्राकृत—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ७९९ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है । जिनसहस्रनामस्तोत्र भी है ।

२१३३ **धर्मचक्रपूजाविधान**……… । पत्र सं० १२ । साइज—११ ३/४×५ ३/४ इञ्च । भाषा—संस्कृत । विषय—पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा—सामान्य । वेष्टन नं० ८०० ।

२१३४ नन्दीश्वरपूजा ········। पत्र सं० १८ । साइज–८×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८३८ ।

२१३५ नन्दीश्वरपूजा ········। पत्र सं० ३७ । साइज-१२½×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८३९ ।

२१३६ नन्दीश्वरपंक्तिपूजा ········। पत्र सं० ६ । साइज–९½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८४१ ।

२१३७ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८ । साइज–१०×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८४२ ।

२१३८ नन्दीश्वरपूजा ········। पत्र सं० १० । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८४० ।

२००६ प्रति नं० २ पत्र सं० १० । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८४० ।

२१४० नन्दीश्वरजयमाल ········। पत्र सं० ७ । साइज१०½×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ८४३ ।

विशेष—हिन्दी में अर्थ लिखा हुआ है ।

२१४१ नवकारपंचत्रिंशतिका–अक्षयराम । पत्र सं० १० । साइज–१०½×९½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १८०८ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८५४ ।

२१४२ नवग्रहपूजा ········। पत्र सं० ६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८५५ ।

२१४३ नवग्रहपूजा ········। पत्र सं० १० । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८५६ ।

२१४४ नित्यनियमपूजा ········। पत्र सं० ३० । साइज–१२½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ९०४ ।

२१४५ नित्यनियमपूजा ········। पत्र सं० १२ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८१० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९०५ ।

विशेष—५ पत्र तक हिन्दी में अर्थ भी दिया हुआ है ।

२१४६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १३ । साइज–१२×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९०६ ।

२१४७ पंचकल्याणपूजा ··········। पत्र सं० २८ । साइज–९×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा ।

रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८२१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९८८ ।

विशेष—जयपुर में आचार्य बिजयकीर्ति ने लिपि बनवायी थी ।

२१४८ पंचकल्याणपूजा……… । पत्र सं० १२ । साइज–११½×८ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकालसं० १८८० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९८९ ।

२१४९ पंचपरमेष्ठीपूजा–यशोनंदि । पत्र सं० ९२ । साइज–८½×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९९२ ।

२१५० पंचपरमेष्ठी पूजा जयमाल–शुभचन्द्र । पत्र सं० २८ । साइज–१२×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण–प्रथम पत्र नहीं है । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९९३ ।

२१५१ पंचपरमेष्ठीपूजा–डालूराम । पत्र सं० ३० । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १८८० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ९९४ ।

२१५२ पंचपरमेष्ठीपूजा–श्री टेकचन्द । पत्र सं० २१ । साइज–१०×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १८८० । लेखनकाल–सं० १८८० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ९९५ ।

२१५३ पंचमेरुपूजा……… । पत्र सं० ३६ । साइज–१०½×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९०० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन न० १००० ।

२१५४ पंचमेरुपूजा……… । पत्र सं० ५६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८८७ × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १००१ ।

२१५५ पंचमेरु जयमाल……… । पत्र सं० ५ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १००२ ।

२१५६ पल्यविधान–शुभचन्द्र । पत्र सं० १० । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १०५८ ।

२१५७ पल्यविधान……… । पत्र सं० ४ । साइज–११½×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १०६० ।

२१५८ पूजा संग्रह……… । पत्र सं० ५२ । साइज–११½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११३० ।

विशेष—कुछ स्तोत्र भी हैं ।

२१५९ पूजा संग्रह……… । पत्र सं० १३० । साइज–९×७ इञ्च । भाषा–संस्कृत–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११३१ ।

विशेष—कुछ स्तोत्र संग्रह भी है ।

२१६० पूजा संग्रह……… । पत्र सं० १०–६३ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा ।

रचनाकाल । × लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३२ ।

२१६१ पूजा संग्रह……… । पत्र सं० २७ । साइज-९×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३३ ।

२१६२ पूजा संग्रह……… । पत्र सं० २५-६५ । साइज-१०×५½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ११३४ ।

२१६३ पूजा संग्रह……… । पत्र सं० २९ । साइज-११½×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण-शीर्ण । वेष्टन नं० ११३५ ।

२१६४ पूजा संग्रह……… । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३६ ।

२१६५ पूजा संग्रह……… । पत्र सं० ६४ । साइज-११×८ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११३७ ।

विशेष—१९ पूजायें तथा जिनसहस्रनामस्तोत्र, निर्वाणकांड तथा रूपचन्द कृत जखडी भी है ।

२१६६ पूजासंग्रह……… । पत्र सं० १६ । साइज-७½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२४१ ।

२१६७ मेघमालाव्रतपूजा……… । पत्र सं० ३ । साइज-१२×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७९९ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १४१९ ।

२१६८ रत्नत्रय पूजा……… । पत्र सं० ३८ । साइज-१२×७½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५११ ।

२१६९ रत्नत्रयपूजा……… । पत्र सं० ३५ । साइज-८×६ इञ्च । भाषा-अपभ्रंश । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७८१ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१२ ।

विशेष—भगवतीदास गोदीकाने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२१७० रत्नत्रयपूजा……… । पत्र सं० ३४ । साइज-१२×८ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १५१३ ।

२१७१ रत्नत्रयपूजा……… । पत्र सं० १२ । साइज-८×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१४ ।

२१७२ रत्नत्रयपूजा……… । पत्र सं० ४ । साइज-८½×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१५ ।

२१७३ रत्नत्रयपूजा……… । पत्र सं० २० । साइज-१०×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १७८६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १५१६ ।

२१७४ रत्नत्रयपूजा……। पत्र सं० २–३ । साइज़–१०×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५१७ ।

२१७५ रत्नत्रयपूजा……। पत्र सं० २४ । साइज–१२×४¾ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८१४ भादवा बुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५१८ ।

२१७६ रोहिणीव्रतपूजा-मंडलाचार्य श्री केशव तथा कृष्णसेन । पत्र सं० १६ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १५४४ ।

२१७७ प्रति नं० २ । पत्र सं० १२ । साइज–११×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८७५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १५४५ ।

विशेष—अन्त में हिन्दी भाषा में व्रतविधान लिखा हुआ है ।

२१७८ रत्नत्रयजयमाल……। पत्र सं० ४ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–अपभ्रंश । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५५२ ।

विशेष—संग्रामपुर निवासी गंगाबिशन ने प्रतिलिपि की थी ।

२१७९ ऋषिमंडलपूजा–मुनि गुणनंदि । पत्र सं० १६ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५४६ ।

२१८० लब्धिविधानपूजा–हर्षकीर्त्ति । पत्र सं० ३ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० १५६९ ।

२१८१ लब्धिविधानपूजा……। पत्र सं० ६ । साइज–१२×८ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५७० ।

२१८२ विदेहक्षेत्र के बीस तीर्थंकरों की पूजा–प० जौंहरीलाल । पत्र सं० ७८ । साइज–१२×८ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल–सं० १९४९ । लेखनकाल–सं० १९४६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६२६ ।

२१८३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ६८ । साइज–१२×४¾ इञ्च । लेखनकाल–सं० १४९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६२७ ।

२१८४ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ६५ । साइज–१२×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६२८ ।

२१८५ विद्यमानबीसतीर्थंकरपूजा……। पत्र सं० १६ । साइज–७½×५½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६२९ ।

२१८६ वृहत्गुरावली पूजा–स्वरुपचंद । पत्र सं० ५६ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय-पूजा । रचनाकाल–सं० १९१० । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६३ ।

२१८७ बृहत्सिद्धचक्रपूजा–पं०रइधू। पत्र सं० ५। साइज–१०½×४½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६७६।

२१८८ प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज–१०×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६७६।

२१८९ शांतिचक्रपूजा........। पत्र सं० ५। साइज–११½×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६९३।

२१९० श्रुतज्ञानपूजा........। पत्र सं० १७। साइज–१०½×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७५३।

२१९१ श्रुतस्कन्धपूजा–श्रुतसागर। पत्र सं० ११। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७५७।

२१९२ प्रति नं० २। पत्र सं० ६। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १७५७।

२१९३ षोडशकारणजयमाल........। पत्र सं० १०। साइज–११½×४½ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १७५२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८०७।

विशेष—प्रति सटीक है। आमेर में पं० लच्मीदास ने प्रतिलिपि की थी।

२१९४ षोडशकरणपूजा........। पत्र सं० ९। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८०८।

२१९५ षोडशकारणपूजा........। पत्र सं० २१। साइज–११×५½ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० १८०९।

२१९६ षोडशकारणविधानपूजा........। पत्र सं० ३८। साइज–१२½×८ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १९४२। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८१०।

२१९७ सम्मेदशिखरपूजा........। पत्र सं० ४०। साइज–८½×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९२९।

२१९८ समवश्रुतपूजा........। पत्र सं० ३१। साइज–११×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल–सं० १८८३ वैशाख बुदी ११। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १९००।

२१९९ समवशरण पूजा–लाललालजी। पत्र सं० ६५। साइज–१३×६½ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–पूजा। रचनाकाल–सं० १८३४। लेखनकाल–सं० १८९१। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १८९७।

विशेष—ग्रन्थकार की विस्तृत प्रशस्ति है। श्री लालजी सकूराबाद निवासी पद्मावती पूरवार गुलाबरायजी के पुत्र थे। उथियारा में प्रतिलिपि हुई थी।

२२०० **समवशरणपूजा**—जवाहरलाल। पत्र सं० ५७। साइज—११×७½ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—पूजा। रचनाकाल—सं० १९२१। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १८९६।

२२०१ **सहस्रगुणीपूजा**—भट्टारक शुभचन्द्र। पत्र सं० ३८। साइज—१२×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १९६६।

२२०२ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ५७। साइज—१२×५ इञ्च। लेखनकाल—सं० १७५९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १९६७।

२२०३ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० ४२। साइज—१०½×५½ इञ्च। लेखनकाल—सं० १७५८ माघ सुदी १। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १९६८।

विशेष—पं० भींवसी के पठनार्थ गुरुजी केसोदास ने आमेर में प्रतिलिपि की थी।

२२०४ **प्रति नं० ४**। पत्र सं० ३२। साइज—१२×६½ इञ्च। लेखनकाल—सं० १८१४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १९६९।

२२०५ **सहस्रनामपूजा**—स्वरूपचंद बिलाला। पत्र सं० ६२। साइज—१२½×६ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—पूजा। रचनाकाल—सं० १९१६। लेखनकाल—सं० १९१७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १९७०।

२२०६ **सार्द्धद्वयद्वीपपूजा**—शुभचन्द्र। पत्र सं० ५४। साइज—१०½×५ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०५२।

२२०७ **सिद्धकूटपूजा**—विश्वमूषण। पत्र सं० १३। साइज—१०×६½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०५३।

२२०८ **सिद्धपूजा**……। पत्र सं० ३। साइज—१०½×४½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०५४।

२२०९ **सिद्धक्षेत्रपूजा**……। पत्र सं० २१। साइज—१२×७ इञ्च। भाषा—हिन्दी। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २०५५।

२२१० **सिद्धजयमाल**—चन्द्रकीर्ति। पत्र सं० २। साइज—८½×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—उत्तम। वेष्टन नं० २०५७।

२२११ **सुखसंपत्तिपूजा**……। पत्र सं० ३। साइज—११×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत—हिन्दी। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २१०२।

२२१२ **सहस्रगुणितपूजा**—पं० खड्गसेन कवि। पत्र सं० ६३। साइज—१२×५½ इञ्च। भाषा—संस्कृत। विषय—पूजा। रचनाकाल ×। लेखनकाल—सं० १७६३ वैशाख सुदी ४। पूर्ण एणं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० १९६४।

विशेष—श्री साहिमल ने लवाण ग्राम में प्रतिलिपि की थी। वहां उस समय उदैराम का राज्य था।

२२१३ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८३ । साइज–१०३/४×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध तथा सुन्दर । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १९६५ ।

२२१४ सायश्रीटीका–भट्ट वोसरी । पत्र सं० ४३ । साइज–११×५३/४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २०२३ ।

विशेष—प्रति की एक पुष्पिका इस प्रकार है:— इति दिगम्बराचार्य पं० श्री दामनन्दि शिष्य भट्ट वोसरी विरचिते सायश्री टीका यज्ञानतिलके आयचक्रपूजाप्रकरणं पंचविंशतितमं समाप्तं ।

२२१५ सोलहकारणपूजा । पत्र सं० १९ । साइज–६×४३/४ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१५४ ।

२२१६ सोलहकारणमंडलविधानपूजा........ । पत्र सं० ५९ । साइज–११×७ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १९३६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २१५५ ।

२२१७ सौख्यउद्यापनपूजा–पं० अक्षयराम । पत्र सं० २० । साइज–१०३/४×५ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–पूजा । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २१५६ ।

विषय—प्राचीन लेख संग्रह

ग्रन्थ संख्या—५

२२१८ आबू मन्दिर के शिलालेखों की भाषा–बाबा दुलीचंद । पत्र सं० १२ । साइज–८×६१/२ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–प्राचीन लेख संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२१ ।

२२१९ हरसुखराय के मन्दिर देहली की ग्रन्थ सूची–बाबादुलीचंद । पत्र सं० १५ । साइज–८३/४×६ इन्च । भाषा–हिन्दी । विषय–प्राचीन लेख संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७८५ ।

२२२० प्रति नं० २ । पत्र सं० ११ । साइज–५३/४×९ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७७६ ।

२२२१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज–५३/४×९ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७७६ ।

२२२२ शिलालेखसंग्रह………। पत्र सं० १३ । साइज–११½×६½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–प्राचीन लेख संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १७०६ ।

विशेष—निम्न शिलालेखों का संग्रह है ।

चालुक्यावंशोभूत श्री पुलकेशिन का शिलालेख । ग्वालियर नगरोपकण्ठ स्थितगिरदुर्गे पद्मनाथ देवालये समुत्कीर्ण प्रशस्ति । भद्रबाहु प्रशस्ति । मल्लिषेण प्रशस्ति ।

विषय—संगीत एवं नृत्य कला

ग्रन्थ सख्या—५

२२२३ नर्त्तनविचार–पुंडरीक विट्ठल । पत्र सं० ३६३ । साइज–६×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–नृत्य कला । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८५१ ।

२२२४ राधागोविन्द संगीत सार–महाराजा सवाई प्रतापसिंहजी । पत्र सं० ६७ । साइज–१५¾×१०½ इञ्च भाषा–हिन्दी । विषय–संगीत । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १५३६ ।

विशेष—इसके आगे रागाध्याय है । उसके पूरे पृष्ठ २२२ तक है ।

२२२५ संगीतरत्नाकर–लक्ष्मणाचार्य पुत्र श्री केल्लिनाथ । पत्र सं० १६६ । साइज–११×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–संगीत शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८२२

२२२६ संगीतशास्त्रसार–श्री दामोदर । पत्र सं० ५३ । साइज–११×५ इञ्च । भाषा–सस्कृत । विषय–संगीत । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८२३ ।

२२२७ संगीतरत्नाकर–श्री शार्ङ्गदेव । पत्र सं० २२८ । साइज–११×६ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सगीत शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १८२४ ।

२२२८ संगीतसार–महाराजा प्रतापसिंह । पत्र सं० २२२ । साइज–१२×१५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । लेखनकाल × । अपूर्ण–६७ पत्र के आगे रागाध्याय है । वेष्टन नं० १८२५ ।

विषय—लक्षण एवं समीक्षा साहित्य

ग्रन्थ संख्या—१५

२२२६ **चौसठऋद्धि स्वरूप**……। पत्र सं० १३। साइज–१०¾×७ इञ्च। भाषा–प्राकृत। विषय–लक्षण साहित्य। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण–५४ गाथायें हैं। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ४३८।

२२३० **प्रति नं० २**। पत्र सं० ५। साइज–१०½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। गाथा संख्या १२३। वेष्टन नं० ४३६।

२२३१ **प्रति नं० ३**। पत्र सं० १३। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० १५४६।

विशेष—एक पत्र में चार २ पंक्तियां हैं। अक्षर सुन्दर व मोटे हैं।

२२३२ **पंचरत्नपरीक्षा**……। पत्र सं० १३। साइज–१०×४½ इञ्च। भाषा–अपभ्रंश। विषय–समीक्षा। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १००३।

२२३३ **सर्वरत्नपरीक्षा**……। पत्र सं० १३×३६। साइज–१३×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–लक्षण ग्रंथ। रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६५४।

२२३४ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ४। साइज–१०×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० १६५४।

२२३५ **धर्मपरीक्षा–अमितिगति**। पत्र सं० ९३। साइज–११¾×५ इञ्च। भाषा–संस्कृत। विषय–समीक्षा साहित्य। रचनाकाल–सं० १०७०। लेखनकाल–सं० १६००। अपूर्ण–प्रारम्भ के ५३ पत्र नहीं हैं। सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ८०१।

विशेष—सा० मल्ला पाटनी ने प्रतिलिपि करवाई थी।

२२३६ **प्रति नं० २**। पत्र सं० ६६। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८०१।

२२३७ **धर्मपरीक्षा भाषा–मनोहरलाल**। पत्र सं० ९५। साइज–१२×६ इञ्च। भाषा–हिन्दी। विषय–समीक्षा। रचनाकाल–सं० १६४०। लेखनकाल–सं० १८७१। अपूर्ण–प्रारम्भ के ३१ पत्र नहीं हैं। शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८०२।

२२३८ **प्रति नं० २**। पत्र सं० १०४। साइज–११×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० ८०३।

विशेष—दो प्रतियों का सम्मिश्रण है।

२२३९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ८२ । साइज–११×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८०४ ।

२२४० प्रति नं० ४ । पत्र सं० ६१ । साइज–१२½×६½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८०५ ।

विशेष—जिहांनाबाद नगर में रूपचंदजी के शिष्य पं० दयाराम ने प्रतिलिपि की थी ।

२२४१ प्रति नं० ५ । पत्र सं० १५८ । साइज–१२×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७७८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८०६ ।

२२४२ धर्मपरीक्षा भाषा–श्री दशरथ निगोत्या । पत्र सं० ४७ । साइज–११½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–समीक्षा । रचनाकाल–सं० १७१८ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८०७ ।

२२४३ धर्मपरीक्षा भाषा–पन्नालाल चौधरी । पत्र सं० १६९ । साइज–१२×८ इञ्च । भाषा–हिन्दी–गद्य । विषय–परीक्षा । रचनाकाल–सं० १९३२ । लेखनकाल–सं० १९४७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८०८ ।

विशेष—पत्र नं० १६८ का १६७ की ही दूसरी प्रति है । प्रथम आठ पत्र नहीं है । लक्ष्मीचंदजी छाबड़ा पंसारी ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

२२४४ धर्मपरीक्षा–मुनिरामचन्द्र । पत्र सं० ३४ । साइज–१२×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–परीक्षा । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२१ मंगसिर सुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ८०९ ।

विशेष—सरोजपुर नगर में पं० कामराज के शिष्य देवराज सुखदेव के पठनार्थ प्रतिलिपि की गयी थी ।

विषय—स्फुट एवं अवशिष्ट साहित्य

ग्रन्थ सख्या—५८

२२४५ अतरवाच्य……… । पत्र सं० ३, १९–४९ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पुराण । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५८३ भादवा सुदी ४ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६० (क)

विशेष—नेमिनाथ, पार्श्वनाथ तथा महावीर स्वामी की जीवनी श्वेताम्बर सम्प्रदाय के सिद्धान्तों के अनुसार हैं ।

२२४६ अनुभवविलास……… । पत्र सं० ५० । साइज–१२×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–पूजा–भजन व पद संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १६ ।

विशेष—प्रारम्भ के २२ पत्रों में पूजा संग्रह है ।

२४७ आगम वाक्य संग्रह……..। पत्र सं० २२१ । साइज–१२×५½ इञ्च । भाषा–प्राकृत–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १५७७ मादवा सुदी ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६३ ।

विशेष—संग्रह ग्रन्थ है । लेखक प्रशस्ति संक्षिप्त में निम्न प्रकार है । संवत् १५७७ वर्षे भाद्रपद सुदी ७ चंद्रदिने कुरुजांगलदेशे श्री स्वर्णपंथमहास्थाने श्री सिकन्दरसाहिपुत्र सुलितान विराहिम्रराज्यप्रववर्त्तमाने……..पांडे ईच्छराजु……अग्रोतकान्वये गर्गगोत्रे फतिहपुरू पुंडरीया कपिरथलि (कैथलि) वास्तव्य”……एतेषां मध्ये सर्वज्ञध्वनिनिर्गतजोवादिपदार्थषट्द्रव्य पर्यायश्रद्धापरः शास्त्रदाननिरतः परोपकारी ब्रह्मचारी चाहड सुत पांडे ईच्छा तेन इदं कर्मकांड त्रिभंगी चूनडी का टीका अपर प्रचुर शास्त्रं लिखापितं ।

संवत् १५८४ नुहतांग ब्रह्मचारि सीहू जोग्यदत्तं पांडे ईच्छे । संवत् १६०५ वर्षे वैशाख बुदी २ चौ० मदनसिंह भोजराज का नो ब्र० सीहै प्रदत्तं पठनार्थं ।

२२४८ आगमवाक्य संग्रह……..। पत्र सं० १२ । साइज–१२×५½ इञ्च ।भाषा–हिन्दी–संस्कृत । विषय–धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ६२ ।

२२४६ जखडी–भूधरदास । पत्र सं० ६ । साइज–८½×५½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–भजन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ५६२ ।

२२५० ढाढसी……..। पत्र सं० ४ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्फुट । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ५७१ ।

२२५१ ढोलामारूणी……..। पत्र सं० ३७ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–कथा । रचनाकाल-सं० १६७७ । लेखनकाल–सं० १७६२ । पूर्ण एवं शुद्ध । २–३७ तक पत्र हैं । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ५७२ ।

२२५२ थानविलास–कविवर थानजी अजमेरा । पत्र सं० २२ । साइज–१२×७½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय-कविता संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ७०० ।

२२५३ त्रिशतचतुर्विंशतिनाम……..। पत्र सं० ८ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्फुट । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० ६८२ ।

२२५४ द्रव्यपूजास्थापक सिद्धान्त……..। पत्र सं० ३१ । साइज–८½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय-खंडनमंडन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७१३ ।

विशेष—श्वेताम्बर सम्प्रदाय में पूजा की स्थापना है । यही ३२ सूत्रों में सिद्ध किया गया है ।

२२५५ द्यानतविलास–द्यानतराय । पत्र सं० ४०३ । साइज–८½×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १६०३ । ७६ अधिकार तक पूर्ण । शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७६८ ।

२२५६ प्रति नं० २ । पत्र सं० १५३ । साइज–११×८ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८७७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ७६६ ।

विशेष—महात्मा राधाकृष्ण ने जयपुर में प्रतिलिपि की थी ।

२२५७ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १४० । साइज-११×७½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-प्रारम्भ के ११० तथा अन्तिम पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० ७७० ।

२२५८ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १८४ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण-५०-११४ तक तथा आगे के पत्र नहीं हैं । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ७७१ ।

२२५९ **धर्मविलास**-द्यानतराय । पत्र सं० १-५० । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-संग्रह ग्रन्थ । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६० प्रति नं० २ । पत्र सं० १२०-१६५ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६१ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२०-१६५ । साइज-१२×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६२ प्रति नं० ४ । पत्र सं० २८ । साइज-१२×५½ इञ्च । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८१६ ।

२२६३ **नक्षत्रमालाव्रतविवरण**········ । पत्र सं० ४ । साइज-११½×५½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-व्रतों का वर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८३६ ।

२२६४ **नवतत्त्वनिदान**········ । पत्र सं० २१ । साइज-८½×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-दर्शन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८५८ ।

विशेष—हिन्दी भाषा में अर्थ दिया हुआ है ।

२२६५ **नवरत्नकाव्य**········ । पत्र सं० १ । साइज-११×४½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्फुट । रचनाकाल × लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ८६४ ।

विशेष—विक्रम राजा के ९ रत्नों का एक २ पद्य में परिचय है ।

२२६६ **पंचपरमेष्ठीगुणस्तवन**-डालूराम । पत्र सं० २५ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-स्तवन । रचनाकाल-सं० १८६५ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९९० ।

विशेष—स्तवन की समाप्ति के पश्चात् डालूराम कृत द्वादशानुप्रेक्षा तथा चौरासी लाख जखडी भी है । जखडी पूर्ण नहीं है ।

२२६७ **पंचपरमेष्ठीजाप्य**········ । पत्र सं० १० । साइज-१०½×५ इञ्च । भाषा-प्राकृत । विषय-स्तवन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ९९१ ।

नोट—१०८ बार णमोकार मंत्र लिखा हुआ है ।

२२६८ **प्रबोधसार**-पं० यशःकीर्ति । पत्र सं० १८ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-औपदेशिक । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८११ माघ शुक्ला ७ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० ११६१ ।

२२६९ प्रति नं० २ । पत्र सं० १७ । साइज–१३×८ इन्च । लेखनकाल–सं० १९८० फाल्गुण कृष्णा ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० ११६२ ।

२२७० प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२–१९ । साइज–१२×५½ इन्च । लेखनकाल–सं० १८१२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० ११६३ ।

२२७१ **बनारसीविलास**–बनारसीदास । पत्र सं० १५६ । साइज–८½×६½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्फुट । रचनाकाल–सं० ~~१७०१~~ । लेखनकाल–सं० १९०३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६२ ।

विशेष—बनारसीदासजी की स्फुट रचनाओं का संग्रह है ।

२२७२ प्रति नं० २ । पत्र सं० ८८ । साइज–१०×७½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८७० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १२६१ ।

२२७३ प्रति नं० ३ । पत्र सं० १२ । साइज–८½×५½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२७३ ।

२२७४ प्रति नं० ४ । पत्र सं० १३० । साइज–११×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६३ ।

२२७५ प्रति नं० ५ । पत्र सं० ८४ । साइज–१०×७ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण–आगे के पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६४ ।

२२७६ प्रति नं० ६ । पत्र सं० ५१–१४५ । साइज–९×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८१४ श्रावण बुदी ५ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १२६५ ।

२२७७ **भववैराग्यशतक**……… । पत्र सं० १६ । साइज–१०½×४½ इन्च । भाषा–प्राकृत । विषय– । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२१ ।

२२७८ प्रति नं० २ । पत्र सं० ७ । साइज–१०½×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२२ ।

विशेष—संस्कृत में पर्यायवाची शब्द दिये हुये हैं ।

२२७९ प्रति नं० ३ । पत्र सं० ११ । साइज–१०×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १३२३ ।

विशेष—हिन्दी टव्वा टीका सहित है ।

२२८० **बृहदारण्यक सटीक**–टीकाकार–आचार्य शंकर । पत्र सं० २६४ । साइज–१२×४ इन्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सिद्धान्त । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७८१ चैत्र शुक्ला पंचमी । अपूर्ण–१३०–१३९ तक पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १६६८ ।

२२८१ विम्बनिर्माण……… । पत्र सं० ४ । साइज-१०×४½ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-शिल्पशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६४६ ।

विशेष—विषय मत्स्यादिपुराण में से लिया गया है ।

२२८२ बिम्बनिर्माण……… । पत्र सं० ४ । साइज-१२×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-शिल्पशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १२७१ ।

२२८३ मन्दिरनिर्माण विधि-बाबा दुलीचंद । पत्र सं० ८ । साइज-११×७ इन्च । भाषा-हिन्दी । विषय-शिल्पशास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३७६ ।

२२८४ महीभट्टी-कवि भट्टी । पत्र सं० ५८ । साइज-११×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३८६ ।

२२८५ प्रति नं० २ । पत्र सं० २१-४० तक । साइज-११×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १३८६ ।

२२८६ मानमंजरी-संग्रहकर्त्ता-सागरगणि । पत्र सं० ४० । साइज-११×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० १३८६ ।

२२८७ वस्तुविज्ञानरत्नकोश……… । पत्र सं० ५ । साइज-१०×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-कोश । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १६०७ ।

२२८८ शास्त्रदीपिका……… । पत्र सं० ५६ । साइज-१०×४ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १७०७ ।

२२८९ शांतिकपाठ-धर्मदेव । पत्र सं० ६८ । साइज-५½×५ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्तोत्र । रचनाकाल-सं० १६८२ । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७७२ ।

२२९० शिवतांडवीय-नीलकंठ । पत्र सं० ५५ । साइज-१२×४½ इन्च । भाषा-संस्कृत । विषय-स्फुट । रचनाकाल × । लेखनकाल-सं० १८६० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७१० ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२२९१ श्वेताम्बर पराजय……… । पत्र सं० ७ । साइज-११×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-धर्म । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १७७१ ।

२२९२ षट्प्रश्नी……… । पत्र सं० ७२ । साइज-८×४ इञ्च । भाषा-हिन्दी । विषय-संग्रह । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण-स्फुट पत्र हैं । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० १८०५ ।

२२९३ संस्कृतमंजरी-हरिनाम मिश्र । पत्र सं० ६ । साइज-११½×५½ इञ्च । भाषा-संस्कृत । विषय-संग्रह किये हुये लेख । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० १८३० ।

२२९४ सम्बन्धोद्योत–रभसानंद। पत्र सं० १४ । साइज–१०×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९३१

विशेष—प्रति सटीक है । टीका संस्कृत में है ।

२२९५ संग्रह……… । पत्र सं० २४४ । साइज–११×७½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–संग्रह । रचनाकाल ×। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० १८२६ ।

विशेष—इस संग्रह में तत्त्वार्थ सूत्र, पुरूषार्थसिद्ध्युपाय, आप्तपरीक्षा, आत्मानुशासन, प्रतिष्ठा पाठ, जिनसहस्रनाम स्तोत्र, सामायिक, श्रुतभक्ति आदि का संग्रह है ।

२२९६ साधुवंदना–बनारसीदास । पत्र सं० २ । साइज–९×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–स्तवन । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० १९९० ।

२२९७ सारबावनी……… । पत्र सं० ८ । साइज–१०×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–सुभाषित । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७४५ पौष बुदी १० शुक्रवार । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२०३ ।

विशेष—बारावड में कनक सागर ने लिपि की थी ।

२२९८ सारस्वत व्याकरण–अनुभूति स्वरूपाचार्य । पत्र सं० ४३ । साइज–११½×५ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०५१ ।

विशेष—प्रति संस्कृत टीका सहित है ।

२२९९ सिद्धहेमशब्दानुशासन वृत्ति……… । पत्र सं० २५२ । साइज–१०×३½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–व्याकरण । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–१–२ तथा २५० से २५१ तक पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०५८ ।

२३०० सिद्धान्तमुक्तावली–विश्वनाथ पंचानन । पत्र सं० ९७ । साइज–९×४½ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–न्याय शास्त्र । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८४६ माघ शुक्ला पंचमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २०७५ ।

२३०१ सूगढांकदीपक………… । पत्र सं० ११४ । साइज–११×४½ इञ्च । भाषा–प्राकृत । विषय–स्फुट । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण–केवल मध्य के ३७ पत्र हैं । सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१०३ ।

२३०२ सिद्धिप्रियस्तोत्र–देवनन्दि । पत्र सं० ७ । साइज–९½×४ इञ्च । भाषा–संस्कृत । विषय–स्तोत्र । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २०५६ ।

विशेष—प्रति टीका सहित है । टीका संस्कृत में है ।

२३०३ सुमति कुमति की जखडी–विनोदीलाल । पत्र सं० ३ । साइज–७½×४½ इञ्च । भाषा–हिन्दी । विषय–उपदेशात्मकवर्णन । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७८९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २१३४

२३०४ हितोपदेशी……… । पत्र सं० १३ । साइज–१०½×५ इञ्च । भाषा–हिन्दी–संस्कृत । विषय–जैन धर्म व वैदिक ग्रन्थों में उल्लेख । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २२५१ ।

विषय—संग्रह

गुटका संख्या—१५

२३०५ गुटका नं० १ । पत्र सं० ६ । साइज-१०×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४०४ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३०६ गुटका नं० २ । पत्र सं० २० । साइज-५×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०७ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३०७ गुटका नं० ३ । पत्र सं० १५ । साइज-५×४ इन्च । लेखनकाल-सं० १७४६ भादवा सुदी १५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०६ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
अक्षर बावनी	—	हिन्दी	
सुदामाजी का कक्का	—	,,	

२३०८ गुटका नं० ४ । पत्र सं० १७ । साइज-८×७ इन्च । लेखनकाल-सं० १६५४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०६ ।

विशेष—भक्तामर स्तोत्र तथा एकीभाव स्तोत्र हैं ।

२३०९ गुटका नं० ५ । पत्र सं० २० । साइज-५×५ इञ्च । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०६ ।

विशेष—हिन्दी के पदों का संग्रह है ।

२३१० गुटका नं० ६ । पत्र सं० २० । साइज-७×५½ इन्च । लेखनकाल-सं० १७१६ माघ सुदी ३ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१३ ।

विशेष—चंद कवि कृत हिन्दी में रामायण है । पद्यों की संख्या १४७ पद्य हैं ।

२३११ गुटका नं० ७ । पत्र सं० २५ । साइज५½×४½ इञ्च । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३१२ गुटका नं० ८ । पत्र सं० २० । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४१४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३१३ गुटका नं० ९। पत्र सं० ३०। साइज-५×४½ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४१४।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३१४ गुटका नं० १०। पत्र सं० १३। साइज-६×४½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४१६।

विशेष—हिन्दी पदों का संग्रह है।

२३१५ गुटका नं० ११। पत्र सं० ३५। साइज-६×६ इञ्च। लेखनकाल-सं० १५८४ चैत्र सुदी ९। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४१६।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। सामान्य पाठों का संग्रह है।

२३१६ गुटका नं० १२। पत्र सं० २०। साइज-९×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४२३।

विशेष—गुटके में कोई विशेष उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३१७ गुटका नं० १३। पत्र सं० ७। साइज-६×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४०३।

विशेष—हिन्दी पदों का संग्रह है।

२३१८ गुटका नं० १४। पत्र सं० २०। साइज-६×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४१०।

विशेष—पंच स्तोत्रों का संग्रह है।

२३१९ गुटका नं० १५। पत्र सं० २३। साइज-७×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४२४।

विशेष—स्तोत्रों का संग्रह है।

२३२० गुटका नं० १६। पत्र सं० २०। साइज-६×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४०८।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं हैं।

२३२१ गुटका नं० १७। पत्र सं० २७। साइज-६×५ इन्च। भाषा-हिन्दी। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४२६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
संबोधपंचासिका	पं० बुधजन	हिन्दी	

पद संग्रह	,,	,,
निर्वाणकांड भाषा	भैय्या भगवतीदास	,,

२३२२ गुटका नं० १८। पत्र सं० १२ । साइज-११½×४½ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४१७ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत मोहविवेक कथा दी हुई है ।

२३२३ गुटका नं० १९ । पत्र सं० २१ । साइज-१२×६½ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२७ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत नाटक समयसार है ।

२३२४ गुटका नं० २० । पत्र सं० १७ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२१ । पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२७ ।

विशेष—गुटके में संस्कृत में रत्नत्रय पूजा है ।

२३२५ गुटका नं० २१ । पत्र सं० २१ । साइज-७×७ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७९६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
शनिश्चर की कथा	—	हिन्दी	
भक्तामर स्तोत्र भाषा	हेमराज	,,	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र भाषा	बनारसीदास	,,	
पंचमंगल	रूपचंद	,,	

२३२६ गुटका नं० २२ । पत्र सं० १९ । साइज-५½×४½ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २४१९ ।

विशेष—पूजा संग्रह है ।

२३२७ गुटका नं० २३ । पत्र सं० २३ । साइज-७×६½ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तामर स्तोत्र मंत्र सहित	—	संस्कृत	
पद संग्रह	—	हिन्दी	

२३२८ गुटका नं० २४ । पत्र सं० २५ । साइज-९×६ इञ्च । लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४३१ ।

विशेष—गुटके में ज्योतिष से सम्बन्धित साहित्य है ।

३२९ गुटका नं० २५ । पत्र सं० ५२ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३३ ।

विशेष—धार्मिक चर्चाओं का संग्रह है ।

२३३० गुटका नं० २६ । पत्र सं० ३० । साइज-७×५$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३३ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३३१ गुटका नं० २७ । पत्र सं० ६४ । साइज-७×५' इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१५ माघ बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४३४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्तुति संग्रह	—	हिन्दी	
ज्ञानपच्चीसी	बनारसीदास	"	
संबोधकाव्य (प्राखिडा गीत)	—	"	

२३३२ गुटका नं० २८ । पत्र सं० ६ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४०२ ।

विशेष—गुटके में हिन्दी पदसंग्रह है ।

२३३३ गुटका नं० २९ । पत्र सं० ३५ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३३४ गुटका नं० ३० । पत्र सं० ४० । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पार्श्वजिनस्तुति	—	हिन्दी	
चिंतामणिपार्श्वनाथस्तवन	—	"	
योगीरासो	—	"	
नेमिनाथस्तवन	जिनदास	"	
सेवकुमारस्तवन	—	"	

२३३५ गुटका नं० ३१ । पत्र सं० ३३ । साइज-१०×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८१२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
आनंदश्रावक संघ	हेमनंदन	हिन्दी	

अनादि साधु संघ	—	,,	
स्तवनसंग्रह	विमलकीर्त्ति	,,	

२३३६ गुटका नं० ३२ । पत्र सं० ९९ । साइज–१०×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७१८ माघ बुदी ९ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं०

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
षट्पाहुड	कुन्दकुन्दाचार्य	प्राकृत	
स्वरोदय	—	संस्कृत	
द्रव्यसंग्रह भाषा	हीरानंद	हिन्दी	

२३३७ गुटका नं० ३३ । पत्र सं० ४० । साइज–४×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४४६ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३३८ गुटका नं० ३४ । पत्र सं० ४४ । साइज–८×६$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४४६ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
षोडशकारण जयमाल	भावशर्मा	प्राकृत	
दशलक्षण पूजा	,,	,,	
सामायिक पाठ	,,	संस्कृत	हिन्दी अर्थ सहित

२३३९ गुटका नं० ३५ । पत्र सं० ५० । साइज–५×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५८५ आसोज बुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४५७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
अभिषेक पाठ	अभयनंदि	संस्कृत	
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	,,	

२३४० गुटका नं० ३६ । पत्र सं० ३५ । साइज–५$\frac{३}{२}$×५$\frac{३}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४५७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
नंदीश्वर जयमाल	—	संस्कृत	
गणधर जयमाल	—	,,	
शांतिनाथ जयमाल	—	,,	
मुनीश्वरों की जयमाल	—	,,	

मिथ्यादुक्कड	ब्रह्मजिनदास	हिन्दी	
नवकार गीत	—	,,	
सुदंसणसार	—	प्राकृत	
मुक्तावली गीत	सकलकीर्त्ति	हिन्दी	
सुक्तानुप्रेक्षा	मुनि विषयसेन	प्राकृत	

२३४१ गुटका नं० ३७। पत्र सं० ५०। साइज-६×४½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७०४। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४५६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
नाममाला	धनंजय	संस्कृत	
शिवसाधन नाम	जगन्नाथ	,,	अपूर्ण
जिनस्तोत्र	वादिराज	,,	
हिन्दी पद	—	हिन्दी	
पंचकल्याण	ठक्कुर	,,	१५ पद्य

२३४२ गुटका नं० ३८। पत्र सं० ४४। साइज-७×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४६०।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
द्वादशानुप्रेक्षा	आलूकवि	हिन्दी	
अध्यात्मपैडी	बनारसीदास	,,	
बनारसी विलास के अंश	,,	,,	
स्फुट पद	—	,,	

२३४३ गुटका नं० ३९। पत्र सं० ४५। साइज-९½×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४६२।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्वामीकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा	स्वामी कार्त्तिकेय	प्राकृत	
तत्वसार	देवसेन	संस्कृत	

२३४४ गुटका नं० ४०। पत्र सं० २०। साइज-८×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७५३। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४६०।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
चौपीरासो	—	हिन्दी	
दाता की क्रिया कथन	—	,,	

ध्यानबत्तीसी	—	”	
प्राचीन राजाओं का समय	—	”	

२३४५ गुटका नं० ४१ । पत्र सं० ४४ । साइज-९×८ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२२ मंगसिर सुदी १० । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
शालिभद्र चौपई	जिनसिंह सूरि	हिन्दी	
बीसविरहमान गीत	—	”	

२३४६ गुटका नं० ४२ । पत्र सं० ४३ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
चरचाशतक	पं० बुधजन	हिन्दी	
द्रव्यसंग्रह भाषा	—	”	

२३४७ गुटका नं० ४३ । पत्र सं० ५० । साइज-१०½×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४६८ ।

विशेष—गुटके में पूजाओं का संग्रह है ।

२३४८ गुटका नं० ४४ । पत्र सं० ४८ । साइज-८×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५० । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६६ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत	
रत्नत्रयपूजा	—	”	
शांतिचक्रपूजा	—	”	
दशलक्षणपूजा	पं० रइधू	अपभ्रंश	लेखनकाल सं० १८०५
पद्मावतीस्तोत्र	—	संस्कृत	
अनंतव्रतपूजा	—	”	” १८०६

२३४९ गुटका नं० ४५ । पत्र सं० ४० । साइज-५½×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२० । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
विनोद सतसई	कवि वृंद	हिन्दी	
माहिरा	—	”	

२३५० गुटका नं० ४६ । पत्र सं० ३८ । साइज-५½×४ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०३ कार्त्तिक सुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
लक्ष्मीस्तोत्र	पद्मप्रभदेव	संस्कृत	
भक्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	”	

२३५१ गुटका नं० ४७ । पत्र सं० ४२ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७० । लिपि विकृत है ।

विशेष—हिन्दी में सुकुमाल मुनि की कथा है ।

२३५२ गुटका नं० ४८ । पत्र सं० ५० । साइज-८×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कोकमंजरी	कवि आनंद	हिन्दी	२७५ पद्य
वैद्यमनोत्सव	केशवदास नयनसुख	”	
राजुलपच्चीसी	लालचंद विनोदीलाल	”	
नवकारमंत्र केवली	—	”	

२३५३ गुटका नं० ४९ । पत्र सं० ७ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४७४ ।

विशेष—तीर्थंकरों के पूर्व भवों के नाम दिये हुये हैं ।

२३५४ गुटका नं० ५० । पत्र सं० २२ । साइज-६×६½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५६ ।

विशेष—समयसार नाटक का कुछ भाग है ।

२३५५ गुटका नं० ५१ । पत्र सं० ४२ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कोकसार	आनन्दकवि	हिन्दी	
सामुद्रिकशास्त्र	—	”	

२३५६ गुटका नं० ५२ । पत्र सं० २-४६ । साइज-५×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४७६ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३५७ गुटका नं० ५३ । पत्र सं० ६० । साइज–५×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४७७ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३५८ गुटका नं० ५४ । पत्र सं० ३० । साइज–५×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३५९ गुटका नं० ५५ । पत्र सं० ५२ । साइज–६×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८२८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४७७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जयपुर के मन्दिर चैत्यालयों की वंदना	—	हिन्दी	
आदिनाथस्तोत्र	—	"	
बाईस अभक्ष्य	—	"	
सरस्वतीस्तवन	—	"	

२३६० प्रति नं० ५६ । पत्र सं० ३८–५५ । साइज–६×५ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४८१ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचपरमेष्ठीपूजा	—	संस्कृत	
सरस्वतीपूजा	—	"	
चतुर्विंशतिजिनपूजा	—	"	

२३६१ गुटका नं० ५७ । पत्र सं० २० । साइज५×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४१५ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२३६२ गुटका नं० ५८ । पत्र सं० २५ । साइज–६×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १८९९ भादवा सुदी ५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४२५ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२३६३ गुटका नं० ५९ । पत्र सं० ६० । साइज–६×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४८२ ।

विशेष—गुटके में शनिश्चरजी की कथा है ।

२३६४ गुटका नं० ६० । पत्र सं० ५५ । साइज–५$\frac{३}{२}$×५$\frac{३}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४८३ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३६५ गुटका नं० ६१। पत्र सं० ५६। साइज–८½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४८४।

विशेष—स्तोत्रों का संग्रह है।

२३६६ गुटका नं० ६२। पत्र सं० ४२। साइज–६×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४६१।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
योगसार	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	१०८ गाथा। हिन्दी में अर्थ दिया हुआ है।
प्रश्नदोहा	सुप्रभाचार्य	संस्कृत—	

२३६७ गुटका नं० ६३। पत्र सं० ५०। साइज–६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४५८।

विशेष—गुटका वर्षा में भीगा हुआ मालूम होता है। स्तुति संग्रह है।

२३६८ गुटका नं० ६४। पत्र सं० ५१। साइज–६×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४८५।

विशेष—नवल कवि कृत हिन्दी में चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति है।

२३६९ गुटका नं० ६५। पत्र सं० ५६। साइज–९×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४८६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
अनन्तपूजा तथा विधान	—	संस्कृत	
अनन्तव्रतरास	—	हिन्दी	
भक्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	संस्कृत	
पार्श्वनाथस्तवन	सिद्धसेन	,,	

२३७० गुटका नं० ६६। पत्र सं० २–५३। साइज–५×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १५६६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४८७।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भट्टारक गुरावली	—	संस्कृत	
पोमहरास	ज्ञानभूषण	हिन्दी	
गीत	चतुरू	,,	
ढोष गीत	—	,,	

२३७१ गुटका नं० ६७ । पत्र सं० ५६ । साइज–११¾×७ इन्च । लेखनकाल–सं० १७०४ पौष शुक्ला अष्टमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४८६ ।

विशेष—गुटके में चौबीस ठाणा चर्चा है ।

२३७२ गुटका नं० ६८ । पत्र सं० ६ । साइज–६×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४०१ ।

विशेष—गुटके में हिन्दी में वज्रनाभि की स्तुति है ।

२३७३ गुटका नं० ६९ । पत्र सं० ४० । साइज–६×४½ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४०१ ।

विशेष—स्तोत्र पदसंग्रह है ।

२३७४ गुटका नं० ७० । पत्र सं० ४८ । साइज–८×७ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४७३ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समाधिमरण स्वरूप	—	हिन्दी	
पूजा संग्रह	—	”	
नरकों के दोहे	—	”	
चौबीस दंडक	दौलतराम	”	

२३७५ गुटका नं० ७१ । पत्र सं० ५७ । साइज–१०¾×५¾ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४६० ।

विशेष—गुटके में चौबीस ठाणा चर्चा है ।

२३७६ गुटका नं० ७२ । पत्र सं० ६० । साइज–७×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४६२ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तामर स्तोत्र	मानतुङ्ग	संस्कृत	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	”	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचन्द्र	”	
विषापहारस्तोत्र	धनंजय	”	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनंदी	”	
लक्ष्मीस्तोत्र	पद्मप्रभदेव	”	
सामायिकपाठ	—	”	
जोगसारदोहा	—	हिन्दी	

२३७७ गुटका नं० ७३ । पत्र सं० २८ । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३६ ।

विशेष—भजनों का संग्रह है ।

२३७८ गुटका नं० ७४ । पत्र सं० ६० । साइज-६×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२३७९ गुटका नं० ७५ । पत्र सं० २२ । साइज-५×४ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४३७ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२३८० गुटका नं० ७६ । पत्र सं० २७ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६५३ चैत्र बुदी अष्टमी । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २४३२ ।

विशेष—गुटके में पिंगल शास्त्र है ।

२३८१ गुटका नं० ७७ । पत्र सं० ७० । साइज-७×४½ इन्च । लेखनकाल-सं० १८१५ फागुण बुदी १४ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मोक्षपैडी	बनारसीदास	हिन्दी	
गीत	पं० अखयराम	”	
पद संग्रह	—	”	
बनारसी विलास का कुछ अंश	बनारसीदास	”	

२३८२ गुटका नं० ७८ । पत्र सं० ६४ । साइज-४½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचांगुली मंत्र	—	संस्कृत	
नवग्रहस्तोत्र	—	”	
केवली	—	हिन्दी	
ज्वालामालिनी स्तोत्र	—	संस्कृत	
श्रीपाल दर्शन	—	हिन्दी	
आमेर के राजाओं की पट्टावली	—	”	

२३८३ गुटका नं० ७९ । पत्र सं० ७० । साइज-६½×६½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८५ आषाढ बुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४९८

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत समयसार नाटक है।

२३८४ गुटका नं० ८० । पत्र सं० ६८ । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४९९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सुदर्शन श्रेष्ठी छप्पय	जयसागर	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७३३
पंचवर्णतेईसा	पूनमचंद	,,	
जखडी	विहारीदास	,,	,, १७५६
आराधना प्रतिबोधसार	सकलकीर्त्ति	,,	
सुमति कुमति का झगड़ा	—	,,	
पूजासंग्रह	—	,,	
पंचमंगल	रूपचंद	,,	

२३८५ गुटका नं० ८१ । पत्र सं० ७० । साइज–७×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७९३ अषाढ सुदी १२ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५०० ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३८६ गुटका नं० ८२ । पत्र सं० ६० । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २५०१ ।

विशेष—पूजा एवं स्तोत्र संग्रह है।

२३८७ गुटका नं० ८३ । पत्र सं० ३० । साइज–९×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४३५ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। हरिवंश पुराण सम्बन्धी कथायें है।

२३८८ गुटका नं० ८४ । पत्र सं० ७९ । साइज–७¾×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५०५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानपच्चीसी	बनारसीदास	हिन्दी	
दोहा संग्रह	—	,,	
नवरत्न कवित्त	—	,,	
उपदेश पच्चीसी	—	,,	
बाईसपरीषह	—	,,	

२३८९ गुटका नं० ८५ । पत्र सं० ३८ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६३४ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४४७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत	
नेमिनाथ की बेलि	कवि धेल्ह	हिन्दी	
नाममाला	धनंजय	संस्कृत	

२३६० गुटका नं० ८६। पत्र सं० ७६। साइज-६×६ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। लिपि-विकृत। वेष्टन नं० २५०६।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३६१ गुटका नं० ८७। पत्र सं० ४०। साइज-६½×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४५५।

विशेष—मुनि भानुकीर्त्ति कृत आदित्यवार कथा है।

२३६२ गुटका नं० ८८। पत्र सं० ७२। साइज-६×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५०७।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
शनिश्चरजी की कथा	—	हिन्दी	
संबोध पंचासिका भाषा	—	"	
पंचमंगल	रूपचंद	"	
आदित्यवार कथा	—	"	

२३६३ गुटका नं० ८९। पत्र सं० ७४। साइज-४×४ इञ्च। भाषा-हिन्दी। लेखनकाल-सं० १७३५। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २५०८। लिपि विकृत है।

विशेष—गुटके में श्रीपालरास है लेकिन अक्षर घसीट होने से अपाठ्य है।

२३६४ गुटका नं० ९०। पत्र सं० ४५। साइज-५×४ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७४५। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४७२। लिपि विकृत है।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३६५ गुटका नं० ९१। पत्र सं० ७४। साइज-४½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २५०९।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२३६६ गुटका नं० ९२। पत्र सं० ८०। साइज-९½×४½ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २५१२।

विशेष—कोई उल्लेखनीय विषय नहीं है।

२३६७ गुटका नं० ६३ । पत्र सं० ८० । साइज–१०×६½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५१३ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
क्रियाकलाप टीका	प्रभाचन्द्र	संस्कृत	
गुरावली	—	”	
श्रावकप्रतिक्रमण	—	”	
संबोध पंचासिका	—	प्राकृत	
आराधनासार	देवसेन	”	
गर्भषडारचक्र	देवनंदि	संस्कृत	
पाणपिंडपायडी	—	प्राकृत	
नेमिराजमति बेलि	ठक्कुरसी	हिन्दी	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	संस्कृत	
हंसा भावना	ब्रह्म अजित	हिन्दी-	

२३६८ गुटका नं० ६४ । पत्र सं० ७६ । साइज–७½×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५१४ ।

विशेष—गुटके में पूजाओं का संग्रह है ।

२३६९ गुटका नं० ६५ । पत्र सं० ७८ । साइज–६¾×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०४–१८१२ तक । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २५१५ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तामरस्तोत्र सटीक	—	संस्कृत	लेखनकाल १७६७ मागशीर्ष बुदी १२ ।
” भाषा	हेमराज	हिन्दी	
धर्मरासो	—	”	” १८०५
एकीभावस्तोत्र	हीरानंद	”	” १८१०
आदिनाथस्तोत्र	नाथू	”	
पंचपरमेष्ठी स्तवन	—	”	
पदसंग्रह	नवल	”	
ज्ञाता–कामी का विवाद	—	”	
एकीभावस्तोत्र टीका	—	संस्कृत	” १८०५
योगसारदोहा	योगचंद	हिन्दी	”
सामायिकपाठ	—	संस्कृत	

२४०० गुटका नं० ६६ । पत्र सं० ६-७१ । साइज-६×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५१६ ।

विशेष—गुटके में मुख्यतः हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२४०१ गुटका नं० ६७ । पत्र सं० ५० । साइज-५×३½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५२० ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४०२ गुटका नं० ६८ । पत्र सं० ४४ । साइज-८½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२३ । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४६४ ।

विशेष—गुटके में धर्म संवाद वर्णन है ।

२४०३ गुटका नं० ६६ । पत्र सं० ८७ । साइज-६×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५२ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामायिक पाठ वचनिका	—	हिन्दी	
आदित्यवार कथा	भाउ	”	
जोगीरासो	—	”	

२४०४ गुटका नं० १०० । पत्र सं० ३६ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४४२ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४०५ गुटका नं० १०१ । पत्र सं० ४० । साइज-६¾×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७८३ आसोज सुदी ११ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४५० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
गुणविवेक वार	केशवदास	हिन्दी	
हरिस	—	”	लेखक ज्ञानकुशल

२४०६ गुटका नं० १०२ । पत्र सं० ८४ । साइज-५×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५२२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार नाटक	बनारसीदास	हिन्दी	
पंचमी कथा	—	”	
स्नपनविधि	—	संस्कृत	
गजलपच्चीसी	लालचन्द विनोदीलाल	हिन्दी	

२४०७ गुटका नं० १०३ । पत्र सं० ६४ । साइज-६X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मेघकुमार गीत	—	हिन्दी	२० पद्य
भैरवस्तोत्र	—	संस्कृत	
गीत	ब्रह्म जिनदास	हिन्दी	

विशेष—इनके अतिरिक्त पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है ।

२४०८ गुटका नं० १०४ । पत्र सं० ६० । साइज-६X५ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२३ ।

विशेष—गुटके में पूजा संग्रह है ।

२४०९ गुटका नं० १०५ । पत्र सं० ८५ । साइज-८X६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७९३ मंगसिर सुदी १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
धर्मरासो	—	हिन्दी	
मांगीतुंगी स्तवन	अभयचन्द्रसूरि	„	
पार्श्वनाथजी की निसाणी	—	„	
श्रीपालरास	ब्रह्मरायमल्ल	„	

२४१० गुटका नं० १०६ । पत्र सं० २० । साइज-५X४ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४२२ ।

विशेष—शृंगार रस के हिन्दी पद्यों का संग्रह है ।

२४११ गुटका नं० १०७ । पत्र सं० ८२ । साइज-८½X६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७४६ वैशाख बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सिन्दूरप्रकरण	बनारसीदास	हिन्दी	
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	
योगसार	„	„	
सज्जनचित्तवल्लभ	—	संस्कृत	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनंदि	„	ऋषिरामजी कृत हिन्दी अर्थ सहित
संबोध पंचासिका	—	प्राकृत	
तत्त्वसार	देवसेन	„	„

२४१२ गुटका नं० १०८। पत्र सं० ६०। साइज–६X६ इन्च। लेखनकाल–सं० १८३५। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५२७।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२४१३ गुटका नं० १०६। पत्र सं० २६। साइज–५X५ इञ्च। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४०६।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२४१४ गुटका नं० ११०। पत्र सं० ६०। साइज–११X५ इञ्च। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० २५२८।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२४१५ गुटका नं० १११। पत्र सं० ८७। साइज–५X४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७२१ माघ बुदी १०। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० २५२६।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रूक्मणिकृष्णरास	—	हिन्दी	
साधुवंदणा	पासचंद	„	
श्रावकप्रतिक्रमण	—	प्राकृत	लेखनकाल सं० १७२१

२४१६ गुटका नं० ११२। पत्र सं० ६७। साइज–८X६ इन्च। लेखनकाल–सं० १७२४ फागुण सुदी १०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५३२।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तामरस्तोत्र भाषा	हेमराज	हिन्दी	
प्रीतिंकरचरित्र	जोधराज	„	
मनविकार विलास कथा	„	„	

२४१७ गुटका नं० ११३। पत्र सं० ७७। साइज–६X७ इञ्च। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५१०।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। केवल पूजाओं का संग्रह है। तथा अन्त में शीघ्रबोध है।

२४१८ गुटका नं० ११४। पत्र सं० ६४। साइज–८X५३ इन्च। लेखनकाल–सं० १७८८ वैशाख सुदी ८। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २५३३।

विशेष—गुटके में महाकवि बनारसीदास कृत समयसार नाटक है।

२४१६ गुटका नं० ११५। पत्र सं० ७७। साइज–६X५ इञ्च। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५१६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
गर्भषडारचक्र	देवनन्दि	संस्कृत	
शांतिनाथस्तोत्र	—	”	
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	”	
दर्शनसार	देवसेन	प्राकृत	
अनुप्रेक्षा	लक्ष्मीचन्द्र	”	
षड्भक्ति	—	”	
गुरावली	—	”	

२४२० गुटका नं० ११६ । पत्र सं० ९७ । साइज-१०×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १७२६ मंगसिर बुदी ८ तथा १८४१ फाल्गुण बुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५३४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार	बनारसीदास	हिन्दी	लेखनकाल सं० १७२६
शालिभद्र चौपई	—	”	” १८४१

२४२१ गुटका नं० ११७ । पत्र सं० ८६ । साइज-९¾×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५२६ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत समयसार नाटक है ।

२४२२ गुटका नं० ११८ । पत्र सं० ९५ । साइज-९×६ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५३५ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२४२३ गुटका नं० ११९ । पत्र सं० ९८ । साइज-९×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २५३६ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४२४ गुटका नं० १२० । पत्र सं० ९४ । साइज-५¾×४ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५४० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पाखंडपंचासिका	सुंदरदास	हिन्दी	
भव्यप्रतिबोध	—	”	
मोहविवेक	बनारसीदास	”	

२४२५ गुटका नं० १२१ । पत्र सं० ९६ । साइज-८×६½ इन्च । लेखनकाल-सं० १७२८ माघ सुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५४१ ।

विशेष—गुटका सांगानेर में पांडे सुखराम ने लिखवाया था।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
दोहा संग्रह	—	हिन्दी	
नवरत्नकवित्त	—	,,	
बनारसीविलास	बनारसीदास	,,	

२४२६ गुटका नं० १२२। पत्र सं० ९९। साइज–८×६½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५४२।

विशेष—गुटके में पूजा स्तोत्र आदि पाठों का संग्रह है।

२४२७ गुटका नं० १२३। पत्र सं० १००। साइज–८½×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७७२ फाल्गुण सुदी ६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५४३।

विशेष—गुटके में नेमिचन्द्र कृत हिन्दी भाषा में हरिवंशपुराण है। हरिवंशपुराण का रचनाकाल–सं १७६९ है।

२४२८ गुटका नं० १२४। पत्र सं० १००। साइज५×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५४४।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
केवलीपृच्छा	—	हिन्दी	अपूर्ण
सभाभूषण	गंगाराम	,,	पूर्ण
सुभाषित बावनी	उदयराज	,,	,,
मन प्रशंसा दोहा	,,	,,	,,
पार्श्वस्तुति	—	,,	,,
बारहखडी	सूरत	,,	,,
पार्श्वनाथपुराण	—	,,	अपूर्ण
अष्टपाहुड	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	,, हिन्दी अर्थ सहित

२४२९ गुटका नं० १२५। पत्र सं० १००। साइज–६×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० ५४५।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
नेमिश्वररास	—	हिन्दी	
चेतनपुद्गलधमालि	कवि बूचा	,,	
जकडी	श्रीचंद	,,	
आषाढभूतिमुनिचौपई	कनकसोम	,,	रचनाकाल १६२८
साधु वंदना	—	,,	

आदित्यवार लघुकथा	यशःकीर्त्ति	अपभ्रंश
समाधि	ब्र० धर्मदास	हिन्दी
पद	रुपचंद	,,
कर्महिंडोला	हर्षकीर्त्ति	,,
श्रीपाल की स्तुति	—	,,
श्रुतपंचमीकथा	—	,,
पदसंग्रह	—	,,

२४३० गुटका नं० १२६ । पत्र सं० ९९ । साइज–७×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७८७ चैत्र बुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५४६ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भक्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	संस्कृत	
कल्याणमन्दिर स्तोत्र	कुमुदचन्द्र	,,	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनंदि	,,	
विषापहारस्तोत्र	धनंजय	,,	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	,,	सं० १७५२
परमानंदस्तोत्र	—	,,	
लक्ष्मीस्तोत्र	पद्मप्रभ देव	,,	
सिद्धपूजा	—	,,	
निर्वाणकांड भाषा	भगवतीदास	हिन्दी	
पद संग्रह	—	,,	
सोलहस्वप्न फल	रूपचंद	,,	

२४३१ गुटका नं० १२७ । पत्र सं० १०८ । साइज–८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २५४८ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भविष्यदत्त चौपई	ब्रह्मरायमल्ल	हिन्दी	
प्रीतिंकर चरित्र	—	,,	

२४३२ गुटका नं० १२८ । पत्र सं० १०० । साइज–९×५ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५४९ ।

विशेष—बनारसीदासजी कृत समयसार नाटक है ।

२४३३ गुटका नं० १२६ । पत्र सं० २७-६७ । साइज-५½×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५४६ ।

विशेष—गुटके में पूजा और स्तोत्रों का संग्रह है ।

२४३४ गुटका नं० १२६ (क) । पत्र सं० ६५ । साइज-६×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५० ।

विशेष—गुटके में पूजा व स्तोत्र संग्रह है ।

२४३५ गुटका नं० १३० । पत्र सं० १०५ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५१ ।

विशेष—बनारसीविलास के कुछ पाठों का संग्रह है ।

२४३६ गुटका नं० १३१ । पत्र सं० १०६ । साइज-८×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५३ ।

विशेष—गुटके में शुभचन्द्र कृत त्रिलोकपूजा है ।

२४३७ गुटका नं० १३२ । पत्र सं० १०५ । साइज-१०×७½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कर्मकांडगाथा	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
विशेषसत्तात्रिभंगी	—	,,	
भावत्रिभंगी	—	,,	
ज्ञानार्णव	आ० शुभचन्द्र	संस्कृत	
क्षेपनक्रिया	—	हिन्दी	
गोमट्टसारगाथा टीका (गुणस्थान)	—	प्राकृत	
स्वामीकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा	कार्त्तिकेय	,,	
उपासकाचार	पूज्यपाद	संस्कृत	

२४३८ गुटका नं० १३३ । पत्र सं० २६-१०४ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५५५ ।

विशेष—विभिन्न कवियों के पदों का संग्रह है ।

२४३९ गुटका नं० १३४ । पत्र सं० ११२ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामायिक पाठ	—	संस्कृत	

तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वामि	संस्कृत
नंदीश्वरभक्ति	—	„
स्वयंभूस्तोत्र	समंतभद्राचार्य	„

२४४० गुटका नं० १३५। पत्र सं० ७०। साइज–५½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५०२।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। सभी पत्र एक दूसरे से चिपे हुये हैं।

२४४१ गुटका नं० १३६। पत्र सं० ११०। साइज–६×७ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७२६ वैशाख सुदी ७। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५५७।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार नाटक	बनारसीदास	हिन्दी	
पद संग्रह	—	„	

२४४२ गुटका नं० १३७। पत्र सं० ६०। साइज–१२×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८४० चैत्र शुक्ला १०। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–उत्तम। वेष्टन नं० २४८८।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कर्मकांड	नेमिचन्द्राचार्य	प्राकृत	संस्कृत में टीका भी है।
द्रव्यसंग्रह	„	„	

२४४३ गुटका नं० १३८। पत्र सं० ९९। साइज–५¾×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५५९।

विशेष—गुटके में स्तोत्र व पूजनों का संग्रह है।

२४४४ गुटका नं० १३९। पत्र सं० १४०। साइज–८×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५६०।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। अधिकांश पत्र बिना लिखे हुये हैं।

२४४५ गुटका नं० १४०। पत्र सं० १२०। साइज–६×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १५३३ चैत्र सुदी ६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५६२।

विशेष—पूजाओं के संग्रह के अतिरिक्त अर्हंद्देवकृत महाभिषेकविधि भी है। बहुद्रव्यपुर में खान श्री मौनखान के राज्य में ब्रह्म रतन ने प्रतिलिपि की थी।

२४४६ गुटका नं० १४१। पत्र सं० ४०। साइज–८½×६¾ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २४४८।

विशेष—पद व भजन संग्रह है।

२४४७ गुटका नं० १४२ । पत्र सं० १२० । साइज-८½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७३१ चैत्र बुदी ६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६३ ।

विशेष—गुटके में उल्लेखनीय ऐतिहासिक सामग्री का संग्रह है । कछवाहा तथा मुस्लिम शासकों का वृतान्त दिया हुआ है । इसके अतिरिक्त अन्य स्तोत्र तथा कथाओं का संग्रह है ।

२४४८ गुटका नं० १४३ । पत्र सं० ११२ । साइज-८½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८३६ मंगसिर बुदी १२ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । एक दूसरे से पत्र चिप रखे हैं । वेष्टन नं० २५६५ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मधुमालति कथा	वसन्तराज	हिन्दी	६२२ पद्य
ज्ञानसरोदय	चरनदास	"	२१४ पद्य
सामुद्रिक	—	"	
शिवा	—	"	

२४४९ गुटका नं० १४४ । पत्र सं० १२० । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४५० गुटका नं० १४५ । पत्र सं० २६ । साइज-५×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४३८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
षट्द्रव्य वर्णन	—	हिन्दी	
दशलक्षणपूजा	—	"	

२४५१ गुटका नं० १४६ । पत्र सं० ७६ । साइज-६×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८७४ एवं १८७७ । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५०४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मार्कण्डेयपुराण का कुछ भाग	—	हिन्दी	
शनिश्चर देव की कथा	—	"	

२४५२ गुटका नं० १४७ । पत्र सं० ६० । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६६ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४५३ प्रति नं० १४८ । पत्र सं० ३६ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४४६ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४५४ गुटका नं० १४६। पत्र सं० १२०। साइज–६×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५७०।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचसंधि	—	संस्कृत	
कर्मप्रकृतिविधान	बनारसीदास	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७००
बनारसी पद	”	”	

२४५५ गुटका नं० १५०। पत्र सं० ५६। साइज–५×४ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८२। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४७६।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सूक्तिमुक्तावली	बनारसीदास	हिन्दी	
नवरत्नकवित्त	—	”	

२४५६ गुटका नं० १५१। पत्र सं० २५। साइज–६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४३६।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२४५७ गुटका नं० १५२। पत्र सं० १११। साइज–७×७ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५७१।

विशेष—पूजा और हिन्दी पदों का संग्रह है।

२४५८ गुटका नं० १५३। पत्र सं० ११६। साइज–६×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६६४ फागुण सुदी ८। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५७२।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्वामीकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा	कार्त्तिकेय	प्राकृत	
अनस्तमितिव्रताख्यान	पं० हरिचन्द	”	
नीतिसार	इन्द्रनंदि	संस्कृत	
पव्वयप्ररूपण	—	प्राकृत	
सज्जनचित्तवल्लभ	—	संस्कृत	

२४५९ गुटका नं० १५४। पत्र सं० १२७। साइज–७×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५७४।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२४६० गुटका नं० १५५। पत्र सं० १२६। साइज–८×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७८८ सावन सुदी ५। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २५७५।

विशेष—टोडाभीम में रामचन्द्र बजने दीपचन्द कासलीवाल के पठनार्थ गुटका लिखा था।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रत्नकरण्डश्रावकाचार	—	हिन्दी	रचना-१७७०
समाधितंत्रभाषा	—	"	"
रयणसार	—	"	१७६८
उपदेशरत्नमाला	—	"	१७७०
दर्शनशुद्धि प्रकाश	—	"	
अष्टऋद्धिचउसठिभेद	—	"	
कर्मबंधविधान	—	"	
ध्यानभेद	—	"	
विवेकचौतीसी	—	"	
नमस्कारस्तोत्र	—	"	
दर्शनस्तोत्र	—	"	
सुगतवादिजयाष्टक	—	"	
चौरासी आच्छादन चैत्यालय	—	"	
सामायिक बत्तीसी	—	"	
कषायजयभावना	—	"	
प्रश्नोत्तररत्नमाला	—	"	
धर्मसाधनमंत्र	—	"	
परमार्थविंशतिका	—	"	
कलिकालपंचासिका	—	"	
फुटकर कवित्त	—	"	
कर्मविपाक	—	"	
धर्मरत्नप्रकरण	—	"	
विवेकविलास	—	"	

२४६१ गुटका नं० १५६। पत्र सं० १५२। साइज-६×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५७६।

विशेष—पूजा संग्रह है।

२४६२ गुटका नं० १५७। पत्र सं० १००। साइज-६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५३०।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
निर्वाणकांड भाषा	भगवतीदास	हिन्दी	
स्तुतिसंग्रह	—	”	

२४६३ गुटका नं० १५८ । पत्र सं० १३० । साइज–८×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७४१ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५७७ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदासजी कृत समयसार नाटक है ।

गुटके को संवत् १७४१ माघ शुक्ला ११ के दिन साह भूधरदास ने रामचन्द के पास लिखवाया था ।

२४६४ गुटका नं० १५९ । पत्र सं० १२४ । साइज–६¾×६ इन्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २५७८ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है । अधिकांश पत्र बिना लिखे हुये हैं ।

२४६५ गुटका नं० १६० । पत्र सं० १३० । साइज–६×४¾ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५७९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
णमोकारमहात्म्य	—	हिन्दी	
शीलरास	—	”	
बारहभावना	—	”	

विशेष—गुटके में अन्य पाठ बंगला भाषा में लिखे हुये हैं ।

२४६६ गुटका नं० १६१ । पत्र सं० १२५ । साइज–४½×५ इञ्च । भाषा–प्राकृत । लेखनकाल–सं० १६७२ मंगसिर बुदी ६ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५८० ।

विशेष—टोंक नगर में महात्मा नारायण ने प्रतिलिपि की थी ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
योगसार	—	हिन्दी	१०७ पद्य अपूर्ण
शील बत्तीसी	—	”	३२ ”
मानबावनी	—	”	५२ ”

२४६७ गुटका नं० १६२ । पत्र सं० १२७ । साइज–६¾×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७७१ माह सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५८१ ।

विशेष—गुटके में महाकवि बनारसीदासजी कृत समयसार नाटक है ।

२४६८ गुटका नं० १६३ । पत्र सं० ४७ । साइज–६×४¾ इन्च । लेखनकाल–सं० १७०४ कार्तिक सुदी १० । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४६७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
प्रतिक्रमणसूत्र	—	प्राकृत	
भयहरपार्श्वनाथस्तोत्र	—	”	
चतुर्शरण	—	प्राकृत	
चतुर्विंशतिजिनस्तुति	—	”	

२४६९ गुटका नं० १६४ । पत्र सं० ११५ । साइज-९×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६९८ चैत्र सुदी २ । अपूर्ण-प्रारम्भ के १७ पत्र नहीं हैं । सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५७३ ।

विशेष—गुटके में वनारसीदासजी कृत नाटक समयसार है ।

२४७० गुटका नं० १६५ । पत्र सं० १२२ । साइज-६½×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १६०६ असाढ सुदी ४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रत्नत्रयपूजा	आचार्य नरेन्द्रसेन	संस्कृत	
पार्श्वनाथ कथा	भाउ कवि	हिन्दी	
गुरुस्थाप्य	—	”	
पूजासंग्रह	—	संस्कृत-प्राकृत	

२४७१ गुटका नं० १६६ । पत्र सं० ११२ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५६८ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं हैं । हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२४७२ गुटका नं० १६७ । पत्र सं० १३९ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
महाभिषेक विधि	—	संस्कृत	
सिद्धचक्रपूजा	—	”	

२४७३ गुटका नं० १६८ । पत्र सं० ६० । साइज-७×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८२५ मंगासिर सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४८९ (क)

विशेष—हिन्दी पदों तथा पूजाओं का संग्रह है ।

२४७४ गुटका नं० १६९ । पत्र सं० ५६ । साइज-९×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४९३ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सिन्दूरप्रकरण	बनारसीदास	हिन्दी	

कृपणकवित्त	—	”	
पंचस्तोत्र	—	”	
मानबावनी	—	”	
सुप्पउदोहा	—	प्राकृत	

२४७५ गुटका नं० १७० । पत्र सं० १३५ । साइज–९X५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७२० । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५८४ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार	बनारसीदास	हिन्दी	सं० १७२० फागुण सुदी ५
मानबावनी	—	”	देवगिरि मध्य जगन्नाथ ने लिखवाया था।

२४७६ गुटका नं० १७१ । पत्र सं० ९४ । साइज–६X५ इन्च । लेखनकाल–सं० १६२० पौष सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५३८ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
अणस्तमितसंधि	हरिचन्द्र	अपभ्रंश	
चूनडीरास	विनयचन्द्र	”	
सद्गुरुनामावलि	—	संस्कृत	
वीरचरित्र भांति	—	”	
कर्मप्रकृति	नेमिचन्द्राचार्य	प्राकृत	

२४७७ गुटका नं० १७२ । पत्र सं० १३५ । साइज–७X७ इञ्च । लेखनकाल X । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५८५ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
देवागमस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	संस्कृत	
चतुर्विंशतिजिनस्तवन	”	”	
परीक्षामुख	माणिक्यनंदि	”	
जिनशतक	समन्तभद्राचार्य	”	
समाधितन्त्र	पूज्यपाद	”	

२४७८ गुटका नं० १७३ । पत्र सं० १३१ । साइज–८X४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७८० पौष सुदी ११ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५८६ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
नागश्री कथा	—	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७७० पद्य ४१७
एकावलीव्रत कथा	—	”	पद्य ७८

पद	—	”	
नवकार रासो	—	”	लेखनकाल सं० १७८४ पद्य ६३
गुरुभक्तिगीत	—	”	

२४७९ गुटका नं० १७४ । पत्र सं० १७ । साइज-१०×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २४०५ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४८० गुटका नं० १७५ । पत्र सं० १३२ । साइज-८×६½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७७६ कार्त्तिक सुदी १० । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५८७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
नियमसार सटीक	टीकाकार पद्मप्रभमलधारिदेव	प्राकृत-संस्कृत	
जम्बूस्वामी चौपई	पांडे जिनदास	हिन्दी	

२४८१ गुटका नं० १७६ । पत्र सं० ४० । साइज-७×५ इन्च । लेखनकाल-सं० १७३७ भादवा सुदी १५ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २४५१ ।

विशेष—स्तोत्र संग्रह है ।

२४८२ गुटका नं० १७७ । पत्र सं० १३२ । साइज-६×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५८८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सामायिक पाठ	—	प्राकृत	
स्वयंभूस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	संस्कृत	
चतुर्विंशतितीर्थंकर जयमाल	नरदेव	अपभ्रंश	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनन्दि	संस्कृत	
भावनाद्वात्रिंशिका	—	”	
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत	
तत्वसार	—	”	
परमानन्द स्तोत्र	—	संस्कृत	
ढाढसीगाथा	—	प्राकृत	

२४८३ गुटका नं० १७८ । पत्र सं० १४५ । साइज-६½×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७२५ । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । लिपि विकृत है । वेष्टन नं० २५८९ ।

विशेष—हिन्दी पद्यों का संग्रह है ।

२४८४ गुटका नं० १७९ । पत्र सं० १०४ । साइज-७×५½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७६३ द्वितीय आषाढ सुदी २ मंगलवार । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५५२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
नागदमन की कथा	किशन	हिन्दी	
खंडेलवालों के चौरासी गोत्र	—	"	
सांगानेर की जखडी	—	"	सं० १७६८ में सहस्रगुणित पूजा हुई उसका वर्णन है।
आदित्यवार कथा	—	"	

विशेष—इनके अतिरिक्त पूजा व स्तुति संग्रह है।

२४८५ गुटका नं० १८० । पत्र सं० ६२ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५३६ ।

विशेष—पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है।

२४८६ गुटका नं० १८१ । पत्र सं० १४३ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
गोमट्टसार चर्चा	आचार्य नेमिचन्द्र	प्राकृत	
संबोधपंचासिका	—	"	
परमानंदस्तोत्र	—	संस्कृत	
अनुप्रेक्षा	—	"	
आणंदा	आनन्द कवि	हिन्दी	४२ पद्य

२४८७ गुटका नं० १८२ । पत्र सं० १४६ । साइज-८३/४×६ इञ्च । भाषा-हिन्दी । लेखनकाल-सं० १८२५ चैत्र बुदी १४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २५६३ ।

विशेष—गुटके में चौथे काल में होने वाले १६६ महापुरूषों का विशेष वर्णन दिया हुआ है।

२४८८ गुटका नं० १८३ । पत्र सं० १४८ । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५७० वैशाख सुदी ७ अपूर्ण-आरम्भ के १० पत्र नहीं है । शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	संस्कृत	
द्वादशानुप्रेक्षा	मुनि लक्ष्मीचंद्र	अपभ्रंश	
अध्रुवानुप्रेक्षा	—	हिन्दी	
सूतक गाथा	—	संस्कृत	
दुर्लभानुप्रेक्षा (मूलाचार का एक भाग)	—	"	
सामायिक पाठ	—	"	

षड्भक्ति	—	"	
स्वयंभूस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	"	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनन्दि	"	
पार्श्वनाथस्तवन	पद्मप्रभदेव	"	
शांतिनाथस्तवन	गुणभद्र	"	
तत्वसार	मुनि देवसेन	प्राकृत	
संबोधपंचासिका	—	"	
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत	
परमात्मराजस्तोत्र	पद्मनंदि	संस्कृत	
चूनडी	मुनि विनयचंद	प्राकृत	
कल्याणक कथा	—	"	

२४८९ गुटका नं० १८४ । पत्र सं० १४३ । साइज-१०×६ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५९५ ।

विशेष—लिपि विकृत है । कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४९० गुटका नं० १८५ । पत्र सं० १४८ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल सं०-१७७९ चैत्र बुदी ७ सोमवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २५९६ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
निर्वाणकांड	—	प्राकृत	
स्तुति	रूपचंद	हिन्दी	
"	दीपचंद	"	
स्तोत्रत्रय	—	संस्कृत	
नेमिनाथगीत	—	हिन्दी	
पट्टावलि	—	"	
पदसंग्रह	—	"	
चतुर्जिननामावलि	—	संस्कृत	
पदसंग्रह	—	हिन्दी	

२४९१ गुटका नं० १८६ । पत्र सं० १५० । साइज-८×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५९७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
दर्शनस्तुति	—	हिन्दी	
[illegible]	—	"	

पूजा संग्रह	—	"
अकृत्रिम चैत्यवंदना	—	संस्कृत
जिनपच्चीसी	नवरत्न	हिन्दी
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत
छहढाला	बुधजन	हिन्दी
वैराग्यपच्चीसी	भगवतीदास	"
गुणस्थानपीठिका	—	"
त्रिलोकसारपूजा	—	"

२४६२ गुटका नं० १८७। पत्र सं० २४–१५०। साइज–६×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २५६८।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ज्ञानसारगाथा	—	प्राकृत	अपूर्ण
सावयधम्मदोहा	—	अपभ्रंश	पूर्ण
द्वादशानुप्रेक्षा	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	"
श्रावकाचार	पद्मनंदि	संस्कृत	"
रयणसार	—	प्राकृत	"
चौदह मल	—	"	"
अंतरायबत्तीसी	—	"	"
चौरासीबोल	हेमकवि	हिन्दी	"
दोहा परमार्थी	रुपचंद	"	"
राजुलपच्चीसी	लालचन्द विनोदीलाल	"	"
मनरामविलास	बिहारीदास	"	"
सूक्तिसंग्रह	—	संस्कृत	"

२४६३ गुटका नं० १८८। पत्र सं० ११–१४६। साइज–६½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण शीर्ण। वेष्टन नं० २५६६।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कर्मप्रकृति	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
श्रुतस्कंध	ब्रह्म हेम	"	
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	संस्कृत	
सज्जनचित्तवल्लभ	मल्लिषेण	"	

जिनवरदर्शन	पद्मनंदि	संस्कृत
आलोचना पाठ	—	प्राकृत
भावनाबत्तीसी	अमितिगति	संस्कृत
दोहापाहुड	—	अपभ्रंश
रत्नावली	—	संस्कृत
वर्द्धमानस्तवन	—	”
जिनकल्पमाला	आशाधर	”
ज्ञानसार	—	प्राकृत
अनस्तमिति व्रताख्यान	पं० हरिचंद	”
रामचन्द्र चरित्र	—	”

२४९४ गुटका नं० १८९ । पत्र सं० १५१ । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७५८ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६०० ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कक्का बतीसी	—	हिन्दी	
मेघकुमार गीत	—	”	
मुक्तावलिगीत	—	”	
मुनिसुव्रत चरित्र	—	”	

२४९५ गुटका नं० १९० । पत्र सं० १५४ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५५६ वैशाख सुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६०१ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	प्राकृत	
महावीरस्तुति	—	संस्कृत	
मंगलकसूत्र	—	प्राकृत	
पाक्षिकप्रत्याख्यान	—	”	
उपवासप्रत्याख्यान	—	”	
प्रतिक्रमण नमस्कार	—	”	
श्रावक प्रतिक्रमण	—	”	
पार्श्वनाथस्तोत्र	अभयदेवसूरि	”	
अजितशांतिजिनस्तोत्र	—	”	
अजितशांतिलघुस्तोत्र	—	”	

भयहरपार्श्वनाथस्तोत्र	मानतुंग	"	
स्मरणानि	—	"	
मंगलीछंद	—	"	
लघुमात्र विधि	—	संस्कृत	
महावीर कलश	—	प्राकृत	
आदिनाथ कलश	—	"	
पंचपरमेष्ठि नमस्कार महामंत्र	—	"	
गौतम पृच्छा	—	"	
गुरावली	—	"	
गौतमस्वामी गणधर रास	—	"	
नेमिनाथ बत्तीसी	—	"	
महावीर बत्तीसी	—	"	
महावीरस्तवन	—	संस्कृत	
भक्तामरस्तोत्र	मानतुंग	"	(४४ पद्य)
जीवविचारप्रकरण	—	"	
सीलोपदेशमाला	जयकीर्त्ति	प्राकृत	
साठिसया	नेमिचन्द भंडारी	"	
संबोधसत्तरी	जयशेखर	"	
जीवविचारस्तोत्र	विजय तिलक	"	ले० १५६८
शत्रुंजयस्तवन	—	"	
पुष्पमाला सूत्र	—	"	
उपदेशमाला	—	"	
महर्षिकुलक	—	"	
केसी गौतम संवाद	—	"	
जिनभवनस्तोत्र	—	"	

२४६६ गुटका नं० १६१ । पत्र सं० २३ । साइज–६×४½ इन्च । लेखनकाल–सं० १६३४ आसोज सुदी १ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४३४ ।

विशेष—गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२४६७ गुटका नं० १६२ । पत्र सं० १५२ । साइज–८½×४½ इन्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६०२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मन-ज्ञान संगम	—	हिन्दी	६४ पद्य

आदित्यवार की कथा	—	”	१५२ पत्र
राजुलपच्चीसी	—	”	

२४९८ गुटका नं० १६३। पत्र सं० १५८। साइज–६×५ इन्च। लेखनकाल–सं० १८०८ फागुण बुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६०३।

विशेष—गुटके में हिन्दी पदों का संग्रह है।

२४९९ गुटका नं० १६४। पत्र सं० ४०। साइज–५½×४ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं अशुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४४१।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५०० गुटका नं० १६५। पत्र सं० १६२। साइज–९×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २६०४।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनामस्तोत्र	आशाधर	संस्कृत	
सकलीकरणविधान	—	”	
जिनपूजाविधान	—	”	
विधिविधानसंग्रह	—	”	
महाशांतिकविधि	अर्हद्देव	”	
रत्नत्रयपूजा	—	”	
त्रिंशच्चतुर्विंशतिपूजा	पं० भावशर्मा	”	

२५०१ गुटका नं० १६६। पत्र सं० १६५। साइज–५×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २६०५।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५०२ गुटका नं० १६७। पत्र सं० १६३। साइज–१०×९ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७९६। पूर्ण एवं शुद्ध दशा सामान्य। वेष्टन नं० २६०६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
ब्रह्मविलास	भैय्या भगवतीदास	हिन्दी	रचनाकाल १७९५
बनारसीविलास	बनारसीदास	”	~~१७०१~~

२५०३ गुटका नं० १६८। पत्र सं० १४८। साइज–६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २७०६।

विशेष—बनारसीविलास के मुख्य २ पाठ हैं।

२५०४ गुटका नं० १९९ । पत्र सं० १७० । साइज-६×५ इन्च । लेखनकाल-सं० १७६० चैत्र बुदी ७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०७ ।

विशेष—खड्गसेन कृत त्रिलोकदर्पण कथा है ।

२५०५ गुटका नं० २०० । पत्र सं० १६६ । साइज-५×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६०८ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम	जिनसेनाचार्य	संस्कृत	
सकलीकरण विधान	—	”	
रत्नत्रयपूजा	ब्रह्मसेन	”	
मालारोहण	—	”	
दशलक्षणपूजा	—	”	
अष्टाह्निकापूजा	—	”	
षोडशकारणविधान	अभ्र पंडित	”	
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	”	
जिनसहस्रनाम	आशाधर	”	
सिन्दूर प्रकरण	बनारसीदास	हिन्दी	
कल्याणमन्दिर भाषा	अखयराज	”	

२५०६ गुटका नं० २०१ । पत्र सं० १७७ । साइज-८¾×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १७२३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६०९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पंचस्तोत्र	—	संस्कृत	
अकलंकाष्टक	—	”	
कल्याणमाला	आशाधर	”	३५ पद्य
सज्जनचित्तवल्लभ	—	”	
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	”	
षट्पाहुड	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	सं० १७२३ वैशाख बुदी १३
परमात्मप्रकाश दोहा	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	”
श्रीपालरासो	ब्रह्मरायमल्ल	हिन्दी	१७२४ मंगसिर सुदी ३
सुदर्शनरासो	”	”	१७२७ चैत्र बुदी ११

२५०७ गुटका नं० २०२ । पत्र सं० १७४ । साइज-६¾×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७५६ श्रावण सुदी १३ पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
बावनी	—	हिन्दी	
ज्ञानपच्चीसी	बनारसीदास	,,	
द्वादशप्रत्याख्यान	—	,,	
पदसंग्रह	रुपचंद	,,	लेखनकाल सं० १७५२
मानबावनी	—	,,	सं० १७५०
अखडी	रुपचंद	,,	
अध्यात्मपैंडी	बनारसीदास	,,	
पंचमंगल	रुपचंद	,,	
विवेक युद्ध	बनारसीदास	,,	
दोहावली	रुपचंद	,,	
पंचेन्द्रिय की बेलि	—	,,	
जोगीरासो	—	,,	

२५०८ गुटका नं० २०३ । पत्र सं० १८० । साइज-६×५ इञ्च । लेखनकाल-सं० १५७० चैत्र बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६११ ।

विशेष—पं० राम वन्द्र ने स्वयं पठनार्थ प्रतिलिपि की थी ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत	
प्रतिष्ठापाठ	,,	,,	
देवशास्त्रगुरुपूजा	आ० पद्मनंदि	,,	
आदित्यवार कथा	—	प्राकृत	

इनके अतिरिक्त पूजाओं का संग्रह है ।

२५०९ गुटका नं० २०४ । पत्र सं० १७८ । साइज-११×६$\frac{३}{२}$ इञ्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६१२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनामपूजा	सुमतिसागर	संस्कृत	रचनाकाल सं० १८००
द्वादशव्रतपूजा	—	,,	
नैपनक्रियापूजा	—	,,	
पंचपरमेष्ठीव्रत पूजा	शुभचन्द्र	,,	
पंचकल्याणकमाला	आशाधर	,,	

पंचकल्याणक पूजा	सुधासागर	संस्कृत	
अष्टाह्निकापूजा	—	”	
पार्श्वनाथपूजा	—	”	
पंचमीव्रतोद्यापनपूजा	—	”	
रत्नत्रयपूजा	—	”	
जिनगुणसंपत्तिपूजा	—	”	
मुक्तावलीपूजा	—	”	
कांजीबारसव्रतपूजा	—	संस्कृत	
चौबीसतीर्थंकरजयमाल	—	प्राकृत	
पुष्पांजलिव्रतपूजा	—	”	

२५१० गुटका नं० २०५। पत्र सं० १७२ । साइज–८×६ इन्च । लेखनकाल–सं० १६११ ज्येष्ठ बुदी ६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६१३ ।

विशेष—लाडणू नगर में ब्र० डालू ने प्रतिलिपि करवायी थी ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
आदिपुराणजयमाल	—	हिन्दी	
पुष्पांजलिव्रतकथा	—	अपभ्रंश	
चतुर्विंशतिजिनस्तुति	—	”	
होलीपर्वकथा	—	संस्कृत	
नेमिनाथवसंतु	बील्ह	हिन्दी	
सुगंधदशमीकथा	सकलकीर्त्ति	संस्कृत	
योगसार	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	
अनुप्रेक्षा	बिसयसेण	”	
नेमिनाथवेलि	—	हिन्दी	
रयणसार	—	प्राकृत	
आदिजिनस्तवन	—	”	

२५११ गुटका नं० २०६। पत्र सं० १७२। साइज–६×४½ इन्च । लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६१५ ।

विशेष—विभिन्न कवियों के पदों का संग्रह है ।

२५१२ गुटका नं० २०७। पत्र सं० ११२ । साइज–६×४¾ इन्च । लेखनकाल–सं० १७६४। पूर्ण एव सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५६७ ।

विशेष—ब्रह्मरायमल्ल कृत हिन्दी में भविष्यदत्त चौपई है ।

२५१३ गुटका नं० २०८ | पत्र सं० ८० | साइज-६X५ इञ्च | लेखनकाल X | अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध | दशा-सामान्य | वेष्टन नं० २५१७ |

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार नाटक	बनारसीदास	हिन्दी	अपूर्ण
जैनशतक	भूधरदास	"	"

२५१४ गुटका नं० २०९ | पत्र सं० ३८ | साइज-६X६ इञ्च | लेखनकाल X | पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध | दशा-सामान्य | वेष्टन नं० २६१६ |

विशेष—भक्तामरस्तोत्र मंत्र सहित है |

२५१५ गुटका नं० २१० | पत्र सं० १८३ | साइज-९X६ इञ्च | लेखनकाल-सं० १८१७ आषाढ बुदी १२ पूर्ण एवं शुद्ध | दशा-सामान्य | वेष्टन नं० २६१७ |

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
यशोधरचरित्र	खुशालचंद	हिन्दी	रचनाकाल १७८१
धन्यकुमार चरित्र	"	"	
श्रेणिकचरित्र	लक्ष्मीदास	"	" १७३३

२५१६ गुटका नं० २११ | पत्र सं० १९० | साइज-११X५½ इञ्च | लेखनकाल X | पूर्ण एवं शुद्ध | दशा-सामान्य | वेष्टन नं० २६१८ |

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रत्नत्रयकथा	भ० रत्नकीर्ति	संस्कृत	
पूजासंग्रह	—	"	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
द्रव्यसंग्रह भाषा	—	हिन्दी	
फुटकर पद	—	"	

२५१७ गुटका नं० २१२ | पत्र सं० १९४ | साइज-६X६ इञ्च | लेखनकाल X | पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध | दशा-जीर्ण | वेष्टन नं० २६१९ |

विशेष—पूजाओं का संग्रह है |

२५१८ गुटका नं० २१३ | पत्र सं० १८२ | साइज-७X५ इञ्च | लेखनकाल-सं० १५४३ चैत्र सुदी ५ | पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध | दशा-सामान्य | वेष्टन नं० २६२० |

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
द्वादशांगश्रुतपूजा	—	संस्कृत	
सामायिकपाठ	—	"	

तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत
देवागमस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	,,
सप्तभंगि	—	,,
श्रावकप्रतिक्रमण	—	प्राकृत
आराधनासार	देवसेन	,,
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत
शांतिनाथस्तुति	—	,,
स्तवनविधि	—	,,
पंचास्तिकाय	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत

२५१९ गुटका नं० २१४ । पत्र सं० २५-१८१ । साइज-७×५ इन्च । लेखनकाल-सं० १६६० पौष सुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६२१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रत्नत्रयपूजा	पद्मनंदिदेव	संस्कृत	
कलिकुंडपूजा	—	,,	
सोलहकारणपूजा	—	,,	
जिनसहस्रनाम	आशाधर	,,	
स्तोत्रत्रय	—	,,	
दशलक्षण पूजा	—	,,	
परमात्मप्रकाश	—	प्राकृत	
पंचस्तोत्र	—	संस्कृत	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
संबोध पंचासिका	—	,,	
गुणस्थान चर्चा	—	,,	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
सिद्धिप्रियस्तोत्र	देवनंदि	,,	
गोरख शतक (अपूर्ण)	—	,,	

२५२० गुटका नं० २१५ । पत्र सं० १८-१८६ । साइज-८¾×६ इन्च । भाषा-हिन्दी । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६२२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
शांतिपाठ	—	संस्कृत	

पदसंग्रह	—	हिन्दी	
विद्यमान बीसतीर्थंकर पूजा	—	,,	
सिद्धपूजा	दौलतराम	,,	
अनंतव्रतपूजा	—	,,	
पूजासंग्रह	—	,,	
तत्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
चौबीसदंडक	दौलतराम	हिन्दी	
आत्मबत्तीसी	,,	,,	
विषापहारस्तोत्र	अचलकीर्त्ति	,,	
एकीभावस्तोत्र	हीरानंद	,,	
संबोधपंचासिका	द्यानतराय	,,	
ज्ञानप्रतिमा	—	,,	
उपदेशपच्चीसी	—	,,	
बारहभावना	—	,,	
एकीभावस्तोत्र	भूधरदास	,,	
सुरत की बारहखड़ी	—	,,	
हस्तीसंयम	—	,,	
जोगीरासो	जिनदास	,,	
ज्ञानपद	—	,,	
छहढाला	बुधजन	,,	
जैनशतक	भूधरदास	,,	१७८१
बाईस परिषह	—	,,	
द्वादशानुप्रेक्षा	डालूराम	,,	
मानबत्तीसी	भगवतीदास	,,	
दर्शनबत्तीसी	—	,,	
दर्शनछत्तीसी	—	,,	
द्वादशानुप्रेक्षा	—	,,	
तीर्थंकरपरिचय	—	,,	
जखड़ी	भूधरदास	,,	
नेमिनाथ के दशभव	—	,,	
राजुलपच्चीसी	लालचन्द	,,	

पंचमंगल	रूपचंद	हिन्दी
पदसंग्रह	द्यानतराय	,,
कर्मप्रकृतिवर्णन	बनारसीदास	,,
कर्मछत्तीसी	—	,,
ध्यानबत्तीसी	—	,,
उपगूहनअंग कथा	—	,,
नेमिपार्श्वनाथपूजा	डालूराम	,,

२५२१ गुटका नं० २१६ । पत्र सं० १८३ । साइज–८×५ इन्च । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७४६ भादवा सुदी ८ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६२३ ।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है ।

२५२२ गुटका नं० २१७ । पत्र सं० १८६ । साइज–७½×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६३७ ज्येष्ठ बुदी ७ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६२४ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५२३ गुटका नं० २१८ । पत्र सं० १६४ । साइज–८½×७ इन्च । लेखनकाल–सं० १८४३ आषाढ सुदी १२ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६२५ ।

विशेष—खुशालचंद कृत कथाकोश है । प्रथम ४४ पत्र सं० १८४२ में लिखे हुये हैं ।

२५२४ गुटका नं० २१९ । पत्र सं० २०० । साइज–८×६½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८४५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६२६ ।

विशेष—गुटके में रामचन्द्र कृत सीताचरित्र है । पद्य संख्या २५४९ है । रचनाकाल सं० १७१३ है ।

२५२५ गुटका नं० २२० । पत्र सं० १९२ । साइज–९½×५½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८०७ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६२७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
अनुभवप्रकाश	दीपचन्द कासलीवाल	हिन्दी	
समयसार नाटक	बनारसीदास	,,	
सुभाषितावली भाषा	खुशालचंद	,,	

२५२६ गुटका नं० २२१ । पत्र सं० १६४ । साइज–९×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १६०१ माह सुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६२८ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कथाकोश	—	अपभ्रंश	

(विभिन्न कवियों कृत कथाओं का संग्रह)

चौबीसठाणा	—	प्राकृत	
चौबीस तीर्थंकरों के ६२ स्थान	—	संस्कृत	
तीर्थंकर आयु परिचय	—	अपभ्रंश	
संसार सुख दुख पद	—	”	

२५२७ गुटका नं० २२२। पत्र सं० १८३। साइज-१०×६ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७२७। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६२९।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
तेरहकाठिया	—	हिन्दी	
समयसार	बनारसीदास	”	
सिन्दूरप्रकरण	—	”	

२५२८ गुटका नं० २२३। पत्र सं० २००। साइज-७×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६३०।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
वैराग्य सडाइ	मुनि देवराज	हिन्दी	
समवशरण	—	”	
वनजारागीत	भगौतीदास	”	
टंडाणारास	—	”	
भरत की वेलि	—	”	
द्वादशानुप्रेक्षा	—	”	
भरतबाहुबलि संवाद	—	अपभ्रंश	
मुक्तिपैडी	बनारसीदास	हिन्दी	
सामायिक	—	संस्कृत	
समन्तभद्रस्तुति	—	”	
गर्भषडारचक्र	देवनंदि	”	
संबोधपंचासिका	—	”	
द्वादशानुप्रेक्षा	योगीन्द्रदेव लक्ष्मीचन्द्र	अपभ्रंश	
नेमीश्वर को वंश	वल्हव	हिन्दी	
पंचनमस्कार स्तोत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
पदसंग्रह	—	हिन्दी	

२५२९ गुटका नं० २२४। पत्र सं० १९८। साइज-११×७ इञ्च। लेखनकाल सं०- १५३४। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६३१।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
आत्मसंबोध	पं० रइधू	अपभ्रंश	
श्रावकाचार	—	”	
महर्षिस्तवन	—	संस्कृत	
चउवीसी	देल्ह	हिन्दी	रचनाकाल १३७१
द्वादशानुप्रेक्षा	विजयसेन	प्राकृत	
भावना चौतीसी	पद्मनंदि	संस्कृत	
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत	
तत्त्वार्थसूत्र	उमास्वाति	संस्कृत	
पंचपरमेष्ठीसाटक	—	प्राकृत	
संबोधपंचासिका	—	”	
तत्त्वसार	—	”	
ज्ञानसार	—	”	
परमानंदस्तोत्र	—	संस्कृत	
साटक	पद्मनंदि	”	
श्रुतस्कंध	—	प्राकृत	
आत्मगुणसंपत्ति	—	संस्कृत	
पद्मावतीस्तोत्र	—	”	
सोलहकारणपूजा	—	”	
दशलक्षणपूजा	—	”	
आलोचना भक्ति	—	प्राकृत	
लघु प्रतिक्रमण	—	”	
जिनसहस्रनाम	आशाधर	संस्कृत	
त्रिलोकसार	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
भूपाल चौबीसी	भूपाल	संस्कृत	
भक्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	”	
पार्श्वनाथजयमाल	—	हिन्दी	
कल्याणक	—	प्राकृत	
चूनडी रास	—	हिन्दी पुरानी	
मुक्तावलीकथा	शीलभद्र	संस्कृत (गद्य)	
श्रुतस्कंधविधान कथा	—	”	

सिद्धचक्रविधानं	—	प्राकृत
दशलक्षणविधालय	लोकसेनाचार्य	संस्कृत
मिल्लाष्टमीकथा	—	प्राकृत
अनस्तमितिव्रताख्यान	पं० हरिचन्द्र	”
रत्नावलीव्रतकथा	—	संस्कृत
कनकावली विधान	—	”
नेमिदूत	—	”
सज्जनचित्तवल्लभ	मल्लिषेण	”
योगिनीचक्र	—	”
मेघमाला अर्घकांड	—	”
सुप्रभातचतुर्विंशतिका	—	”

२५३० गुटका नं० २२५। पत्र सं० ११-२१४। साइज-५ ३/४×५ १/२ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६३२।

विशेष—गुटके में पद्मपुराण (हिन्दी) है।

२५३१ गुटका नं० २२६। पत्र सं० ११२। साइज-६×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८३८। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५६६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद	—	हिन्दी	
शनिश्चर कथा	—	”	
स्वरोदय	—	”	
पद संग्रह	—	”	

२५३२ गुटका नं० २२७। पत्र सं० ६५। साइज-५×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४४०।

विशेष—हिन्दी पदों का संग्रह है।

२५३३ गुटका नं० २२८। पत्र सं० २०० । साइज-६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६३१।

विशेष—पूजा, पदों व भजनों का संग्रह है।

२५३४ गुटका नं० २२९। पत्र सं० १७४। साइज-५×४ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७७० वैशाख बुदी १३ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २४३०।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
त्रैलोक्यसार	सुमतिकीर्त्ति	हिन्दी	रचनाकाल सं० १६२७, २२२ पद्य

२५३५ गुटका नं० २३०। पत्र सं० २०४। साइज-५½×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। बीच के बहुत से पत्र नहीं हैं। वेष्टन नं० २६३४।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५३६ गुटका नं० २३१। पत्र सं० २५। साइज-७½×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २७०५।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५३७ गुटका नं० २३२। पत्र सं० २०। साइज-८½×७½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७३६ आसोज सुदी १२। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४१२।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५३८ गुटका नं० २३३। पत्र सं० २०६। साइज-७×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७८२ फागुण बुदी २। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २६३५।

विशेष—गुटके में पूजा व स्तोत्र संग्रह ही है। हिन्दी अर्थ सहित तत्त्वार्थसूत्र है।

२५३९ गुटका नं० २३४। पत्र सं० ७०। साइज-६×४ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २४६६।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५४० गुटका नं० २३५। पत्र सं० २२०। साइज-९×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६३६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
परमात्मप्रकाश	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	
जिनस्तुति	ज्ञानभूषण	हिन्दी	
पंचेन्द्रियवेलि	—	”	
कर्मप्रकृति	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
पदसंग्रह	—	हिन्दी	
पंचपरावर्तनविवरण	पूज्यपाद	संस्कृत	
दादसीगाथा	—	प्राकृत	
संबोध पंचासिका	—	”	
गुणस्थान गाथा	आ० नेमिचन्द्र	”	
पंथीगीत	छाहिल	हिन्दी	

जखडी	जिनदास	हिन्दी
आध्यात्मगीत	"	"
मेघकुमार गीत		"
द्वादशानुप्रेक्षा	—	"
जोगीरासो	जिनदास	"

२५४१ गुटका नं० २३६ । पत्र सं० २१३ । साइज–८×५¾ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६३७ ।

विशेष—गुटके में अनेक पद, व भजनों का संग्रह है । गुटका महत्त्वपूर्ण है ।

२५४२ गुटका नं० २३७ । पत्र सं० २१२ । साइज–१०×६¾ इञ्च । लेखनकाल सं० १७१८ वैशाख बुदी १३ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६३८ ।

विशेष—प्रतिलिपि विलासपुर नगर में हुई थी । ९६ पत्र सं० १७१४ तक लिखे गये हैं । पूजा और स्तोत्रों का संग्रह हैं । कोई नवीन रचना नहीं है ।

२५४३ गुटका नं० २३८ । पत्र सं० २१२ । साइज–६¾×६¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६३९ ।

विशेष—समयसार संस्कृत एवं हिन्दी टीका सहित है ।

२५४४ गुटका नं० २३९ । पत्र सं० ३४ । साइज–६¾×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४५२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
महाभिषेकविधि	अर्हद्देव	संस्कृत	

२५४५ गुटका नं० २४० । पत्र सं० २२५ । साइज–७×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७६० आसोज बुदी ८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार नाटक	बनारसीदास	हिन्दी	
ज्ञानपच्चीसी	—	"	
संवपच्चीसी	—	"	
जोगणीस्तोत्र	—	"	
पद्मावतीस्तोत्र	—	संस्कृत	
संवत्सरफल	—	हिन्दी	

२५४६ गुटका नं० २४१ । पत्र सं० २४० । साइज–७×४¾ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७१० । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २६४१ ।

विशेष—दो तीन गुटकों के पत्र को एक जिल्द में बांध दिया गया है। गुटके में कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५४७ गुटका नं० २४२ । पत्र सं० २३२ । साइज–६×५ इन्च । लेखनकाल–सं० १७०५ मंगसिर सुदी १४ अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६४२ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समाधितंत्रभाषा	पर्वतधर्मार्थी	हिन्दी	
मदनजुझ	बुचराज	,,	लेखनकाल १५८६
चतुर्दशसूत्र	—	,,	,,

२५४८ गुटका नं० २४३ । पत्र सं० १०० । साइज–६×८ इन्च । लेखनकाल–सं० १७७३ ज्येष्ठ बुदी २ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५४७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
भविष्यदत्त कथा	ब्रह्मरायमल्ल	हिन्दी	
प्रीतिंकर कथा	—	,,	

२५४९ गुटका नं० २४४ । पत्र सं० २५५ । साइज–७½×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६४३ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पुण्याश्रवकथाकोश	मुमुक्षु रामचन्द्र	संस्कृत	
रविव्रतोपाख्यान	चन्द्रकीर्त्ति	,,	

२५५० गुटका नं० २४५ । पत्र सं० २४८ । साइज–६×६ इञ्च । लेखनकाल सं०–१७५८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६४४ ।

विशेष—पूजा, स्तोत्र एवं पद संग्रह है।

२५५१ गुटका नं० २४६ । पत्र सं० १४८ । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २५६२ ।

विशेष—गुटके में बनारसीदास कृत बनारसीविलास है।

२५५२ गुटका नं० २४७ । पत्र सं० २६४ । साइज–८½×६½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १७५८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६४५ ।

विशेष—गुटके में मुख्यतः हिन्दी में त्रिलोकदर्पण कथा है।

२५५३ गुटका नं० २४८ । पत्र सं० ५६ । साइज–७×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २४८० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रावकप्रतिक्रमण	—	प्राकृत	
स्याद्वादकथन	—	हिन्दी	
राजुलपच्चीसी	लालचन्द विनोदीलाल	,,	

२५५४ गुटका नं० २४९ । पत्र सं० (२२-६५, २१०-२५३)। साइज-६×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १८४८ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६४६ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मुनि विहार वर्णन	—	हिन्दी	
कर्म प्रकृति वर्णन	—	,,	
पद संग्रह	—	,,	
पंच परमेष्ठी गुण वर्णन	—	,,	
पद संग्रह	—	,,	

२५५५ गुटका नं० २५० । पत्र सं० ४६४ । साइज-६×५ इन्च । लेखनकाल-सं० १७१६ आसोज सुदी १२ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४७ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
यशोधरचौपई	—	हिन्दी (अशुद्ध)	
सोलहकारणरास	—	,,	
केवलीपृच्छा	—	,,	
पदसंग्रह	महेन्द्रकीर्त्ति आदि	,,	
सोलहस्वप्न	ब्रह्मरायमल्ल	,,	
श्रीपालरास	,,	,,	लेखनकाल १६५३
हनुमत् रास	,,	,,	
जम्बूस्वामीरास	,,	,,	
श्रावकाचार की विनती	—	,,	
भविष्यदत्त चौपई	ब्रह्मरायमल्ल	,,	१७१७

२५५६ गुटका नं० २५१ । पत्र सं० २४३ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६४८ ।

विशेष—गुटके में त्रिलोकसार दर्पण खडगसेन कृत है । पत्र संख्या २०६ है ।

२५५७ गुटका नं० २५२ । पत्र सं० २६० । साइज-५×४ इन्च । लेखनकाल-सं० १७२५ । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६४९ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
दातार सूर संवाद	—	हिन्दी	
मालीरासो	—	,,	
भक्तामरस्तोत्र भाषा	—	,,	
सिन्दूरप्रकरण	बनारसीदास	,,	
सामुद्रिक	—	,,	
नेमीश्वर को सोदागर	—	,,	
नेमीश्वर का बारहमासा	—	,,	

२५५८ गुटका नं० २५३ । पत्र सं० २६० । साइज–६×४½ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८५४ । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६५० ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कबीरवाणी	कबीरदास	हिन्दी	
सेअसमन की प्रचरी	—	,,	
ब्रह्मध्यान	सन्तदासजी	,,	
बारहमासा	—	,,	
पदसंग्रह (कबीर, मीरा आदि कवियों के)	—	,,	
ज्ञानस्वरोदय	चरनदास	,,	
सबद	कबीरदास	,,	
पद	बनारसीदास	,,	

२५५८ गुटका नं० २५४ । पत्र सं० २६७ । साइज–७×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६५१ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्वस्तिमंगलविधान	आशाधर	संस्कृत	
पुष्पांजलिविधान	—	,,	
जिनसहस्रनाम	जिनसेनाचार्य	,,	
सकलीकरणविधि	—	,,	
पूजा संग्रह	—	,,	
दशलाक्षणिक पूजा	—	प्राकृत	
रत्नत्रयपूजा	नरेंद्रसेनाचार्य	संस्कृत	
नंदीश्वरपूजा	चन्द्रकीर्त्ति	,,	

पंचमेरूपूजा	"	संस्कृत	
समवशरणस्तोत्र	विष्णुसेन	"	
द्रव्यसंग्रह	—	"	
अर्हत्प्रवचन	—	"	
सप्ततत्त्वपीठिकाबंध	—	"	
आराधनासार	देवसेन	प्राकृत	
भावना बत्तीसी	—	संस्कृत	
शांति अष्टक	—	"	हिन्दी अर्थ सहित
सामायिक पाठ	—	"	"

२५६० गुटका नं० २५५। पत्र सं० २७०। साइज-९×५ इञ्च। लेखनकाल-सं० १६६१ वैशाख सुदी १२ पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६५२।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
यशोधररास	सोमकीर्त्ति	हिन्दी	
त्रेपनक्रियाविधि	प्रतापकीर्त्ति	"	
सप्तव्यसनरास	मुनि वीरचन्द्र	"	रचनाकाल १६०२
मिथ्यात्वचौपई	—	"	
भवदेवचरित्र	मुनि श्रीजयकीर्त्ति	"	
षट्कर्मरास	ज्ञानभूषण	"	
होलीरास	ब्रह्मजिनदास	"	
सुकौशलरास	—	"	
सम्यक्त्वरास	—	"	
जोतिरास	—	"	
सारसीखामणरास	संवेगसुंदर	"	" १५४८
भविष्यदत्तरास	विद्याभूषण	"	" १६००
जीवंधररास	सुवनकीर्त्ति	"	" १६०६ लेखनकाल १६४३ पौष बुदी ११
रात्रिभोजनवर्जनरास	"	"	
जम्बूस्वामिरास	"	"	रचनाकाल १६२५ लेखनकाल १६२५
धर्मपरीक्षारास	ब्रह्मजिनदास	"	

त्रिभुवननीविनती	गंगदास	हिन्दी	
हनुमतरास	ब्रह्म ज्ञानसागर	"	रचनाकाल १६३०
ज्येष्ठजिनवररास	ब्रह्म जिनदास	"	
पूजामंडूककथा	—	"	

२५६१ गुटका नं० २५६। पत्र सं० २६२। साइज–८×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १६२२ आसोज बुदी ८ पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २६५३।

विशेष—गुटका–जीर्णावस्था में है। अनेक पाठों का संग्रह है। लेकिन कोई विशेष उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५६२ गुटका नं० २५७। पत्र सं० २६४। साइज–४¾×३ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६५४।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
गोरखनाथजी के सवद	गोरखनाथ	हिन्दी	
चर्पटजी के सवद	चर्पटनाथ	"	
भरथरी के सवद	भर्तृहरि	"	
जलंध्री पावजी की सवद	—	"	
दालीपावजी की सवद	—	"	
मोंडकीपावजी की सवद	—	"	
सती कणेरीजी के सवद	—	"	
जतीहणवंत की सवदी	—	"	
नागार्जुन के सवद	—	"	
महादेवजी के सवद	—	"	
पार्वतीजी के सवद	—	"	
चौरंगीनाथजी के सवद	—	"	
चुणकरनाथजी के सवद	—	"	
सिद्ध गरीवनाथजी के सवद	—	"	
सिद्ध हरितालजी के सवद	—	"	
सिद्धघोड़ा चोलीजी के सवद	—	"	
सिद्ध धूंधलमलजी के सवद	—	"	
अजयपालजी के सवद	—	"	
श्रीदत्तजी की सवद	—	"	
देवलनाथजी के सवद	—	"	
चन्द्रनाथजी के सवद	—	"	

चतुरनाथजी के सबद	—	हिन्दी
सोमनाथजी के सबद	—	”
कुंभारी पावजी के सबद	—	”
पृथ्वीनाथजी के सबद	पृथ्वीनाथ	”
नृबाण योग पट	—	”
नृपद्म नृबांणयोगग्रंथ	—	”
प्राण कुंडलनी जोग ग्रंथ	—	”
पंचमात्रा योग	—	”
पंचाग्नि योग	—	”
चौबीस सिद्ध	—	”
रोमावलि योग	—	”
महादेवगोरख संवाद	—	”
गोरखनाथजी का ज्ञान	—	”
श्रीनाथजी की ग्रंथ प्रांण सांकली	—	”

२५६३ गुटका नं० २५८। पत्र सं० ४५–२८८। साइज–९×५ इन्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २६५५।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	संस्कृत	
संबोध पंचासिका	—	प्राकृत	
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनन्दि	संस्कृत	
चतुर्विंशतितीर्थंकरस्तुति	—	प्राकृत	
त्रिपंचाशत्क्रिया	—	संस्कृत	
ब्रह्मचर्य उपदेशमाला	मुनि जयकीर्त्ति	अपभ्रंश	
दोहावली	सुप्रभाचार्य	”	
संसार स्वरूपवर्णन	—	संस्कृत	
चतुर्विंशतितीर्थंकर जयमाल	—	”	

२५६४ गुटका नं० २५९। पत्र सं० २६४। साइज–८×६ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २६५६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रीपालचरित्र	परिमल्ल	हिन्दी	रचनाकाल सं० १७६२

१६६ जीवों का वर्णन	—	हिन्दी	
यशोधर चरित्र	—	,,	अपूर्ण

२५६५ गुटका नं० २६० । पत्र सं० ३०० । साइज–८३/४×६ इञ्च । भाषा–हिन्दी । लेखनकाल–सं० १७०५ श्रावण बुदी २ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६५७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
बनारसीविलास	बनारसीदास	हिन्दी	रचनाकाल सं० ~~१७०१~~
समयसारनाटक	,,	,,	
तत्त्वसार	देवसेन	प्राकृत	
अष्टपाहुड	आ० कुन्दकुन्द	,,	
भावत्रिभंगी	—	,,	

२५६६ गुटका नं० २६१ । पत्र सं० ४३ । साइज–६×४३/४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४६६ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५६७ गुटका नं० २६२ । पत्र सं० १३–४४८ । साइज–८×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १६३६ भादवा बुदी १० । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६५८ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
देवराजवच्छराज रास	—	हिन्दी	
शीलरास	—	,,	
धन्ना चउपई	कक्कसूरि	,,	रचनाकाल सं० १५७४
विक्रमादित्यचरित्र	—	,,	१५८०
नलदमयंती चरित्र	माणिकराज	,,	
रायदे हम्मीरदे चौपई	—	,,	१५३८
मृगांकलेखा चरित्र	—	,,	
चित्रसेन पद्मावती चौपई	—	,,	लेखनकाल सं० १६४८ आसोज बुदी १२
प्रद्युम्नचरित्र	—	,,	

२५६८ गुटका नं० २६३ । पत्र सं० ५२१ । साइज–७×५ इञ्च । (फुटकर पत्र) लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २६५९ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
स्तोत्रसंग्रह	—	संस्कृत	

सीता चरित्र	—	प्राकृत	
भानबावनी	—	हिन्दी	
अनुप्रेक्षा	—	प्राकृत	
व्रतों के पालन के दिन	—	हिन्दी	

२५६९ गुटका नं० २६४। पत्र सं० ४३७। साइज-६×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६६०।

विशेष—पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है।

२५७० गुटका नं० २६५। पत्र सं० ३५९। साइज-१४×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-पूर्ण रूप से जीर्ण। वेष्टन नं० २६६१।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रावकप्रतिक्रमण	—	संस्कृत	
सामायिक पाठ	—	"	
विविध भक्ति	—	प्राकृत-संस्कृत	
स्वयम्भूस्तोत्र	समन्तभद्राचार्य	संस्कृत	
तत्त्वार्थसूत्र	—	"	
पंचस्तोत्र	—	"	
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	"	
पार्श्वनाथस्तोत्र	पद्मप्रभदेव	"	
सुप्रभातिक स्तोत्र	—	"	
यतिभावनाष्टक	पंकजनंदि	"	
ब्राह्मण के लक्षण	—	"	
पंचनमस्कारस्तोत्र	—	"	
अनुप्रेक्षा	—	प्राकृत	
ज्ञानांकुश	—	संस्कृत	
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	"	
जिनस्तवन	—	"	
भावनाचतुर्विंशतिका	पद्मनंदि	"	
ज्ञानसार	—	प्राकृत	
चारित्रसार	—	"	
सर्वज्ञशासनद्वात्रिंशतिका	मदनकीर्त्ति	संस्कृत	
नीतिसार	माघनंदि	"	

परमानंदस्तोत्र	—	संस्कृत
लघुसहस्रनामस्तोत्र	—	,,
सहस्रनामस्तोत्र	आशाधर	,,
सुप्पयदोहा	—	प्राकृत
आनन्दा	—	हिन्दी
योगसार	मुनि योगचन्द्र	अपभ्रंश
तत्त्वसार	देवसेन	प्राकृत
योगज्ञान	—	संस्कृत
दाढसीगाथा	—	प्राकृत
संबोधपंचासिका	—	,,
आराधनासार	—	,,
आराधनासार टीका	—	संस्कृत
षट् प्राभृत	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत
ध्यानसार	—	संस्कृत
सारसमुच्चय	—	,,
सिन्दूरप्रकरण	सोमप्रभाचार्य	,,
श्रुतस्कंध	ब्रह्म हेमचन्द्र	प्राकृत
पूजासंग्रह	—	,,
कर्म्म निरूपण	—	हिन्दी
त्रिलोकस्थिति	—	,,
लघु कल्याणक	—	,,
सुभाषितावली	—	संस्कृत
सुभाषितार्णव	—	,,

२५७१ गुटका नं० २६६ । पत्र सं० १२८२ । साइज ३½×६½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८६६ कार्तिक बुदी ६ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २६६२ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
आत्मानुशासन	गुणभद्राचार्य	संस्कृत	
प्रायश्चितसमुच्चय	नंदिगुरू	,,	
पुरुषार्थसिद्ध्युपाय	अमृतचन्द्र	,,	
उपासकाध्ययन	समन्तभद्र	,,	
देवागमस्तोत्र	,,	,,	

जैनेन्द्रव्याकरणसूत्र	पूज्यपाद	संस्कृत
समाधितन्त्र	समन्तभद्राचार्य	"
समयसार कलशा	अमृतचन्द्र	"
परीक्षामुख	माणिक्यनंदि	"
वीतरागस्तोत्र	पद्मनंदि	"
शांतिनाथस्तवन	श्रुतसागर	"
पार्श्वनाथस्तोत्र	—	"
पार्श्वाष्टक	नंघाचार्य	"
करूणाष्टक	पद्मनंदि	"
लक्ष्मीस्तोत्र	"	"
गुर्वावली	"	"
अकलंकाष्टक	—	"
पंचनमस्कारस्तोत्र	—	"
जिनेन्द्रभवन स्तुति	सकलचन्द्रमुनि	"
समवशरण स्तोत्र	दिङ्गुसेन	"
सुप्रभातिक स्तवन	—	"
वंदेतानजयमाल	माघनंदि	"
कल्याणमाला	आशाधर	"
भवांतरस्तुति	—	"
जिनस्तुतिशतक	—	"
भूपालचतुर्विंशतिका	—	"
सिद्धप्रियस्तोत्र	देवनंदि	"
विषापहारस्तोत्र	धनंजय	"
एकीभावस्तोत्र	वादिराज	"
कल्याणमन्दिरस्तोत्र	कुमुदचन्द्र	"
भक्तामरस्तोत्र	मानतुंगाचार्य	"
योगभक्ति	—	प्राकृत
निर्वाणभक्ति	—	"
आचार्यभक्ति	—	"
चारित्र भक्ति	—	"
श्रुतभक्ति	—	"

सिद्धभक्ति	—	प्राकृत	
श्रावकप्रतिक्रमण	—	"	
सामायिक पाठ	—	"	
जिनसहस्रनाम	जिनसेनाचार्य	संस्कृत	
देवसिद्धपूजा	—	"	
दर्शनपाठ	—	"	
प्रतिष्ठासार संग्रह	वसुनंदि सैद्धान्तिक	"	
मंगलाष्टक	—	"	
यतिभावनाष्टक	पद्मनंदि	"	
द्वात्रिंशद्भावना	अमितिगति	"	
सज्जनचित्तवल्लभ	मल्लिषेण	"	
इष्टोपदेश	पूज्यपाद	"	
गोमट्टसार गाथा	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
त्रिलोकसार	"	"	
लब्धिसार	"	"	
मूलाचार	आ० वट्टकेर स्वामी	"	
श्रावकाचार	वसुनंदि	"	
समयसार	आ० कुन्दकुन्द	"	(संस्कृत टीका सहित)
प्रवचनसार	"	"	"
पंचास्तिकाय	"	"	"
षट् प्राभृत	"	"	
भगवती आराधना	शिवाचार्य	"	
स्वामीकार्त्तिकेयानुप्रेक्षा	स्वामी कार्त्तिकेय	"	
नयचक्र	देवसेन	"	संस्कृत टीका सहित
नियमसार	आ० कुन्दकुन्द	"	
रयणसार	"	"	
दर्शनसार	देवसेन	"	
ज्ञानसार	पद्मसिंह	"	
चारित्रसार	—	"	
आराधनासार	देवसेन	"	संस्कृत टीका सहित
तत्त्वसार	—	"	

योगसार	योगचन्द्र	"	
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्रदेव	"	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	"	
चउसठऋद्धि	—	"	
संबोधपंचासिका	—	"	
सम्यक्त्वभावना	रइधू	अपभ्रंश	
धम्मरसायण	पद्मनन्दि	"	
छंदकोश	—	प्राकृत	
निर्वाणकांड	—	"	
प्रायश्चितग्रंथ	इन्द्रनंदि	"	
बारसअणुवेक्खा	—	"	
दर्शनस्तवन	—	"	
राजवार्त्तिकसूत्र	भट्टाकलंकदेव	संस्कृत	
श्लोकवार्तिक	विद्यानन्दि	"	
आप्तमीमांसा भाष्य	—	"	
पंचाध्यायी	राजमल्ल	"	
योगशास्त्र	पातंजल	"	
सांख्यसप्तति	—	"	
कुवलयानंद कारिका	—	"	
योगव्यवच्छेदद्वात्रिंशिका	—	"	
वैय्याकरण भूषण	—	"	
बीजगणितसूत्र	—	"	
लीलावतीसूत्र	—	"	
लघुजातक	—	"	
वृत्तरत्नाकर	कालिदास	"	
काव्यप्रकाश सूत्र	—	"	
अष्टाध्यायी सूत्र	पाणिनी	"	सं० १८६९
हेमाष्टकध्याय	हेमचन्द्र	"	"
महाभारत	—	"	
सारस्वतसूत्र	—	"	
यत्यांचार	वसुनंदि	प्राकृत	

२५७२ गुटका नं० २६७। पत्र सं० १०८। साइज-६×५ इन्च। लेखनकाल-सं० १७२६। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-जीर्ण। वेष्टन नं० २५६६।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सुंदर शृंगार	—	हिन्दी	३५३ पद्य
बारहमासा	रामचन्द्र	,,	
वृद्धचाणक्य राजनीतिशास्त्र	वृद्धचाणक्य	संस्कृत	ले० सं० १८३१

२५७३ गुटका नं० २६८। पत्र सं० ७८। साइज-७×५½ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २५१८।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५७४ गुटका नं० २६९। पत्र सं० २८३। साइज-६½×५½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १८२९ चैत्र सुदी ३ अपूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६६२ (क)।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
मिथ्यात्वखडन	वस्तराम	हिन्दी	रचनाकाल १८२०
बुद्धिविलास	नवलकवि	,,	,, १८२७
पदसंग्रह	—	,,	

२५७५ गुटका नं० २७०। पत्र सं० ६७-२५१। साइज-८×६½ इञ्च। लेखनकाल-सं० १७५९ भादवा बुदी ७। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६६३।

विशेष—श्री पचाइन दास ने लिखा था।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पदसंग्रह	—	हिन्दी	
समयसार	बनारसीदास	,,	

२५७६ गुटका नं० २७१। पत्र सं० २८२। साइज-७½×७½ इन्च। लेखनकाल-सं० १८००। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा-सामान्य। वेष्टन नं० २६६५।

विशेष—आमेर नगर में महात्मा मानजी ने प्रतिलिपि की थी।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनगुणसम्पत्तिपूजा	—	संस्कृत	
गणधरवलय पूजा	—	,,	
मानुषोत्तर पूजा	—	प्राकृत	
रत्नत्रयपूजा	—	संस्कृत	सं० १८००
बारहसौचौतीस विधान	विद्याभूषण	,,	

अकृत्रिमजिनचैत्यालयपूजा	पं० जिनदास	संस्कृत
बृहत्षोडशकारणपूजा	सुमतिसागर	"
दशलक्षणव्रतोद्यापनपूजा	पं० रामगणि	"
अष्टाह्निकापूजा	—	"
रत्नत्रयपूजा	—	"
त्रिंशच्चतुर्विंशतिपूजा	शुभचन्द्र	"
धर्मचक्रपूजा	—	"

२५७७ गुटका नं० २७२ । पत्र सं० २६३ । साइज-८×६ इन्च । लेखनकाल-सं० १७१७ पौष शुक्ला ६। पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-उत्तम । वेष्टन नं० २६६४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
कृष्णरुकमणि विवाह बेलि	पीथल	हिन्दी	रचनाकाल सं० १६४४ लेखनकाल सं० १७२६ पौष सुदी ७
श्रीपाल स्तुति	—	"	
आत्मशिक्षाशतक	यति रामचन्द्र	संस्कृत	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
समाधितंत्र भाषा	पर्वतधर्मार्थी	गुजराती	

२५७८ गुटका नं० २७३ । पत्र सं० ६७ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल-सं० १७१८ माह बुदी ६ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६६ ।

विशेष—स्वामी गोविन्ददास ने प्रतिलिपि करवाई थी ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
षट् पाहुड	आ० कुन्दकुन्द	प्राकृत	
स्वरोदय	—	संस्कृत	
द्रव्यसंग्रह भाषा	—	हिन्दी	

२५७९ गुटका नं० २७४ । पत्र सं० १७६ । साइज-७×४$\frac{१}{२}$ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६७ ।

विशेष—श्रेणिक चरित्र भाषा है ।

२५८० गुटका नं० २७५ । पत्र सं० १२४ । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६८ ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५८१ गुटका नं० २७६। पत्र सं० १६४। साइज–६×६ इञ्च। लेखनकाल–सं० १७०७ माह सुदी १३। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६६९।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
समयसार	बनारसीदास	हिन्दी	
मदनजुद्ध	वुचराज	„	

२५८२ गुटका नं० २७७। पत्र सं० ९०। साइज–९×५ इञ्च। लेखनकाल–सं० १८०६ चैत्र सुदी २। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६७०।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२५८३ गुटका नं० २७८। पत्र सं० ११०। साइज–६×५ इञ्च। लेखनकाल ×। अपूर्ण एवं अशुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २६७१।

विशेष—आयुर्वेदिक नुसखे हैं।

२५८४ गुटका नं० २७९। पत्र सं० १२३। साइज–९×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६७२।

२५८५ गुटका नं० २८०। पत्र सं० ८४। साइज–६×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २४७३।

विशेष—पूजा संग्रह है।

२५८६ गुटका नं० २८१। पत्र सं० ७०–१७५। साइज–८½×६ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–जीर्ण। वेष्टन नं० २६७४।

२५८७ गुटका नं० २८२। पत्र सं० १५२। साइज–९×६ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६७५।

विशेष—गुटके में सीता चरित्र है

२५८८ गुटका नं० २८३। पत्र सं० १८६। साइज–३×३ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६७६।

२५८९ गुटका नं० २८४। पत्र सं० २१२। साइज–६×५ इन्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६७७।

विशेष—पूजा पाठ संग्रह है।

२५९० गुटका नं० २८५। पत्र सं० १२०। साइज–६½×४½ इञ्च। लेखनकाल ×। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा–सामान्य। वेष्टन नं० २६७८।

विशेष—अधिकांश पत्र खाली हैं।

२५९१ गुटका नं० २८६ । पत्र सं० ३४ । साइज–९×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६७९ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२५९२ गुटका नं० २८७ । पत्र सं० ९० । साइज–९½×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६८१ ।

विशेष—पूजाओं का संग्रह है ।

२५९३ गुटका नं० २८८ । पत्र सं० ५६ । साइज–१२×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६८० ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सरस्वतीतवन	—	संस्कृत	
पंडितजयमाल	धल्ह	अपभ्रंश	
अभयरुचिअभयमति की जयमाल	—	"	
सुदर्शनसार	—	"	
शारदाष्टक	बनारसीदास	हिन्दी	
मुनीश्वरों की जयमाल	—	"	
विभिन्न कवियों के पद	—	"	

विशेष—इनमें ३ पद श्री मुहम्मद द्वारा रचित हैं ।

२५९४ गुटका नं० २८९ । पत्र सं० २३ । साइज–९×५½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६८२ ।

विशेष—संवत्सरफल दिया हुआ है ।

२५९५ गुटका नं० २९० । पत्र सं० ६४ । साइज–५½×४ इञ्च । भाषा–हिन्दी । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १८१५ । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६८३ ।

२५९६ गुटका नं० २९१ । पत्र सं० ७८ । साइज–९×६ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५७८ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६८४ ।

२५९७ गुटका नं० २९२ । पत्र सं० १६४ । साइज–६×४ इञ्च । लेखनकाल–स० १७८२ भादवा सुदी १२ पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६८६ ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२५९८ गुटका नं० २९३ । पत्र सं० ५२ । साइज–७×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६८७ ।

विशेष—मार्गणाओं के भेद प्रभेद दिये हुये हैं।

२५९९ गुटका नं० २६४। पत्र सं० ६६। साइज—६X४½ इन्च। लेखनकाल—सं० १८५८ ज्येष्ठ सुदी ७ गुरूवार। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६८५।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
हठप्रदीप	स्वात्माराम योगीन्द्र	संस्कृत	
गोरक्षशत	—	,,	
परोक्षानुभाव	शंकराचार्य	,,	

२६०० गुटका नं० २६५। पत्र सं० १०३। साइज—७X७ इन्च। लेखनकाल सं० १७३६। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६८८।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
रत्नदीपिका	—	संस्कृत	
वसुधारा	—	,,	
पार्श्वनाथस्तोत्र	अभयदेव	प्राकृत	
शत्रुंजयतीर्थमहात्म्य	—	हिन्दी	१७१२ आसोज बुदी २
आदीश्वरस्तवन	—	,,	
आलोचनास्तवन	विजयसेन सूरी	,,	रचनाकाल १६६०
धर्मपरीक्षा	—	,,	१७३६ आसोज सुदी २
दंडकनांबोल	—	,,	
नवतत्त्वप्रकरण	—	प्राकृत	हिन्दी अर्थ सहित १७३५

२६००१ गुटका नं० २६६। पत्र सं० ८०। साइज—६X५ इन्च। लेखनकाल X। अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६८६।

विषय—सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
परमात्मप्रकाश	योगीन्द्रदेव	अपभ्रंश	
द्रव्यसंग्रह	आ० नेमिचन्द्र	प्राकृत	
सुप्पोदोधक	—	,,	

२६०२ गुटका नं० २६७। पत्र सं० १०७–२६०। साइज—६X५ इन्च। लेखनकाल X। पूर्ण एवं शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६८६।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है।

२६०३ गुटका नं० २६८। पत्र सं० ४०। साइज—६X४ इन्च। लेखनकाल X। पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध। दशा—सामान्य। वेष्टन नं० २६९०।

२६०४ गुटका नं० २६६ । पत्र सं० १०० । साइज-६×४ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५३१ ।

विशेष—पूजाओं तथा हिन्दी पदों का संग्रह है ।

२६०५ गुटका नं० ३०० । पत्र सं० २० । साइज-६×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२१ ।

विशेष—विभिन्न कवियों के पदों का संग्रह है ।

२६०६ गुटका नं० ३०१ । पत्र सं० ७५ । साइज-६×५½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६१ ।

विशेष—समयसार नाटक तथा अन्य पाठ हैं ।

२६०७ गुटका नं० ३०२ । पत्र सं० १६ । साइज-१०×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४२० ।

विशेष—हिन्दी में जिनस्तवन हैं ।

२६०८ गुटका नं० ३०३ । पत्र सं० ४० । साइज-११×८ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६२ ।

विशेष—भिन्न २ कवियों के पदों का संग्रह है ।

२६०९ गुटका नं० ३०४ । पत्र सं० ५५ । साइज-६½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २४६१ ।

विशेष—पूजा व स्तोत्रों का संग्रह है ।

२६१० गुटका नं० ३०५ । पत्र सं० ७८ । साइज-७×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६३ ।

विशेष—भगवद् गीता है लेकिन अपूर्ण है ।

२६११ गुटका नं० ३०६ । पत्र सं० ६० । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६४ ।

२६१२ गुटका नं० ३०७ । पत्र सं० ८४ । साइज-८×५ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६५ । प्रद्युम्न चरित्र भाषा तथा अन्य पाठ हैं ।

२६१३ गुटका नं० ३०८ । पत्र सं० ६८ । साइज-८×६ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २६६६ ।

२६१४ गुटका नं० ३०९ । पत्र सं० २० । साइज-८×६ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६६८ ।

विशेष—योगीरासो एवं कुछ ऐतिहासिक तथ्यों का उल्लेख है।

२६१५ गुटका नं० ३१० । पत्र सं० ७७ । साइज–६×७ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५०३ ।

विशेष—गुटके में अपूर्ण भगवद्‌गीता है।

२६१६ गुटका नं० ३११ । पत्र सं० ४० । साइज–५×४ इञ्च । लेखनकाल–सं० १८३२ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २६९९ ।

विशेष—गुटके में आदित्यवार कथा तथा पंचमंगल है।

२६१७ गुटका नं० ३१२ । पत्र सं० १६ । साइज–५×५ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २४११ ।

विशेष—भाषा भूषण का कुछ अंश है।

२६१८ गुटका नं० ३१३ । पत्र सं० १८२ । साइज–८½×५½ । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २७०० ।

विशेष—उल्लेखनीय सामग्री नहीं है। विभिन्न पाठों का संग्रह है।

२६१९ गुटका नं० ३१४ । पत्र सं० ३६ । साइज–४×३ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–उत्तम । वेष्टन नं० २७०१ ।

२६२० गुटका नं० ३१५ । पत्र सं० ६० । साइज–६×५ इञ्च । लेखनकाल–सं० १५८५ आसोज बुदी १३ शुक्रवार । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २७०१ ।

विशेष—आमेर में प्रतिलिपि की गयी थी।

२६२१ गुटका नं० ३१६ । पत्र सं० ५२ । साइज–६×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा–जीर्ण । वेष्टन नं० २७०३ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
दशलक्षणपूजा	—	संस्कृत	
दशलक्षणस्तोत्र	—	”	
आंणदा गीत	—	हिन्दी	
संबोध पंचासिका	—	प्राकृत	
दुष्पयदोहा	—	”	

२६२२ गुटका नं० ३१७ । पत्र सं० १३ । साइज–५½×४½ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७०२ ।

विशेष—पूजा संग्रह है।

२६२३ गुटका नं० ३१८। पत्र सं० ४–१०६ । साइज–५¾×४¾ इञ्च । लेखनकाल–सं० २६२५ मंगसिर सुदी २ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २६६७ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
पद्मनंदिपंचविंशति	पद्मनंदि	संस्कृत	
पंचास्तिकाय	कुन्दकुन्दाचार्य	प्राकृत	

२६२४ गुटका नं० ३१९ । पत्र सं० ४–४८ । साइज–६×७¾ इञ्च । रचनाकाल × । लेखनकाल–सं० १७२२ मंगसिर सुदी १ । अपूर्ण एवं शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २७०४ ।

विशेष—सांगानेर में पं० कनकचन्द्र ने कोठ्यारी लालचंद के पठनार्थ लिपि की ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
सालिभद्र धन्ना चौपई	जिनसिंह सूरि		रचनाकाल १६७८
बीस विरहमान गीत	जिनराज सूरि		
जन्मकुंडलियां	—		

२६२५ गुटका नं० ३२० । पत्र सं० १२० । साइज–८¾×५¾ इञ्च । लेखनकाल × । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा–सामान्य । वेष्टन नं० २५६१ ।

विषय–सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
जिनसहस्रनाम स्तोत्र	जिनसेनाचार्य	संस्कृत	
दशलाक्षणिकविशेष पूजा	पं० रइधू	अपभ्रंश	
रत्नत्रयपूजा	—	”	
आत्मप्रतिबोध जयमाल	छाहिल	”	
आत्मसंबोध जयमाल	—	”	
संबोध पंचासिका	पं० रइधू	”	
आत्मापुट	—	हिन्दी	
लब्धि पंचकों व्यौरों	—	”	
सिद्धभक्ति	—	प्राकृत	
नंदीश्वर पूजा	—	”	
एकीभावस्तोत्र भाषा	पांडे हीरानंद	हिन्दी	
चतुर्विंशति स्तोत्र	—	संस्कृत	
लब्धिविधान पूजा	—	हिन्दी	
पंचसंग्रह भाषा	—	”	
पदसंग्रह	—	”	

२६२६ गुटका नं० ३२१ । पत्र सं० १७२ । साइज-७×६ इन्च । लेखनकाल—सं० १६१८ सावण सुदी ११ । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-जीर्ण । वेष्टन नं० २६१४ ।

विषय-सूची	कर्त्ता का नाम	भाषा	विशेष
श्रीपालरास	ब्रह्मरायमल्ल	हिन्दी	रचनाकाल १६३०

२६२७ गुटका नं० ३२२ । पत्र सं० ८६ । साइज-६½×४½ इञ्च । लेखनकाल-सं० १८५४ । पूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५२६ ।

२६२८ गुटका नं० ३२३ । पत्र सं० ७५ । साइज-१०×४ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं अशुद्ध । दशा-जीर्ण शीर्ण । वेष्टन नं० २५१० ।

विशेष—कोई उल्लेखनीय सामग्री नहीं है ।

२६२९ गुटका नं० ३२४ । पत्र सं० १४६ । साइज-८×४½ इञ्च । लेखनकाल × । अपूर्ण एवं सामान्य शुद्ध । दशा-सामान्य । वेष्टन नं० २५६० ।

विशेष—गुटके में भजन व पूजा संग्रह है ।

ग्रन्थकार सूची

अकलंकदेव—
- तत्त्वार्थराजवार्त्तिक १३३,३८७
- श्रावकप्रायश्चित १७२
- अष्टशती १९३

अखयराज श्रीमाल—
- विषापहारस्तोत्र भाषा ५२
- एकीभाव स्तोत्र भाषा ४६
- कल्याणमन्दिरस्तोत्र भाषा ४७, २९५, ३६४
- चतुर्दश गुणस्थान भाषा १३१
- भक्तामरस्तोत्र भाषा ३७१

अक्षयराम—
- शीलतरंगिणी २३
- प्रतिमासान्तचतुर्दशीव्रतोद्यापन पूजा ६२
- सौख्यकारणव्रतोद्यापनमंडलविधान ७०
- नवकारपंचत्रिंशतिका ३१३
- सौख्य उद्यापन पूंजा ३१८
- गीत ३३९

अचलकीर्त्ति—
- विषापहारस्तोत्र भाषा ५२, ७४; ८६, ११४, ३०२, ३६९

अजयराज—
- आदिपुराण भाषा २११
- चारमित्रों की कथा २३६

अजित ब्रह्म—
- हनुमच्चरित्र २०, २३४,
- हसा भावना ३४२;

अद्दहमाण (अब्दुल रहमान)—
- संदेशरासक २८०

अनन्तमहात्मा
- संस्कृत मञ्जरी ७२

अनन्तवीर्य—
- प्रमेयरत्नमाला १९८

अन्नंभट्ट—
- तर्कसंग्रह १९५

अनुभूतिस्वरूपाचार्य—
- सारस्वतसूत्र २८
- सारस्वतप्रक्रिया २८, २६१, ३८७

अपरा.दित्यदेव—
- याज्ञवल्कीय धर्मशास्त्र ग्रंथ १६७

अप्पय दीक्षित—
- कुवलयानन्द २७९

अभयचन्द्र—
- पार्श्वनाथपूजा ६२
- गोमट्टसार जीवकांड टीका १२९

अभयचन्द्रसूरि—
- पंचदंडछत्रबंध २३९

अभयदेव—
- पार्श्वनाथस्तोत्र ८, ३६१; ३९२

अभयनन्दि—
- अभिषेकविधि ५५, १२२, ३३२
- जैनेन्द्रव्याकरण टीका २५७

अभ्रदेव—
- व्रतोद्योतनश्रावकाचार ९
- त्रिकालचौबीसी कथा २३६
- लब्धिविधान कथा २४०
- षोडशकारणविधान ३६४

अमर कवि—
- वेणी कृपाण २०७

अमरकीर्त्ति—
- यमकाष्टक १०७
- षट्कर्मोपदेशरत्नमाला २५५
- जिनसहस्रनामस्तोत्र टीका २१७

अमरचन्द्रसूरि—
- काव्यकल्पलता २४४
- मांगीतुंगी स्तवन ३४४

अमरसिंह—
- अमरकोश ३०, २६६

अमुरू—
- अमरूक शतक २७८

अमृतचन्द्रसूरि—
- पुरुषार्थसिद्ध्युपाय ८, १५६, ३८४
- तत्त्वार्थसार १३३
- पंचास्तिकायटीका १४२
- समयसारकलशा ३८५, १८६

अमृतप्रभसूरि—
- योगशतक ३३

अमितिगति—
- धर्मपरीक्षा ७०, ३१२
- प्रवचनसार टीका १८३
- सुभाषितरत्न संदोह २८८
- भावना बत्तीसी, ३८६

अर्हद्देव—
- अभिषेकविधि ५५, ३५० ३७५,
- महाशांतिक विधि ३६३,

अशग (महाकवि)
- शांतिपुराण २१७

अश्वनिकुमार—
- सन्निपातकलिका ३५

अश्वघोष—
- द्विजवदनचपेटा १३

असवाल—
- पार्श्वनाथ चरित्र २२४

आनन्द—
- आखंदा ७८, ३५८

आनन्दकवि—
- कोकसार २८२, ३३५
- कोकमंजरी ३३५

आनन्दनाथ—
- योगिनीहृदयदीपिका २०५

आलूकवि—
- द्वादशानुप्रेक्षा ३३३

आशाधर—
- अंकुरारोपण विधि १३
- अभिषेकविधि ५६, २०२
- जिनसहस्रनाम ७५, १२२, २६६, ३३४, ३४१, ३६०, ३६३, ३६४, ३६५, ३६८, ३७२, ३८४
- अनगारधर्मामृत १४८
- इष्टोपदेश सटीक २१४
- स्तोत्रटीका ३०६
- जिनस्नपन [illegible]
- त्रिषष्ठिस्मृतिशास्त्र

जिनकल्पमाला ३६१
पंचकल्याणकमाला ३६४, ३६५, ३८५
स्वस्तिमंगलविधान ३७८
सागारधर्मामृत, ९, १७३
सिद्धचक्रपूजा ६९,
दीक्षा पटल २०१
प्रतिष्ठासार २०१

इन्द्रनन्दि योगीन्द्र—
ज्वालामालिनीकल्प २७५
नीतिसार २९२, ३५२
प्रायश्चित ग्रन्थ ३८७

इन्द्रवामदेव—
त्रिलोक दीपक २८३, २८५

उदयराज—
सुभाषित बावनी ३४७
मनप्रशंसा दोहा ३४७

उदयलाल—
पदसंग्रह २९८

उमास्वाति—
तत्वार्थसूत्र २८, ८३, ८५, ९६, १०२, १०४, ११२, ११४, ११५, १३३, ३५०, ३६९, ३६८, ३७२

एकसंधि—
जिन संहिता १४
प्रायश्चितविधि १४, १२३

कक्कसूरि—
धन्ना चउपई ३८२

कनककीर्त्ति—
अष्टाह्निकापूजा ५६
अष्टाह्निकाव्रतोद्यापनपूजा ५६
तत्वार्थसूत्र भाषा ३
णमोकार पैंतीसी पूजा ६०
रत्नत्रय पूजा ६५

कनक कुशल—
जिनस्तवन टीका २९७

कनक सोम—
आषाढभूति मुनि चौपई ३४७

कबीरदास—
सरोदा ७२
कबीर के दोहे ९१,
कबीर वाणी ३७८
सबद ३७८

कमलप्रभसूरि—
जिनपंजरस्तोत्र ४७, १२३, २९५

कमलसंयमोपाध्याय—
उत्तराध्ययन टीका १

कल्याणकीर्त्ति—
पार्श्वनाथरासो ७४
जीरावलि पार्श्वनाथस्तवन १०६

कल्याणवर्मा—
चमत्कारचिंतामणि २७०
बालतन्त्र ३२

ब्रह्म कृष्णदास—
मुनिसुव्रतपुराण १७

कृष्णभट्ट—
वृत्ति दीपिका १९९

कामन्दक—
कामन्दकी नीतिसार २९२

कार्तिकेय (स्वामी)
स्वामीकार्तिकेयानुप्रेक्षा १९०, ३३३, ३४९, ३५२, ३८६,

कालदास—
विहार काव्य २५४

कालिदास—
कुमारसंभव २४, २४४
मेघदूत २५, २५१
रघुवंश २५, २५२
श्रुतबोध ४२, ११५, २७७
नलोदय २४८
दुर्घट काव्य २८९

काशीराज—
अमृतमञ्जरी ३१

काशीनाथ—
धातुपाठ २७
धातु मंजरी २५८
शीघ्र बोध ३८

किशन—
नागदमन की कथा ३५८

किशनसिंह—
त्रेपनक्रिया कोश ७, १५१
बावनी २८५

किशोरगोपाल—
कुंडलियां ७१

कुन्दकुन्दाचार्य—
दर्शन प्राभृत ४,१०८,१२३,१७९
नियमसार ४,१५७,३८६
पंचास्तिकाय ५,१४२, ३८६, ३९५
लिंगपाहुड ५
सूत्र प्राभृत ६
चारित्र प्राभृत ६
शील प्राभृत १४६
रयणसार १६९,३८६,
अष्ट पाहुड ३८२,१७५, ३४७
प्रवचनसार १८२, ३८६
षट पाहुड १८४,३३२,३६४,३८४,
३८६,३८९
समयसार १८६,३८६;
द्वादशानुप्रेक्षा ३६०

कुमारिल भट्ट—
मीमांसावार्तिक १९९

कुमुदचन्द्र—
कल्याणमन्दिर स्तोत्र ४६,९७,१०९,११२,
२९४,३३८,३४८,३८५,

कुलपति मिश्र—
रसरहस्य २८०

कुशल कवि—
गुडी पार्श्वनाथ छंद ९१

केदार भट्ट—
वृत्तरत्नाकर ४२, २७७, ३८७

केशव—
रविव्रतकथा २२
अध्यात्म स्तोत्र २९३

श्रीगणक केशव—
जातक पद्धति २७०

केशवदास—
रसिकप्रिया १००, ११७
रामचन्द्रिका

केशवदास—
गुणविवेकवार ३४३

केशवदास नयनसुख—
वैद्य मनोत्सव १०१, १३५

केशवमिश्र—
तर्कभाषा १९५

केशव वर्णी—
जिनगुण संपत्ति पूजा ३०९

केशवसेन—
रोहिणीव्रतपूजा ६६, ३१९
रोहिणीव्रतोद्यापन ६९
षोडशकारणव्रतोद्यापन ६७
आदित्यव्रतकथा २३५

कैयट—
पाणिनीय भाष्य २५८

श्री कौंडभट्ट—
वैयाकरणभूषणसार २६०

क्षमाहंस—
द्विपंचासिका ९१

खड्गसेन—
त्रिलोकदर्पणकथा ४३, २८५, ३७७
सहस्रगुणित पूजा ३१८

खुशालचन्द काला—
उत्तरपुराण भाषा १५, २१३
पद्मपुराण भाषा १६, २१५
हरिवंशपुराण १७, २१९
धन्यकुमार चरित्र १८, २२२, ३६७
ज्येष्ठजिनवरव्रत कथा २१
व्रतकथाकोश २२
यशोधर चरित्र ३६७
कथा कोश ३७०
सुभाषितावली भाषा ३७०

खुशालचन्द पल्लीवाल—
नेमिचन्द्रिका २३७

गणपति व्यास—
वैद्यकसारसंग्रह ३४

गणेश दैवज्ञ—
ग्रहलाघव ३९, २१०
जातकालंकार २७१

महामुनि गर्ग—
गर्ग संहिता ३९
शकुनावलि ३८
पाशाकेवली २७२

गुणकीर्त्ति—
चित्रसेन पद्मावती चरित्र १७

गुणनन्दि—
पद संग्रह ८९
ऋषिमंडल पूजा ३१६

गुणभद्राचार्य—
आत्मानुशासन १०, १७६, ३८४
उत्तरपुराण २१२
जिनदत्त चरित्र २२०
धन्यकुमार चरित्र २२२
शान्तिनाथस्तवन ३५९

भ० गुणभद्र—
अनन्तव्रतोद्यापनपूजा ५५
मोक्षसप्तमी कथा २४०

गुणभूषण—
श्रावकाचार भाषा १७२
त्रिलोकदीपक २८५

गुणाकरसूरि—
सम्यक्त्व कौमुदी २४२

गुलाबचन्द—
कक्कापैंतीसी ४२

गुलाम मुहम्मद—
- स्तोत्र व नीति के पद्य ३०६

ब्रह्म गुलाल—
- त्रेपनक्रिया ७
- समवशरण स्तोत्र ६८

ब्रह्म गोपाल—
- पंचकल्याणपूजा ६३

गोरखनाथ—
- गोरखनाथजी के सबद ३८०
- गोरख दोहावली ११

आ० गोविन्द—
- अजितशान्तिस्तोत्र टीका ५१

पं० गोविन्द—
- पुरुषार्थानुशासन १५३

महामहोपाध्याय श्री गोविन्द—
- काव्यप्रदीप २७८

गौतम मुनि—
- न्यायसूत्र १६७

गौतमस्वामी—
- ऋषिमंडल ४६, १२२, ३०२
- यति प्रतिक्रमण १६७
- वृहत् प्रतिक्रमण १७२
- संबोध पंचाशिका २८७,

गंग कवि—
- छप्पय १०६

गंगदास—
- त्रिभुवननी विनती ३८०

पं० गंगादास—
- पुष्पांजलिव्रत पूजा ६३
- सम्मेदाचलपूजा ६८

गंगाराम—
- सभाभूषण ३४७

गंगेन्द्रि—
- पद्मकोश ३७३

घटकर्प्पर—
- घटकर्प्पर काव्य ७१, २४५

चण्ड कवि—
- प्राकृत व्याकरण २५६

चतुर्भुज—
- अमरूक शतक टीका २७८

चतुरू—
- क्रोध गीत २२७

चन्दकवि—
- रामायण ३२८

चन्द्रकीर्त्ति—
- सिद्धस्तवन ५३
- सिद्ध जयमाल ३१८
- रविव्रतोपाख्यान ३७६
- नंदीश्वरपूजा ३७८
- पंचमेरूपूजा ३७६

चन्द्रकीर्ति सूरि—
- सारस्वत दीपिका २६१

चन्द्रमौलि—
- कार्त्तवीर्यकवच ३८

चन्द्रशेखर शास्त्री—
- ज्वालामालिनी कल्प भाषा २७५

चर्पटनाथ—
- चर्पटजी के सबद ३८०

चरनदास—
ज्ञानस्वरोदय ३६, ३५१, ३७९

चाणक्य—
नीतिशास्त्र ४५
वृद्ध चाणक्य नीति शास्त्र ८३, ३८८,
राजनीति शास्त्र ९७, २९३
लघुचाणक्य ११६

चामुण्डराय—
चारित्रसार ७, १५२
ज्वरतिमिरभास्कार ३१
भावना संग्रह ८३

मुनि चारित्र भूषण—
महीपाल चरित्र २२७

चारित्रवर्धन मुनि—
कल्याणमन्दिर स्तोत्र टीका ४७
नैषध चरित्र टीका २४८
रघुवंश टीका २५२
सूक्तिमुक्तावली टीका २९१

चेतनदास—
तत्त्वार्थसूत्र भाषा १२६

चैनसुख—
अकृत्रिम चैत्यालयपूजा ३०७
जिनसहस्रनामपूजा ३१०

छीतर ठोलिया—
होली चरित्र ९०,

कवि छीहल—
पंथीगीत ९५, ३७४
बावनी १०५
आत्मप्रतिबोध जयमाल ३९५

जगन्नाथ—
सुखनिधान १९
केवलभुक्तिनिराकरण १५२
शिवसाधन नाम ३३३

जगन्नाथ (पंडितराज)
भामिनी विलास २५१

जगतराम—
पद संग्रह १०८
पद्मनंदि पंचविंशति भाषा १५९

जगदीश—
बारह भावना ११२

जगत शिरोमणि—
पद व भजन ८६

जमाल कवि—
जमाल के दोहे १०४

जयकीर्ति—
शीलोपदेशमाला ३६२, ३८१
भवदेव चरित्र ३७९

जयकृष्ण—
सिद्धान्त कौमुदी टीका २६४

जयचन्द्र छाबडा—
तत्त्वार्थसूत्रभाषा १३५
द्रव्यसंग्रह भाषा १४१
सर्वार्थ सिद्धि भाषा १४६
अष्ट पाहुड भाषा १७६
समयसार भाषा १९०
स्वामी कार्तिकेयानुप्रेक्षा भाषा १९२
आप्तमीमांसा भाषा १९३
देवागम स्तोत्र भाषा १९६
प्रमेयरत्नमाला भाषा १९९

ज्ञानार्णव भाषा २०४
पदसंग्रह २९८
भक्तामरस्तोत्र भाषा ३०१
सामायिक पाठ भाषा ३०५

जयदेव—
गीतगोविन्द २४५

जयदास—
सुश्रुतसंहिता टीका २६९

जम्बूकवि—
जिनशतक पंजिका २९६

जयमित्रहल—
वर्द्धमान काव्य २५३

जयराम भट्टाचार्य—
कारकवाद २५७

जयशेखर सूरि—
त्रिभुवन दीपक प्रबंध २४१
संबोध सत्तरी ३६२

जय सागर—
सुदर्शन श्रेष्ठी छप्पय ३४०

जयसिंह सूरि—
प्रमाणनिर्णय १९८

जयानंद सूरि—
जिनस्तवन २१७

ज्वालाप्रसाद बख्तावरसिंह—
प्रद्युम्न चरित्र भाषा २२५

जवाहरलाल—
समवशरण पूजा ३१८

जिनचन्द—
जिनस्तोत्र १०७

जिनदत्त सूरि—
विवेक विलास २८६

जिनदास—
विषापहार स्तोत्र भाषा ११२
भूपालचतुर्विंशति भाषा ३०२
सुगुरु शतक ३०५

पांडे जिनदास—
जम्बूस्वामीचरित्र १७, ७३, ७४, २३६, ३५७
होलिकाचरित्र २०, २४३
जखडी ८३, ३०५
जोगीरासो ८३, ९५, १०२, ३६९, ३७५
अकृत्रिम जिन चैत्यालय पूजा ३८९

ब्रह्मजिनदास—
गुरुपूजा ५८
जम्बूद्वीपपूजा ५९
हरिवंशपुराण २१८
जम्बू स्वामि चरित्र २२०
नेमिनाथस्तवन ३३१
मिथ्या दुकड ३३१
गीत ३४४
होलीरास ३७९
धर्मपरीक्षारास ३७९
ज्येष्ठजिनवररास ३८०

जिनदेव—
मदनपराजय २५

जिनप्रभ—
सरस्वतीस्तोत्र ४८
दोषापहारस्तोत्र ४८

जिनराज सूरि—
नैषध चरित्र टीका २४८

जिनवरदास—
ज्ञानसूर्योदय नाटक २५६

जिनलाभसूरि—
चतुर्विंशति जिनस्तुतिं २९५

जिनवल्लभ सूरि—
संघ पट्ट २५५
वीरस्तवन ३०२

जिनसिंह सूरि—
शालिभद्र चौपई २३०, ३३४, ३९५

जिनसेनाचार्य—
हरिवंशपुराण २१७

जिनसेन—
नेमिनाथरास २२४

जिनसेनाचार्य (वीर सेन के शिष्य)
आदिपुराण १५; २०९
२९६
जिनसंहस्रनाम ४७;
३६४, ३७८, ३८६
प्रायश्चित विधि १२३
जिन संहिता २००

जिनहर्ष सूरि—
मंगल गीत ९४

जीवराज—
अजितस्तवन ४६

श्री जैन—
हरिवंशपुराण भाषा २१९

जैतराम बाफना—
जैतरामविलास २२१

जोधराजगोदीका—
सम्यक्त्व कौमुदी २३, ७४, २४२
चित्रबंध दोहा ११५
पद्मनंदिपंचविंशति १५९
भावदीपक १६४
ज्ञान समुद्र १७९
प्रवचनसार १८३
प्रीतिंकर चरित्र ३४५

जौंहरीलाल—
चेतन विलास १७९
विदेह क्षेत्र के बीस तीर्थंकरों की पूजा ३१६

ज्ञानमेरु मुनि—
कविमुखमंडन २७८

ज्ञानकीर्त्ति (भट्टारक)
यशोधर चरित्र १८

ज्ञानभूषण (भट्टारक)
तत्त्वज्ञानतरंगिणी २, १३२
ऋषिमंडलपूजा ५७
सरस्वतीपूजा ८४
पोषह रास ३३७
जिनस्तुति
षट्कर्मरास ३७९

ब्रह्म ज्ञानसागर—
हनुमंतरास ३८७

ज्ञानेन्द्र सरस्वती—
सिद्धान्त कौमुदी टीका २६४

टीकम—
चतुर्दशी कथा २३६
चन्द्रहंस की कथा २३६

टेकचन्द्र—
पंचपरमेष्ठिपूजा ६४, ३१४
कर्मदहन पूजा ३०८

तीनलोक पूजा ३०९
सुदृष्टितरंगिणी ७२

महापंडित टोडरमलजी—
मोक्षमार्ग प्रकाश ८, १६६
गोमट्टसार भाषा १३०
गोमट्टसार संदृष्टि १३०
संदृष्टि लब्धिसार क्षपणासार १४६
ज्ञानानंद श्रावकाचार १५५
पुरुषार्थ सिद्ध्युपाय भाषा १६०
लब्धिसार क्षपणासार १७०
आत्मानुशासन भाषा १७७
त्रिलोकसार-भाषा २८४

ठक्कुरसी—
पार्श्वनाथशकुनसत्तावीसी ८०
गुण वेलि ९८
नेमिराजमति वेलि ३४२

डालूराम—
अढाईद्वीपपूजा ३०७
द्वादशांग पूजा ३११
पंचपरमेष्ठी पूजा ३१४
पंजपरमेष्ठी गुणस्तवन ३२४
द्वादशानुप्रेक्षा ३६९
नेमिपार्श्वनाथ पूजा ३७०

सल्ह—
पंडित जयमाल ३४१

तिलोकचन्द—
पद ८६

तुलसो—
रोहिणी व्रत विधान १०८

तेजपाल—
संभवणाहचरिउ ३३२

त्रिभुवनचन्द—
अनित्य पंचासिका ८४

त्रिमल्लक—
द्रव्यगुणशतश्लोक ३१

त्रिलोचनाचार्य—
गोवर्द्धन सप्तसती टीका २४५

थानजी अजमेरा—
थानविलास ३२३

दण्डी—
काव्यादर्श २७९

ब्रह्म दयाल—
पद ९७

दशरथ निगोत्या—
धर्मपरीक्षा भाषा ३२२

दामोदर—
संगीतशास्त्रसार ३२०

महाकवि दामोदर—
णेमिणाहचरिउ २२१

दिवाकर—
दिवाकर पद्धति २७२

दिव्यादित्वाचार्य—
सप्तपदार्थी २००

ब्रह्म दीप—
नाम माला १०८

दीपचन्दकासलीवाल—
चौदह गुणस्थान चर्चा (हिन्दी)
अध्यात्मज्ञानदर्पण ७३
चिद्विलास ७३, १५३
अनुभवप्रकाश ७३, १४८, ३७०
विनती ९६

आत्मावलोकन १७८
स्तुति ३५६

दुर्गसिंह—
कातन्त्र व्याकरण महावृत्ति २५६

दुलीचन्द—
उपदेशरत्नमाला १५०
जैनागार प्रक्रिया १५५
धर्मदास दुलीचन्द का पत्र व्यवहार १५५
बाईस अभक्ष्य १६३
ज्ञानप्रकाशविलास १७६
विवाह पद्धति २०८
अकृत्रिम चैत्यालय वर्णन २६२, ३०७
जैन यात्रा दर्पण २८३
आबू मंदिर के शिलालेखों की भाषा ३१९
हरसुखराय के मंदिर देहली की ग्रंथसूची ३१६
मंदिर निर्माण विधि ३२६

देल्ह—
चउवीसी ३७२

देवनन्दि—
सिद्धप्रियस्तोत्र ५३, ११२, ३३२, ३४४, ३४६
४५७, ३५६, ३६८, ३६१, ३६३, ३६५
जैनेन्द्र व्याकरण २५७

देवनन्दि—
लब्धिविधान उद्यापन ६६
रोहिणी विधान कथा २४०
गर्भषडार चक्र २७०, ३४२, ३४६, ३७१

देवराज मुनि—
वैराग्यसडाइ ३६१

देवसुन्दर सूरि—
षट्दर्शनसमुच्चय वृत्ति २००

देवसेन—
दर्शनसार ४, १६५, ३४६, ३६६
आलापपद्धति १२, ८०, १६४
आराधनासार १४६, ३४२, ३५७, ३५६, ३६८
३७२, ३७६ ३८६
भावसंग्रह १६५
नयचक्र १६६, ३८६
तत्त्वसार ३३३, ३४४, ३५६, ३८२, ३८४

पं० देवीदास—
प्रवचनसार भाषा १८४

देवेन्द्रकीर्त्ति (भट्टारक)
चन्दनषष्टिकथा २१
व्रतकथाकोश २२
कवलचन्द्रायणपूजा ५७
कल्याणगुणमाला ५७
जिनसम्पत्तिव्रतपूजा ५८
त्रेपनक्रियाविधान ६३
रविव्रतपूजा ६६
चन्द्रायणव्रत पूजा ३०६
द्वदशव्रतमंडलोद्यापन ३११
प्रद्युम्नप्रबन्ध २२६

गणि देवेन्द्रकीर्त्ति—
रैदव्रत कथा २४०

श्री देवेश्वर (वाग्भट्ट सुत)
कविकल्पलता २७८

पं० दौलतरामजी कासलीवाल—
तत्त्वार्थ सूत्र टब्बा टीका (हिन्दी) ३
चौबीस दण्डक ७, ११८, ३३६, ३६६

विवेकविलास ११
पुण्याश्रवकथाकोश
२१, २३८
छहढाला १०१
त्रेपनक्रियाकोश १५६
अध्यात्मबारहखडी १७५
आदिपुराणभाषा
१५, २१
पद्मपुराण भाषा
१६, २१५
हरिवंशपुराण १७, २१८
आत्मबत्तीसी ३६९
सिद्धपूजा ३६९

संगही दौलतराम—
व्रतविधानरासो १७२

द्यानतराय—
विदेहक्षेत्रपूजा ६४
वैराग्य जखडी ११
पंचमेरूपूजा ६४
धर्मविलास १०, ४२४
भावना ७९
संबोधपंचासिका ८५, ३६९
पार्श्वनाथ स्तोत्र ८५, ४९
छहढाला ८८, १०१
समाधिमरण १०१
पद संग्रह १०४, ३७०
उपदेश शतक २८६
चरचा शतक १३१
द्यानत विलास ३२३
अष्टाह्निका पूजा ५६

धनंजय—
विषापहारस्तोत्र ५१, ९६, १०७, ११२, ३०२
३३९, ३४९, ३८५
द्विसंधान काव्य २४७
नाममाला २६७, ३३३, ३४१, ३०

धनपाल—
भविष्यदत्त चरित्र २२७

धनेश्वर भट्ट—
सारस्वतप्रदीप २६३

धर्मचन्द्र (मंडलाचार्य)
गौतमस्वामी चरित्र १७, २२०

धर्मचन्द्र मुनि—
जिनसहस्रनाम पूजा १०९

धर्मदास—
विदग्धमुखमंडन २५४

ब्र० धर्मदास—
समाधि ३४८

धर्मदेव—
शांतिक पाठ ३२६

पं० धर्मधर—
नागकुमार चरित्र २२३

धर्मभूषण—
सहस्रनाम पूजा ६९
धर्मचक्रपूजा ३१२

धर्मभूषण (अभिनव)
सहस्रनामपूजा ६९
न्यायदीपिका १९७
धर्मचक्र पूजा ३१२

पं० धर्मसेन—
विश्वलोचन २६८

धवल महाकवि—
हरिवंश पुराण २१७

कवि घेल्ह—
नेमिनाथ की बेलि ३४१
धामा—
शांतिक समस्तविधि ६७
धीर्यराम—
चिकित्सासार ३१
पं० नकुल—
सालिहोत्र ३५
नथमल—
अष्टाह्निका कथा २०, २३५
स्तोत्र महात्म्य ८५
महीपाल चरित्र भाषा २१७
नथमल लालचन्द—
भक्तामर स्तोत्र कथा ३०१
सिद्धान्तसार दीपक १४७
जीवन्धर चरित्र भाषा ३०१
नागकुमार चरित्र भाषा २२४
नन्ददास—
अनेकार्थमञ्जरी २६
मानमंजरी २६८,
नन्दलाल—
गूढविनोद ७६
नंद्याचार्य—
पार्श्वाष्टक ३८५
नन्दिगुरु—
प्रायश्चितविनिश्चयवृत्ति १४, १६२, ३८४
नन्दिषेण—
अजितशांतिस्तवन ४६
नरपति—
नृपतिजयचर्य्या २७२
नरेन्द्रकीर्त्ति—
सागर प्रबंध रास २३३
नरेन्द्रसेन—
प्रमाण प्रमेय कलिका १६८
रत्नत्रय पूजा ३५५, ३७८
नयनसुख—
वैद्यमनोत्सव ३४
पं० नरदेव—
श्रीपाल चरित्र २३१
चतुर्विंशति तीर्थंकर जयमाल ३५७
नरसेनदेव—
सिद्धचक्रकथा २३
वर्द्धमान कथा २२६
नवरत्न—
नवरत्न कवित्त ८७
जिनपच्चीसी ३६०
नवल—
जयपच्चीसी ६३
स्तुति संग्रह
पद संग्रह ३४२
बुद्धि विलास ३८८
नागचन्द्रसूरि—
पंचस्तोत्रटीका ४६
नागोजी भट्ट—
परिभाषेन्दु शेखर २५८
श्री नानूराम—
पिंगलछन्द शास्त्र २७६
नागराज—
भावशतक २

नाटमल्ल—
- शार्ङ्गधर दीपिका २६६

नाथू—
- आदिनाथ स्तोत्र भाषा ३४२

नारचन्द्र—
- नारचन्द्र ज्योतिष शास्त्र २७२

श्री नारायण भट्ट—
- चमत्कारचिंतामणि २७०

नेमिचन्द्र—
- द्विसंधान काव्य (टीका) २४७

नेमिचन्द्रजी बख्शी—
- पदसंग्रह २९८

नेमिचन्द्र भण्डारी—
- सिद्धान्तसार १४७
- सिद्धान्त धर्मोपदेश रत्नमाला १७४
- षष्ठशत प्रकरण २८७
- साठिसया ३६२

नेमिचन्द्राचार्य—
- गोमट्टसार कर्मकाण्ड १, १२९, ३४९, ३५०, ३८६,
- ,, जीवकाण्ड १२८
- कर्म प्रकृति २,१२६,३५६,३६०,३७४
- द्रव्यसंग्रह ३,७४,११५,३५०,३६७, ३६८,३८९,३९२
- भावत्रिभंगी ५,१४४
- चौबीसठाणा चर्चा ६, १५३
- त्रिलोकसार ४२, २८३, ३७२, ३८६,
- भावसंग्रह ८०
- आस्रवत्रिभंगी १२५
- क्षपणासार १२८
- त्रिभंगीसार १३६
- पंचसंग्रह १४१
- लब्धिसार १४५, ३८६
- गोमट्टसार चर्चा ३५८
- गुणस्थानगाथा ३७४

ब्रह्म नेमिदत्त—
- धर्मोपदेश श्रावकाचार ८
- नेमिनाथपुराण १५, २१४
- श्रीपालचरित्र १९, २३१
- धर्मोपदेश पीयूष १५६
- सुदर्शन चरित्र २३४
- आराधना कथा कोष २३५, २१
- नागश्री कथा २३७
- धन्यकुमार चरित्र २२२
- प्रीतिंकर चरित्र २२६

नित्यनाथसिद्ध—
- रसरत्नाकर ३३

नील कण्ठ—
- शब्दशोभा २६०
- ताजिक शास्त्र टीका २७१
- वर्ष तन्त्र २७३
- शिवताण्डवीय ३२६

नृसिंहाचार्य—
- प्रक्रिया कौमुदी २५६

श्री पतंजलि—
- पातंजलि महा भाष्य २५८
- योगशास्त्र ३८७

पंकजनन्दि—
- यतिभावनाष्टक ३८३

पंचानन भट्टाचार्य—
- भाषा परिच्छेद १६६

पद्मनन्दि (आचार्य)
धर्मरसायन ७, १५५, ३८७
जिनवरदर्शन स्तोत्र २६५

पद्मनन्दि (मुनि)
पद्मनन्दि श्रावकाचार ८, १७२, ३६०
देवशास्त्रगुरुपूजा ३६५
रत्नत्रयपूजा ३६५
भावना चौतीसी ३७२
साटक ३७२

पद्मनन्दि—
पद्मनन्दिपंचविंशति ७१, १५७, ३६५,
कल्याणाष्टक १०७, ३८६
एकत्व सप्तति १५०
परमात्मराज स्तोत्र ३५६
जिनवर दर्शन ३६१
भावनाचतुर्विंशतिका ३८३
लक्ष्मीस्तोत्र ३८५
गुर्वावली ३८५
वीतराग स्तोत्र ३८५
यतिभावनाष्टक ३८६

कायस्थ पद्मनाभ—
यशोधर चरित्र २२६

पद्मसिंह—
ज्ञानसार ३८६,

पद्मसुन्दर—
शांतिनाथस्तवन ३०३
पार्श्वनाथ चरित्र २२४

पद्मप्रभदेव—
लक्ष्मीस्तोत्र ५१, ३०२, ३३५, ३३८, ३४८
पार्श्वनाथ स्तोत्र २६६, ३५६, ३८३

पद्मप्रभ सूरि—
भुवनदीपक २७३

पद्मप्रभमल धारिदेव—
नियमसार टीका ३५७

पद्माकर कवि—
छप्पय १०६

पन्नालाल चौधरी—
योगसार १५
तेरह पंथ खंडन १५५
सद्भाषितावली २८७,
धर्म परीक्षा भाषा ३२२

परिमल्ल—
श्रीपालचरित्र १६, २३१, ३८१

परमहंस परिव्राजकाचार्य—
मुहूर्त्त मुक्तावली २७३

पर्वतधर्मार्थी—
द्रव्यसंग्रह भाषा १४१
समाधितन्त्र भाषा २०६, ३७६, ३८६

पांडव—
पांडव गीता १२०

पाणिनी—
अष्टाध्यायी सूत्र २५६, ३८७

पात्र केशरी—
स्तोत्र २०७

पार्श्वचन्द्र सूरि—
दोहे ६१

पारसदास निगोत्या—
पार्श्वविलास १८
ज्ञानसूर्योदयनाटक भाषा २५६

पासचन्द्र—
- साधुवंदणा ३४५

पीथल—
- कृष्णरूक्मणि विवाह वेलि ३८६

पुंजराज—
- सास्वत टीका २६३

पुण्यराजगणि—
- होलीपर्वकथा २४

पुण्यशीलगणि—
- चतुर्विंशति जिनस्तुति २६५

पुष्पदन्त—
- आदिपुराण २०८
- उत्तरपुराण २११
- नागकुमार चरित्र २४७
- यशोधर चरित्र २५१

पूज्यपाद—
- सर्वार्थसिद्धि ५
- समाधिशतक १२, १०७, १४६, २०७
- जैनेन्द्रव्याकरण २७, ३८५
- उपासकाचार १५०, ३४९
- समाधितन्त्र ३५६
- इष्टोपदेश ३५८, ३६४, ३८१, ३८३, ३८६
- पंचपरावर्तन प्रकरण ३७४

पूर्णचन्द्राचार्य—
- उपसर्गहरणस्तोत्र ४६

पूनमचन्द—
- पंचवर्णतेईसा ३४०

पूनो—
- मेघकुमार गीत ८३

पृथ्वीनाथ—
- पृथ्वीनाथजी के सबद ३८१

प्रतापकीर्त्ति—
- त्रेपनक्रियाविधि

सवाई प्रतापसिंह—
- श्रृंगार मंजरी १००
- वैराग्य मंजरी १०८
- जातकसार १११
- राधागोविन्द संगीतसार ३२०

प्रभाचन्द्र—
- सुपार्श्वस्तवन १०६
- तत्त्वार्थरत्नप्रभाकर १३२
- तत्त्वार्थसूत्र १३६
- द्रव्यसंग्रह टीका १३९
- क्रियाकलाप १५१, ३३२
- प्रमेयकमल मार्त्तण्ड १९८
- आदिपुराण टीका २०९
- उत्तरपुराण टिप्पण २१२
- रावणपार्श्वनाथस्तवन १०६

पं० प्रभाचन्द्र—
- स्वयंभूस्तोत्र टीका ३०६

भ० प्रभाचन्द्र—
- कलिकुंडपूजा ५७
- गणधरवलयपूजा ५८
- सिद्धचक्रपूजा ६९

प्रम सोनी—
- प्राणीडा गीत १२४

फतेहराम लुहाडिया—
- स्तोत्रसंग्रह ५४

बखतराम—
- बुद्धिविलास ७२
- मिथ्यात्व खंडन १६५, ३८८

बंशीधर—
- द्रव्यसंग्रह टीका १३८

बनारसीदास—
- अध्यात्मबत्तीसी १०, ९१
- बनारसीसंग्रह ११
- समयसार ११, ७५, ९२, १०२, ३४६, ३५६, ३७१, ३८९, ३९०
- सिन्दूरप्रकरण ४४, ३४४, ३५२, ३५५, ३६४, ३७८
- बनारसीविलास ७३, ३२५, ३३२, ३३९, ३४७, ३४९, ३६३, ३७६, ३८२
- कर्मप्रकृतिविधान ८०, ३५२, ३७०
- साधुबन्दना ८३
- कल्याणमंदिरस्तोत्र ८४, ८६, ८७, ८९, १०९, ११२, ११४, ३३०
- शिव पच्चीसी ९१
- ध्यान बत्तीसी ९१
- बनारसी दोहावली ९१
- कर्म छत्तीसी ९१
- धर्मधमाल ९१
- अध्यात्म पैडी ९१, ३३३, ३६५
- मोक्षपैडी ११०, ३३९, ३७१
- भवसिंधु चतुर्दशी ११०
- मोहविवेक १८४, ३३०, ३४६, ३६५,
- समयसार नाटक १८९, १९०, ३३०, ३४३, ३४५, ३४८, ३५०, ३५३, ३६७, ३७०, ३७५, ३८२
- बावनी २८६
- जिनसहस्रनाम भाषा २९७
- सारबावनी ३२७
- ज्ञानपच्चीसी ३३१, ३४०, ३६
- बनारसी पद ३५२
- शारदाष्टक ३९१

बलराम—
- जयपुर के मंदिरों की वंदना ९६

बसन्तराज—
- मधुमालती कथा ३५१

बसन्तराज—
- बसन्तराजशकुनावलि ३७

बहुमुनि—
- सामायिकपाठ ५३, २०५

बालचन्द्र सूरि—
- गुरू गीत ९१

बिहारीदास—
- जखडी ३४०
- मनरामविलास ३६०

बिहारीलाल—
- बिहरीसतसई २५, १०३, २५४

बोहल्ल—
- पंच सहेली ९१

बुधजन—
- वंदनाजखडी ५२

भक्तामरस्तोत्रोत्पत्ति कथा ८५,
संबोध अक्षर बावनी ९३
छहढाला १०१, १५४, ३६०, ३६९
पद संग्रह १०४
इष्ट छत्तीसी १४९
योगसार भाषा २०५
वर्द्धमानपुराण सूचिनिका २१६
बुद्धजन सतसई २८६
संबोध पंचासिका ३२९
चरचाशतक ३३४

बुलाकीदास—
प्रश्नोत्तरोपासकाचार ८, १६२
वचनकोश १४५
पाण्डव पुराण २१६

कवि बूचा—
चेतन पुद्गल धमालि ३४७

ब्रह्मदेव—
द्रव्यसंग्रह टीका १४०
विनती संग्रह ३०२

ब्रह्मसेन—
रत्नत्रय पूजा ३६४

भगवदानंद—
शारीरिक भाष्य २००

भैय्या भगवतीदास—
चेतनकर्मचरित्र १७
निर्वाणकांड भाषा ४८, ७८, ११२
सुबुद्धिचौबीसी ८०
वैराग्यपच्चीसी ३६०
ब्रह्मविलास ३६३
मानबत्तीसी ३६९
बनजारा गीत ३७१

भगवानदास—
पद्मपुराण २१६

कवि भट्टी—
महीभट्टी ३२६

भट्टोजीदीक्षित—
सिद्धान्त कौमुदी २६४

भट्टोजीभट्ट—
शब्दकौस्तुभ २६८

भट्टोत्पल—
षट्पंचासिका वृत्ति २७४

भद्रबाहु मुनि—
नवग्रहस्तोत्र ६१
ग्रहशान्तिस्तोत्र १२३
भद्रबाहुसंहिता २७२

श्री भद्रसेन—
कलिका पंचमी कथा २३६

भर्तृहरि—
श्रृंगारशतक २६
नीतिशतक ४३, ८१, २९२
भर्तृहरि शतक १००, २८६, २९२
सबद ३८०

भाऊ कवि—
रविव्रार कथा ९५, ३४३
पार्श्वनाथ कथा ३५५

भागचन्द—
शिखर विलास ५२
उपदेश सिद्धांत रत्नमाला १५०
प्रमाण परीक्षा भाषा १९८
नेमिनाथपुराण २१४

भानुकीर्त्ति—

रविव्रतकथा ७५

रोहिणी व्रत कथा २४०

भानुजी दीक्षित—

अमरकोश टीका २६७

भानुदत्त—

रसतरंगिणी २७६

रसमंजरी २७६

पं० भानुमेरू—

शत्रुञ्जयोद्धार

ऋषि भारद्वाज—

अद्भुतसागर ३१

भारमल्ल—

दर्शनकथा २३७

निशिभोजन कथा २३७

शीलकथा २४१

भारवि—

किरातार्जुनीय २४, २४४

भावशर्मा—

स्नपनटीका १४

न्यायसार १९७

दशलक्षण पूजा ३११, ३१२

षोडशकारण जयमाल ३३२

सामायिक पाठ ३३२

त्रिंशच्चतुर्विंशति पूजा ३६३

भास्कराचार्य—

लीलावती सूत्र २९१

भीम—

रूपसेन सुजाणदे चरित्र २४०

भुवनकीर्त्ति—

जीवंधररास ३७९

रात्रिभोजनवर्जनरास ३७९

जम्बूस्वामिरास ३७९

भूधरदास—

चर्चा समाधान २, १३१

जैनशतक १०, ८५, १७९, ३६९

पार्श्वपुराण २४, २४९

एकीभावस्तोत्र भाषा ४६, २९४, ३६९

पंचमेरूपूजा ८५

पद संग्रह १०४

भूपाल चौबीसी भाषा ११२

जखडी ३२३, ३६९

भूपालकवि—

भूपालचतुर्विंशतिस्तोत्र ५१, १०७, ११२, ३०१, ३७२

भूषण—

अनन्तव्रतोद्यापनपूजा ५५

भट्टारक श्री भूषण—

हरिवंशपुराण २१८

मुनि भूषण—

लक्ष्मीस्तोत्र टीका ५१

मक्खन—

अकलंक चरित्र २३५

मतिसागर—

विद्यानुशासन २७६

मदनकीर्त्ति—

सर्वज्ञशासन द्वत्रिंशतिका ३८३

मदनराज—

मानबावनी २८६

मनसुख—
- शिखरमहात्म्य २४१

पन्नालाल—
- चारित्रसार भाषा १५३
- पद्मनंदि पंचविंशति भाषा १५७

मनोहरदास—
- धर्मपरीक्षा भाषा ७०
- ज्ञानचिंतामणि ७५,७८,११७,१२४,१७९
- ज्ञानपद ९६

मम्मट—
- काव्यप्रकाश २७८

मलहर सूरि—
- लघु संग्रहणी सूत्र १७०

मल्लिनाथ सूरि—
- शिशुपाल वध टीका २५४,

भ० मल्लिभूषण—
- रात्रि भोजन कथा २४०

मल्लिषेणाचार्य—
- भैरवपद्मावतीकल्प ४०
- विद्यानुवाद ४१
- स्याद्वाद मंजरी २०१

मल्लिषेणसूरि—
- नागकुमार चरित्र १८
- सज्जनचित्तवल्लभ ३६०, ३७३, ३८६

महचन्द—
- बारक्खरी दोहा २८७

गणि महिमासागर—
- अरहंत चौपई २९४

महीधर—
- मन्त्र महोदधि २७६

महेन्द्रकीर्त्ति—
- पदसंग्रह

श्री महेन्द्रसूरि—
- विचार सत्तरी १७२
- अनेकार्थ संग्रह टीका २६५

माघ—
- शिशुपालवध २५, २५४

माघनन्दि—
- चतुर्विंशतिजिनस्तुति ४७
- नीतिसार ३८३
- वन्देतान जयमाल ३८५

माणिक्यनन्दि—
- परीक्षामुख १९८, ३५६, ३८५

माणिकराज—
- नलदमयन्ती चरित्र ३८२

माणिक्यसूरि—
- शकुराजहंसराजकथा २३
- शकुन सारोद्धार १११

माधवाचार्य—
- माधवनिदान ३२

मानतुग—
- भयहर पार्श्वनाथ स्तोत्र ३६२

मानतुंगाचार्य—
- भक्तामरस्तोत्र ४९,८२,९५,९५,९६,१०७ ११२,२९९,३३५,३३७,३३८,३४८ ३६२,३७२,३८५

मुंजादित्य—
- ज्योतिषशास्त्र ३६

मेघ विजय—
- जैनेन्द्र व्याकरण टीका २५७

मेधावी—
धर्मसंग्रहश्रावकाचार ७,१५६

मा० मोतीलालजी संघी—
चैनसुख लुहाडिया का जीवन २२०

मोहन—
बावनी ११०

मोहनदास—
स्वरोदय ७८

यशोनन्दि—
धर्मचक्रपूजा ३१२
पंचपरमेष्ठिपूजा ६४, ३१४

मुनि यशःकीर्त्ति—
हरिवंशपुराण २१७
चन्द्रप्रभचरित्र २४६
जगसुन्दरी प्रयोग माला २६८
प्रबोधसार ३२४
आदित्यवार लघु कथा ३४८
धन्यकुमार चरित्र २२२
श्रेणिक चरित्र २३२

युवराज प्रल्हाद—
पार्थपराक्रमव्यायोग २७

योगदेव—
तत्त्वार्थसूत्र टीका १३५

योगीन्द्रदेव—
परमात्मप्रकाश १०, ९६, १०८, १८०, १८२, ३४४, ३६४, ३८७, ३९२
योगसार २०५, ३३७, ३४४, ३४२, ३८४ ३८७

रइधू—
दशलक्षणपूजा ६०, ३११, ३३४
सिद्धान्तार्थसार १४७
आत्मसंबोध काव्य १७८, ३७२
पासणाह पुराण २१६
वृहत् सिद्धचक्र पूजा ३१७
मेघेश्वर चरित्र २२८
श्रीपाल चरित्र २३८
सम्यक्त्व भावना ३८७
दशलाक्षणिक विशेष पूजा ३९५
संबोधपंचासिका ३९५

रघुकवि—
रक्षाबन्धन पूजा ६५

रघुनाथ—
रसमंजरी भाषा २८०

रघुराम—
साभसार नाटक २५६

रत्नकीर्त्ति (भ०)
रत्नत्रयकथा ३६७

रत्नचन्द्र—
विमलनाथपुराण २१७
सुभौम चरित्र २३४

रत्ननन्दि—
भद्रबाहुचरित्र १८, २२६

रत्ननन्दि—
पल्यविधानपूजा ६२, ६३

रत्नभूषण—
तीर्थक्षेत्रजयमाल ७९
धर्मोपदेश श्रावकाचार १५५

रत्नसिंहसूरि—
- खंडषट्त्रिंशिकावृत्ति १२८
- संवेगामृतभावना १६०

रत्नप्रभाचार्य—
- रत्नकरावतारिका १६६

रभसानन्द—
- सम्बन्धोद्योत ३२७

रविषेणाचार्य—
- पद्मपुराण १५, २१४
- सज्जनचित्तवल्लभ स्तोत्र १०७

राज—
- उपदेश बत्तीसी ८६

राजऋष्य भट्ट—
- चमत्कारचिंतामणि ३६

राजमल्ल—
- लाटीसंहिता (श्रावकाचार) १७०
- समयसार १२, १८८
- पंचाध्यायी १४२, ३८७

राजसिंह—
- पार्श्वमहिम्न स्तोत्र २६६

राजसेन—
- पार्श्वनाथ स्तवन १०६

रामकृष्ण—
- ब्रह्मानन्द १८४
- तृप्तिदीपिका (टीका) १६५
- द्वैतविवेक पद योजना १६६

पं० रामगणि—
- दशलक्षणव्रतोद्यापन पूजा ३८६

रामचन्द्र—
- रामविनोद भाषा ३३

रामचन्द्र—
- सीता चरित्र २३३ ३७०

रामचन्द्र—
- चौबीसतीर्थंकरपूजा ५६, ६०, ३६०
- कर्मचरित्र बाईसी ८६
- हनुमताष्टक ११२
- बारहमासा ३८८

रामचन्द्र—
- प्रक्रिया कौमुदी २५६

मुमुक्षु रामचन्द्र—
- पुण्याश्रव कथाकोश २३८, ३७६
- धर्मपरीक्षा ३२२

यति रामचन्द्र—
- आत्मशिक्षाशतक ३८६

रामचन्द्रशर्मा—
- सिद्धान्तचन्द्रिका २६, २६४

रामचन्द्र सूरि—
- विक्रम प्रबन्ध

रामविनोद—
- वर्षविनोद २७३

रामसेन—
- तत्त्वानुशासन १३६

ब्रह्म रायमल्ल—
- प्रद्युम्नरासो ७३, ४, ६३
- श्रीपाल रासो ७४, ३४४, ३६४, ३६५
- सुदर्शनरासो ७४, ६०, ३६४
- नेमीश्वररासो ७४
- भविष्यदत्त चौपई ७४, ३४८, ३७६, ३७७
- हनुमत कथा ७४, २४३

सोलह स्वप्न ३७७
भविष्यदत्त चरित्र १८
निर्दोष सप्तमी कथा २३७

रायमल्ल—
भक्तामरस्तोत्र टीका ३, १५०, ३०१

रूपचन्द —
पंचमंगल ८०, ८५, ९४, ९५, ९६, १०२, १०४, १०९, ११४, २९८, ३३०, ३४० ३४१, ३६५, ३७०
दोहाशतक ८१
जखडी ८३, ३६५
दोहा परमार्थी ९१, ३६०
छंद ९१
गीत ९८
पद ३४८, ३६५
सोलह स्वप्न फल ३४८
स्तुति ३२९
दोहावलि ३६५
परमार्थ दोहा शतक १८०

रूपचन्द्र —
समवशरणपूजा ६८

पाण्डे रूपचन्द्र—
त्रिशेषसत्तायंत्र १४५

रूपचन्द्र—
समयसार टीका १८९

रुपचन्द बिलाला —
भद्रबाहु चरित्र टीका २२६

लक्ष्मीचन्द—
द्वादशानुप्रेक्षा १८०, ३४६, ३५८

लक्ष्मणाचार्य—
सगीतरत्नाकर ३२०

लक्ष्मीदास—
यशोधर चरित्र २२९
श्रेणिकचरित्र ३६७

लक्ष्मीवल्लभ गणि—
चौवीसदण्डक १५४

भट्टारक लक्ष्मीसेन—
कर्मचूरव्रतोद्यापन ५७
श्रावकाचार १७२

लक्ष्मीसेन—
सप्तर्षिपूजा ६८

ललितकीर्त्ति —
कंजिकाव्रतोद्यापनपूजा ५७

लालचन्द—
षट्कर्मोपदेशरत्नमाला ५
मन ज्ञान का सग्राम ११९
लीलावती भाषा २८२
राजुलपच्चीसी ३६०, ३६९, ३७७

लालचन्द विनोदीलाल—
राजुलपच्चीसी ७२, ३३२, ३४३
सम्यक्त्वकौमुदी २४३

लाललालजी—
समवशरण पूजा ३१७

लोकसेनाचार्य—
दशलक्षणविधान ३७३

लोलिम्बराज—
वैद्यजीवन ३४

लोहट —
१८ नातों का चौढाला ८३

वज्रकीर्त्ति—
रत्नावलि व्रतोद्यापन ६६

वट्टकेरस्वामी—
मूलाचार १६६, ३८६

वप्पभट्ट—
चतुर्विंशतिजिनस्तुति २९५

वरदराज—
सारसंग्रह २०१
लघुसिद्धांत कौमुदी २६०

वररुचि—
षोढासमास २९५
प्राकृत प्रकाश २५९

श्री वराह मिहर—
वृहज्जातक २७३

वल्लभ—
शिशुपालवध टीका २५

वसुनंदि—
आचारसार वृत्ति १४८
उपासकाध्ययन १५०
यत्याचार १६७, ३८७
वसुनंदिश्रावकाचार १७०, ३८६,
देवागमस्तोत्र टीका १९६
प्रतिष्ठासार संग्रह २०१, ३८६

वर्द्धमान उपाध्याय—
किरणावली प्रकाश १९४

वर्द्धमान—
गुणरत्नमहोदधि (वृत्ति) २५७

भट्टारक वर्द्धमान देव—
वरांग चरित्र २५३

वाग्भट्ट—
वाग्भट्टालंकार ४२, २८०
नेमिनिर्वाण २४८

वाचस्पति मिश्र—
सांख्य तत्व कौमुदी २०१

वादिचन्द्र—
ज्ञानसूर्योदय २७, २५६

वादिराज—
एकीभाव स्तोत्र ४६, १०७, ११२, २९४,
३३८, ३४२, ३४८, ३६०, ३८५
प्रमाण निर्णय १९८
जिनस्तोत्र ३३३
यशोधर चरित्र २२८

वादीभसिंह—
छत्रचूडामणि २९२

वामदेव—
भावसंग्रह १६४

वामनाचार्य—
काशिका वृत्ति २५७

विजयकीर्त्ति—
चन्दनषष्ठिव्रतोद्यापन पूजा ५९
श्रेणिक चरित्र २३२

विजय तिलक—
जीवविचार स्तोत्र ३६२

विजयदेवसूरि—
शीलरास २३

विजयानन्द—
क्रियाकलाप २५७

विजयसेन (सूरि)
द्वादशानुप्रेक्षा ३७२
आलोचना स्तवन ३९२

पुण्डरीक विट्ठल—
नर्त्तन विचार ३२०

विद्यानंदनाथ—
सौभाग्य रत्नाकर २७६
विद्यानंदि—
श्लोकवार्तिक १४५, ३८७
अष्टसहस्री १६३
आप्तपरीक्षा १६३
प्रमाणपरीक्षा १६८
स्तोत्रटीका ३०६
विद्याभूषण—
भविष्यदत्तरास ३७९
बारह सौ चौंतीस विधान, ३८८
विनयचन्द्र—
चूनडीरास ३५९
विनोदीलाल—
बारहमासा ७३, ७८
राजुलपच्चीसी ७५, ८८
नौका बंध १०३
सुमति कुमति की जखडी ३२७
भक्तामरस्तोत्र भाषा २६
विमलेन्द्र—
विक्रमचरित्र रास २३०
विमलकीर्त्ति—
स्तवनसंग्रह ३३२
विष्णुशर्मा—
पंचोपाख्यान ४५, २९२
विष्णुसेन—
समवशरणस्तोत्र ५२, ३०२, ३७९, ३८५
विषयसेन—
सुकृतानुप्रेक्षा ३३३, ३६५
विश्वनाथ—
ताजिकशास्त्र २७१
विश्वनाथ पंचानन—
सिद्धान्तमुक्तावली ३२७
विश्वनाथ योगी—
तर्कदीपिका १९५
विश्वभूषण—
पंचकल्याणक पूजा ६३
मानुषोत्तर चैत्यालय पूजा ६४
मौनव्रतउद्यापन पूजा ६५
निर्वाण मंगल ११२
इन्द्रध्वजपूजा ३०९
सिद्धकूटपूजा ६९, ३१८
कलशविधि १३
इन्द्रध्वजपूजा ५७
मुनिविश्वशंभु—
एकाक्षर नाम मालिका २६७
विश्वसेन—
क्षेत्रपालपूजा ५८
जिनशासनदेवपूजा ५९
वीर—
जम्बूस्वामि चरित्र २४६
धर्मचक्रपूजा ३१२
वीर देवगणि—
महीपालकथा २२
वीरनंदि—
चन्द्रप्रभचरित्र २४५
वीरचन्द्र मुनि—
सप्तव्यसनरास ३७८
वीरसेन (मुनि)
प्रायश्चित शास्त्र १४

वील्ह (वल्हव)
नेमिनाथवसंतु ३६६
नेमीश्वर को वंश ३७१

वुचराज—
मदनजुज्झ ३७६, ३६०

वेणीदत्त शर्म्मा—
रसतरंगिणी २६०

वेदव्यास—
अन्नपूर्णास्तोत्र १२४
पातंजल योग शास्त्र २०४

वैजलभूपति—
प्रबोधचन्द्रिका २५१

वैद्यनाथ—
काव्यप्रकाश टीका २७८
काव्यप्रदीप टीका २७८

वोपदेव—
धातुपाठावली २५८

वोसरी—
सायश्री टीका ३१६

वृन्द—
वृन्दसतसई ११०, १११, ११४
विनोद सतसई ३३४

वृन्दावन—
चौबीस तीर्थंकर पूजा ५६, ३०४
शांतिनाथ पूजा ६७

व्योपदेव—
शतश्लोक वैद्यक २६६

शंकराचार्य—
आनन्दलहरी १२०
विप्रपराध स्तोत्र १२०
गंगाष्टक १२०
प्रश्नोत्तररत्नमाला १२०
परोक्षानुभाव ३६२

आचार्य शंकर—
वृहदारण्यक टीका ३२५

भगवान शंकर—
शारीरिक मीमांसा २००

शंखधर—
लटकमेलक नाटक २५६

शबर स्वामी—
मीमांसा भाष्य १६४

शंब कवि—
जिनशतक पंजिका टीका २४६

शर्मदेव—
चन्दनषष्ठिव्रतोद्यापन ५८

शांतिदास—
विषापहारस्तोत्र भाषा ५२
अनन्तनाथपूजा ३०७

श्री शार्ङ्गदेव—
संगीतरत्नाकर ३२०

शार्ङ्गधर—
शार्ङ्गधर संहिता ३५, २६६

शालिनाथ—
रसमञ्जरी ३३

शिरोमणि—
धर्मसार १५६

शिवकोटि —
भगवती आराधना १६३, ३८६

शिवकीर्त्ति—
मूलाचार ८

शिवकुमार—
कांजीचौसठपूजा ५८

शिवदास—
वेतालपंचविंशति २२

शिववर्मा—
कातन्त्र व्याकरण महावृत्ति २५६

शिवानन्दभट्ट—
वैद्यरत्न ३४

शिवादित्य—
सप्तपदार्थी (टीका) २००

ब्र० शीतलप्रसादजी—
समाधिशतक भाषा २०८
इष्टोपदेश भाषा २१४

शीलभद्र—
मुक्तावली कथा ३७२

शुभचन्द्राचार्य—
ज्ञानार्णव १५, २०२, ३४६

शुभचन्द्र (भट्टारक)
पाण्डवपुराण १६, २१६
श्रेणिक चरित्र १६, २३१
अष्टाह्निका कथा ४८
सुभाषितार्णव ४४, २८८
स्वामी कार्तिकेयानुप्रेक्षा टीका १६१
करकंडु चरित्र २२०
नंदीश्वर कथा २३७
सहस्रगुणी पूजा ६६, ३१८
जीवंधर चरित्र २२१
पंचपरमेष्ठिपूजा ६४, ३१४, ३६५
कर्मदहन पूजा ३०८
त्रिंशच्चतुर्विंशति पूजा ३१०, ३८६
पल्यविधान ३१४
सार्द्ध द्वयद्वीप पूजा ३१८
त्रिलोक पूजा ३४६

शेखर—
मंत्रौषध १११

कुंवर शेरसिंह—
वीरमदे की बात २२

श्री शोभन—
चतुर्विंशतिजिनस्तुति २१५

श्रवण पंडित—
चेतन बत्तीसी ८३

श्रीकृष्ण—
छहढाला १०१

श्रीकृष्ण—
योगरत्नावली २६६

श्रीकृष्ण गणक—
बीजगणित टीका २६१

श्रीचन्द्र—
रत्नकरण्ड शास्त्र १६७

श्रीधर—
श्रुतावतार २६, २५५

श्रीधराचार्य—
वज्रसूची उपनिषत् ७२

पं० श्रीधर—
सुकुमाल चरिउ २३३
भविष्यदत्त चरित्र २२७

श्रीपति भट्ट—
जातक पद्धति २७०
ज्योतिषरत्नमाला २७१

श्रुतकीर्त्ति—
- योगसार २०५

श्रुतमुनि—
- भावसंग्रह १६५
- त्रिभंगीसार १३७
- भावत्रिभंगी १४४

श्रुतसागर सूरि—
- तत्त्वार्थसूत्र टीका (संस्कृत)
- व्रतकथाकोश २०, १३५
- ज्ञानार्णव गद्य टीका २०४
- अनन्तव्रत कथा २०, २३५
- पल्यविधान व्रतकथा २३८
- मेघमाला व्रतोपाख्यान २३६
- सप्तपरमस्थानक कथा २४१
- यशोधर चरित्र २२८
- शान्तिनाथ स्तवन ३८५
- जिनसहस्र स्तोत्र टीका २६७
- श्रुतस्कंध पूजा ३१७

सकलकीर्त्ति—
- प्रश्नोत्तरश्रावकाचार ९, १६०
- आदिपुराण १५, २१०
- पार्श्वपुराण १६
- मल्लिनाथपुराण १६
- धन्यकुमारचरित्र १८, २२३
- यशोधर चरित्र १८, २२७, २२८
- शांतिनाथचरित्र १८, २३०
- सुकुमाल चरित्र १९, २३३
- श्रीपालचरित्र १९, २३१
- भावनापंचविंशतिकथा २२
- सुभाषितावलि ४४, ७४, २८८
- आराधनाप्रतिबोधसार ४६, ३४०
- नेमीश्वर गीत ९९
- सिद्धांतसार १४७
- सिद्धान्तसारदीपक १४८
- मूलाचार प्रदीप १६६
- उत्तर पुराण २१३
- सुदर्शन चरित्र २३४
- चतुर्विंशति तीर्थंकरस्तोत्र २९५
- मुक्तावली गीत ३३३
- पार्श्वनाथ चरित्र २२४
- प्रद्युम्नचरित्र २२५
- वर्द्धमान चरित्र २२९
- सुगन्ध दशमीकथा ३६६

मुनि सकलचन्द्र—
- जिनेन्द्रभवन स्तुति ३८५

सकलभूषण—
- उपदेश रत्नमाला १८९

सदानंद—
- सिद्धान्तचन्द्रिका वृत्ति २९, २६५

परमहंस परिव्राजकाचार्य सदानंद—
- वेदान्तसार १९९

सदासुखजी कासलीवाल—
- तत्त्वार्थसूत्रभाषा १३५
- भगवती आराधना भाषा १६४
- रत्नकरण्ड श्रावकाचार भाषा १६९
- समयसार भाषा १९०
- अकलंकाष्टक भाषा २९३
- देवसिद्ध पूजा ३१२

सन्तदास—
- ब्रह्मध्यान ३७८

समन्तभद्राचार्य—
देवागमस्तोत्र १३, १२३, १६६, ३५६, ३६६, ३८४
स्वयंभूस्तोत्र ५३, ७७, ८४, ६६, ११५, ३०५, ३५०, ३५६, ३५७, ३६४, ३८३
रत्नकरण्डश्रावकाचार १६७
जिनशतक २६६, ३५६
उपासकाध्ययन ३८४

समय सुन्दर—
दानशीलतप भावना संवाद ६४
क्षमाछत्तीसी ६४
रघुवंश टीका २५२

समयसुन्दरोपाध्याय—
भक्तामरस्तोत्रटीका ५०

संवेगसुन्दर—
सारसीखामणरास ३७६

सहस्रकीर्त्ति—
त्रिलोकसार टीका २८४

सागरगणि—
मानमंजरी ३२६

सागरचन्द्रसूरि—
इलापुत्रऋषिगीत ८२

सागरसेन—
त्रिलोकसार टीका २८४

सायणाचार्य—
माधवीयधातुवृत्ति २६०

सार कवि—
चौबीसी जिन स्तवन ८४

सिद्धसेन—
सन्मतितर्क २००
पार्श्वनाथस्तवन ३३७

महाकवि सिंह—
प्रद्युम्न चरित्र २२४

सिंहनन्दि—
जिनमंगलाष्टक १२३
णमोकार कल्प २७५

पं० सुखलाल—
सामायिक पाठ ३०५

सुखानन्द—
पंचमेरु पूजा ६६

सुन्दरदास—
सुन्दर श्रृंगार १०३
पाखंड पंचासिका ३४६

सुधासागर—
पञ्चकल्याणक पूजा ३६६

सुप्रभाचार्य—
सुप्पयदोहा ४३
प्रश्नदोहा ३३७
दोहावली ३८१

सुमतिकीर्त्ति—
धर्मपरीक्षा ७०
कर्मकाण्डटीका १२६
त्रैलोक्यसार टीका ३७४
रघुवंशटीका २५

सुमतिसागर—
दशलक्षणव्रतोद्यापन पूजा ६०
समस्ततीर्थ जयमाल ६७

जिनसहस्रनामपूजा ३६५

वृहत्षोडशकारण पूजा ३८६

सुमन कवि—

दूतांगद २७

भ० सुरेन्द्रकीर्त्ति—

अष्टाह्निका कथा २०

कल्याणमन्दिर पूजा ५७

नेमिनाथपूजा ६२

पुरंदरव्रतपूजा ६२

पंचकल्याणपूजा ६३

पंचमासचतुर्दशी व्रत पूजा ६४

श्री सुश्रुत—

सुश्रुत संहिता २६६

सूरत—

बारहखडी ११, ३४७

सेवाराम साह—

चौबीसतीर्थंकरपूजा ५६

मानज्ञान संग्राम ८५

धर्मोपदेश संग्रह ८

सोमकीर्त्ति—

यशोधररास ३७६

आचार्य सोमकीर्त्ति—

सप्तव्यसन कथा २४१

प्रद्युम्न चरित्र २२५

यशोधर चरित्र २२८

सोमतिलकसूरि—

लघुस्तवन टीका ३०२

सोमदत्त—

कर्मदहनपूजा ५७

सोमदेव सूरि—

यशस्तिलक चम्पू २५१

सोमनाथ—

रसपीयूष ४२

सोमप्रभाचार्य—

सूक्तिमुक्तावलि, २६

शृंगारवैराग्य तरंगिणी २८०

सिंदूर प्रकरण ३६४

सोमसुन्दर—

समवशरणस्तवन ८१

सोमसूरि—

आराधना कुलक ८२

सोमसेन—

पुरंदरव्रतोद्यापनपूजा ६२

पार्श्वनाथ स्तवन १०६

सोमसेन (भट्टारक)

त्रिवर्णाचार ७, १५५

पद्मपुराण १५, २१४

सौभाग्यगणि—

प्राकृत दीपिका (टीका) २५६

स्योजीराम—

कवित्त ६५

महाकवि स्वयंभु त्रिभुवन स्वयंभु—

पउमचरित्र २४६

स्वरूपचन्द—

सिद्धपूजा ६६

चौसठ ऋद्धि पूजा ५६, ३०६

त्रिलोकसार भाषा २८४

ऋषि ऋद्धिशतक ३०२

वृहत्गुरावली पूजा ३१६

सहस्रनाम पूजा ३१८

स्वात्माराम योगीन्द्र—
हठ प्रदीप ३९२

स्वामिकुमार—
द्वादशानुप्रेक्षा १०

हृदयराम—
बाईसपरीषह ७५

हयग्रीव—
प्रश्नावलि ३६

हर्ष—
नैषध चरित्र २४८

हर्षकीर्त्ति—
ज्योतिषसार ३६, १२४
सूक्ति मुक्तावली टीका २९०
भक्तामरस्तोत्र टीका २९९
लब्धिविधान पूजा ३१६
कर्म हिंडोला ३४८

हर्षकीर्त्ति—
धातुपाठ २७
योगचिंतामणि ३२, २६९
चतुर्गतिवेलि ७३, ७९
छहलेश्याकवित्त ७६
भजन व पदसंग्रह ७९
पंचम गति की वेलि ८३, ९०

हर्षचन्द्र—
पचमीव्रतोद्यापनपूजा ६४
खण्ड सूत्र १९५

हर्षरत्न—
ताजिकशास्त्र टीका २७२

हर्षवर्धन—
अध्यात्म बिन्दु १७८

पं० हरिचन्द्र—
अनस्तमितिव्रताख्यान ३५२, ३५६,
३६१, ३७३

महाकवि हरिचन्द्र—
धर्मशर्माभ्युदय २४७

हरिनाथ—
वैद्यजीवन भाषा ३४

हरिनाभ मिश्र—
संस्कृतमंजरी ३२६

हरिभद्रसूरि—
षड्दर्शनसमुच्चय १३
योगदृष्टि २०५

हरिषेणाचार्य—
कथाकोश २३६

हानभान—
बारह अनुप्रेक्षा ९५

हिङ्गनाथ—
योगरत्नावलि ३३

हीराचन्द—
पदसंग्रह २९८

पं० हीरानन्द—
पंचास्तिकाय भाषा १४४
समवशरण स्तोत्र ३०३
द्रव्य संग्रह भाषा ३३२
एकीभाव स्तोत्र ३४२, ३६९, ३९५

हेमाचार्य—
अर्हन्नाम सहस्र २९३

ब्रह्म:हेम—
श्रुतस्कंध ३६०, ३८४

आचार्य हेमचन्द्र—
  शब्दानुशासन २८, २६०
  अभिधानचिंतामणि नाममाला ३०,२६६
  प्रमाण मीमांसा १९८
  श्रुतस्कंध २५५
  अनेकार्थ संग्रह २६५
  त्रिषष्ठिशलाका पुरुष चरित्र २२१
  हेमाष्टकध्याय ३८७

मुनि हेमचन्द्र—
  नेमिकुमार की चूँदडी २३७

हेमचन्द्र सूरि—
  अध्यात्मोपनिषन्नियोग

हेमनन्दन—
  आनन्दश्रावक संघ ३३१

हेमप्रभ सूरि—
  भुवनदीपक २७३

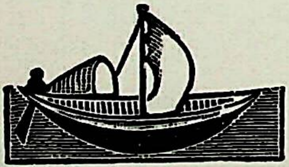हेमराज—
  जीवसमास २
  नयचक्रभाषा ४, १९६
  श्वेताम्बर मत के ८४ भेद ९
  प्रवचनसार भाषा ११, १८३
  भक्तामरस्तोत्र भाषा ४९, ७५, ८३, ९८, १०८
    ११०, ११२, ११४, ११८, २९९, ३३०
    ३४२, ३४५
  चौरासी बोल ११०, १५४, ३६०
  कर्मकाण्ड भाषा १२६, १३१
  पंचास्तिकायभाषा १४३
  परमात्म प्रकाश भाषा १८२
  हितोपदेश बावनी २९१